THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 227 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष कृ.9 2082 गुरुवार, 13 नवंबर-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

मुंबई में 15 करोड़ का सोना जब्त

डीआरआई ने 11 तस्करों को गिरफ्तार किया

मुंबई, 12 नवंबर (एजेंसियां)। डीआरआई ने कार्रवाई करते हुए सोने की तस्करी करने वाले गिरोह का पकड़ लिया है। टीम ने 11 आरोपियों को गिरफ्तार कर 11.88 किलो सोना (15 करोड़) और 8.77 किलो चांदी (13.77 लाख) बरामद की है। तस्कर कालबादेवी और मझगांव के ठिकानों पर अंडाकार कैप्सूल में लाए गए सोने को पिघलाकर बाजार में बेचते थे। बरामद चांदी को सोने की बिक्री की कमाई बताया गया है। मामले में करीब 5.27 करोड़ के शुल्क की चोरी हुई है। डीआरआई विदेशी कड़ी और हवाला नेटवर्क की जांच कर रही है।

दिल्ली ब्लास्ट से जुड़ी दूसरी कार मिली

फरीदाबाद/नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली विस्फोट में शामिल डॉक्टर उमर की दूसरी गाड़ी भी पुलिस ने बरामद कर लिया है। यह कार खान्दवली गांव से बरामद होने की बात सामने आई है। पुलिस जांच पड़ताल में जुटी है। डीसीपी क्राइम मुकेश मल्होत्रा ने इसकी पुष्टि की है। लाल रंग की इस कार को लेकर खुफिया एजेंसियों ने अलर्ट जारी किया था। इस कार का नंबर डीएल 10 सीके 0458 है। यह दिल्ली के राजौरी गार्डन अथॉरिटी से पंजीकृत है। दिल्ली ब्लास्ट की जांच में जुटी एजेंसियों के हवाले से जानकारी सामने आई थी लाल कार का भी विस्फोट में इस्तेमाल किया गया। इसके बाद खुफिया एजेंसियों ने इस कार नंबर बताते हुए बड़ा अलर्ट जारी किया था। सोमवार को दिल्ली में लाल किले के नजदीक i20 कार में विस्फोट हुआ था। इस घटना में 12 लोगों की मौत हो गई थी।

पुलिस को यह कार जिस गांव से बरामद हुई है। वह गांव बल्लभगढ़ में आता है। फरीदाबाद के धौज में विस्फोटक की बरामगी और फिर दिल्ली में ब्लास्ट के बाद हरियाणा पुलिस हाई अलर्ट पर है। मंगलवार को पुलिस की बड़े दस्ते ने धौज और आसपास के गांवों में कांबिंग के साथ सर्च ऑपरेशन चलाया था। पुलिस ने नौ खतरनाक अपराधियों को भी अरेस्ट किया था। इस कार को लेकर अलर्ट सामने आने के बाद दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में सनसनी थी। आशंका व्यक्त की गई थी। इसका कार में विस्फोटक हो सकता है। पुलिस ने कार की बरामदगी की पुष्टि की है, हालांकि कार में क्या मिला है। अभी इसका ब्योरा सामने नहीं आया है।

पीएम मोदी अस्पताल में घायलों से मिले

दिल्ली ब्लास्ट- डीएल10-सीके-0458 नंबर की लाल इकोस्पोर्ट की तलाश

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भूटान से लौटते हुए एयरपोर्ट से सीधे एलएनजेपी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायलों के इलाज का जायजा लिया और डॉक्टरों से बात की। प्रधानमंत्री ने कहा कि साजिश को अंजाम देने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

सूत्रों के मुताबिक धमाकों की साजिश जनवरी से की जा रही थी। फरीदाबाद से गिरफ्तार डॉ. शाहीन शाहिद ने बताया कि वह पिछले दो साल से विस्फोटक जमा कर रही थी।

शाहीन और उसके साथी फरीदाबाद के एक वाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल से जुड़े थे। यानी इसमें शामिल लोग पेशेवर थे। इनका ग्रुप फरीदाबाद की अल फलाह यूनिवर्सिटी से गतिविधियां चला रहा था। इस मॉड्यूल में शामिल आतंकी जैश-ए-मोहम्मद और अंसार गजवत-उल-हिंद नाम के संगठनों जुड़े थे।

मोदी ने सुरक्षा मामलों की कैबिनेट कमेटी की बैठक ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने बुधवार शाम सुरक्षा मामलों की कैबिनेट कमेटी की बैठक बुलाई। बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद रहे। दिल्ली लाल किला धमाके के बाद मोदी ने यह बैठक ली है। ऑपरेशन सिंदूर के पहले भी मोदी ने सुरक्षा मामलों की कैबिनेट कमेटी की बैठक ली थी।

बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल, विदेश मंत्री एस जयशंकर भी मौजूद रहे। बैठक में दिल्ली लाल किला धमाके में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी गई और 2 मिनट का मौन रखा गया। बता दें कि पीएम मोदी ने इसी तरह पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद भी सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक की थी।

पीएम नरेन्द्र मोदी दिल्ली ब्लॉस्ट के घायलों से मिलने लोक नायक जयप्रकाश नारायण अस्पताल पहुंचे । उन्होंने डॉक्टरों से उचित इलाज का प्रबंध करने के निर्देश दिये।

कुपोषण से 65 बच्चों की मौत पर बंबई हाईकोर्ट सख्त

कहा- सरकार का रवैया बेहद लापरवाह

मुंबई, 12 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के आदिवासी बहुल मेलघाट क्षेत्र में कुपोषण से बच्चों की मौत पर बंबई हाईकोर्ट ने बुधवार को राज्य सरकार को कड़ी फटकार लगाई। अदालत ने कहा कि शून्य से छह माह तक की उम्र के 65 बच्चों की मौत भयावह स्थिति को दर्शाती है। कोर्ट ने सरकार के बेहद लापरवाह रवैये पर गहरी नाराजगी जताई और कहा कि यह मुद्दा चिंता का विषय होना चाहिए।

जस्टिस रेवती मोहिटे डेरे और जस्टिस संदीश पाटिल की खंडपीठ ने कहा कि राज्य सरकार का रवैया बेहद कैजुअल है। अदालत ने कहा कि यह भयावह है। सरकार को चिंता होनी चाहिए।

जिस तरह से हम चिंतित हैं, उसी तरह आप लोगों को भी होना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि कुपोषण से होने वाली मौतें बताती हैं कि सरकार केवल कागजों में सब कुछ सही दिखा रही है, जबकि जमीनी हकीकत कुछ और है।

अदालत ने कहा कि इस मामले पर 2006 से आदेश पारित किए जा रहे हैं, लेकिन स्थिति में सुधार नहीं हुआ है। अदालत ने कहा कि यह सरकारी लापरवाही का स्पष्ट उदाहरण है। यह बेहद दुखद स्थिति है। सार्वजनिक स्वास्थ्य के मुद्दे को सरकार ने हल्के में ले लिया है, न्यायालय ने टिप्पणी की। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इस तरह की मौतें अस्वीकार्य हैं और सरकार को तत्काल ठोस कदम उठाने होंगे।

कोर्ट ने राज्य सरकार के चार विभागों जन स्वास्थ्य, आदिवासी कार्य, महिला एवं बाल विकास और वित्त के प्रधान सचिवों को 24 नवंबर को अदालत में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का आदेश दिया। अदालत ने उनसे कहा कि वे इस मुद्दे पर उठाए गए कदमों की विस्तृत जानकारी शपथपत्र के रूप में पेश करें। कोर्ट ने कहा कि अब जवाबदेही तय करना जरूरी है।

भारत के प्रति यूनुस की दुश्मनी आत्मघाती

शेख हसीना ने बांग्लादेश लौटने की शर्त भी बताई

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा है कि उनके बांग्लादेश लौटने की पहली शर्त सहभागी लोकतंत्र की बहाली है। पूर्व पीएम ने ये भी कहा कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस की भारत के प्रति दुश्मनी बेवकूफी और आत्मघाती है। उन्होंने कहा कि भारत-बांग्लादेश के संबंध बहुत गहरे हैं और ये यूनुस के बेवकूफी भरे अंतराल के बावजूद मजबूत रह सकते हैं।

भारत में एक अज्ञात स्थान से दिए इंटरव्यू में बांग्लादेश की अपदस्थ पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा कि भारत हमेशा से बांग्लादेश का सबसे अहम अंतरराष्ट्रीय साझेदार रहा है। शेख हसीना ने कहा कि 'यूनुस की भारत के प्रति दुश्मनी बेवकूफी भरी और आत्मघाती है। इससे पता चलता है कि वह कितने कमजोर, गैर निर्वाचित, अराजक राजा हैं, जो कट्टरपंथियों के समर्थन पर निर्भर हैं।' शेख हसीना ने कहा कि 'मैं उम्मीद करती हूं कि वे मंच छोड़ने से पहले बहुत ज्यादा कूटनीतिक गलतियां नहीं करेंगे।'

भारत और बांग्लादेश के संबंधों में आए तनाव को लेकर शेख हसीना ने कहा कि बांग्लादेश की मौजूदा अंतरिम सरकार देशवासियों और खासकर बांग्लादेश की महिलाओं का प्रतिनिधित्व नहीं करती है। भारत हमेशा से हमारे देश का सबसे अहम दोस्त रहा है और आगे भी रहेगा।

शेख हसीना ने भारत में शरण देने के लिए भारत सरकार को धन्यवाद दिया और कहा कि वे भारत और इसके लोगों की मेहमाननवाजी की शुक्रगुजार हैं, साथ ही उन्होंने अपने बांग्लादेश लौटने की शर्त भी बताई। उन्होंने कहा 'मेरे बांग्लादेश लौटने की सबसे जरूरी शर्त वही है, जो बांग्लादेश के लोग भी चाहते हैं।

शिवसेना-एनसीपी चुनाव चिन्ह विवाद

सुप्रीम कोर्ट में 21 जनवरी को अंतिम सुनवाई

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के चुनाव चिन्ह विवादों की अंतिम सुनवाई की तारीख 21 जनवरी 2026 तय की है। दोनों मामलों को एक साथ सुना जाएगा। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने कहा कि जरूरत पड़ने पर 22 जनवरी को भी सुनवाई की जा सकती है।

शिवसेना (उद्धव गुट) ने अपनी याचिका में चुनाव आयोग के फरवरी 2023 के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें एकनाथ शिंदे के गुट को असली शिवसेना माना गया और उन्हें "धनुष-बाण' का चुनाव चिन्ह दिया गया। उद्धव ठाकरे गुट का कहना है कि चुनाव आयोग ने पार्टी के संगठन में कौन ज्यादा मजबूत है, यह देखने के बजाय सिर्फ विधायकों की संख्या को महत्व दिया।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

पंजाब-हरियाणा से पराली पर भी मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली-एनसीआर में खतरनाक स्तर पर पहुंच चुके वायु प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सख्त रुख अपनाया। अदालत ने पंजाब और हरियाणा सरकारों से पराली जलाने पर नियंत्रण के लिए उठाए गए कदमों की विस्तृत जानकारी मांगी है। कोर्ट ने कहा कि स्थिति और न बिगड़े, इसके लिए दोनों राज्यों को जवाब देना होगा।

मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई, न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन और एन.वी. अंजारिया की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए इसे 17 नवंबर को फिर से सुनने का निर्णय लिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि अगर पराली जलाने पर तत्काल नियंत्रण नहीं पाया गया तो हालात और गंभीर हो जाएंगे। वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि फिलहाल जीआरएपी-III लागू है, लेकिन प्रदूषण का स्तर देखते हुए जीआरएपी-IV लागू किया जाना चाहिए।

एमिकस क्यूरी अपराजिता सिंह ने कोर्ट को बताया कि पंजाब और हरियाणा में बड़े पैमाने पर पराली जलाने की घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने नासा की सैटेलाइट तस्वीरों का हवाला देते हुए कहा कि इन दोनों राज्यों से निकलने वाला धुआं दिल्ली-एनसीआर की हवा को और जहरीला बना रहा है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग से भी हलफनामा मांगते हुए पूछा कि अब तक प्रदूषण रोकने के लिए कौन-कौन से ठोस कदम उठाए गए हैं।

विमान को बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई से वाराणसी जा रही फ्लाइट में सवार थे 182 यात्री, इमरजेंसी लैंडिंग

वाराणसी, 12 नवंबर (एजेंसियां)। मुंबई से वाराणसी जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट को बीच उड़ान के दौरान बम की धमकी मिलने की सूचना है। इसके बाद वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया।

विमान की तुरंत इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। इसके बाद उसे आइसोलेशन में भी ले जाया गया। सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जबकि बम निरोधक दस्ते द्वारा विमान की विस्तृत जांच की जा रही है। अधिकारी धमकी के स्रोत की जांच शुरू कर चुके हैं।

मुंबई से वाराणसी पहुंचे एयर इंडिया एक्सप्रेस विमान में बम की सूचना से हड़कंप गया था। यात्रियों को विमान से सुरक्षित उतारने के बाद सर्च ऑपरेशन शुरू हो गया। सीआईएसएफ के साथ स्थानीय पुलिस भी सर्च ऑपरेशन में शामिल रही। विमान में 182 यात्री सवार थे।

गुजरात के भरूच में हादसा

दवा फैक्ट्री में बॉयलर फटने से दो मजदूरों की मौत; करीब 20 कर्मी जख्मी

भरूच, 12 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात के भरूच जिले में एक दवा फैक्टरी में बॉयलर फटने और उसके बाद आग लगने से दो श्रमिकों की मौत हो गई है। जबकि 20 कर्मियों के घायल होने की सूचना है। यह घटना सायखा जीआईडीसी इलाके में स्थित फैक्ट्री में तड़के करीब 2.30 बजे हुई। भरूच के जिला कलेक्टर गौरांग मकवाना ने कहा, 'फैक्ट्री के अंदर एक शक्तिशाली बॉयलर विस्फोट के कारण भीषण आग लग गई।' उन्होंने बताया कि बाद में आग पर काबू पा लिया गया।

उन्होंने कहा, 'विस्फोट इतना जोरदार था कि फैक्टरी की पूरी इमारत ढह गई। ज्यादातर मजदूर किसी तरह बच निकलने में कामयाब रहे, लेकिन दो फंस गए और उनकी मौत हो गई। आग बुझने के बाद उनके शव मलबे से बरामद किए गए। इस घटना में लगभग 20 मजदूर मामूली रूप से घायल हुए हैं

जिला कलेक्टर गौरांग मकवाना के अनुसार, औद्योगिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य निदेशक (डीआईएसएच) के अधिकारी भी घटना की जांच के लिए घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। उन्होंने बताया कि वे जांच कर रहे हैं कि फैक्टरी के पास सभी आवश्यक लाइसेंस और अनुमतियां थीं या नहीं।

बोत्सवाना से मिलने वाले हैं 8 चीते

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की यात्रा के दौरान होगा समझौता

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अफ्रीकी देश बोत्सवाना के दौरे पर हैं। उनकी इस यात्रा का मकसद भारत और बोत्सवाना के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना है। इसके साथ ही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 8 कालाहारी रेगिस्तानी चीतों को भारत भेजने के समझौते को अंतिम रूप देंगी। आपको बता दें कि भारत में चीते विलुप्त हो गए थे। इसके बाद भारत सरकार ने प्रोजेक्ट चीता शुरू किया और अन्य देशों से चीता लाकर उन्हें देश में बसाया गया। भारत ने दो बैच में नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से चीतों को मंगाया था। अब बोत्सवाना तीसरा देश होगा जहां से चीते भारत लाए जाएंगे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मंगलवार को बोत्सवाना की राजधानी गाबोरोने पहुंचीं। यहां एयरपोर्ट पर उनका स्वागत राष्ट्रपति डुमा गिदोन बोको ने किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को 21 तोपों की सलामी और गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। किसी भारतीय राष्ट्रपति की यह बोत्सवाना की पहली राजकीय यात्रा है। अपनी तीन दिवसीय यात्रा के दौरान, राष्ट्रपति मुर्मू अपने समकक्ष राष्ट्रपति बोको के साथ प्रतिनिधिमंडल-स्तरीय वार्ता करेंगी।

भारत और बोत्सवाना के बीच व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, कृषि और रक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिये कई समझौते हो सकते हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बुधवार को बोत्सवाना की राष्ट्रीय सभा के सांसदों को भी संबोधित करेंगी। इस यात्रा का एक अहम पहल होगा जब 8 चीतों को क्वारंटाइन सुविधा में छोड़े जाएगा। ये चीते कालाहारी रेगिस्तान में स्थित घान्जी शहर से लाए गए हैं

भारत में पहली बार साल 2022 में नामीबिया से 8 चीते लाए गए। वहीं, इसके बाद चीतों की दूसरी खेप फरवरी 2023 में दक्षिण अफ्रीका से आई थी। इस खेप में 12 चीते लाए गए थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत में वर्तमान में कुल 27 चीते हैं। इन्हें कुनो और गांधीसागर पार्क में रखा गया है। इनमें से 16 चीते ऐसे हैं जो भारत में पैदा हुए थे।

एक्ट्रेस कंगना पर आगरा में चलेगा राष्ट्रद्रोह का केस

आगरा, 12 नवंबर (एजेंसियां)। आगरा में कंगना रनोट के खिलाफ किसानों के अपमान और राष्ट्रद्रोह का केस चलेगा। बुधवार को जिला अदालत ने कंगना के खिलाफ दायर रिवीजन को स्वीकार कर लिया। कोर्ट ने कहा- जिस निचली अदालत ने कंगना के वाद को निरस्त किया था। अब उसी कोर्ट में इस मामले की सुनवाई होगी।

हिमाचल प्रदेश के मंडी से भाजपा सांसद कंगना रनोट के खिलाफ किसानों के अपमान और राष्ट्रद्रोह का वाद दायर है। उन पर राष्ट्रद्रोह का केस दर्ज कराने की मांग की गई है। आगरा में स्पेशल जज एमपी-एमएलए लोकेश कुमार की कोर्ट में इसकी सुनवाई हुई।

जो वंदे मातरम नहीं गा सकता, वह भारतीय नहीं हो सकता: हिमंत सरमा

गुवाहाटी, 12 नवंबर (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस के लोग कहते हैं कि महिलाओं की दी गई दस हजार की राशि बेकार है। लेकिन जब वे लुंगी-धोती बांटते हैं, क्या वह पैसों की बर्बादी नहीं है? गुवाहाटी में एक कार्यक्रम को सबोधित करते हुए मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि क्या महिलाओं को दस हजार रुपये देना गलत है? वे तो हर पांच साल में केवल एक बार लुंगी, धोती और मच्छरदानी देते हैं। हमने जब महिलाओं को बुलाया, तो यह नहीं पूछा कि किसने कांग्रेस को वोट दिया था। हमारा उद्देश्य है कि असम की हर महिला 'लखपति दीदी' बने।'

दिल्ली में हाल ही में हुए धमाके पर मुख्यमंत्री सरमा ने कहा, हमें सिखाया गया था कि अगर लोग शिक्षित होंगे, तो उग्रवाद खत्म हो

जाएगा। लेकिन अब देखिए, शिक्षा उन्हें और खतरनाक बना रही है। डॉक्टर बनने के बाद भी कुछ लोग और अधिक खतरनाक हो जाते हैं। जो 'वंदे मातरम' नहीं गा सकता, वह भारतीय नहीं हो सकता। जो भारतीय नहीं, वह कभी भारत माता को अपनी मां नहीं मान सकता। इसलिए हमें हमेशा सतर्क रहना होगा। अगर किसी की नीयत खराब है, तो शिक्षित होकर भी वह बम बना सकता है। पढ़ा-लिखा होना अच्छे कर्मों की गारंटी नहीं है।

उन्होंने आगे कहा, गिरफ्तार किए गए से एक डॉक्टर 'लव जिहाद' में शामिल था। कॉलेज के समय वह हिंदू महिलाओं को फंसाकर मुस्लिम पुरुषों से शादी करवाता और धर्म परिवर्तन कराता था। इसलिए हमें हमेशा चौकन्ना रहना चाहिए। जैसे ही हम ढीले पड़ते हैं, घटनाएं हो जाती हैं। हमें पहलगाम और दिल्ली से सबक लेना होगा।

वहीं, दिल्ली में विस्फोट को लेकर आपत्तिजनक और भड़काऊ ऑनलाइन कंटेंट फैलाने के आरोप असम पुलिस ने मतिउर रहमान (दर्रांग), हसन अली मंडल (गोलपारा), अब्दुल लतीफ (चिरांग), वजहुल कमाल (कामरूप) और नूर अमीन अहमद (बोंगईगांव) को गिरफ्तार किया गया है।

इंस्पेक्टर भूषण कुमार मामले में बाल आयोग के आदेश डीएसपी फिल्लौर पर केस दर्ज कर करें गिरफ्तार

जालंधर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। जालंधर के थाना फिल्लौर में तैनात इंस्पेक्टर भूषण कुमार पर नाबालिग बच्ची के साथ अश्लील हरकतें करने और एक महिला से वीडियो कॉल पर अभद्र बातचीत करने का गंभीर मामला सामने आया था। इस घटना के बाद पूरे पुलिस विभाग में हलचल मच गई थी। अब पंजाब राज्य बाल अधिकार सुरक्षा आयोग ने मामले में सख्त कार्रवाई के आदेश दिए हैं। आयोग ने निर्देश दिया है कि डीएसपी फिल्लौर बल्ल के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे तुरंत गिरफ्तार किया जाए।

वहीं इंस्पेक्टर भूषण कुमार पर महिला से अश्लील बातचीत करने का मामला दर्ज करते हुए धारा 21 भी जोड़े जाने के आदेश दिए गए हैं। सूत्रों के अनुसार, आयोग के हस्तक्षेप के बाद आने वाले कुछ दिनों में एसएसपी देहाती पर भी एक्शन लिया जा सकता है। यह मामला पुलिस विभाग की कार्यशैली और जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

'हां, गैंगस्टर्स का केस लड़ता हूं...

एसटीएफ ने बिना वजह बताए वकील को किया अरेस्ट, एससी ने तुरंत छोड़ने को कहा

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को गुरुग्राम पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) को हत्या के एक मामले में गिरफ्तार वकील को तत्काल छोड़ने का आदेश दिया। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई, जस्टिस एनवी अंजारिया और जस्टिस विनोद चंद्रन की बेंच ने ये आदेश सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने गिरफ्तार वकील विक्रम सिंह की ओर से पेश अधिवक्ता की दलीलें सुनने के बाद 10 हजार रुपये की जमानत बॉन्ड पर तत्काल रिहा करने का आदेश दिया।

इसके साथ ही अदालत ने मामले की 19 नवंबर, 2025 को अगली सुनवाई तय कर दी।

गिरफ्तार किए गए वकील विक्रम सिंह जुलाई, 2019 से दिल्ली बार काउंसिल के सदस्य हैं और फिलहाल फरीदाबाद जेल में बंद हैं। याचिका में कहा गया है कि पेशेवर जिम्मेदारियां निभाने के चलते याचिकाकर्ता को कई मुवक्किलों

के आपराधिक मुकदमों में पेश होना पड़ा। याचिका के अनुसार विक्रम सिंह को तब निशाना बनाया गया, जब उन्होंने कोर्ट में एक आवेदन दायर किया। इसमें उनके मुवक्किल ज्योति प्रकाश उर्फ बाबा पर एसटीएफ की हिरासत में हमला किया गया। इस हमले में उनके मुवक्किल का पैर टूट गया था। सीजेआई गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने गुरुग्राम पुलिस कमिश्नर को तत्काल ये आदेश पहुंचाने के भी निर्देश दिए। गिरफ्तार वकील की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने कहा कि आपराधिक कानूनों की प्रैक्टिस करने वाले कोई भी शख्स अब इस तरह के बलपूर्वक तरीकों के इस्तेमाल के प्रति संवेदनशील होगा। अधिवक्ता विकास सिंह ने कहा कि गिरफ्तार किए गए वकील कई गैंगस्टर्स का मुकदमा लड़ रहे थे, लेकिन वकीलों के खिलाफ पुलिस के इस तरह के जुल्म नाजायज हैं। सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले का जिक्र कर विकास सिंह ने कहा कि गिरफ्तार किए गए शख्स को गिरफ्तारी के आधार को लिखित रूप में उसकी समझ सकने वाली भाषा में उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि एसटीएफ ऐसा करने में विफल रहा। सीजेआई गवई ने दलीलें सुनने के बाद कहा, "याचिकाकर्ता एक वकील हैं और उनके कानूनी प्रक्रिया से बचने की संभावना नहीं है।'

' सुनवाई के दौरान ये बात भी सामने आई कि एसटीएफ के अधिकारी गिरफ्तार किए गए वकील के संपर्क में थे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, "याचिकाकर्ता का कहना है कि असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर के कहने पर वह पुलिस स्टेशन गया था। जहां उसे बिना गिरफ्तारी का कारण बताए ही हिरासत में ले लिया गया।" याचिका में सुप्रीम कोर्ट से गिरफ्तार वकील के खिलाफ लगाए गए सभी आपराधिक मुकदमों को खत्म करने की मांग की गई। इनमें हत्या और आर्म्स एक्ट के तहत दर्ज मुकदमे शामिल हैं।

दिल्ली नंबर की गाड़ी में मिले एक करोड़ रुपये, कार सवार नहीं दे पाए जवाब; सभी हिरासत में

रोहतक, 12 नवंबर (एजेंसियां)। रोहतक पुलिस ने जांच के दौरान रोहतक में दोपहर दिल्ली नंबर की एक गाड़ी से एक करोड़ रुपये बरामद किए हैं। गाड़ी में चार युवक सवार थे। कार सवार युवक झज्जर की ओर से रोहतक आ रहे थे। पुलिस ने चारों युवकों को हिरासत में ले लिया है। पूछताछ में आरोपी युवक नकदी के बारे में कुछ नहीं बता पाए। प्रभारी थाना शिवाजी कॉलोनी निरीक्षक राकेश सैनी के नेतृत्व में थाना टीम जलेबी चौक पुल के नीचे नाकाबंदी कर वाहनों की जांच कर रही थी।

इसी दौरान झज्जर की तरफ से आ रही कार को जांच के लिए रोका। इसमें चार युवक सवार थे। इसमें रोहतक की जनता कॉलोनी निवासी अमित व दिल्ली निवासी प्रमोद, सुमित और चालक रवि सवार थे। कार में पीछे की सीट पर बैठे दो युवकों के पास एक-एक पिट्ठू बैग मिला। इसमें 500-500 रुपये व 100-200 के नोटों के बंडल भरे थे। जांच करने पर यह राशि कुल एक करोड़ रुपये हुई।

यू-ट्यूबर ज्योति मल्होत्रा ने हाईकोर्ट से मांगी जमानत

जासूसी के आरोपी में किया गया है गिरफ्तार

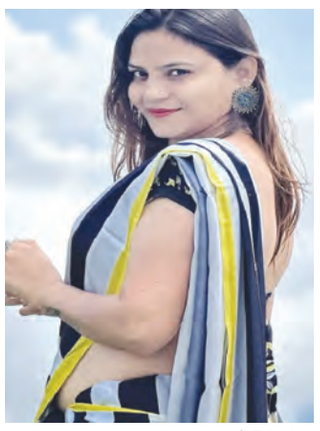

चंडीगढ़, 12 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में गिरफ्तार यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा ने जमानत के लिए पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में याचिका लगाई है। ज्योति मल्होत्रा के वकील कुमार मुकेश ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। जिस पर अभी सुनवाई नहीं हो सकी है। 23 अक्तूबर को हिसार सेशन कोर्ट ने ज्योति की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। यूट्यूब चैनल चलाने वाली ज्योति मल्होत्रा (33) को हिसार सिविल लाइन थाना पुलिस ने 16 मई को पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। ज्योति के खिलाफ पुलिस ने करीब 2500 पेज की चार्जशीट तैयार कर अदालत को सौंपी थी। जिसका कुछ हिस्सा संवेदनशील होने के चलते ज्योति को नहीं सौंपा गया। ज्योति मल्होत्रा की जमानत के लिए मई महीने में उनके वकील ने लोअर कोर्ट में याचिका दायर की थी। लोअर कोर्ट ने जमानत याचिका खारिज कर दी थी। जिसके बाद ज्योति के वकील कुमार मुकेश ने अक्तूबर में एडीजे की अदालत में याचिका दायर की। एडीजे की अदालत ने भी जमानत याचिका को खारिज कर दिया था।

अदालत ने जमानत याचिका खारिज करने के मामले में लिखा कि रिकॉर्ड के अनुसार प्रथम दृष्टया काफी गंभीर मामला है। आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम और बीएनएस प्रावधानों के तहत आरोपी के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण से फोरेंसिक सामग्री बरामद की गई है। एसएमएसी (मल्टी-एजेंसी सेंटर) खुफिया इनपुट और परिस्थितिजन्य विदेशी अधिकारियों के साथ संपर्कों का मैट्रिक्स और संवेदनशील क्षेत्रों में गतिविधियां क्षेत्र सामूहिक रूप से एक उचित आशंका पैदा करते हैं। जमानत देने पर जांच में बाधा उत्पन्न हो सकती है, डिजिटल डेटा से छेड़छाड़ की सुविधा हो सकती है।

फोटो मांग निजता को ठेस पहुंचाई

तीन महिला सफाई कर्मचारियों से मांगा मासिक धर्म का प्रूफ, सुप्रीम कोर्ट पहुंचा मामला

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) ने याचिका दाखिल करके महिलाओं और लड़कियों के लिए दिशा-निर्देश बनाने का आग्रह किया है ताकि वर्कप्लेस पर मासिक धर्म के दौरान उनकी हेल्थ, गरिमा और उनकी निजता के अधिकार का उल्लंघन न हो। एससीबीए ने उस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में यह याचिका दाखिल की है, जिसमें हरियाणा की महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी में महिला कर्मचारियों को इस बात का फोटोग्राफिक सबूत देने के लिए कहा गया कि उन्हें मासिक धर्म हो रहा है। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार एससीबीए ने अपील की है कि केंद्र और हरियाणा सरकार पूरे मामले की जांच करे। याचिका के अनुसार 26 अक्टूबर को हरियाणा के राज्यपाल का महर्षि दयानंद यूनवर्सिटी का दौरा था। ये कार्यक्रम रविवार को था और इसके लिए तीन महिला सफाई कर्मचारियों को आने के लिए कहा गया। महिला कर्मचारियों का कहना है कि सुपरवाइजर उनसे जल्दी-जल्दी काम करने के लिए कह रहे थे, जब उन्होंने बताया कि वे मासिक धर्म से हैं और उनकी तबीयत ठीक नहीं है तो उनसे इसका प्रूफ देने के लिए कहा गया। एससीबीए ने महिला कर्मचारियों की लिखित शिकायत का भी हवाला दिया है, जो उन्होंने यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार को की है।

एससीबीए ने अपनी याचिका में कहा, 'यह बहुत दुखद बात है कि सुपरवाइजर्स ने महिला कर्मचारियों से फोटोग्राफिक प्रूफ मांगा। उनसे कहा गया कि वे सैनेट्री पैड का फोटो भेजें। इतना ही नहीं उनके साथ बदतमीजी भी की गई और उनको अपशब्द बोले गए और उन्हें तब तक प्रताड़ित किया गया जब तक कि उन्होंने फोटोग्राफ नहीं दिए।' एससीबीए का कहना है कि इस तरह का ये कोई अकेला मामला नहीं है। एससीबीए ने द हिंदू की एक खबर का हवाला देते हुए कहा कि महाराष्ट्र के प्राइवेट स्कूल में भी ऐसा ही मामला देखा गया।

यहां 5-10वीं क्लास की छात्राओं को कन्वेंशन हॉल में बुलाकर प्रोजेक्टर पर फोटो दिखाई गईं, जिनमें टॉयलेट में ब्लड स्टेन पड़ थे। इसके बाद छात्राओं को टॉयलेट में ले जाकर चेक किया गया कि वे मासिक धर्म से हैं या नहीं। एससीबीए ने कहा कि ये घटनाएं संविधान के आर्टिकल 21 का उल्लंघन हैं, जो हर नागरिक को जीवन का अधिकार देता है। याचिका में कहा गया कि हर महिला कर्मचारी और खासतौर पर अनऑर्गेनाइज्ड वूमेन वर्कर्स को सभ्य कार्य स्थितियों का अधिकार है ताकि उन्हें मासिक धर्म के दौरान दर्द और बीमारी में अपमानजनक जांच का सामना न करना पड़े।

114 किलो वजनी पति की दोनों किडनी खराब

डोनर पत्नी की किडनी में भी निकले 8 स्टोन्स हार नहीं मानी, बचाई पति की जान

इंदौर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। इंदौर में एक 115 किलो वजनी व्यक्ति का सफल किडनी ट्रांसप्लांट किया गया। खास बात यह कि इतने फैटी व्यक्ति में किडनी ट्रांसप्लांट को लेकर रिस्क के साथ ही जटिलता और चुनौतियां भी थीं। पति के बार-बार मना करने के बाद भी पत्नी ने किडनी दी और पति की जान बचा ली। मरीज की पत्नी डायलिसिस के दौरान ही किडनी डोनेट करना चाहती थी, लेकिन पति रिस्क नहीं लेना चाहता था।

जब तीन साल तक डायलिसिस चलता रहा तो आखिरकार पत्नी ने जान बचाने के लिए अपने पति को मना लिया। पत्नी की किडनी ट्रांसप्लांट के लिए जांच की तो पता चला कि उसकी किडनी में 8

स्टोन्स हैं। इसके बाद भी पत्नी पीछे नहीं हटी। मेदांता हॉस्पिटल में डॉक्टरों ने दोनों को जब ऑपरेशन थिएटर में लिया तो पहले पत्नी की किडनी निकाली। फिर इसमें से आठों स्टोन्स निकाले। इसके बाद पति को ट्रांसप्लांट की। किडनी ट्रांसप्लांट होने के बाद अब पति को नया जीवन मिला है। दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं।

डिजिटल अरेस्ट से 58 करोड़ की ठगी का मामला

3 देशों में फैला नेटवर्क, भारत में अब तक की 2,000 करोड़ की ठगी

मुंबई, 12 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र साइबर पुलिस ने 58 करोड़ के डिजिटल अरेस्ट ठगी के मामले में बड़ा खुलासा किया है। जांच में सामने आया है कि ठगी की रकम तीन देशों हांगकांग, चीन और इंडोनेशिया के खातों और क्रिप्टो वॉलेट्स में ट्रांसफर की गई थी। यह मामला तब सामने आया जब मुंबई के एक 72 वर्षीय व्यापारी ने शिकायत दी कि कुछ लोगों ने खुद को सीबीआई और ईडी अधिकारी बताकर उन्हें कॉल किया और झूठे मामले में फंसाने की धमकी दी। पीड़ित को कई घंटों तक वीडियो कॉल पर रखा गया और मानसिक दबाव डालकर उससे 58 करोड़ रुपये ट्रांसफर करा लिए गए।

पुलिस की ओर से मिली जानकारी के मुताबिक, यह कोई अकेला मामला नहीं, बल्कि एक अंतरराष्ट्रीय साइबर फ्रॉड नेटवर्क का हिस्सा है जो बीते एक साल से भारत में सक्रिय था। अब तक अनुमान है कि इस नेटवर्क ने पूरे देशभर में करीब 2,000 करोड़ रुपये की ठगी की है।

क्या था ठगी का तरीका?

लोगों को ठगी का शिकार बनाने वाला फ्रॉड गैंग भारतीय बैंक खातों का इस्तेमाल करता था, जिन्हें अक्सर 'म्यूल अकाउंट' यानी दूसरों की पहचान से खोला गया खाते कहा जाता है। रकम आते ही उसे क्रिप्टोकरेंसी में बदलकर विदेशी वॉलेट्स में भेज दिया जाता था। इस प्रक्रिया के चलते पैसे का ट्रैक करना बेहद मुश्किल हो जाता था।

अब तक 26 गिरफ्तारियां

महाराष्ट्र साइबर ने अब तक 26 लोगों को गिरफ्तार किया है और सैकड़ों बैंक खाते फ्रीज किए हैं, जो फर्जी दस्तावेजों के जरिए खोले गए थे। पुलिस का कहना है कि जांच के दायरे में और भी खातों व डिजिटल वॉलेट्स को जोड़ा जा रहा है।

चेतावनी और सतर्कता

अधिकारियों ने कहा है कि यह मामला इस बात की गंभीर चेतावनी देता है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म और वर्चुअल करेंसी का दुरुपयोग बड़े स्तर पर साइबर अपराधों में हो रहा है। नागरिकों को किसी भी सरकारी एजेंसी के नाम पर आने वाली कॉल या वीडियो कॉल पर पैसे ट्रांसफर करने से पहले सत्यापन करने की सलाह दी गई है।

एक आवारा कुत्ते ने फैलाई दहशत, 12 लोगों को काटा

खंडवा, 12 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले से चौंकाने वाला मामला सामने आया। यहां मंगलवार को एक आवारा कुत्ते ने 12 ग्रामीणों को काट लिया, जिससे हड़कंप मच गया। जिन लोगों को कुत्ते ने काटा है, उनमें से 9 लोगों को हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जिला मुख्यालय से करीब 10 किलोमीटर दूर मलगांव टेमी में एक आवारा कुत्ते ने आतंक फैला दिया। इस कुत्ते ने एक के बाद एक तमाम लोगों को काटा। इस मामले में जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन डॉ अनिरुद्ध कौशल का बयान सामने आया है। सिविल सर्जन डॉ अनिरुद्ध कौशल ने बताया, कुत्ते के काटे जाने के बाद नौ घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनके जख्मों के इलाज के साथ ही उन्हें रेबीज रोधी इंजेक्शन लगाया गया। घायलों में एक बच्ची और सात महिलाएं शामिल हैं। कुत्ते के हमले में घायल शर्मिला ने बताया, मैं अपनी बेटी के साथ मजदूरी के लिए जा रही थी। तभी आवारा कुत्ता मेरी बेटी की ओर लपका।

सीजेआई पर जूता फेंके जाने से दिल्ली हाई कोर्ट आहत

कहा- सिर्फ निंदा करना पर्याप्त नहीं, एक्शन भी जरूरी

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि चीफ जस्टिस बीआर गवई पर जूता फेंकने की घटना ने हम सबको भी आहत किया है। हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि कुछ घटनाओं की सिर्फ निंदा करना पर्याप्त नहीं होता, इससे निपटने के लिए कुछ सख्त कदम उठाना भी ज़रूरी है। दरअसल, कोर्ट ने यह टिप्पणी एक याचिका पर सुनवाई के दौरान की। इस याचिका में मांग की गई थी कि चीफ जस्टिस गवई पर जूता फेंकने की घटना से जुड़े तमाम वीडियो को मीडिया प्लेटफार्म से हटाया जाए। जूता फेंकने वाले वकील के बयान को भी मीडिया प्लेटफार्म से हटाया जाए। दिल्ली हाई कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा कि इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में पहले से केस लंबित हैं जिसमे जूता फेंकने वाले वकील के खिलाफ अवमानना कार्रवाई की मांग की गई है। आप भी सुप्रीम कोर्ट में लंबित केस में अपना आवेदन दाखिल करें। अगर वहां आप पक्षकार नहीं बन पाते हैं तो हाई कोर्ट फिर इस अर्जी पर सुनवाई करेगा।

क्या है पूरा मामला?

बता दें कि हाल सुप्रीम कोर्ट की कोर्ट नंबर 1 में एक असाधारण घटना घटी थी। राकेश किशोर नाम के एक वकील ने मुख्य न्यायाधीश गवई पर जूता फेंका था। किशोर को यह कहते हुए सुना गया, सनातन धर्म का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान।

यह पहली बार नहीं है जब न्यायालय में किसी कार्यरत न्यायाधीश पर शारीरिक हमला हुआ हो। 2009 में एक महिला ने न्यायमूर्ति अरिजीत पसायत पर चप्पल फेंकी थी, जबकि उनके साथियों ने पीठ के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। न्यायमूर्ति पसायत ने इन व्यक्तियों को तीन महीने की कैद का आदेश दिया था और मामले को एक बड़ी पीठ के पास भेज दिया था, जिसने अवमानना के लिए दोषसिद्धि को बरकरार रखा और प्रत्येक पर एक-एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया।

पति को अफेयर की लग गई थी भनक

मैसूर में पत्नी ने पीट-पीटकर कर दी हत्या शव को साड़ी के सहारे फंदे पर लटकाया

मैसूर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के मैसूर जिले से एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जहां अवैध संबंधों का विरोध करने पर पत्नी ने पति की हत्या कर दी। पहले पत्नी ने पति के सिर पर डंडा मारकर उसकी हत्या कर दी और फिर किसी को शक न हो इसलिए शव को साड़ी के सहारे फंदे पर लटका दिया। घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच पड़ताल शुरू कर दी। यह पूरी घटना मैसूर जिले के हुल्लाहल्ली थाना क्षेत्र की है।

यहां रहने वाले शिवम्मा और वीरन्ना की शादी 13 साल पहले हुई थी। उनके दो बेटे हैं। पिछले चार सालों से शिवम्मा की एचडी कोटे के रहने वाले बलराम से दोस्ती हो गई। धीरे-धीरे यह दोस्ती अवैध संबंधों में बदल गई। जब शिवम्मा के पति वीरन्ना को इस बात का पता चला, तो उसने इस बात का काफी विरोध किया। इस मामले में पंचायत भी हुई, जिसमें बलराम को शिवम्मा को आपस में संपर्क न करने की सलाह दी गई। इसके बावजूद, दोनों के बीच संबंध बने रहे। शिवम्मा को बलराम का फोन आया। इस बात की भनक वीरन्ना को लग गई।

दोनों के बीच उस दिन काफी झगड़ा हुआ। इसके बाद पति खाना खाकर सो गया। इस दौरान पत्नी शिवम्मा ने उसके सिर पर डंडे से वार कर दिए, जिससे वीरन्ना की मौत हो गई। इसके बाद पत्नी ने पति की हत्या की कहानी आत्महत्या में तब्दील कर दी। उसने पति को साड़ी के सहारे फंदे पर लटका दिया और रोते हुए मोहल्ले वालों को बताया कि उसके पति ने आत्महत्या कर ली है। घटना की सूचना पुलिस को दी गई।

बदरीनाथ धाम में अलर्ट पर पुलिस, असम राइफल्स की टीम भी तैनात, 25 नवंबर को बंद होंगे कपाट

बदरीनाथ, 12 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के लालकिले के पास हुए बम धमाके के बाद पूरे देश में सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया गया है। उत्तराखंड में भी राज्य सरकार ने सभी जिलों के लिए हाई अलर्ट जारी किया है। खासतौर पर बदरीनाथ धाम में भक्तों की भीड़ को देखते हुए सिक्योरिटी को और कड़ा कर दिया गया है। यहां अब असम राइफल्स की टीम को भी तैनात कर दिया गया है। उत्तराखंड के चारों धामों में तीन धाम के कपाट बंद हो चुके हैं। इस समय केवल बदरीनाथ धाम श्रद्धालुओं के लिए खुला है। यहां रोजाना भारी संख्या में तीर्थयात्री दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। बढ़ती भीड़ को देखते हुए सुरक्षा बलों की तैनाती और गश्त बढ़ा दी गई है। पुलिस ने बदरीनाथ क्षेत्र में आने-जाने वाले वाहन की गहन जांच शुरू कर दी है।

चमोली के एसपी सुरजीत सिंह पंवार के मुताबिक, बदरीनाथ धाम की सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद बनाने के लिए बम निरोधक दस्ता और डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर टीम को तैनात कर दिया गया है। इसके अलावा 7 सदस्यीय विशेष टीम बदरीनाथ पहुंच चुकी है। धाम के कपाट 25 नवंबर को बंद होंगे। इस वजह से वहां पर भक्तों की संख्या बनी हुई है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। पुलिस और प्रशासन ने किसी भी प्रकार की चूक से बचने

के लिए अतिरिक्त बलों को तैनात किया है। बदरीनाथ के अलावा देहरादून, हरिद्वार, उधमसिंह नगर, नैनीताल समेत सभी प्रमुख शहरों में 24 घंटे का सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय और अंतरराज्यीय सीमाओं पर भी चौकसी बढ़ा दी गई है। पुलिस की टीमें हर संदिग्ध गतिविधि पर नजर बनाए हुए हैं।

दिल्ली में सोमवार को एक कार में हुए भीषण विस्फोट में उत्तराखंड के ऊधमसिंह नगर जिले में गदरपुर के रहने वाले हर्षुल सेतिया घायल हो गए थे। हर्षुल की जनवरी में शादी तय है। वह अपनी मां अंजू सेतिया, छोटे भाई और मंगेतर के साथ शादी की शॉपिंग के लिए दिल्ली गए थे। धमाके की आवाज से इलाके में अफरातफरी मच गई और आसपास खड़ी गाड़ियों के शीशे टूट गए। इन्हीं शीशों के टुकड़ों से हर्षुल के सिर में चोट लगी। फिलहाल उनका इलाज जारी है।

बिहार के बाद अब बीएमसी चुनाव पर बीजेपी की नजर मुंबई में बड़ा बदलाव, 4 नेताओं को नई जिम्मेदारी

मुंबई, 12 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान संपन्न हो गए हैं और इसी के साथ अब भारतीय जनता पार्टी ने महाराष्ट्र निकाय चुनाव के लिए तैयारी तेज कर दी है। बीएमसी चुनाव से पहले बीजेपी ने बड़ा संगठनात्मक फेरबदल किया है, जिसके तहत मुंबई में चार नए महासचिव नियुक्त किए गए हैं। बीजेपी द्वारा राजेश शिरवाडकर, गणेश खापरकर, आचार्य पवन त्रिपाठी और श्वेता पारुलेकर शामिल हैं। ये नई नियुक्तियां बीजेपी की मुंबई इकाई के अध्यक्ष और विधायक अमित साटम ने की हैं।

बीएमसी के चुनाव संभावित रूप से जनवरी 2026 में होने वाले हैं। इसको लेकर सत्तारूढ़ दलों के साथ-साथ विपक्षी दल भी जोरदार तैयारियों में लगे हैं। महायुति एकसाथ मिलकर चुनाव लड़ने की बात कह रही है तो महाविका अघाड़ी के सहयोगी दल अलग-अलग चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुके हैं। कांग्रेस एमवीए से अलग अकेले अपने दम पर बीएमसी चुनाव में उतर सकती है। वहीं, उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे साथ मिलकर चुनावी मैदान में उतर सकते हैं। शरद पवार की स्थिति अभी स्पष्ट नहीं है। हाल ही में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विजय वडेट्टीवार ने घोषणा की थी कि कांग्रेस अकेले चुनाव लड़ने का प्लान बना रही है। कांग्रेस आलाकमान से चर्चा के बाद स्थानीय स्तर पर यह फैसला लिया गया है। कांग्रेस नेता ने कहा था कि बीएमसी चुनाव में कांग्रेस को 30-35 सीटें मिलती हैं।

हालांकि, कांग्रेस नेता ने स्पष्ट किया कि अगर समान विचारधारा वाले राजनीतिक दल प्रस्ताव रखते हैं, तो पार्टी उनके साथ चुनाव लड़ने को तैयार है। समान विचारधारा वाली बात से साफ है कि कांग्रेस राज ठाकरे के साथ नहीं जाना चाहती और इसी नाराजगी के चलते उद्धव ठाकरे के साथ भी गठबंधन में चुनाव नहीं लड़ना चाहती। वहीं, महायुति की स्थिति स्पष्ट है कि बीजेपी, एकनाथ शिंदे की शिवसेना, अजित पवार की एनसीपी, तीनों साथ मिलकर ही बीएमसी चुनाव के मैदान में उतरेंगे।

क्षतिग्रस्त केएलआईएस बैराजों को बचाने के लिए व्यवस्थित उपाय: उत्तम

केंद्रीय जल आयोग के साथ समन्वय समीक्षा बैठक हुई

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना (केएलआईएस) परियोजना के क्षतिग्रस्त मेदिगड्डा, अन्नाराम और सुंदिला बैराजों को बचाने के लिए व्यवस्थित और वैज्ञानिक प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने पुनर्वास कार्यों की प्रगति का आकलन करने और केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) के साथ समन्वय की समीक्षा के लिए सचिवालय में एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

मंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता बैराजों को जिम्मेदारी से बहाल करना है ताकि पिछली बीआरएस व्यवस्था के तहत किए गए भारी सार्वजनिक व्यय को सुरक्षित रखा जा सके और उसका उचित उपयोग किया जा सके। उन्होंने कहा, "सतर्कता, राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) और न्यायिक आयोग की रिपोर्टों ने व्यवस्थागत विफलताओं और अतार्किक निर्णयों की ओर इशारा किया है, जिसके कारण मेदिगड्डा बैराज ढह गया और अन्नाराम व सुंडिला बैराजों में रिसाव हुआ। राजनीतिक और इंजीनियरिंग, दोनों स्तरों पर खामियाँ थीं। हमारी सरकार संरचनाओं को बचाने के लिए वैज्ञानिक तरीकों से सुधारात्मक कार्रवाई कर रही है।" उत्तम कुमार रेड्डी ने बताया कि चूँकि सिंचाई विभाग के केंद्रीय डिज़ाइन संगठन (सीडीओ) की भी जाँच एजेंसियों द्वारा आलोचना की गई थी, इसलिए सरकार ने स्वतंत्र, उच्च योग्य तकनीकी संस्थानों और सलाहकारों को नियुक्त करने का निर्णय लिया।

उन्होंने बताया, "हमने जीर्णोद्धार के लिए मार्गदर्शन हेतु केंद्रीय जल आयोग से संपर्क किया। केंद्रीय जल आयोग ने सलाह दी कि डिज़ाइन योग्य और अनुभवी तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा तैयार किए जाएँ, जिनकी वे जाँच करेंगे, अनुमोदन करेंगे और कार्यान्वयन के दौरान मार्गदर्शन करेंगे।" मंत्री ने कहा कि सरकार ने प्रतिष्ठित फर्मों से प्रस्ताव हेतु अनुरोध (आरएफपी) आमंत्रित किए हैं। मंत्री ने आगे कहा, "कई कंपनियों ने प्रतिक्रिया दी है, और हम उन कंपनियों को प्राथमिकता दे रहे हैं जिनके आईआईटी या भारत सरकार के अन्य तकनीकी निकायों जैसे प्रमुख संस्थानों के साथ औपचारिक समझौता ज्ञापन या गठजोड़ हैं।"

उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि बाढ़ का पानी कम होने के बाद, पुणे स्थित केंद्रीय जल एवं विद्युत अनुसंधान केंद्र (सीडब्ल्यूपीआरएस), जो भारत सरकार का एक संगठन है, द्वारा कई परीक्षण किए जाएँगे। भू-भौतिकीय और हाइड्रोलिक जाँच सहित ये परीक्षण नुकसान की सीमा निर्धारित करने और पुनर्वास योजना तैयार करने में डिज़ाइन सलाहकारों का मार्गदर्शन करने में मदद करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि मानसून के दौरान किए गए परीक्षण पूरे हो चुके हैं और नदी के जलस्तर में कमी आने के 15 से 20 दिनों के भीतर आगे की जाँच शुरू हो जाएगी। शुरुआत में पाँच एजेंसियों को चुना गया था, जिनमें से तकनीकी और वित्तीय मूल्यांकन के आधार पर अंतिम चरण के लिए तीन का चयन किया जाएगा। चुनी गई फर्मों के पास बांध सुरक्षा का एक सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड और प्रतिष्ठित तकनीकी संगठनों के साथ गठजोड़ होना आवश्यक था। चयनित सलाहकार तीनों बैराजों के जीर्णोद्धार के लिए विस्तृत डिज़ाइन और लागत अनुमान तैयार करने के लिए सीडब्ल्यूपीआरएस डेटा का उपयोग करेंगे। मंत्री ने स्पष्ट किया कि परीक्षण और मरम्मत का पूरा खर्च क्षतिग्रस्त संरचनाओं के लिए ज़िम्मेदार मूल ठेकेदारों द्वारा वहन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कार्यान्वयन शुरू होने से पहले सलाहकारों द्वारा तैयार डिज़ाइनों की सीडब्ल्यूसी द्वारा जाँच की जाएगी। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा, "पानी कम होते ही और सीडब्ल्यूसी से अंतिम मंज़ूरी मिलते ही पुनर्वास का काम शुरू हो जाएगा। हमारा लक्ष्य तकनीकी अखंडता, जवाबदेही और सार्वजनिक संपत्तियों की पूर्ण वसूली सुनिश्चित करना है।"

राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के दौरे के लिए व्यापक व्यवस्थाएँ की जाएँगी

मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव ने बुधवार को संबंधित शीर्ष अधिकारियों को इस महीने भारत के राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के हैदराबाद दौरे के लिए व्यापक व्यवस्थाएँ करने के निर्देश दिए।राज्य सचिवालय में एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए, मुख्य सचिव ने कहा कि उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन 16 नवंबर को शहर का दौरा करेंगे, जबकि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 21 नवंबर को पहुँचेंगी। उन्होंने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्रभावी समन्वय स्थापित करने, प्रत्येक विभाग के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त करने और स्थापित प्रोटोकॉल और दिशानिर्देशों के अनुसार सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ पूरी करने के निर्देश दिए। 16 नवंबर को, उपराष्ट्रपति दोपहर में बेगमपेट हवाई अड्डे पर पहुँचेंगे और थोड़े विश्राम के लिए राजभवन जाएँगे। इसके बाद, वह राज्यपाल के हाई टी और रामोजी फिल्म सिटी में एक कार्यक्रम में शामिल होंगे, और फिर रात 8 बजे शमशाबाद हवाई अड्डे से नई दिल्ली के लिए रवाना होंगे। 22 नवंबर को, भारत की राष्ट्रपति दोपहर में बेगमपेट हवाई अड्डे पर पहुँचेंगी और कुछ देर के लिए राजभवन जाएँगी। इसके बाद, वह राष्ट्रपति निलयम में आयोजित भारतीय कला महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगी। राष्ट्रपति रात्रि विश्राम राजभवन में करेंगी और 22 नवंबर की सुबह पुट्टपर्थी के लिए रवाना होंगी। मुख्य सचिव ने पुलिस विभाग को ब्लू बुक और वीवीआईपी प्रोटोकॉल मैनुअल के अनुसार विस्तृत सुरक्षा, यातायात और बंदोबस्त योजनाएँ तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि किसी भी अप्रिय घटना की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए और सामान्य प्रशासन, अग्निशमन सेवा, सड़क एवं भवन, चिकित्सा, नगर निगम, ऊर्जा, बीएसएनएल और बागवानी जैसे विभाग अपने-अपने निर्धारित कार्यों को सावधानीपूर्वक पूरा करें। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे दोनों यात्राओं के लिए सभी व्यवस्थाओं, विशेष रूप से वर्तमान परिस्थितियों में सुरक्षा उपायों के संबंध में, बिना किसी ढिलाई के व्यक्तिगत रूप से निगरानी करें। उन्होंने कार्यक्रम आयोजकों को रामोजी फिल्म सिटी में कार्यक्रम के लिए उपराष्ट्रपति कार्यालय और राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करने का निर्देश दिया और हैदराबाद, रंगा रेड्डी और मेडचल के जिला कलेक्टरों को सभी स्थानीय व्यवस्थाओं की देखरेख करने को कहा। राजभवन के संयुक्त सचिव को राजभवन में उचित तैयारियाँ सुनिश्चित करने को कहा गया, जबकि सैन्य और हवाई अड्डा अधिकारियों को आवश्यक सावधानियां बरतने की सलाह दी गई। मुख्य सचिव ने यह भी निर्देश दिया कि प्रत्येक कार्यक्रम से एक दिन पहले अग्रिम सुरक्षा संपर्क (एएसएल) और फुल ड्रेस रिहर्सल आयोजित किए जाएँ। बैठक में पुलिस महानिदेशक शिवधर रेड्डी, प्रमुख सचिव (ऊर्जा) नवीन मित्तल, राजनीतिक सचिव रघुनंदन राव, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विजय कुमार और महेश भागवत, जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन, अग्निशमन सेवा महानिदेशक विक्रम सिंह मान, विशेष आयुक्त (सूचना एवं जनसंपर्क) चौधरी प्रियंका, हैदराबाद, रंगा रेड्डी और मेडचल के जिला कलेक्टर, प्रोटोकॉल निदेशक शिवलिंगैया, रामोजी फिल्म सिटी के प्रतिनिधि और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

एयरपोर्ट पर 3 करोड़ की तस्करी का भंडाफोड़

ड्रोन, आईफोन और आईवॉच के साथ दो यात्री गिरफ्तार

हैदराबाद, 12 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार रात हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आरजीआईए) पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 3 करोड़ रुपये मूल्य के इलेक्ट्रॉनिक सामान जब्त किए। इनमें ड्रोन, आईफोन, आईवॉच और वीडियो गेम कंसोल शामिल हैं, जिन्हें अबू धाबी से अवैध रूप से भारत लाया जा रहा था।

अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई सीआईएसएफ सतर्कता दल की सूझबूझ से संभव हुई। दल ने दो यात्रियों चेन्नई के मोहम्मद जहांगीर और आंध्र प्रदेश के नेल्लोर के सी जयराम राजू को रोका, जो कथित तौर पर सीमा शुल्क जांच से बचने की कोशिश कर रहे थे। जब उनके बैगों की तलाशी ली गई, तो उनमें 8 उच्च-स्तरीय ड्रोन, 65 आईफोन, 50 आईवॉच और 4 वीडियो गेम कंसोल मिले।

दोनों यात्री एतिहाद एयरवेज की उड़ान संख्या ईवी-328 से अबू धाबी से आए थे। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि दोनों यात्रियों ने इन सामानों को भारत में बेचने के इरादे से लाया था। अधिकारियों का मानना है कि यह किसी बड़े तस्करी नेटवर्क का हिस्सा हो सकता है, जो खाड़ी देशों से महंगे इलेक्ट्रॉनिक सामानों की अवैध आपूर्ति करता है। सीमा शुल्क विभाग ने दोनों यात्रियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। अधिकारियों ने कहा कि जांच के बाद इस नेटवर्क के अन्य सदस्यों तक पहुंचने की कोशिश की जाएगी।

वेमुलावाड़ा के राजराजेश्वर मंदिर में दर्शन बंद होने से मचा हंगामा

श्रद्धालुओं ने मुख्य द्वार पर की पूजा, प्रशासन के फैसले पर जताई नाराज़गी

करीमनगर, 12 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। वेमुलावाड़ा स्थित श्री राजराजेश्वर स्वामी मंदिर में बुधवार को मंदिर पूरी तरह बंद किए जाने के बाद अजीबोगरीब स्थिति बन गई। जीर्णोद्धार कार्य जारी होने के कारण मंदिर अधिकारियों ने दर्शनम रोक दिया और पूरे मंदिर परिसर को सील कर दिया। हालांकि प्रशासन ने पास के भीमेश्वर मंदिर में वैकल्पिक व्यवस्था की थी, फिर भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु मुख्य मंदिर के बंद द्वार पर एकत्र हुए और वहीं पूजा-अर्चना करने लगे। कई भक्तों ने मंदिर के पश्चिमी द्वार के पास स्थित भगवान शिव की प्रतिमा पर नारियल फोड़े, दीप जलाए और पूजा की। श्रद्धालुओं ने मंदिर बंद करने के फैसले पर असंतोष व्यक्त किया। उनका कहना था कि कार्तिक मास भगवान शिव की उपासना के लिए सबसे शुभ समय होता है, ऐसे में मंदिर को कुछ और दिनों तक खुला रहना चाहिए था।

स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिसकर्मियों की अतिरिक्त तैनाती की गई। अधिकारी श्रद्धालुओं को समझाते हुए दर्शन के लिए भीमेश्वर मंदिर जाने की सलाह दे रहे थे। इस बीच, वरिष्ठ भाजपा नेता प्रताप रामकृष्ण ने पत्रकारों से बातचीत में मंदिर प्रशासन की आलोचना की। उन्होंने कहा कि वह विकास कार्यों के विरोध में नहीं हैं, लेकिन जुबली हिल्स उपचुनाव के तुरंत बाद बिना पूर्व सूचना के मंदिर बंद करना उचित नहीं है।

श्रीधर बाबू ने विश्व तेलुगु आईटी सम्मेलन 2025 के पोस्टर का अनावरण किया

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के आईटी एवं उद्योग मंत्री दुदिला श्रीधर बाबू ने एमईआईएल की निदेशक एवं समाजसेवी सुधा रेड्डी और डब्ल्यूटीआईटीसी के अध्यक्ष संदीप कुमार मकथला के साथ मिलकर टी-हब में आयोजित एक भव्य उद्घाटन समारोह में विश्व तेलुगु सूचना प्रौद्योगिकी सम्मेलन (डब्ल्यूटीआईटीसी) 2025 के लिए उल्टी गिनती के पोस्टर का अनावरण किया। इस उद्घाटन के साथ ही डब्ल्यूटीआईटीसी 2025 की उल्टी गिनती की आधिकारिक शुरुआत हो गई। यह सम्मेलन 12 से 14 दिसंबर, 2025 तक दुबई में आयोजित होगा और इसमें 100 से अधिक देशों के तेलुगु प्रौद्योगिकीविद्, उद्यमी और नवप्रवर्तक भाग लेंगे। इस अवसर पर, मंत्री श्रीधर बाबू ने कहा कि तेलंगाना भारत में 'नवाचार का प्रतीक' बनकर उभरा है। उन्होंने आगे कहा, "डब्ल्यूटीआईटीसी 2025 तेलुगु प्रौद्योगिकीविदों की वैश्विक शक्ति को प्रदर्शित करेगा - जो नवाचार, निवेश और सहयोग को जोड़ती है।" डब्ल्यूटीआईटीसी के अध्यक्ष संदीप कुमार मकथला ने तेलंगाना सरकार को उनके निरंतर सहयोग के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि दुबई संस्करण 'एक तेलुगु बैनर तले विश्व स्तरीय प्रौद्योगिकीविदों, नवप्रवर्तकों और निवेशकों का एक ऐतिहासिक सम्मेलन' होगा। सम्मेलन में "एआई, ब्लॉकचेन, क्वांटम कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर और उभरती हुई प्रौद्योगिकी" पर सत्र होंगे, साथ ही एक वैश्विक निवेशक पिच, स्टार्टअप और नवाचार प्रदर्शनी, और वीमेन इन टेक समिट भी होगी। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश सरकारें इस कार्यक्रम में संयुक्त रूप से अपनी प्रमुख तकनीकी और स्टार्टअप पहलों का प्रदर्शन करेंगी। डब्ल्यूटीआईटीसी सदस्य यामिनी, मानसा, अक्षिता सिंगराम, प्रणव और प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र के अन्य प्रमुख लोग इस उद्घाटन समारोह में शामिल हुए।

विदेश में नौकरी का झांसा देकर 1.05 करोड़ की ठगी

हैदराबाद, 12 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सेंट्रल क्राइम स्टेशन (सीसीएस) पुलिस ने विदेश में नौकरी का वादा कर कई नौकरी चाहने वालों से 1.05 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी करने के आरोप में हिमायतनगर स्थित एक विदेशी कंसल्टेंसी के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार, कंसल्टेंसी के निदेशकों ने फर्जी विदेशी वर्क परमिट जारी किए और पीड़ितों के पासपोर्ट अपने पास रख लिए। उन्होंने सोशल मीडिया पर विज्ञापन देकर लगभग 40 लोगों को ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, लिथुआनिया, माल्टा, अल्बानिया, लाओस, चीन, न्यूजीलैंड और लक्जमबर्ग जैसे देशों में रोजगार देने का झांसा दिया। कई इच्छुक उम्मीदवारों ने सीधे या परिचितों के माध्यम से कंसल्टेंसी से संपर्क किया और बड़ी रकम जमा कराई। एक पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों ने एकत्रित धन का दुरुपयोग किया और फिलहाल उनकी तलाश जारी है।

सं.-I-26013/17/स्था-2/का./जी.डी. (रिक्रूट) पीरूमंडला अजय कुमार/2025- 9364

कार्यालय सेनानी 23वीं वाहिनी

भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल

गृह मंत्रालय भारत सरकार

पत्रालय-सीमाद्वार देहरादून उत्तराखण्ड

"नोटिस"

दल संख्या 250230401 कांस्टेबल/जी.डी. (रिक्रूट) पीरूमंडला अजय कुमार, पुत्र पीरूमंडला सत्यनारायण, गांव-अनागापुरी कॉलोनी (Anagapuri Colony, H.No. 3-125/92/69), डाकघर-बोडुप्पल (Boduppal), तहसील-मेडिपल्ली (Medipally), पुलिस स्टेशन- बोडुप्पल (Boduppal), जिला-मेडचल-मल्कजगिरी (Medchal-Malkajgiri), राज्य-तेलंगाना (Telangana), पिन- 500098, जो कि बेसिक ट्रेनिंग के दौरान दिनांक 31.01.2025 (पूर्वा.) से आर0टी0सी0 शिवगंगई, तमिलनाडू से बिना किसी सक्षम अधिकारी की अनुमति एवं पूर्व सूचना के अनुपस्थित चल रहा है। आर0टी0सी0 शिवगंगई के ज्ञापन संख्या- 731-34 दि0 25.06.2025 के तहत् कर्मी को तुरन्त आर.टी.सी. शिवगंगई में रिपोर्ट करने हेतु निर्देशित किया गया एव ज्ञापन की प्रति कर्मी के पिताजी को भेजते हुए अनुरोध किया गया, कि वह अपने पुत्र को उक्त संस्थान में रिपोर्ट करने के लिए निर्देशित करें। इसके उपरान्त भी कर्मी द्वारा अपनी आमद संस्थान में नही दी गयी, तत्पश्चात आर0टी0सी0 शिवगंगई के ज्ञापन संख्या-932-35 दि0 12.07.2025 के तहत् कर्मी को पुनः आर.टी.सी. शिवगंगई मे तुरन्त रिपोर्ट करने हेतु निर्देशित किया गया तथा उसके पिताजी को भी सूचित किया गया। कर्मी को आर0टी0सी0 शिवगंगई से बार-2 पत्र जारी करने के बावजूद भी कर्मी द्वारा अपनी आमद आर0टी0सी0 शिवगंगई में नहीं दी गई। जिस कारण आर0टी0सी0 शिवगंगई के APPREHENSION पत्र संख्या-1202-05 दिनांक 22.07.2025 के तहत् कर्मी के सम्बन्धित जिला पुलिस अधीक्षक से कर्मी को गिरफ्तार कर उप महानिरीक्षक, आर0टी0सी0 शिवगंगई अथवा कर्मी के गृहनगर के नजदीकी भा0ति0सी0पुलिस बल की वाहिनी/संस्थान को सुपुर्द करने हेतु अनुरोध किया गया, जिसकी एक प्रति कर्मी के सम्बन्धित थाना प्रभारी को भी भेजा गया, लेकिन संबंधित पुलिस द्वारा न तो कर्मी को गिरफ्तार कर आर0टी0सी0 शिवगंगई अथवा कर्मी के गृहनगर के नजदीक भा0ति0सी0पुलिस बल की वाहिनी/संस्थान को सुपुर्द किया गया और न ही कर्मी द्वारा अपनी आमद आर0टी0सी0 शिवगंगई में दी गयी। जिसके उपरान्त् 23वीं वाहिनी, भा.ति.सी.पु. बल के आदेश संख्या 9300 दिनांक 31.10.2025 के तहत **दिनांक 31.01.2025 (पूर्वा.)** से कर्मी को बल से "**भगौड़ा**" **(DESERTER)** घोषित किया जा चुका है।

2. अतः दल संख्या 250230401 कांस्टेबल/जी.डी. (रिक्रूट) पीरूमंडला अजय कुमार, पुत्र पीरूमंडला सत्यनारायण, को इस नोटिस के माध्यम से पुनः निर्देशित किया जाता है कि इस नोटिस के समाचार पत्र मे प्रकाशित होने की तिथि से 30 दिन के अन्दर आर0टी0सी0 शिवगंगई, तमिलनाडू अथवा 23वीं वाहिनी, भारत तिब्बत सीमा पुलिस मुख्यालय, सीमाद्वार, देहरादून (उत्तराखण्ड) में अपनी आमद दें, अन्यथा यह समझ लिया जायेगा कि कर्मी भा.ति.सी.पु. बल में सेवा करने के इच्छुक नही है तथा तद्नुसार कर्मी को "**सेवा से हटाये/बर्खास्त**" किये जाने के आदेश भी पारित किए जा सकते है।

CBC19112/11/0158/2526

(हस्ताक्षर)
कमाण्डेंट
23वीं वाहिनी भा.ति.सी.पु. बल

भट्टी ने सिविल सेवा साक्षात्कार के लिए 43 उम्मीदवारों के चयन की सराहना की

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि सिविल सेवा उम्मीदवारों को प्रोत्साहित करने के लिए जनता सरकार द्वारा शुरू की गई राजीव गांधी सिविल सेवा अभय हस्तम योजना के तहत सिविल सेवा साक्षात्कार के लिए 43 उम्मीदवारों का चयन अत्यंत सराहनीय है। बुधवार को जारी एक बयान में, उन्होंने कहा कि पिछले साल इस योजना की शुरुआत के बाद से, 342 तेलंगाना युवाओं को सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड के माध्यम से कुल 3.62 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता मिली है। उन्होंने बताया कि बेरोजगार युवाओं को उनके सपनों को साकार करने में मदद करने के लिए, राज्य सरकार ने राजीव गांधी सिविल सेवा अभय हस्तम योजना शुरू की है, जो मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार के लिए अर्हता प्राप्त करने वालों को प्रत्येक चरण में 1 लाख रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान करती है। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि इस वर्ष, मुख्य परीक्षा के लिए चयनित 202 उम्मीदवारों को प्रोत्साहन के रूप में 1-1 लाख रुपए की राशि प्रदान की गई और उनमें से 43 अब साक्षात्कार चरण के लिए अर्हता प्राप्त कर चुके हैं, जो वास्तव में प्रशंसनीय है। उपमुख्यमंत्री ने उनकी उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की और घोषणा की कि इन 43 उम्मीदवारों को साक्षात्कार की तैयारी के दौरान दिल्ली में आवास सुविधा के साथ-साथ प्रत्येक को 1-1 लाख रुपए की अतिरिक्त राशि प्रदान की जाएगी। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि सिविल सेवा मुख्य परीक्षा के परिणाम एक बार फिर बेरोजगार युवाओं के सपनों को साकार करने के लिए जन सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। उन्होंने अंतिम साक्षात्कार के लिए चयनित सभी उम्मीदवारों को बधाई दी और उनकी सफलता की कामना की, तथा उनसे राष्ट्रीय स्तर पर तेलंगाना का नाम रोशन करने और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का आग्रह किया।

IN THE COURT OF THE HON'BLE III JUNIOR CIVIL JUDGE :CITY CIVIL COURT: AT : HYDERABAD

O.S. No. 4597 OF 2025

Between:
Sri. Mahesh Kumar Singh ..... Plaintiff
AND
The Tahasildar & another ..... Defendants

To
All Concerned ..... Defendant No.2

Whereas, the above named Plaintiff Sri. Mahesh Kumar Singh has filed the above suit to declare the Plaintiff is the legal heir of Late Mahaveer Singh, S/o.Late Balaji Singh who died on 26-04-2011 before the above Hon'ble Court. The above said case is posted on 08-12-2025 for the objections and claims of All Concerned to appear before the above said Court on 08-12-2025 at 10.30 A.M. and to submit objections/claims along with producing all documents if any to before above Hon'ble Court. If no objection/claims received, the Hon'ble Court will be heard and determined in absence all concerned and pass the order/s as per law.

//BY THE ORDER OF THE COURT//

KARAN SINGH
Advocate, 10-1-192. Veernagar, Chintal Basthi, Khairatabad , Hyderabad - 500004. T.S.
Cell: 9908339386

मैनेज ने 16 देशों के लिए कृषि में आईसीटी पर आईटीईसी प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज) ने भारत सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा समर्थित "कृषि में आईसीटी के अनुप्रयोग" पर दो सप्ताह के भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। 12 से 25 नवंबर, 2025 तक आयोजित इस कार्यक्रम में मॉरीशस, घाना, मिस्र और नेपाल सहित 16 देशों के 27 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।कार्यक्रम का उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए, मैनेज के महानिदेशक डॉ. हनुमान सागर सिंह ने कृषि में एआई और आईओटी की परिवर्तनकारी भूमिका पर प्रकाश डाला - सटीक खेती से लेकर पूर्व चेतावनी प्रणालियों तक।

उन्होंने प्याज के खराब होने का पता लगाने वाले एक आईओटी-आधारित उपकरण 'गोदाम सेंस' ऐप और तकनीक-संचालित कृषि परिवर्तन के लिए तेलंगाना की 'सागु बागू' पहल जैसे नवाचारों का हवाला दिया। प्रतिभागियों को भारत के डिजिटल कृषि पारिस्थितिकी तंत्र का अनुभव प्राप्त होगा, जिसमें जियो-एआई, हरिता प्रिया जैसी IoT-आधारित फसल परामर्श प्रणालियाँ और रिमोट सेंसिंग अनुप्रयोग जैसे विषय शामिल होंगे। क्षेत्रीय भ्रमणों में टी-हब, पीजेटीएसएयू ड्रोन अकादमी और आईसीएआर संस्थानों जैसे प्रमुख नवाचार केंद्रों का दौरा शामिल होगा। कार्यक्रम का समापन "वापस कार्यस्थल योजना" के साथ होगा ताकि वे अपने-अपने देशों में सीखी गई बातों को लागू कर सकें।

पीलीभीत में किसान को मारकर खा गया बाघ

पीलीभीत, 12 नवंबर (एजेंसियां)। पीलीभीत में बाघ ने खेत में रखवाली कर रहे किसान पर हमला कर दिया। जबड़े में दबोचकर उसे जंगल में खींच ले गया और मारकर आधा शव खा गया। 10 घंटे बाद बाघ अधखाए शव को फिर से घसीटकर ले जा रहा था, तभी वनकर्मियों की नजर उस पर पड़ी। उन्होंने शोर मचाया, लेकिन पास जाने की हिम्मत नहीं हुई। 2 घंटे तक सर्च अभियान चलाया।

इसके बाद किसान का अधखाया शव जंगल में मिला। वनकर्मियों के मुताबिक, दोनों पैर और एक हाथ गायब था। 200 मीटर दूर दोनों पैर मिले, वहीं बाघ के पंजों और घसीटने के निशान भी दिखाई दिए। घटना जिला मुख्यालय से 45 किलोमीटर दूर पूरनपुर थाना क्षेत्र की है। किसान की पहचान नवदिया गांव के छोटेलाल (47) के रूप में हुई है। घरवालों ने बताया कि सुबह छोटेलाल खेत की रखवाली करने गए थे, लेकिन रात तक घर नहीं लौटे। बुधवार सुबह वन विभाग ने जानकारी दी कि बाघ उन्हें उठा ले गया। वन विभाग ने बाघ को पकड़ने के लिए ट्रेसिंग शुरू कर दी है।

मानसिक मंदित किशोरी से दुष्कर्म के 80 वर्षीय दोषी को 10 वर्ष का कारावास

लखनऊ, 12 नवंबर (एजेंसियां)। पड़ोस में रहने वाली मानसिक मंदित किशोरी से दुष्कर्म और जबरन गर्भपात कराने के दोषी 80 वर्षीय मातादीन को पाक्सो एक्ट के विशेष न्यायाधीश ने दस वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही दोषी पर 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

जुर्माने की संपूर्ण धनराशि पीड़िता को दी जाएगी। इस मामले में 14 वर्षीय पीड़िता ने 14 अप्रैल 2016 को थाना मोहनलालगंज में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। किशोरी के पड़ोस में रहने वाले मातादीन ने पीड़िता को पत्नी बनाकर रखने का वादा किया था। मानसिक मंदित होने के कारण उसे अपने भले बुरे का ज्ञान नहीं था, जिस वजह से वह दोषी के कुकृत्य को समझ नहीं पाई। दोषी ने उसके साथ लगभग एक वर्ष से अधिक समय तक दुष्कर्म किया। जब पीड़िता सात माह की गर्भवती हो गई तो दोषी ने धोखे से दवा खिलाकर उसका गर्भपात करा दिया।

नतीजों से पहले महागठबंधन को विधायकों के बिकने का डर

महफूज रखने के लिए बनाया प्लान

पटना, 12 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार में विधानसभा चुनाव के लिए वोटिंग हो चुकी है। उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में कैद है। 14 नवंबर को नतीजे घोषित होंगे। महागठबंधन ने परिणाम के बाद की रणनीति बना ली है। सूत्रों के मुताबिक, नतीजों के बाद हॉर्स ट्रेडिंग की नौबत आई तो महागठबंधन अपने कुछ विधायकों को दूसरे राज्यों में शिफ्ट करेगा। गठबंधन टूट सकने वाले दलों के विधायकों को इंडिया ब्लॉक की सरकारों वाले राज्य में शिफ्ट करने की तैयारी में है। बड़ी पार्टी आरजेडी फौरन अपने विधायकों को जीतने के बाद पटना बुलाएगी और महफूज रखेगी। छोटे दलों में टूट का खतरा ज्यादा रहता है, इसलिए वीआईपी के मुकेश सहनी अपने विधायकों को जीत के बाद फौरन पटना बुलाकर विशेष विमान से इंडिया गठबंधन की साथी ममता बनर्जी की सरकार वाले करीबी राज्य बंगाल भेज देंगे।

कांग्रेस के विधायक कहां जाएंगे?

वहीं, कांग्रेस ने विधानसभावार और जिलेवार अपने पर्यवेक्षकों को निर्देश दिया है कि जीतते ही विधायकों को अपनी निगरानी में पटना लेकर आएं, जहां से उनको अपनी सरकार वाले राज्य कर्नाटक या तेलंगाना शिफ्ट किया जाएगा। सम्भवतः कांग्रेस आईपी गुप्ता के दल के विधायकों का ज़िम्मा भी उठाएगी, इसका भी ऑफर उसने दिया है। इसके अलावा जो निर्दलीय उम्मीदवार जीतते हैं और महागठबंधन के साथ आते हैं, तो ऐसे में उनको भी साथ लिया जाएगा।

राज्य में हुई बंपर वोटिंग

बिहार विधानसभा चुनाव में इस बार बंपर वोटिंग हुई है। दूसरे और अंतिम चरण में मंगलवार को रिकॉर्ड 67.14 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। यह अब तक का सबसे अधिक मतदान प्रतिशत है। इससे पहले छह नवंबर को पहले चरण में 65.09 प्रतिशत मतदान हुआ था।

इस चुनाव का एक्स फैक्टर माने जा रहे जन सुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर का कहना है कि मतदान प्रतिशत में वृद्धि इस बात का संकेत है कि बिहार के लोगों ने अब एक विकल्प ढूंढ लिया है और वह उनकी नई पार्टी को उस विकल्प के रूप में देख रहे हैं। वोटिंग के बाद अब 14 तारीख का इंतजार है, जब नतीजों की घोषणा होगी। नीतीश जहां एक बार फिर सत्ता में वापसी देख रहे हैं तो वहीं तेजस्वी पहली बार सीएम बनने का ख्वाब देख रहे हैं।

2 करोड़ रिश्वत मांगने के मामले में बीएसए सस्पेंड

गोंडा, 12 नवंबर (एजेंसियां)। योगी सरकार ने गोंडा के बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) अतुल कुमार तिवारी को निलंबित कर दिया है। उन पर फर्नीचर सप्लाई टेंडर के बदले करीब 2.25 करोड़ रुपये का कमीशन मांगने का गंभीर आरोप लगा था। मामला मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक पहुंचने के बाद उन्होंने तुरंत सख्त कार्रवाई के आदेश दिए। मामला फर्नीचर सप्लाई फर्म के ठेकेदार मनोज कुमार पांडेय से जुड़ा है। जिन्होंने अतुल तिवारी समेत दो अन्य अधिकारियों—विद्याभूषण मिश्रा और प्रेम शंकर मिश्रा पर रिश्वत मांगने का आरोप लगाते हुए कोर्ट में शिकायत की थी। आरोप है कि बीएसए ने 22 लाख रुपये अग्रिम लेने के बावजूद काम नहीं किया।

ठेकेदार का दावा है कि टेंडर मंजूरी के बदले 15% कमीशन यानी लगभग 15 करोड़ के टेंडर पर 2.25 करोड़ रुपए की रिश्वत मांगी गई थी। कोर्ट ने शिकायत को गंभीर मानते हुए 2 नवंबर 2025 को एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था। इसके बाद डीएम की रिपोर्ट मुख्यमंत्री को भेजी गई। जिस पर कार्रवाई करते हुए बीएसए को सस्पेंड कर दिया गया। विभाग के संयुक्त सचिव वेद प्रकाश राय ने निलंबन आदेश जारी किया है।

डकैती के बाद महिला से सामूहिक दुष्कर्म मामले में बदमाश दोषी

27 साल बाद कोर्ट ने सुनाया फैसला

फर्रुखाबाद, 12 नवंबर (एजेंसियां)। घर में घुसकर महिला से सामूहिक दुष्कर्म और लूटपाट के 27 वर्ष पुराने मामले में अपर जिला सत्र न्यायाधीश ने एक बदमाश को दोषी करार दिया। उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया। सजा के बिंदु पर सुनवाई के लिए 15 नवंबर की तिथि नियत की गई है। मुकदमा विचारण के दौरान एक आरोपित की मौत हो गई। जनपद शाहजहांपुर थाना मिर्जापुर क्षेत्र निवासी ग्रामीण ने 25 जनवरी 1998 को अज्ञात बदमाशों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

जिसमें कहा गया था कि वह पत्नी व बच्चों के साथ सो रहा था। देर रात लगभग एक दर्जन बदमाश उसके घर में घुस आए। पत्नी व बच्चों को पकड़कर कमरे में बंद कर दिया। जब उसने विरोध किया तो उसके साथ मारपीट की। वह किसी तरह बदमाशों के चंगुल से छूट गया और गांव की ओर भाग गया।

जब गांव के अन्य लोगों ने बदमाशों पर दबाव बनाया तो फायरिंग शुरू कर दी। बदमाशों ने उसकी पत्नी के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। घर में रखा कीमती सामान व घोड़ा लूटकर भाग गए। मुकदमे के विवेचक तत्कालीन थाना प्रभारी आरडी मौर्य ने मिर्जापुर थाना क्षेत्र के गांव इस्माइलपुर निवासी अतिराज यादव व हरी सिंह ठाकुर के खिलाफ डकैती व सामूहिक दुष्कर्म में आरोप पत्र दाखिल किया था।

इस मामले में सुनवाई के दौरान एडीजीसी शैलेश सिंह, भानुप्रकाश मिश्रा व बचाव पक्ष की दलीलें सुनने के बाद अपर जिला सत्र न्यायाधीश रितिका त्यागी ने अभियुक्त अतिराज को दुष्कर्म व डकैती के आरोप में दोषी करार देते हुए न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया। मुकदमा विचारण के दौरान हरी सिंह ठाकुर की मौत हो गई।

लखनऊ से रस अल ख़ैमाह के लिए सीधी उड़ान 8 दिसंबर से, डेट और टाइमिंग शेड्यूल जारी

लखनऊ, 12 नवंबर (एजेंसियां)। कई महीने से बंद चल रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की लखनऊ से रस अल ख़ैमाह के लिए सीधी उड़ान फिर से शुरू होगी। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से यह उड़ान आठ दिसंबर को शुरू होगी। यूएई के रस अल ख़ैमाह के लिए लखनऊ से एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान आठ दिसंबर से एयर इंडिया एक्सप्रेस ने विमान की बुकिंग शुरू कर दी है। विमान आई एक्स 124 लखनऊ से सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को रात 9.10 बजे रवाना होगा।

रात 12.30 बजे यह विमान रस अल ख़ैमाह पहुंचेगा। वापसी में विमान आई एक्स 125 रस अल ख़ैमाह से मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को रात 1.30 बजे रवाना होकर लखनऊ सुबह 6.30 बजे पहुंचेगा।

'नंगा करके घुमाऊंगा, जूते से मारूंगा'

पीडब्ल्यूडी अफसर पर भड़के विधायक विनय वर्मा, जमकर लगाई फटकार

सिद्धार्थनगर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी के सिद्धार्थनगर में एनडीए की सहयोगी अपना दल के विधायक विनय वर्मा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें वो एक अधिशासी अभियंता कमल किशोर पर बुरी तरह भड़कते नजर आ रहे हैं। विधायक का गुस्सा इतना हाई कि वो पीडब्ल्यूडी के इंजीनियरों को नंगा कर चौराहे में घुमाने और जूते से मारने की बात कह रहे हैं।

ये वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। विनय वर्मा सिद्धार्थनगर जिले की शोहरतगढ़ सीट से विधायक हैं। बताया जा रहा है कि मंगलवार को रेस्ट हाउस में अधिशासी अभियंता कमल किशोर और पीडब्ल्यूडी के कुछ इंजीनियर के साथ कमरे में बैठे हुए थे। इतने में विधायक विनय वर्मा अपने समर्थकों के साथ रेस्ट हाउस में पहुंच गए। पहुंचने के बाद वह फिल्मी स्टाइल में दरवाजे को खोलकर अंदर चले गए जहां पर अधिशासी अभियंता कमल किशोर कुछ ठेकेदारों के साथ बैठे हुए थे। विधायक विनय वर्मा ने अंदर पहुंचते इंजीनियरों को डांटना और फटकारना शुरू कर दिया। उन्होंने धमकी देने के अंदाज में कहा कि वो उन्हें ठीक कर देंगे। साथ में नंगा करके चौराहे पर घुमाने की धमकी भी दे डाली। बताया जा रहा है कि कमरे में कुछ ऐसे ठेकेदार भी थे, जिन्हें ब्लैक लिस्टेड कर दिया गया है। इन ठेकेदारों ने विधायक के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे भी लगाए थे। जब विनय वर्मा ने ये देखा तो वो बुरी तरह भड़क गए और उन्होंने कमल किशोर पर चिल्लाते हुए कहा कि विधायक की सुनते नहीं हो और यहां बैठकर इनके साथ बैठकर दलाली कर रहे हो। जनता परेशान है और काम नहीं कर रहे हो।

विधायक यहीं न रुके। उन्होंने कहा कि तुम्हें नंगा कर चौराहे पर घुमाऊंगा और निकाल कर जूता मारूंगा तुम सब के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज कराऊंगा। वायरल वीडियो में विनय वर्मा अधिकारियों पर चीखते-चिल्लाते रहे। जबकि कमल किशोर (अधिशासी अभियंता) हाथ जोड़ कर माफी मांगते रहे। विधायक ने ख़ुद भी इस घटना का फेसबुक पर लाइव किया और कहा कि वो इसे मुख्यमंत्री को भी दिखाएंगे।

तेंदुओं के हमलों से बचाव के लिए बनाई जाएंगी सफारी, गोंडा में बनेगी लैपर्ड सफारी

लखनऊ, 12 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में तेंदुओं के हमलों से बचाव के लिए सफारी की स्थापना का फैसला किया गया है। पहले चरण में गोंडा के टिकरी में लैपर्ड सफारी बनाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। साथ ही इटावा लायन सफारी के भीतर बनी लैपर्ड सफारी की क्षमता विस्तार के निर्देश भी वहां के निदेशक अनिल पटेल को दे दिए गए हैं। इससे पहले लैपर्ड सफारी बनाने का सफल प्रयोग राजस्थान और गुजरात में हो चुका है। प्रदेश में प्रति वर्ष करीब 100 तेंदुए बढ़ रहे हैं। इससे मानव-वन्यजीव संघर्ष की समस्या पैदा हो गई है। बिजनौर से लेकर भारत-नेपाल सीमा के वन क्षेत्रों में इंसानों व पालतू जानवरों पर तेंदुओं के हमले की शिकायतें अक्सर ही मिल रही हैं। यूपी में वर्ष 2018 में 173 बाघ थे, जिनकी संख्या 2022 की गणना में बढ़कर 205 हो गई। वर्ष 2022 की वन विभाग की गणना के अनुसार, यूपी में तेंदुए 848 थे, लेकिन विभाग के ही कुछ अधिकारी इस गणना पर सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि इसमें गन्ने के खेत में रहने वाले तेंदुओं की गिनती शामिल नहीं है। करीब एक हजार तेंदुए तो बिजनौर में ही जंगल से बाहर इन खेतों में बताए जाते हैं। बताते हैं कि तमाम तेंदुए अपनी तीन पीढ़ियों से गन्ने के खेत में ही रह रहे हैं। जंगल में बाघों की संख्या बढ़ने से तेंदुए बाहर भाग रहे हैं, क्योंकि दोनों का प्रे-बेस (शिकार) समान होने के चलते बाघ, तेंदुओं को मार डालते हैं। तेंदुओं की समस्या से निपटने के लिए वन विभाग ने लैपर्ड सफारी बनाने का फैसला किया है।

प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में यह सफारी बनाई जाएंगी। टिकरी में सफारी बनाने के लिए जगह देखी जा रही है। सफारी में प्राकृतिक सी दिखने वाली गुफाओं (पिट्स सेल) का निर्माण कराया जाएगा। लैपर्ड प्रूफ फेंसिंग होगी। जो तेंदुए जंगल से बाहर पकड़े जाएंगे, उन्हें इन सफारी में रखा जाएगा। उनके लिए चिड़ियाघरों की तरह ही खाने के लिए प्रतिदिन 5-7 किग्रा मांस उपलब्ध कराया जाएगा।

रेलवे स्टेशन पर दर्दनाक हादसा, ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच फंसकर यात्री की मौत

कानपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी के कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर दर्दनाक हादसा हुआ है। यहां एक यात्री चलती ट्रेन से उतरने की कोशिश कर रहा था, इसी दौरान उसका बैलेंस बिगड़ गया और वह ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच में गिर गया और ट्रेन के चलने की वजह से उसकी दर्दनाक मौत हो गई है। जिसमें यात्री ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच फंसा दिखाई दे रहा है और देखते ही देखते वह ट्रेन की चपेट में आ गया।

यात्री की मौत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह साफ तौर पर ट्रेन की चपेट में आता हुआ दिखाई दे रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि एक पुलिसकर्मी दौड़कर यात्री को बचाने के लिए जाता है लेकिन तब तक यात्री ट्रेन के नीचे आ चुका होता है। जीआरपी ने युवक के शव का पंचनामा कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। युवक की अब तक पहचान नहीं हो सकी है।

ड्रग विभाग के रडार पर नारकोटिक्स दवाओं को बेचने वाला एक और व्यापारी, एक सप्ताह में मांगा गया है जवाब

गोरखपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। नारकोटिक्स दवाओं को बेचने वाला भालोटिया मार्केट का एक और व्यापारी ड्रग विभाग के रडार पर है। इस व्यापारी के यहां भी विभाग ने अक्टूबर में जांच की थी और बिक्री का हिसाब मांगा था, जिसे व्यापारी ने नहीं दिया। ड्रग इंस्पेक्टर ने व्यापारी का लाइसेंस निरस्त या निलंबित करने की संस्तुति कर दी। इसके बाद सहायक आयुक्त औषधि पूरन चंद ने गुप्ता मेडिकल एजेंसी को अंतिम नोटिस जारी कर एक सप्ताह के अंदर जवाब मांगा है। निर्धारित समयावधि में जवाब नहीं देने पर लाइसेंस निलंबित या निरस्त किया जा सकता है

अथवा व्यापारी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जा सकता है। इसी मामले में उन्होंने सोमवार को पांच दवा व्यापारियों को नोटिस जारी किया था। अब तक छह व्यापारियों को नोटिस जारी किया जा चुका है। भालोटिया मार्केट नशीली दवाओं के अवैध कारोबार का प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है। हरियाणा, पंजाब दिल्ली समेत अनेक राज्यों, नेपाल व बांग्लादेश तक नेटवर्क फैल गया है। पिछले दिनों दिल्ली व पंजाब में पकड़ी गई नशीली दवाओं की गोलियां गोरखपुर से भेजी गई थीं, इस मामले में शहर के दो व्यापारी जेल में हैं। कोडीनयुक्त कफ सीरप व ट्रामाडोल दवाओं का नशे के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। ऐसे लोगों की जरूरत पूरी करने में गोरखपुर के व्यापारियों का नाम भी सामने आया है। जानकार बताते हैं कि 22 रुपये की कफ सीरप की कीमत बांग्लादेश, भूटान व नेपाल में एक हजार से 1500 रुपये तक मिल जाती है। इस मुनाफे के चक्कर में अनेक दवा व्यापारी अवैध कारोबार में लग गए हैं। दवाएं गोरखपुर के नाम पर बुक होती हैं लेकिन गोरखपुर पहुंचती नहीं, सीधे नेपाल पहुंच जाती हैं। दुबई तक नशीली दवाओं के कारोबार फैलने के संकेत जानकार बताते हैं कि नशीली दवाओं का कारोबार करने वाला एक व्यापारी दुबई में है, वहीं से इस अवैध कारोबार को संचालित कर रहा है। वहां उसने एक होटल भी बनवा लिया है। 2022 में गीडा में लगभग 16 12 करोड़ रुपये की नशीली कफ सीरप पकड़ी गई थी, इससे भी दुबई में रहने वाले व्यापारी के संबंध जुड़े थे।

पति से नाराज पत्नी ने मचाया तांडव, एक-एक करके कार के सभी शीशे तोड़े

बिजनौर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी के बिजनौर से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक पत्नी ने अपने ही पति की कार के शीशे तोड़ डाले। इस पूरी घटना का वीडियो भी वायरल हो रहा है, जिसमें पत्नी अपने पति की कार के शीशे तोड़ते हुए दिख रही है। दरअसल ये कार मैकेनिक के यहां खड़ी थी, जहां पहुंची पत्नी ने कार के शीशे तोड़ दिए। मामला नजीबाबाद थाना क्षेत्र के गांव रम्मनवाला का है। यहां एक गुस्साई पत्नी ने मैकेनिक के यहां खड़ी पति की गाड़ी के शीशे तोड़ दिए। पति द्वारा खर्च के लिए रुपए न देने पर पत्नी आगबबूला हो गई थी। इस वजह से उसने ये कदम उठाया। इस मामले में मैकेनिक ने थाने में तहरीर देकर ग्राहक की पत्नी पर आरोप लगाया है। मैकेनिक ने महिला द्वारा तोड़फोड़ किए जाने का वीडियो भी बनाया है। दरअसल पति की कार ठीक होने के लिए एक मैकेनिक के यहां आई थी। लेकिन वहां पहुंची पत्नी ने एक-एक करके कार के शीशे तोड़ने शुरू कर दिए

एनडीए और महागठबंधन में कड़ा मुकाबला, श्रेयसी सिंह का क्या होगा?

जमुई, 12 नवंबर (एजेंसियां)। विकास बनाम परिवर्तन की लड़ाई में जमुई जिले की सभी चार विधानसभा क्षेत्र में रिकॉर्ड तोड़ मतदान हुआ। 2020 के चुनाव में भी जमुई, झाझा और सिकंदरा विधानसभा क्षेत्र में एनडीए की जीत हुई थी। चकाई में विजय का ताज पहन सुमित परिणाम की घोषणा के साथ ही एनडीए के साथ हो लिए थे। इस बार भी मुकाबला चकाई, झाझा और सिकंदरा विधानसभा क्षेत्र में दिलचस्प है। जमुई विधानसभा क्षेत्र में शुरुआती दौर से ही श्रेयसी सिंह का पलड़ा भारी प्रतीत हो रहा था जो मतदान के आखिरी समय तक कायम रह गया।

हालांकि, जमुई विधानसभा क्षेत्र में महिलाओं के उत्साह को मुस्लिम मतदाताओं के जोश का जवाब मिला, लेकिन यह परिणाम को प्रभावित कर सकेगा, यह कहना सही नहीं होगा। तमाम मुद्दों के बीच जमुई विधानसभा क्षेत्र में जातीय गोलबंदी अहम रही।

यहां महागठबंधन के लिए सुकून की बात यह रही कि इसके माय समीकरण में पान समाज का मजबूती से जुड़ाव आईपी गुप्ता को महागठबंधन से जोड़ने के फैसले को सही निर्णय ठहराता दिखा। झाझा विधानसभा क्षेत्र में भी माय (मुस्लिम यादव) के साथ पान और अन्य अर्थात दामोदर और जयप्रकाश के बीच कड़ा मुकाबला हो गया। जन सुराज के एनडी मिश्रा तथा निर्दलीय मु. इरफान परिणाम को प्रभावित करने वाला कारक नहीं बन सके। चकाई में मुकाबला एनडीए के सुमित कुमार सिंह का राजद की सावित्री देवी के साथ है। यहां संजय प्रसाद ने तीसरा कोण अवश्य बनाया, लेकिन लड़ाई में काफी पीछे दौड़ लगाते नजर आ रहे हैं। सिकंदरा विधानसभा क्षेत्र में आखिरी समय में मुसलमान मतों को समेटने की कोशिश भी राजद को बढ़त दिलाता नहीं दिख रहा है।

दलित युवती से सामूहिक दुष्कर्म

मुजफ्फरपुर के बोचहां में शर्मनाक घटना

मुजफ्फरपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। मनियारी थाना क्षेत्र में किशोरी से दुष्कर्म का मामला अभी गर्म ही था। इसी बीच बोचहां थाना क्षेत्र में एक अन्य घटना ने पुलिस की बेचैनी बढ़ा दी है। यहां अगवा कर एक दलित किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। किशोरी की शिकायत पर पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि तीन अन्य की तलाश की जा रही है। आरोपितों में दो चालक व एक होम ट्यूटर बताया गया है। किशोरी ने पुलिस को बताया कि रविवार की रात वह अपने घर के पास शौचालय के लिए गई थी। इसी दौरान पीछे से पहुंचे दो युवकों ने मुंह दबाकर उसे जबरन गाड़ी पर बैठा लिया। इसके बाद उसे गायघाट थाना क्षेत्र की ओर ले गए। रास्ते में ही वह बेहोश हो गई। होश आने पर वह एक कमरे में बंद थी।

इसके बाद खिड़की से किसी तरह शोर मचाया तो आसपास के लोगों ने उसे बाहर निकाला। इसकी सूचना उसके स्वजन को दी। इसके बाद उसके स्वजन उसे लेकर थाने आए। आरोपितों में गांव के दो और गायघाट थाना क्षेत्र के बाघाखाल के भी दो युवकों के नाम शामिल हैं। घटना की सूचना मिलते ही डीएसपी पूर्वी अलय वत्स ने बोचहां थाना पहुंचकर किशोरी से मामले की पूरी जानकारी ली। इसके बाद बोचहां थाना की पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। बोचहां थानाध्यक्ष श्रीकांत चौरसिया ने बताया कि पीड़िता की लिखित शिकायत पर चार युवकों ने विरुद्ध प्राथमिकी की गई है। मुख्य आरोपित जितेंद्र राम को गिरफ्तार कर लिया गया है। पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए भेजा गया है।

ठंड बढ़ते ही डेंगू ने बढ़ाई चिंता, चार नए केस मिले

मुजफ्फरपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर में ठंड बढ़ने के साथ ही डेंगू के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं। जिले में चार नए मरीजों में डेंगू की पुष्टि होने के बाद स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है। इनमें बोचहां प्रखंड के एक मरीज सहित तीन मरीज शहरी क्षेत्र के हैं। एसकेएमसीएच (श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज अस्पताल) की माइक्रोबायोलॉजी लैब में जांच के बाद इन मामलों की पुष्टि हुई है। इसके साथ ही अब तक जिले में डेंगू मरीजों की कुल संख्या बढ़कर 90 हो गई है। नए मरीजों में बुखार, शरीर में दर्द और प्लेटलेट्स गिरने की समस्या पाई गई है। वहीं, कई संदिग्ध बुखार के मरीज भी अस्पतालों में पहुंचने लगे हैं। डेंगू के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने सभी पीएचसी, सीएचसी और सरकारी अस्पतालों को अलर्ट पर रहने और आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। सिविल सर्जन डॉ। अजय कुमार ने बताया कि जिले के सभी अस्पतालों में डेंगू जांच और इलाज की पूरी व्यवस्था की गई है।

पति का साथ छूटते ही उजड़ गई दुनिया

जीवनयापन के बचे सहारे पंचायती सिस्टम ने छीने

उमरिया, 12 नवंबर (एजेंसियां)। जनपद पंचायत पाली की ग्राम पंचायत गोयरा में सरकारी सिस्टम की लापरवाही ने मानवता को शर्मसार कर दिया है। यहां एक जीवित महिला को मृत दिखाकर उसके सभी शासकीय अधिकार छीन लिए गए। यह मामला नीता बाई का है, जो अपने दो साल के बच्चे को गोद में लेकर लगातार पंचायत और जनपद कार्यालय के चक्कर काट रही हैं, ताकि उनका नाम फिर से परिवार की सूची में शामिल हो सके। जानकारी के अनुसार, नीता बाई स्वर्गीय सतेंद्र सिंह की पत्नी हैं।

सतेंद्र सिंह की मृत्यु के बाद पंचायत ने समग्र पोर्टल से उनका नाम हटाया, जो सही प्रक्रिया थी, लेकिन इसी दौरान गलती से नीता बाई का नाम भी हटा दिया गया। समग्र आईडी 180949097 के तहत नीता बाई जीवित हैं और अपने घर में बच्चे के साथ रह रही हैं, फिर भी सिस्टम ने उन्हें मृत मान लिया। इस त्रुटि का असर उनके जीवन पर बुरी तरह पड़ा है। समग्र पोर्टल से नाम हटने के कारण नीता बाई को राशन, पेंशन और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। गरीबी और जिम्मेदारियों के बीच वह लगातार अधिकारियों के पास गुहार लगा रही हैं, लेकिन अब तक सिर्फ आश्वासन ही मिला है। उनके चेहरे की थकान और आंखों की बेबसी यह बताने के लिए काफी है कि सिस्टम की गलती ने उन्हें किस हद तक तोड़ दिया है। ग्राम पंचायत गोयरा के ग्रामीणों का कहना है कि यह कोई अकेला मामला नहीं है।

कई परिवारों के नाम भी बिना जांच-पड़ताल के समग्र पोर्टल से डिलीट कर दिए गए हैं, जिसके चलते गरीबों को महीनों तक सरकारी योजनाओं से वंचित रहना पड़ता है। ग्रामीणों का आरोप है कि तकनीकी खामियों और अफसरशाही की अनदेखी के कारण जनता परेशान है, जबकि सुधार की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे। नीता बाई ने इस संबंध में जनपद पंचायत पाली के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को लिखित आवेदन देकर अपना नाम पुनः जोड़ने और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। जब इस मामले में जनपद पंचायत पाली के सीईओ कुंवर कन्हाई से संपर्क करने की कोशिश की गई, तो उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

पूर्वोत्तर में नया सैन्य स्टेशन, बांग्लादेश बॉर्डर से 40किमी दूर

सीमा सुरक्षा और खुफिया तंत्र के लिए अहम

गुवाहाटी, 12 नवंबर (एजेंसियां)। असम के धुबरी जिले के बमुनिगांव में भारतीय सेना 'लाचित बोरफुकन मिलिट्री स्टेशन' बना रही है। यह जगह बांग्लादेश सीमा से लगभग 40 किलोमीटर दूर है। यह पश्चिमी असम का पहला ऐसा स्टेशन होगा, जो सीमा की सुरक्षा और खुफिया जानकारी जुटाने में सेना की बड़ी मदद करेगा। पूर्वी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल आरसी तिवारी ने हाल ही में अग्रिम चौकियों के दौरे के दौरान इस सैन्य स्टेशन की नींव रखी।

क्यों खास है यह स्टेशन?

सेना के पूर्व अधिकारी ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) रंजीत कुमार बोरठाकुर ने कहा, 'बांग्लादेश में मौजूदा राजनीतिक हालात को देखते हुए यह निर्णय बहुत स्वागत योग्य है। पहले सबसे नजदीकी सैन्य कैंप कूचबिहार (पश्चिम बंगाल) और तमुलपुर (असम) में थे। अब धुबरी में नया स्टेशन बनने से ह्यूमन और सिग्नल इंटेलिजेंस दोनों को मजबूती मिलेगी।' वहीं सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल महेन्द्र रावत ने बताया कि यह स्टेशन क्षेत्र में सेना की संचालन क्षमता और बुनियादी ढांचे को मजबूत करेगा। उन्होंने कहा, 'इससे इलाके की निगरानी आसान होगी और स्थानीय लोगों में सुरक्षा की भावना भी बढ़ेगी।'

1500 जवानों की तैनाती और पैरा-कमांडो यूनिट भी

मामले में एक सैन्य अधिकारी ने बताया कि, यह नया स्टेशन तेजपुर में मौजूद 4 कोर के अधीन रहेगा और इसमें करीब 1200 से 1500 जवानों के रहने की व्यवस्था होगी। शुरुआत में काम जल्दी पूरा करने के लिए प्री-फैब्रिकेटेड झोपड़ियों का निर्माण किया जा रहा है। असम सरकार ने इस परियोजना के लिए भूमि भी बहुत तेजी से, सिर्फ एक-दो महीने में, सेना को सौंप दी थी। इस स्टेशन में एक पैरा-कमांडो यूनिट भी तैनात की जाएगी। लेफ्टिनेंट कर्नल रावत ने कहा, 'लाचित बोरफुकन मिलिट्री स्टेशन सशस्त्र बलों और राज्य प्रशासन के बीच तालमेल का प्रतीक है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा और क्षेत्रीय विकास की साझा सोच को दर्शाता है।'

बांग्लादेश की राजनीति और सुरक्षा चुनौतियां

ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) बोरठाकुर ने कहा कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के सत्ता में आने के बाद उसका रुख भारत के प्रति 'काफी कठोर' हुआ है। उन्होंने कहा, 'बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच बढ़ते रिश्ते चिंता का विषय हैं। पाकिस्तान के नेताओं और रक्षा अधिकारियों की बार-बार यात्राएं भी संकेत देती हैं कि क्षेत्रीय परिदृश्य बदल रहा है।' उन्होंने बताया कि बांग्लादेश के कार्यवाहक सरकार प्रमुख मुहम्मद यूनुस की तरफ से भारत और विशेषकर सिलीगुड़ी कॉरिडोर (चिकन नेक) पर दिए गए बयान, और चीन को लालमोनिरहाट एयरफील्ड सक्रिय करने की अनुमति देना, दोनों ही भारत की सुरक्षा दृष्टि से गंभीर विषय हैं। सिलीगुड़ी कॉरिडोर, करीब 22 किलोमीटर लंबा यह कॉरिडोर पूर्वोत्तर भारत को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ता है। बोरठाकुर ने कहा, 'यह इलाका हमारे लिए हमेशा रणनीतिक रूप से संवेदनशील रहा है। हम हर परिस्थिति के लिए तैयार हैं, पर हमें और सक्रिय रहने की जरूरत है।'

सीमा पार अपराध और खुफिया तंत्र की भूमिका

उन्होंने बताया कि बांग्लादेश सीमा पर तस्करी, अवैध प्रवासन, पशु तस्करी और कट्टरपंथी गतिविधियां लंबे समय से चुनौती रही हैं। उन्होंने कहा, 'बीएसएफ और अन्य एजेंसियां सीमा प्रबंधन कर रही हैं, लेकिन सेना को अपनी खुफिया क्षमताएं, खासकर सिग्नल और मानव इंटेलिजेंस, और बढ़ानी होंगी। धुबरी का नया स्टेशन इसमें बहुत मददगार होगा।' बोरठाकुर ने ये भी कहा, 'यह नया कैंप सुरक्षा बलों की तैयारी को और पुख्ता करेगा। यह असम ही नहीं, पूरे पूर्वोत्तर की सुरक्षा रणनीति में एक मजबूत कड़ी बनेगा।'

इससे पहले जून में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा था कि राज्य सरकार ईद-उल-जुहा त्योहार के बाद सांप्रदायिक तनाव को देखते हुए 'संवेदनशील' धुबरी जिले में सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने के लिए सेना का एक स्थायी बेस स्थापित करने के विकल्प पर विचार कर रही है।

पुलिस के तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत, मचा हड़कंप

शिवगंगा, 12 नवंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के शिवगंगा से एक परिवार के ऊपर उस वक्त आफत का पहाड़ टूट पड़ा, जब एक रोड एक्सीडेंट में एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत हो गई। खुद शिवगंगा के एसपी शिव प्रसाद ने इस घटना की जानकारी दी और बताया कि पुलिस वाहन की टक्कर की वजह से ये हादसा हुआ। शिवगंगा जिले में मंगलवार को एक दो साल के बच्चे समेत एक परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई, जब उनके दोपहिया वाहन की पुलिस वाहन से आमने-सामने की टक्कर हो गई। मृतकों की पहचान प्रसाद (25), उनकी पत्नी सत्या (20) और उनके बेटे अश्विन (2) के रूप में हुई है।

ये परिवार अनंजियुर से एक रिश्तेदार सोनाई ईश्वरी (25) को लेने के बाद अपने गांव लौट रहा था, जब सक्कुडी के पास यह दुर्घटना हुई। दरअसल रामनाथपुरम जिला पुलिस के एक तेज रफ्तार पुलिस वाहन ने दोपहिया वाहन को आमने-सामने की टक्कर मार दी। प्रसाद की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सत्या और उनके बच्चे ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। सोनाई ईश्वरी को गंभीर चोटें आई हैं और उनका सरकारी राजाजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। ये जानकारी शिवगंगा एसपी शिव प्रसाद ने दी है। गौरतलब है कि देश में हर दिन तमाम लोगों की मौत रोड एक्सीडेंट की वजह से होती है,

लाल किला ब्लास्ट के बीच महाराष्ट्र में बम की धमकी

और ट्रेन में लिखा मिला आईएसआई-पाकिस्तान जिंदाबाद

मुंबई, 12 नवंबर (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली के लाल किला में हुए बम धमाके के बाद महाराष्ट्र में भी हाई अलर्ट है और इसी बीच महानगरी एक्सप्रेस में बम की सूचना मिली। सूचना मिलते ही महाराष्ट्र के भुसावल रेलवे स्टेशन पर हड़कंप मच गया। तुरंत रेलवे सुरक्षा बल, जीआरपी और स्थानीय पुलिस हरकत में आई। ट्रेन के पहुंचते ही डॉग स्क्वाड की मदद से हर डिब्बे की चप्पे-चप्पे पर सघन तलाशी ली गई, लेकिन कई घंटों की जांच के बाद भी गाड़ी में कोई भी संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक नहीं मिला। ट्रेन के एक कोच के शौचालय में हाथ से लिखा एक संदिग्ध संदेश मिला, जिसमें पाकिस्तान जिंदाबाद और आतंकी संगठन 'आईएसआई' का जिक्र था, साथ ही गाड़ी में बम होने की धमकी दी गई थी। पूरी जांच के बाद रेलवे सुरक्षा बल ने पुष्टि की कि यह एक अफवाह या शरारत थी, जिसके बाद ट्रेन को आगे के लिए रवाना कर दिया गया। हालांकि, इससे ये साबित होता है कि कुछ लोगों के लिए देश की सुरक्षा भी मजाक है। वो इस तरह की हरकते कर एक तरह से देश के साथ गद्दारी करते हैं।

इस बीच, सोपोर पुलिस ने आज सोपोर में कई स्थानों पर सिलसिलेवार तलाशी अभियान चलाए। इस अभियान में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत प्रतिबंधित प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी (जेईआई) से जुड़े व्यक्तियों और परिसरों को निशाना बनाया गया। ज़िले भर में आतंकवाद और अलगावावादी गतिविधियों के ख़िलाफ़ कार्रवाई करते हुए, अन्य सुरक्षा बलों की सहायता से सोपोर, ज़ैंगीर और राफ़ियाबाद क्षेत्रों में 25 से ज़्यादा स्थानों पर एक साथ छापे मारे गए। ये तलाशी विश्वसनीय ख़ुफ़िया सूचनाओं पर आधारित थीं, जिनसे संकेत मिलता था कि जेईआई से जुड़े तत्व विभिन्न मोर्चों पर अपनी गतिविधियों को फिर से शुरू करने की कोशिश कर रहे हैं।

केरल के 'डिजाइनर जू' में कुत्तों का आतंक

एक के बाद एक 10 हिरण नोच डाले, कांपा चिड़ियाघर!

कोच्चि, 12 नवंबर (एजेंसियां)। देशभर में आवारा कुत्तों का मुद्दा फिर सुर्खियों में है। सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के बाद से सड़कों पर घूमने वाले आवारा कुत्तों पर चर्चा तेज हो गई है। एक तरफ डॉग लवर्स लगातार सड़कों पर उतर रहे हैं, तो दूसरी ओर कई लोग इसे बढ़ती परेशानी मान रहे हैं। दिल्ली के बाद अब केरल में भी इनका आतंक जारी है। केरल के त्रिशूर जिले में बने नए पुथुर जूलॉजिकल पार्क में एक बड़ी घटना हुई है। पार्क में घुसे आवारा कुत्तों ने 10 हिरणों को मार डाला। इस हादसे से चिड़ियाघर की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठ गए हैं। यह वही चिड़ियाघर है, जिसे खुले हुए अभी एक महीना भी नहीं हुआ है। हाल ही में पार्क ने आगंतुकों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण शुरू किया था। फिलहाल यहां सिर्फ स्कूल और कॉलेज के ग्रुप्स को ही आने की अनुमति है। आम जनता के लिए यह पार्क अभी खुला नहीं है।

पुथुर जूलॉजिकल पार्क का उद्घाटन मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने 28 अक्टूबर को किया था। यह पार्क 336 एकड़ में फैला एशिया का दूसरा सबसे बड़ा और भारत का पहला 'डिजाइनर चिड़ियाघर' माना जा रहा है। पार्क में 80 प्रजातियों के 534 जानवरों को 23 खुले और प्राकृतिक स्थानों पर रखा जाना है।

पुराने चिड़ियाघर के जानवरों को धीरे-धीरे यहां लाया जा रहा है। इसका डिजाइन ऐसा रखा गया है कि जानवरों को खुले और प्राकृतिक माहौल का अनुभव मिले। लेकिन जिस खुलेपन को कभी सुविधा समझा गया, आज वही सुरक्षा के लिए जोखिम बन गया है। सूत्रों के अनुसार, वन्यजीव विशेषज्ञ डॉ। अरुण जकारिया की टीम ने मंगलवार को पार्क का दौरा किया और जांच शुरू की। अधिकारियों ने कहा कि हिरणों की मौत का असली कारण पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा चिड़ियाघर के निदेशक नागराज ने इस मामले पर कुछ भी कहने से इनकार किया है। वहीं, अधिकारियों ने सीसीटीवी फुटेज भी जारी नहीं किया है, जिससे घटना की सच्चाई पर और सवाल खड़े हो रहे हैं।

अमनदीप कौर आत्महत्या मामले में पति समेत सास-ससुर दोषी

अदालत ने सुनाया पांच-पांच साल कैद की सजा

जालंधर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। गांव गिद्दड़पिंडी मंडी में हुई विवाहिता अमनदीप कौर की आत्महत्या के मामले में अदालत ने फैसला सुनाया है। अतिरिक्त जिला एवं सेशन जज विशेष कंबोज की अदालत ने मृतका के पति कुलदीप सिंह, ससुर फुम्मन सिंह और सास जोगिंदर कौर को दोषी करार देते हुए प्रत्येक को पांच-पांच साल की कैद और 50-50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। अदालत ने यह भी आदेश दिया कि यदि दोषी जुर्माना अदा नहीं करते हैं तो उन्हें अतिरिक्त छह-छह महीने की सजा भुगतनी पड़ेगी। यह मामला 20 फरवरी 2021 को थाना लोहियां में दर्ज किया गया था। मृतकाअमनदीप कौर ने अपने ससुराल में कमरे के गार्डर से चुनरी बांधकर फंदा लगा लिया था। उस समय उसकी उम्र 24 वर्ष थी और शादी को दो साल ही हुए थे।

घटना के बाद ससुराल पक्ष ने पुलिस को सूचित किया, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा था। मृतका के पिता कपूरथला के थाना तलवंडीचौधरियां के गांव दोद वजीर के बीरा सिंह ने पुलिस को दिए बयान में कहा था कि उनकी बेटी को शादी के बाद से ही दहेज की मांग को लेकर परेशान किया जा रहा था।

ससुराल पक्ष की तरफ से बार-बार बच्चा न होने पर ताने मारे जाते थे, जिससे अमनदीप मानसिक रूप से अत्याधिक तनाव में रहती थी, जिस कारण उसने जान दे दी। पुलिस ने जांच के बाद पति कुलदीप सिंह, उसके पिता फुम्मन सिंह और मां जोगिंदर कौर के खिलाफ केस दर्ज किया था। अदालत ने अपने निर्णय में कहा कि किसी भी महिला को विवाह के बाद दहेज या संतान न होने जैसी सामाजिक वजहों से प्रताड़ित करना गंभीर अपराध है।

दिल्ली धमाके के तार मेवात तक पहुंचे, हिरासत में मौलवी इस्ताक- आखिर क्या कनेक्शन निकला?

मेवात, 12 नवंबर (एजेंसियां)। लाल किले के पास हुए शक्तिशाली विस्फोट ने ना सिर्फ दिल्ली के चैन और सुकून को धक्का पहुंचाया, बल्कि मारे गये लोगों के सैकड़ों किलोमीटर दूर बसे घरों के सपनों और उम्मीदों को भी चकनाचूर कर दिया। अब राष्ट्रीय जांच एजेंसी यानी एनआईए ने अपनी जांच तेज कर दी है और हर बीतते वक्त के साथ मामले में नए खुलासे हो रहे हैं। इसी बीच एनआईए ने हरियाणा के मेवात के मौलवी इस्ताक को हिरासत में ले लिया है। मौलवी इस्ताक वही शख्स है जिसने मामले में हरियाणा के फरीदाबाद से 2900 किलो विस्फोटक के साथ गिरफ्तार डॉक्टर मुजम्मिल शकील को अपना कमरा किराए पर दिया था। मौलवी इस्ताक को जम्मू कश्मीर ले जाया गया है। उससे एनआईए और जम्मू कश्मीर पुलिस ज्वाइंट इंटेरोगेशन कर रही है यानी दोनों मिलकर उससे पूछताछ कर रहे हैं। दिल्ली विस्फोट मामले में एक बड़ा खुलासे यह भी हुआ है कि मुख्य संदिग्ध मुजम्मिल ने जांचकर्ताओं को बताया है कि उसने और उमर ने इलाके में विस्फोट से पहले लाल किले की रेकी की थी। सूत्रों के मुताबिक, मुजम्मिल से पूछताछ की गई है और उसके फोन के डेटा डंप से भी कई जानकारी सामने आई है। पूछताछ के दौरान मुजम्मिल ने कहा कि अगले साल 26 जनवरी के लिए हमले की योजना थी और इसके तहत लाल किले के आसपास के इलाके की रेकी की गई थी। सूत्रों ने कहा कि मुजम्मिल ने पुलिस को यह भी बताया है कि उनकी इस दिवाली पर भीड़भाड़ वाली जगह पर हमला करने की योजना थी, लेकिन इसे अंजाम नहीं दिया जा सका। लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए शक्तिशाली विस्फोट के बाद दिल्ली पुलिस को हाई अलर्ट पर रखा गया है और राष्ट्रीय राजधानी में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली के सभी प्रवेश और निकास द्वारों पर अर्धसैनिक बलों के साथ-साथ बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात हैं।

ड्राइवर पिता ने स्कूल में पढ़ने वाली बेटी से चलवाया ऑटो, दौड़ाती नज़र आई, लोगों ने उठाए सवाल

मुंबई, 12 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के खोपोली से एक हैरान कर देने वाली घटना का वीडियो सामने आया है, जिसमें एक नाबालिग स्कूली छात्रा ऑटो चलाती हुई नजर आई। ऑटो में कई अन्य छात्र भी सवार दिखाई दे रहे हैं। वायरल हो रहे वीडियो में देखा गया है कि छात्रा ऑटो की ड्राइविंग सीट पर बैठी है और ऑटो चला रही है, जबकि ऑटो ड्राइवर उसके साइड में बैठा हुआ है। इस घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसे देखकर लोगों ने ऑटो ड्राइवर की लापरवाही पर सवाल खड़े किए।

वीडियो में देख सकते हैं कि एक व्यस्त सड़क पर नाबालिग छात्रा कई अन्य छात्रों को बिठाकर ऑटो चला रही है और ऑटो का असली ड्राइवर छात्रा के साइड में बैठा हुआ है। ऑटो में सवार सभी छात्रों ने स्कूल की यूनिफ़ॉर्म पहनी हुई है, जिससे यह साफ होता है कि सभी स्कूली छात्र है और ऑटो चला रही छात्रा ने भी स्कूल की ही यूनिफॉर्म पहनी हुई है। इस दृश्य को देखने के बाद पीछे से आ रहे किसी स्कूटी सवार व्यक्ति ने रिकॉर्ड कर लिया, जिसमें ऑटो का नंबर भी साफ तौर पर देखा गया है। वीडियो में देख सकते हैं कि सड़क पर कई सारे वाहन चल रहे हैं और इतने वाहनों के बीच छात्रा ऑटो चला रही है। अगर जरा सी भी चूक हो जाती तो सभी की जान को खतरा हो सकता था।

एसपी साहब की आईडी पर बिक रहा सामान 75 हजार में मिल रहा घर का पूरा फर्नीचर

उज्जैन, 12 नवंबर (एजेंसियां)। जय हिंद आपका नाम क्या है, आपका मोबाइल नंबर क्या है और उसके बाद मोबाइल नंबर मिलते ही अपने सीआरपीएफ वाले दोस्त का ट्रांसफर होने की बात कहकर उसका घरेलू सामान खरीदने की बात इन दिनों उज्जैन एसपी प्रदीप शर्मा की फर्जी फेसबुक आईडी के माध्यम से ऐसी ही गुजारिश शहरवासियों से की जा रही है। फेसबुक के मैसेंजर पर होने वाली इस चेटिंग के बाद व्हाट्सएप पर संतीश कुमार के नाम से मैसेज कर बेचे जाने वाले सामान के फोटो भेजे जाते हैं और फिर उनसे ठगी करने का प्रयास भी किया जा रहा है। पूरा मामला कुछ इस प्रकार है कि इन दिनों उज्जैन एसपी प्रदीप शर्मा की फर्जी फेसबुक आईडी कुछ धोखेबाजों ने बना ली है। वह इसी के माध्यम से यह शहरवासियों से मैसेंजर के माध्यम से बात करते हैं। उन्हें एसपी प्रदीप शर्मा बनकर सीआरपीएफ के एक दोस्त का ट्रांसफर होने की बात कहते हुए उनसे 75 हजार रुपये में सामान खरीदने की गुजारिश करते हैं। उज्जैन में ऐसे मैसेज फेसबुक पर काफी लोगों को मिल चुके हैं, जिन्होंने मैसेंजर पर एसपी प्रदीप शर्मा के नाम पर फर्जी आईडी चलाने वाले लोगों ने बात भी की है। वैसे इस मामले की जानकारी एसपी प्रदीप शर्मा को भी है, जिन्होंने बताया कि जल्द से जल्द इस आईडी को बंद करवाया जाएगा।

क्या दिल्ली की तरह बंगाल को भी दहलाने की साजिश? बीरभूम से 20 हजार जिलेटिन छड़ें बरामद

कोलकाता, 12 नवंबर (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में कार विस्फोट की घटना को लेकर नए-नए खुलासे हो रहे हैं। इसी बीच पश्चिम बंगाल पुलिस ने बीरभूम जिले से 20 हजार जिलेटिन छड़ें बरामद की हैं। इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक मिलने के बाद सवाल उठ रहे हैं कि क्या इन दोनों घटनाओं में कोई कनेक्शन है और क्या आतंकी दिल्ली की तरह ही बंगाल को भी दहलाने की साजिश रच रहे थे? पुलिस ने बताया कि 50 बैग में भरकर 20 हजार जिलेटिन छड़ों को एक पिक अप वैन से जब्त किया गया। यह वैन पड़ोसी राज्य झारखंड के पाकुड़ से बंगाल जा रही थी। रात बीरभूम में

सुल्तानपुर नलहाटी रोड पर पुलिस ने जांच के दौरान इस पिकअप वैन को पकड़ा। इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। पुलिस ने बताया कि ये जिलेटिन की छड़ें गैरकानूनी तरीके से ले जायी जा रहीं थी और पुलिस ने पाकुड़ पुलिस के साथ समन्वय करके इस गाड़ी को पकड़ा। अब जांच एजेंसियां घटना की तह तक जाने की कोशिश कर रही हैं कि क्या बीरभूम में पकड़ी गई गाड़ी फरीदाबाद आतंकी मॉड्यूल का हिस्सा तो नहीं है? जिलेटिन छड़ें एक सस्ता विस्फोटक माना जाता है, जिसे आमतौर पर खनन और निर्माण कार्यों में इस्तेमाल किया जाता है। जिलेटिन छड़ों से विस्फोटक भी बनाया जा सकता है और डेटोनेटर की मदद से इनमें धमाका किया जा सकता है। वहीं भारी संख्या में विस्फोटक सामग्री मिलने के बाद बंगाल में अलर्ट जारी कर दिया गया है और भीड़भाड़ वाली जगहों जैसे बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और बाजारों आदि में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

सेंट्रल के आप विधायक रमन अरोड़ा को गैंगस्टरों ने दी मारने की धमकी

जालंधर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। जालंधर में आम आदमी पार्टी के सेंट्रल हलके के विधायक रमन अरोड़ा से गैंगस्टरों के नाम पर 5 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने और पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। इसके बाद से सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर आ गई हैं। जानकारी के अनुसार, विधायक रमन अरोड़ा को 8 नवंबर को एक विदेशी नंबर से कॉल आया, जिसमें अज्ञात व्यक्ति ने खुद को एक बड़े गैंगस्टर ग्रुप से बताते हुए 5 करोड़ रुपये की रंगदारी की मांग की। विधायक ने उस कॉल को नजरअंदाज कर दिया। अगले दिन उन्हें दोबारा धमकी भरा फोन आया।

इस बार धमकी और भी गंभीर थी। कॉल करने वाले ने कहा कि अगर पैसे नहीं दिए गए तो उनके परिवार को भी नहीं छोड़ा जाएगा। इसके बाद विधायक ने तुरंत इसकी शिकायत जालंधर के पुलिस कमिश्नर को दी, जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। साइबर सेल की मदद से कॉल की लोकेशन और विदेशी नंबर की पहचान की जा रही है।

रिश्वरखोरी का रैकेट चलाने वाले दो ठगों को सीबीआई ने गिरफ्तार किया, अकूत दौलत देखकर अधिकारी भी चौंके

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। सीबीआई ने दो कथित ठगों को गिरफ्तार किया है। दोनों पर फर्जीवाड़ा करने और रिश्वतखोरी का गिरोह चलाने का आरोप है। कथित ठगों की पहचान अजीत कुमार पात्रा और मिंकु लाल जैन के रूप में हुई है। अधिकारियों का कहना है कि दोनों ने कई वरिष्ठ अधिकारियों के नाम भी बताए हैं, जो कथित तौर पर इनके साथ मिले हो सकते हैं। सीबीआई ने बताया कि दोनों ने गलत पहचान बताकर सरकारी सुविधाओं का फायदा उठाया। दोनों शीर्ष सरकारी अधिकारियों से अपनी जान-पहचान का दावा कर लोगों को डराते-धमकाते थे। सीबीआई ने कहा कि पात्रा और जैन ने कई बार सरकारी परिसरों में वीआईपी प्रोटोकॉल का फायदा लिया।

दोनों सरकारी आवासों में रहे, प्रतिबंधित क्षेत्रों में दोनों बेरोक-टोक आते जाते, विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों और धार्मिक आयोजनों में वीआईपी बनकर शामिल हुए। दोनों खुद को केंद्रीय एजेंसियों के अधिकारी बताकर धौंस जमाते थे। बीती 4 नवंबर को डायरेक्टरेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलीजेंस की एक टीम ने एक निजी कंपनी के सीईओ विनोद परिहार के ठिकानों पर छापेमारी की। गिरफ्तारी से बचने के लिए परिहार ने कथित तौर पर दोनों ठगों से संपर्क किया। आरोपियों ने परिहार से मामला सुलझाने के लिए 18 लाख रुपये की रिश्वत मांगी। इसकी जानकारी सीबीआई को मिली तो सीबीआई ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों के पास से 18 लाख रुपए की रकम भी जब्त की गई है। सीबीआई ने दोनों के पास से अकूत दौलत भी जब्त की है, जिसमें 3.7 करोड़ रुपये की नकदी, करीब एक किलो सोने आभूषण, पात्रा और उसके रिश्तेदारों के नाम पर 26 संपत्तियों के दस्तावेज, चार लग्जरी गाड़ियां भी जब्त की गई हैं।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 13 नवंबर- 2025

कब रुकेगी यह नफरत की आंधी ?

अशोक भाटिया

राजधानी दिल्ली में हुए बम विस्फोट सामाजिक और अंतर्राष्ट्रीय सिरदर्द का स्रोत हैं। यह तुरंत स्पष्ट नहीं है कि विस्फोटों के पीछे कौन था। बिहार विधानसभा चुनाव में मतदान को प्रभावित करने से बचने के लिए सरकार ने विस्फोटों पर टिप्पणी करने से परहेज किया होगा। उस स्थिति में, इसे सरकार की परिपक्वता के संकेत के रूप में देखा जा सकता है।

समाचारों के अनुसार लाल किला विस्फोट का संबंध पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद मॉड्यूल से है. इसमें उमर मोहम्मद और उसके साथी शामिल थे. अधिकारियों ने अमोनियम नाइट्रेट और ईंधन तेल जब्त किया है, जो हमले में इस्तेमाल किए गए विस्फोटकों से मेल खाता है. एनआईए, एनएसजी, और दिल्ली पुलिस सहित सुरक्षा एजेंसियां, जम्मू-कश्मीर पुलिस के सहयोग से, संयुक्त रूप से मामले की जांच कर रही हैं. एनडीटीवी को शीर्ष खुफिया सूत्रों ने बताया कि दिल्ली के लाल किले के पास हुआ विस्फोट अफरा-तफरी के कारण हुआ था, जांचकर्ताओं ने पुष्टि की.

बताया जाता है कि कि पूरे भारत और फरीदाबाद में सुरक्षा एजेंसियों की कार्रवाई के चलते संदिग्ध को डर था कि वह पकड़ा जा सकता है. इसी वजह से वह विस्फोटक को दूसरी जगह ले जाने या निपटाने की कोशिश कर रहा था, जो गलती से फट गया. यह आत्मघाती मिशन नहीं था, बल्कि आकस्मिक विस्फोट था. धमाके के समय वाहन चल रहा था और आईईडी भी पूरी तरह तैयार नहीं थी. लाल किला विस्फोट की कड़ियां अंततः श्रीनगर में पोस्टरों के मिलने से जुड़ रही हैं. इसके बाद कश्मीर और फरीदाबाद में कई गिरफ्तारियां हुईं थीं. इस मामले में 20 से 27 अक्टूबर के बीच शोपियां से मौलवी इरफान अहमद वाघे और गांदरबल के वाकुरा से जमीर अहमद की गिरफ्तारी हुई. सूत्र ने बताया कि पांच नवंबर को सहारनपुर से डॉ. अदील को पकड़ा गया और सात नवंबर को अनंतनाग अस्पताल से एके-56 राइफल तथा गोला-बारूद जब्त किया गया. आठ नवंबर को हरियाणा के फरीदाबाद स्थित अल-फलाह मेडिकल कॉलेज से भी हथियार और बारूद जब्त किए गए. पूछताछ के दौरान मिली सूचनाओं से इस मॉड्यूल में शामिल अन्य लोगों के बारे में पता चला, जिसके बाद डॉ. मुजम्मिल को अल-फलाह मेडिकल कॉलेज से दबोचा गया.

सूत्रों ने बताया कि 9 और 10 नवंबर को सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करने के बाद तीन चिकित्सकों सहित आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया और 2,900 किलोग्राम बम बनाने की सामग्री जब्त की गई. डॉ. उमर नबी उस आई 20 कार को चला रहा था, जिसमें विस्फोट हुआ. माना जा रहा है कि वह मारे गए लोगों में से एक है. उमर भी अल फला से जुड़ा था और माना जा रहा है कि उसने कथित तौर पर यह आतंकी हमला इसलिए किया, क्योंकि उसे डर था कि वह भी अपने साथी चिकित्सकों की तरह पकड़ा जा सकता है. विस्फोट के एक दिन बाद जम्मू कश्मीर पुलिस ने उमर की मां का डीएनए नमूना लिया, ताकि अवशेषों की पुष्टि हो सके. जिन तीन डॉक्टरों सहित आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया और तीन राज्य पुलिस द्वारा एक संयुक्त अभियान में लगभग तीन टन विस्फोटक बरामद किया गया। वे सभी मुसलमान थे। तीन राज्यों- जम्मू-कश्मीर, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में आतंकवाद विरोधी अभियान चलाए गए। लेकिन गिरफ्तार किए गए लोग पारंपरिक आतंकवादी नहीं हैं, लेकिन उनमें उच्च शिक्षित डॉक्टर, पुरुष और महिलाएं, और अन्य सफेदपोश, शिक्षित मध्यम वर्ग शामिल हैं, कुछ पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी संगठनों की महिला शाखा की संलिप्तता की ओर इशारा करते हैं, अन्य जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों की ओर इशारा करते हैं। विस्फोटकों का जखीरा बरामद किया गया था। लेकिन सिस्टम संभावित विस्फोट से बच नहीं सका। हमें विश्लेषण करने की जरूरत है कि क्या हुआ। पहला, खुफिया एजेंसियों की घोर नाकामी है, जो दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है, न तो कारगिल और न ही पठानकोट, उरी, पुलवामा या हाल ही में पहलगाम आतंकी हमले, लेकिन इन सब को खारिज कर दिया जाता है क्योंकि केंद्रीय नेतृत्व में इसे स्वीकार करने का साहस नहीं है, यानी एक छोटे से आवास को ताला लगाकर सुरक्षित किया जा सकता है। इसी तरह, हमारे आकार के देश के लिए 100 प्रतिशत सुरक्षित होना असंभव है। शासकों को भले ही इस बात का अहसास हो गया हो कि बहादुरी से इस तरह के आतंकी हमलों को कोई नहीं रोक सकता, लेकिन ऐसा नहीं है कि कांग्रेस पहले सत्ता में थी और उस समय हुए आतंकी हमलों के लिए विपक्ष जिम्मेदार था। दूसरी ओर, उन्होंने कहा कि अगर वे सत्ता में आते हैं, तो वे यह करेंगे, वे करेंगे, अब जब वे सत्ता में आएंगे, तो यह सलाह देना बुद्धिमानी होगी कि विपक्ष को आतंकवादी हमलों का राजनीतिकरण नहीं करना चाहिए। यह निष्कर्ष निकालना मूर्खता है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच तब और अब में कोई अंतर नहीं है, सिर्फ इसलिए कि जो बोया जाएगा वही काटेगा। यह विश्वास करना बेतुका है कि देशभक्त सत्ता में हैं और देश की सीमाएं अपने आप सुरक्षित हो जाएंगी। दूसरा मुद्दा सीमा पार आतंकवाद का है, जिसके बाद पुलवामा और पहलगाम का नंबर आया, जब हमारी सरकार एक मजबूत रुख अपनाने में सफल रही और सुनियोजित जवाबी हमलों से जितना हो सके पाकिस्तान की नाक काट दी। ये बात सही है कि इसे डरनेवाला आदि माना जाता था, लेकिन अभी इसकी चर्चा नहीं हो रही है। जब पूरे देश ने देखा कि अचानक हमारी तलवारें म्यान हो गईं, तो बात उस समय की नहीं है, बात वर्तमान दिल्ली ब्लास्ट की है, जो घरेलू कलाकारों द्वारा कराई गई हैं, ये सर्टिफिकेट करने की जरूरत नहीं है। यदि उत्तर हाँ है, तो हम इसका मुकाबला कैसे कर सकते हैं, या एक और सर्जिकल स्ट्राइक? अगर वह इस बार यह रास्ता चुनता है तो क्या उसे अंतरराष्ट्रीय समुदाय का समर्थन मिलेगा? चूंकि दिल्ली पहलगाम या पुलवामा नहीं है, ये दोनों ही सीमा पर हैं, इसलिए वहां होने वाले आतंकी हमलों के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है, लेकिन अगर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कोई आतंकी हमला होता है तो क्या इसके लिए किसी अन्य देश को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है? पिछले हमले में आरोपी/संदिग्ध आतंकवादी या तो सीधे पाकिस्तानी थे या उनका पाकिस्तान से कोई संबंध था; ऐसा नहीं हो सकता है कि वे मौजूदा दिल्ली विस्फोटों के लिए जिम्मेदार नहीं हैं, लेकिन ऐसा लगता है कि विस्फोटों के अपराधी सभी भारतीय हैं, जिनमें डॉक्टर और अन्य विशेषज्ञ शामिल हैं, इसलिए इस संभावना से इनकार करना मुश्किल है कि उन्हें स्थानीय लोगों की मदद से अंजाम दिया गया था।

तो अगली बात यह है कि मुट्ठी भर स्थानीय मुसलमान हैं, जो राष्ट्र-विरोधी और कट्टरपंथी मुसलमान रहे हैं, जिन्हें सत्ता परिवर्तन के बाद रोकने का दावा किया गया है, लेकिन लगभग 14 साल बाद दिल्ली में हुए बम विस्फोट, जिसे सभी अच्छे लोग अंतिम रूप देना चाहते हैं, लेकिन इसकी गारंटी नहीं है। यह सत्ता परिवर्तन के कारण नहीं है। कम से कम, यह माना जा सकता है कि इसमें कमी आई है। इसका मतलब यह है कि शासन परिवर्तन सभी धार्मिक/सामाजिक संघर्ष बिंदुओं का जवाब नहीं है। तो सोच परिवर्तन की बात सामने आई। अगर उन्होंने ऐसा किया तो उनके सामने यह सवाल खड़ा हो गया कि ऐसे कुछ लोगों द्वारा राष्ट्र विरोधी आतंकवादी गतिविधियों की भावना क्यों पैदा की गई। यदि आप ऐसा करना चाहते हैं, तो आपको बदला/बदला लेने की भावनाओं को एक तरफ रखना होगा।

वाइट कॉलर आतंकी नेटवर्क

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने देशभर में फैले जिस आतंकी मॉड्यूल का खुलासा किया उसने ये साफ हुआ है कि देशभर में वाइट कॉलर आतंकियों का नेटवर्क बढ़ा है। ये लोग शिक्षित होते हैं, अलग अलग पेशे में होते हैं और आम लोगों के बीच रहकर सामान्य जिंदगी जी रहे होते हैं। ऐसे में इनकी पहचान करना मुश्किल हो जाता है,लेकिन यही वाइट कॉलर आतंकी, आतंकवादी संगठनों की बैकबोन होते हैं। हथियार उठाकर किसी हमले या आतंकी वारदात को अंजाम देने वाले आतंकी जहां फ्रंट फेस होते हैं वहीं ये वाइट कॉलर आतंकवादी बाकी सारे सपोर्ट सिस्टम का हिस्सा माने जा रहे हैं। दिल्ली ब्लास्ट में जैश-ए-मोहम्मद के हाथ होने की आशंका जाहिर की जा रही है। जांच एजेंसियों का दावा है कि धमाका को जिस डॉक्टर ने अंजाम दिया वह जैश-ए-मोहम्मद के मॉड्यूल का मेंबर था। डॉ. उमर जैश-ए-मोहम्मद मॉड्यूल का मेंबर था। लेकिन हरियाणा, यूपी और जम्मू-कश्मीर में ताबड़तोड़ एक्शन से डॉ. उमर प्रेशर में आ गया। उसने छापेमारी के बाद अल फलाह मेडिकल कॉलेज कैंपस, फरीदाबाद से अपनी लोकेशन बदल दी। वही कार चला रहा था, जिसमें धमाका हुआ, जिसे सीसीटीवी फुटेज से भी साबित किया गया है। यह वही विस्फोटक था जो फरीदाबाद के ठिकानों से मिला था। दिल्ली धमाके के पीछे जिस जैश मॉड्यूल का हाथ था, उसका सफाया हमारे खुफिया तंत्र और सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता का सबूत है। इस केस की जांच की शुरुआत श्रीनगर में लगे कुछ आपत्तिजनक पोस्टरों से हुई थी। इस संबंध में 19 अक्टूबर को एफआईआर दर्ज की गई थी, जिसके बाद ही पूरे मॉड्यूल का पर्दाफाश हुआ। बहरहाल, इसी क्रम में 'वाइट कॉलर' टेरर मॉड्यूल चलाने के आरोप में कश्मीर के एक मौलवी को गिरफ्तार किया गया है। मौलवी के निशाने पर मेडिकल स्टूडेंट्स और युवा डॉक्टर्स थे। इनमें से ही कुछ दिल्ली में सोमवार को हुए कार ब्लास्ट से कुछ घंटे पहले फरीदाबाद में पकड़े गए, जो नेटवर्क के संदिग्ध सदस्य बताए जा रहे हैं। दक्षिण कश्मीर के शोपियां निवासी मौलवी इरफान अहमद वगाय को इमाम इरफान भी कहा जाता है। मौलवी इरफान श्रीनगर के सरकारी मेडिकल कॉलेज में पैरामेडिक के तौर पर काम करता था। वह अपनी नौकरी और नमाज का इस्तेमाल मेडिकल स्टूडेंट्स को साधने, जज्बाती युवाओं की पहचान करने और उन्हें कट्टरपंथ की ओर धकेलने के लिए करता था। इरफान इस मॉड्यूल का 'मुख्य चेहरा' था। इरफान ने मेडिकल प्रोफेशनल्स की भर्ती, फंडिंग जुटाने, लॉजिस्टिक सपोर्ट और आईईडी के लिए सामग्री की व्यवस्था तक का काम संभाला। पुलिस के अनुसार उसके घर से इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए गए हैं, जिनकी जांच चल रही है। यह जांच तब शुरू हुई जब 19 अक्टूबर को श्रीनगर के बुनपोरा नवगाम इलाके में जैश-ए-मोहम्मद के पोस्टर मिले थे, जिन पर पुलिस और सुरक्षाबलों को धमकियां दी गई थीं। इस मामले में यूएपीए, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और शस्त्र अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया था। जांच आगे बढ़ने पर पुलिस ने नवगाम से तीन संदिग्धों आरिफ निसार डार उर्फ साहिल, यासिर-उल-अशरफ और मकसूद अहमद डार उर्फ शाहिद को गिरफ्तार किया। इस मामले में और भी संदिग्धों की भूमिका सामने आई है, जिनकी जांच जारी है। इस मॉड्यूल से जुड़े वित्तीय लेनदेन की भी जांच की जा रही है। पुलिस टीमें आरोपियों के परिजनों और दोस्तों से पूछताछ कर नेटवर्क के दायरे को समझने की कोशिश कर रही है। सिक्योरिटी एजेंसियों से मिले डेटा के मुताबिक इस साल 2 आतंकी रिक्रूट हुए। पिछले साल 6 आतंकी रिक्रूट हुए थे। 2023 में 17, 2022 में 120, 2021 में 150 और 2020 में जम्मू-कश्मीर के 200 युवा आतंकी संगठनों में शामिल हुए थे। ये रिक्रूटमेंट कम हुआ है लेकिन ओवर ग्राउंड वर्कर कितने हैं इसका अंदाजा लगाना मुश्किल होता है। जब किसी घटना को अंजाम देते हैं या इस तरह की कोई साजिश का खुलासा होता है। सिक्योरिटी एजेंसियों का भी मानना हैं कि आतंकवादी संगठनों ने पेशेवर लोगों में अपना पेनिट्रेशन बढ़ाया है और वाइट कॉलर आतंकियों की बड़ी खेप तैयार की है।

लाल किला विस्फोट के बाद गंभीर सवाल

योगेश कुमार गोयल

दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले के पास 10 नवंबर को हुए भयानक धमाके ने न केवल देश की राजधानी दिल्ली बल्कि राष्ट्रीय चेतना को झकझोर दिया। शाम के करीब सात बजे जब दिल्ली अपनी सामान्य चहल-पहल में डूबी थी, अचानक लाल किला मैट्रो स्टेशन के गेट नंबर-1 के पास एक तेज धमाका हुआ, जिसने पूरे इलाके को दहला दिया। कुछ ही पलों में कार जलते मलबे में बदल गई, आसपास खड़ी गाड़ियां आग की लपटों में घिर गई और घना धुआं आसमान में छा गया। यह दृश्य किसी युद्ध के बाद की तबाही जैसा था, आवाज इतनी भयावह कि चांदनी चौक से लेकर जामा मस्जिद तक सायरन और चीखों की गूंज फैल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, एक सफेद हुंडई आई-20 कार में अचानक जबरदस्त विस्फोट हुआ। कार के परखच्चे उड़ गए और आग ने पास खड़ी गाड़ियों, ई-रिक्शा आदि को अपनी लपटों में ले लिया। कुछ ही सैकेंडों में पूरा इलाका दहशत के घेरे में था। विस्फोट की तीव्रता ने न केवल वाहनों को चूर-चूर किया बल्कि लाल किला और आसपास की इमारतों तक को हिला दिया, आसपास की दुकानों के शीशे टूट गए और लोगों के दिलों में एक बार फिर वही पुराना भय लौट आया, वह भय जो दिल्ली ने 2001, 2005, 2008 और 2011 के धमाकों के दौरान महसूस किया था।

इस दर्दनाक हादसे में कम से कम 12 लोगों की मौत हुई है जबकि दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल हुए। आनन-फानन में जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुट गई कि वाहन में कौन सवार था और विस्फोट से पहले क्या गतिविधियां हुई। जांच एजेंसियों के हाथ कई अहम सुराग लगे हैं। दिल्ली-एनसीआर और पुलवामा में लगातार छापेमारी से अलफलाह यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर आतंकी डॉ. उमर नबी दबाव में आ गया था। वह फरीदाबाद से जल्दबाजी में अधूरा तैयार आईईडी लेकर कार से निकला, जिससे धमाका हुआ। इसलिए धमाके का असर सीमित रहा और क्रेटर या छर्रे नहीं मिले। धमाके वाले दिन, आई20 कार लाल किला पहुंचने से पहले दिल्ली के कई इलाकों से गुजरी थी। कार दोपहर ढ़ाई बजे कनॉट प्लेस पहुंची और कुछ देर बाद वहां से निकल गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, कार में विस्फोट सामाग्री वही थी, जो फरीदाबाद से जब्त की गई है। यह मॉड्यूल जैश-ए-मोहम्मद और अंसार गजवत-उल-हिंद से जुड़ा है, जो जम्मू-कश्मीर, हरियाणा और यूपी में सक्रिय है। इस मामले में गिरफ्तार फरीदाबाद आतंकी मॉड्यूल में शामिल डॉ. शाहीन शाहिद ने स्वीकार किया है कि वह अपने साथी आतंकी डॉक्टरों के साथ मिलकर देशभर में हमलों की साजिश रच रही थी। पूछताछ के दौरान उसने खुलासा किया कि वह पिछले दो सालों से विस्फोटक जमा कर रही थी।

लाल किला केवल एक राष्ट्रीय स्मारक नहीं बल्कि भारतीय लोकतंत्र और अस्मिता का प्रतीक है। इसकी दीवारों पर हर स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री का भाषण गूंजता है। ऐसे पवित्र स्थल के समीप हुआ यह धमाका सुरक्षा व्यवस्था के सबसे गहरे स्तरों तक प्रश्न खड़े करता है। सवाल यह है कि इतनी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद राजधानी के दिल में यह घटना कैसे घट गई? दिल्ली पुलिस और खुफिया एजेंसियों की निगरानी में लाल किला सबसे उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्रों में शामिल है, जहां नियमित रूप से सीसीटीवी, ड्रोन और बीट पैट्रोलिंग की जाती है। फिर भी यदि इस स्तर का विस्फोट हो सकता है तो यह केवल तकनीकी विफलता नहीं बल्कि सुरक्षा मानसिकता की जड़ता का भी संकेत है। यह दर्शाता है कि हम अब भी उस सुरक्षित भ्रम में जी रहे हैं, जहां खतरे को हमेशा दूर मान लिया जाता है, जब तक कि वह हमारे दरवाजे पर दस्तक नहीं देता। इस धमाके की भयावहता का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि इसकी गूंज बहुत दूर तक सुनाई दी और आसपास के वाहनों में आग फैल गई, फायर ब्रिगेड ने बड़ी मुश्किल से आग पर काबू पाया। दिल्ली में ऐसा धमाका करीब 13 वर्षों बाद हुआ है। फरवरी 2012 में इजराइली राजनयिकों को निशाना बनाकर हुए बम धमाके के बाद से राजधानी अपेक्षाकृत शांत रही थी। उससे पहले 7 सितंबर 2011 को दिल्ली हाईकोर्ट गेट नंबर-5 के पास हुए धमाके में 15 लोग मारे गए थे। 2008 के सिलसिलेवार धमाकों में तो दिल्ली का दिल ही दहल गया था, जब करोल बाग, कनॉट प्लेस और ग्रेटर कैलाश जैसे इलाकों में मौत और तबाही की कहानियां लिखी गई थी। उससे पहले 29 अक्तूबर 2005 को दीवाली से दो दिन पहले लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों ने पहाड़गंज, गोविंदपुरी और सरोजिनी नगर में एक साथ तीन धमाके किए थे, जिनमें 60 से अधिक निर्दोष लोगों की जान चली गई थी। यह लंबा इतिहास बताता है कि दिल्ली हमेशा से आतंकवादियों के निशाने पर रही है क्योंकि यह न केवल सत्ता का केंद्र है बल्कि देश की आत्मा है। लाल किले के पास हुआ यह विस्फोट उस समय हुआ, जब फरीदाबाद में करीब तीन हजार किलो संदिग्ध विस्फोटक बरामद हुआ था। एक कश्मीरी डॉक्टर के किराए के मकान से 360 किलो विस्फोटक, हथियार और टाइमिंग डिवाइस बरामद किए गए थे। इस मामले में कई लोगों की गिरफ्तारी हुई, जिनमें मेडिकल प्रोफैशनल्स और मौलवी भी शामिल बताए गए। इन दोनों घटनाओं के बीच कड़ियां जुडने के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि कोई गहरी साजिश पनप रही थी, जिसे शायद पूरी तरह रोका नहीं जा सका। इस हादसे ने एक बार फिर सवाल उठाया है कि क्या हमारी खुफिया प्रणाली में समय रहते चेतावनी देने की क्षमता घट रही है? क्या सूचनाओं का साझा तंत्र अब भी कागजी प्रक्रियाओं में उलझा हुआ है? सुरक्षा केवल हथियारों, बुलेटप्रूफ जैकेटों या बड़ी टीमों से नहीं आती, यह निरंतर सतर्कता, सामुदायिक सहयोग और त्वरित इंटेलिजेंस साझा करने से बनती है। यदि फरीदाबाद जैसी घटनाओं के बाद तत्काल सतर्कता बढ़ाई जाती और वाहन जांच प्रणाली में रैंडम सर्च बढ़ाई जाती तो शायद यह विस्फोट टल सकता था। बहरहाल, पीड़ितों के परिवारों के लिए यह दर्द केवल आंकड़ों का मामला नहीं बल्कि उनके लिए यह जीवन के उजाले का बुझ जाना है। अस्पतालों में घायल तड़प रहे हैं, कुछ ने अपने प्रियजनों को हमेशा के लिए खो दिया। प्रशासन के लिए यह करुणा और जिम्मेदारी की सबसे कठिन परीक्षा है। सरकार को त्वरित राहत, मुआवजा और पारदर्शी जांच सुनिश्चित करनी होगी। अपराधियों को पकड़ने और दोषियों को सजा दिलाने में किसी भी तरह की देरी इस देश की न्यायिक साख पर सवाल उठाएगी। हमारी प्राथमिकता इस समय तीन दिशाओं में होनी चाहिए, पीड़ितों के प्रति संवेदना, जांच में निष्पक्षता और भविष्य के लिए सबक। लाल किले के पास हुआ यह धमाका चेतावनी है कि सुरक्षा एक सतत प्रक्रिया है, जिसे हर नागरिक की जागरूकता, तकनीकी सशक्तता और प्रशासनिक दृढ़ता के साथ ही साकार किया जा सकता है। यह समय दोषारोपण का नहीं बल्कि आत्ममंथन का है, यह सोचने का कि क्या हम सुरक्षा के हर स्तर पर सचमुच उतने सजग हैं, जितना एक जिम्मेदार राष्ट्र को होना चाहिए।

रोजगार संकट : भारत के आईटी क्षेत्र में छंटनी ही छंटनी

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत का सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र लंबे समय से देश की आर्थिक प्रगति का प्रमुख आधार रहा है। यह क्षेत्र न केवल सेवा निर्यात का सबसे बड़ा स्रोत है, बल्कि लाखों शिक्षित युवाओं को उच्च आय वाले रोजगार भी प्रदान करता रहा है। परंतु हाल के वर्षों में इसमें एक गहरी हलचल देखी जा रही है। वर्ष 2024–25 में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज़ (टीसीएस) द्वारा लगभग 20,000 नौकरियों में की गई कटौती ने पूरे उद्योग को हिला दिया। यह केवल एक कंपनी का प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि भारतीय आईटी क्षेत्र में चल रहे एक व्यापक संरचनात्मक परिवर्तन का संकेत है। यह परिवर्तन कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), मशीन अधिगम और स्वचालित प्रणालियों के तीव्र विस्तार के कारण हो रहा है। जिन कार्यों के लिए पहले सैकड़ों कर्मचारियों की आवश्यकता होती थी, अब वही कार्य कुछ ही मिनटों में स्वचालित तकनीक द्वारा संपन्न किए जा रहे हैं। सॉफ्टवेयर निर्माण, परीक्षण, और ग्राहक सेवा जैसे कार्य अब "एजेंटिक एआई" प्रणालियों द्वारा अधिक कुशलता से किए जा रहे हैं। इससे कंपनियों की उत्पादकता तो बढ़ी है, लेकिन मानव श्रम की आवश्यकता घटने लगी है-और यही इस मौन छँटनी की सबसे बड़ी वजह है।

टीसीएस, इन्फोसिस, विप्रो और कॉग्निज़ेंट जैसी कंपनियाँ अब पुराने "आउटसोर्सिंग" मॉडल से हटकर "मूल्य आधारित डिजिटल सेवा" मॉडल की ओर बढ़ रही हैं। यह परिवर्तन सीधे तौर पर मध्यम स्तर के कर्मचारियों को प्रभावित कर रहा है, जिनके कौशल पारंपरिक तकनीकों तक सीमित हैं। वे नई एआई आधारित प्रणालियों के अनुरूप स्वयं को ढाल नहीं पा रहे हैं। यही कौशल असंगति इस संकट का मूल कारण है।

एआई आधारित उपकरणों ने सॉफ्टवेयर उद्योग में मध्य प्रबंधन और सहायक भूमिकाओं को लगभग अप्रासंगिक बना दिया है। पहले जहाँ "ईआरपी प्रबंधन" या "सिस्टम रखरखाव" के लिए बड़े दलों की आवश्यकता होती थी, अब वही कार्य कुछ प्रोग्राम और क्लाउड स्वचालन प्रणालियाँ पूरी कर देती हैं। कंपनियों के लिए यह लागत घटाने का साधन है, लेकिन लाखों कर्मचारियों के लिए यह असुरक्षा का कारण बन गया है। यह प्रवृत्ति केवल भारत तक सीमित नहीं है। अमेरिका और यूरोप में भी तकनीकी उद्योगों में बजट कटौती और व्यापारिक संरक्षणवाद के कारण भारी परिवर्तन हो रहे हैं। विदेशी ग्राहक अब मानव श्रम आधारित सेवाओं की जगह तकनीक-आधारित समाधान चाहते हैं। साथ ही, अमेरिका में एच-1बी वीज़ा शुल्क वृद्धि और स्थानीय भर्ती नीतियों ने भारतीय कंपनियों के लिए विदेशों में कर्मचारियों की नियुक्ति को कठिन बना दिया है। इन सब कारणों से कंपनियाँ घरेलू स्तर पर भी कार्यबल कम करने पर मजबूर हो रही हैं। वर्ष 2023 से 2025 के बीच भारत की शीर्ष पाँच आईटी कंपनियों में लगभग 50,000 नौकरियाँ समाप्त हुई हैं। कंपनियाँ इसे "कार्य दक्षता में सुधार" बताती हैं, परंतु वास्तविकता यह है कि मानव संसाधन की आवश्यकता कम होती जा रही है। यह न केवल आर्थिक चुनौती है, बल्कि सामाजिक रूप से भी चिंता का विषय है, क्योंकि आईटी क्षेत्र देश के सबसे शिक्षित और संगठित वर्ग को रोजगार देता है। फिर भी, इस परिवर्तन को पूरी तरह नकारात्मक नहीं कहा जा सकता। हर तकनीकी क्रांति अपने साथ अवसर भी लाती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने नए क्षेत्र खोले हैं-जैसे डेटा विज्ञान, क्लाउड इंजीनियरिंग, साइबर सुरक्षा, और एआई मॉडल निर्माण। प्रश्न यह नहीं है कि नौकरियाँ समाप्त हो रही हैं, बल्कि यह कि पुराने कौशल अप्रासंगिक हो रहे हैं और नए कौशलों की मांग बढ़ रही है। अब आवश्यकता है कि सरकार, उद्योग और शिक्षा क्षेत्र मिलकर समन्वित प्रयास करें। सबसे पहले, राष्ट्रीय स्तर पर "डिजिटल पुनःप्रशिक्षण अभियान" चलाना होगा। टीसीएस ने स्वयं 5.5 लाख कर्मचारियों को मूल एआई प्रशिक्षण दिया और एक लाख को उन्नत प्रशिक्षण में सम्मिलित किया। यदि इस मॉडल को अन्य कंपनियों और सरकारी योजनाओं में शामिल किया जाए, तो बड़ी संख्या में पेशेवरों को पुनःकुशल बनाया जा सकता है।दूसरे, तकनीकी शिक्षा संस्थानों को अपने पाठ्यक्रम में मूलभूत परिवर्तन लाने होंगे। अब केवल प्रोग्रामिंग या नेटवर्किंग नहीं, बल्कि एआई नैतिकता, उत्पाद सोच , डेटा विश्लेषण, और सृजनात्मक समस्या समाधान जैसे विषयों को शिक्षा का हिस्सा बनाना होगा। नई शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत इन विषयों को शामिल कर युवाओं को भविष्य की तकनीकों के अनुरूप तैयार किया जा सकता है। तीसरे, सामाजिक सुरक्षा ढाँचे को मज़बूत करना होगा। छँटनी झेल रहे कर्मचारियों को सेवरेंस पैकेज, पुनःप्रशिक्षण सब्सिडी, और मानसिक स्वास्थ्य सहायता दी जानी चाहिए। भारत में निजी क्षेत्र के अधिकांश कर्मचारी किसी औपचारिक सुरक्षा प्रणाली से बाहर हैं। ऐसे में सरकार को "डिजिटल रोजगार सुरक्षा कोष" या "टेक्नो-कर्मचारी बीमा योजना" जैसी पहल शुरू करनी चाहिए। चौथे, सार्वजनिक–निजी भागीदारी मॉडल के माध्यम से बड़े पैमाने पर कौशल प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए जाएँ। एड-टेक कंपनियों, नासकॉम और राज्य सरकारों को मिलकर क्षेत्रीय प्रशिक्षण मिशन शुरू करने चाहिए, ताकि बेरोजगार तकनीकी पेशेवरों को नए कौशल सिखाए जा सकें। पाँचवाँ, नवाचार और स्टार्ट-अप संस्कृति को और प्रोत्साहित करना होगा।

राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम

सुनील कुमार

वंदे मातरम भारत के राष्ट्रीय गीत के रूप में गर्व और एकता की भावना को जगाता है। इस गीत की रचना आधुनिक भारत के महान साहित्यकार बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने 1875 में की थी। यह गीत पहली बार बंगदर्शन पत्रिका में 7 नवंबर 1875 में प्रकाशित हुआ था, बाद में यह गीत 1882 में उनके उपन्यास आनंदमठ में भी शामिल हुआ। वंदे मातरम्सिर्फ एक गीत नहीं बल्कि मातृभूमि की पूजा और सम्मान का प्रतीक बन गया जिसने अंग्रेजों की नींद उड़ा दी और स्वतंत्रता आंदोलन को नई ऊर्जा और चेतना दी। इसीलिए अंग्रेज़ सरकार ने इसे कई बार प्रतिबंधित करने का प्रयास भी किया।

गीत का अर्थ और भावना

"वंदे मातरम का अर्थ है— "हे माँ, मैं तुझे प्रणाम करता हूँ।" यहाँ 'माँ' से अभिप्राय है भारत माता, जिसकी धरती, नदियाँ, पर्वत, प्रकृति और संस्कृति को इस गीत में दिव्य रूप दिया गया है। यह गीत मातृभूमि की सुंदरता, उर्वरता, समृद्धि और शक्ति का अत्यंत भावपूर्ण वर्णन करता है। 26 जनवरी 1950 को भारत स्वतंत्र गणराज्य बना और वंदे मातरम् को राष्ट्रगीत का दर्जा दिया गया।

वंदे मातरम और स्वतंत्रता संग्राम

सन 1905 में कोलकाता में वंदे मातरम् संप्रदाय की स्थापना हुई जिसने मातृभूमि की पूजा को एक धर्म और मिशन की तरह बढ़ावा दिया।

इस संघ के सदस्यों द्वारा प्रत्येक रविवार को वंदे मातरम् गाते हुए प्रभात फेरी निकाली जाती थी। 1906 में बिपिन चंद्र पाल और अरविंदो के संपादन में वंदे मातरम् नामक अंग्रेजी दैनिक अखबार निकला जिसने देश में स्वाधीनता और एकता की भावना को फैलाया। बंदे मातरम ने देशवासियों को औपनिवेशिक शासकों के खिलाफ लड़ाई के लिए प्रभावी ढंग से उत्प्रेरित किया।

वंदे मातरम का सांस्कृतिक महत्व

वंदे मातरम् मात्र एक राष्ट्रगीत नहीं है बल्कि भारतीय राष्ट्रीय पहचान और मातृभूमि के प्रति भक्ति की अभिव्यक्ति है। यह गीत अंग्रेज़ी शासन के विरुद्ध आंदोलन कर रहे क्रांतिकारियों के लिए जोश और साहस की धड़कन बन गया तथा लाखों भारतीयों को स्वाधीनता के लिए लड़ने की प्रेरणा मिली। वंदे मातरम् आज भी विभिन्न कार्यक्रमों और समारोहों में गर्व से गाया जाता है और इसकी 150वीं वर्षगांठ ९ नवंबर २०२५ को पूरे भारतवर्ष विशेष रूप से मनाई गई। इस प्रकार वंदे मातरम् केवल एक गीत या शब्दों का संग्रह मात्र नहीं बल्कि भारत की आत्मा, स्वतंत्रता-संग्राम की प्रेरणा और देशभक्ति का अनुपम प्रतीक है। इस गीत ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अमर भूमिका निभाई। वंदे मातरम् गीत ने देशवासियों के हृदय में देशभक्ति की भावना को जगा कर इतिहास रचा और आज भी हमारे दिलों में अपनी प्रेरणा बनाये हुए है । यह हमें हमारी सांस्कृतिक धरोहर, मातृभूमि के प्रति प्रेम और भारतीय होने के गर्व का अहसास कराने के साथ साथ हमें यह भी याद दिलाता है कि हमारी मातृभूमि सर्वोपरि है और उसकी सेवा करना हर भारतीय नागरिक का प्रथम कर्तव्य है।

लेखक सीआरपीएफ के रांची में डीआईजी हैं।

कंगन-वियोग

डॉ. सुरेश कुमार

अरे साहब, पूछिए मत, यह घर अब घर नहीं, संग्रहालय हो गया है। और मैं? मैं इस सन्नाटे के शाही चौकीदार। कपूरचंद को अब आदत हो गई है– थोड़े-थोड़े दिनों में अलमारी की ₹सफाई₹ करता हूँ। सफाई का अर्थ केवल इतना कि धूल का एक कण भी मेरे पवित्र दुख को दूषित न कर दे। बाकी, श्रीमती जी के कंगन आज भी वहीं टंगे हैं, जहाँ वह महानिष्क्रमण से पहले छोड़ गई थीं। उन कंगन को छूना? तौबा! तौबा! क्या मैं इतना असंवेदनशील हो गया हूँ कि इस अमर प्रेम की निशानी को हाथ लगाऊँ? अजीब भय लगता है! कहीं छू लूँ और ये बज उठें, तो? और फिर कमरे में श्रीमती जी की वह किलकारी गूंज उठेगी – वही, जो सब्जी में नमक कम होने पर गूंजती थी, या मेरे देर से घर आने पर। वह हंसी नहीं थी साहब, वह तो गृहस्थी की वार्निंग अलार्म थी! और अगर वह अलार्म बज उठा, तो सारा दिन उजियारा नहीं फैलेगा, सारा दिन पेट्रोल-बम फटेंगे! इसलिए, मैं कंगन छूता नहीं। दूर से ही उन्हें 'साष्टांग प्रणाम' करता हूँ। असल में, मैं कंगन को नहीं छूता, मैं अपनी बची-खुची शांति को छूने से डरता हूँ। कपूरचंद संतोषी जीव है; वह स्मृति-बम से खेलना नहीं चाहता। आजकल की सफाई में भी इतनी अध्यात्मिकता कहाँ! लोग 'ओह माई गॉड' कहकर अलमारी खाली कर देते हैं, और मैं... मैं कंगन से आध्यात्मिक संवाद करता हूँ। यह वियोग नहीं, सरकारी प्रोजेक्ट है, जिसे वर्षों तक खींचना है।

लोग कहते हैं, सालों तक विश्वास, प्रेम, और समर्पण से सींचो, तब जाकर पति-पत्नी का रिश्ता 'बरगद' बनता है। मूर्ख हैं वे लोग! बरगद बनता है, यह सही है, पर आजकल के 'मॉर्डन बरगद'! उन्हें सींचो, खाद डालो, फिर भी वे सूख जाते हैं। और बरगद के सूखने से ज़्यादा तकलीफदेह है 'गृहस्थी का पेड़'! कपूरचंद ने भी खूब सींचा था, खूब पाला था! विश्वास का खाद, प्रेम का पानी, समर्पण का कीटनाशक! सब लगाया था! तब लगा था, अब यह पेड़ अमर हो गया है, अब इसकी टहनी भी नहीं टूटेगी। और तभी, अचानक अदृश्य आसमान से कोई बिजली नहीं, बल्कि श्रीमती जी का अचानक पलायन हुआ – एक ऐसी दैवीय बिजली, जिसने कपूरचंद की हरी-भरी गृहस्थी को चंद मिनटों में जलाकर राख कर दिया। यह बिजली कोई साधारण बिजली नहीं थी, यह थी 'मुक्ति की बिजली'! स्वतंत्रता का वज्रपात! श्रीमती जी तो चल बसीं, और कपूरचंद, मैं यहाँ धूँ-धूँ जलता रह गया। अब यह पेड़ सूखा नहीं है, साहब! यह पेड़ व्यंग्य कर रहा है मुझ पर! यह कह रहा है, ₹कपूरचंद, तूने मुझे सींचा, पर तू यह भूल गया कि रिश्ते में जितना ज्यादा सींचोगे, उतनी ही जल्दी बाढ़ आएगी, और सब बह जाएगा!₹ बरगद सूखा नहीं, वह कवि बन गया है, जो अपनी सूखी टहनियों से मुझ पर कविताएँ लिख रहा है। और मैं? मैं उस कविता का दुखी पाठक हूँ। अब इस खाली घर में जो सन्नाटा पसरा है, वह कोई साधारण सन्नाटा नहीं है। यह ₹फुल-टाइम जॉब₹ है, साहब! चौबीसों घंटे, सातों दिन, यह सन्नाटा मेरे कानों के परदे फाड़ता रहता है। और यह सन्नाटा डरावना इसलिए नहीं है कि श्रीमती जी नहीं हैं, बल्कि इसलिए है कि अब कोई चिल्लाने वाला नहीं है! अब डर लगता है उस अहसास से! बड़ी मुश्किल से छूटी है, कसम से, छूटी है तुम्हारी आदत, श्रीमती जी! हर पल, हर समय बस यही अहसास कि तुम हो यहाँ! अरे, तुम कहीं नहीं गई हो! तुम तो यहीं हो! क्या घटिया मज़ाक था!

कपूरचंद को पता है, श्रीमती जी चली गई हैं, पर दिमाग का एक कोना अब भी 'भ्रम' में जी रहा है। और यह भ्रम कितना पीड़ादायक है, तुम क्या जानो? तुम तो ट्रेन पकड़कर निकल गईं अनंत यात्रा पर! फर्स्ट क्लास में! यह जो हर पल का अहसास था न कि तुम हो, यह टॉक्सिक था, साहब! यह शारीरिक पीड़ा नहीं, यह मानसिक टॉर्चर था! इसलिए मैंने धीरे-धीरे सारा सामान हटा दिया। बर्तन, कपड़े, जूते, यहाँ तक कि वह टेढ़ा-मेढ़ा फोटो भी, जिसमें तुम हँस रही थी, और मैं डरा हुआ लग रहा था।

गरुड़देव ने देवताओं को पराजित करके हासिल किया अमृत

भगवान विष्णु के वाहन ग रुड़देव से जुड़ा किस्सा है। गरुड़ की माता का नाम विनता था। विनता अपनी सौतन कद्रू की दासी थी। कद्रू के पुत्र सर्प थे और गरुड़ को भी अपनी माता के कारण कद्रू के साथ उसके सर्प पुत्रों की सेवा करनी पड़ती थी। एक दिन गरुड़ ने अपनी सौतेली माता कद्रू से पूछा कि माता, हम आपकी दासता से मुक्त होना चाहते हैं, कृपया करके बताइए कि आप हमें इस दासता से कब मुक्त करेंगी? कद्रू ने कहा कि गरुड़, अगर तुम स्वर्ग से अमृत लाकर मुझे दे दोगे, तो मैं तुम्हें और तुम्हारी माता को इस दासता से मुक्त कर दूंगी। दासता से मुक्त होने के लिए गरुड़ तुरंत ही स्वर्ग की ओर निकल पड़े। वहां पहुंचकर उन्होंने देवताओं से युद्ध किया और सभी को पराजित कर दिया। इसके बाद वे अमृत कलश लेकर पृथ्वी की ओर लौटने लगे।

रास्ते में गरुड़ को भगवान विष्णु मिले। उन्होंने गरुड़ से पूछा कि गरुड़, तुम ये अमृत कहां ले जा रहे हो?

गरुड़ ने उत्तर दिया कि प्रभु, ये अमृत मैं अपनी सौतेली माता के लिए ले जा रहा हूं। उन्होंने वचन दिया है कि इसके बदले में वे मेरी माता को और मुझे दासता से मुक्त कर देंगी।

भगवान विष्णु ने कहा कि गरुड़, यदि तुम ये अमृत स्वयं पी लो तो तुम अमर हो जाओगे।

क्या तुम ऐसा नहीं करना चाहोगे?

गरुड़ ने नम्रता से उत्तर दिया कि प्रभु, ये अमृत मेरा नहीं है। मैं ये किसी और के लिए लिए लेकर आया हूं। अगर मैं इसे पी लूं तो ये बेईमानी होगी। मैं अपनी प्रतिज्ञा और कर्तव्य को नहीं छोड़ सकता।

भगवान विष्णु ये बात सुनकर अत्यंत प्रसन्न हुए और गरुड़ को वरदान देते हुए कहा कि मैं तुम्हारी ईमानदारी से बहुत प्रसन्न हूं। तुम बिना अमृत के भी अमर हो जाओगे और सदा मेरे साथ रहोगे।

इस प्रकार गरुड़ ने संदेश दिया कि ईमानदारी से भगवान की कृपा और सुख-शांति प्राप्त की जा सकती है।

प्रसंग की सीख

कर्तव्य पूरा करने में पीछे न हटें

गरुड़ के पास अमृत था, जिससे वे खुद अमर हो सकते थे, लेकिन उन्होंने अपने वचन को प्राथमिकता दी। गरुड़ ने संदेश दिया है कि कर्तव्य पूरा करना ज्यादा जरूरी है। जीवन में जब हम वचन निभाने और जिम्मेदारी पूरी करने को महत्व देते हैं, तभी सम्मान मिलता है।

ईमानदारी ही असली अमृत है

गरुड़ ने सिखाया है कि अमरता धन या शक्ति से नहीं, चरित्र की पवित्रता और ईमानदारी से मिलती है। ईमानदारी ही सफलता पाने का मूलमंत्र है।

दूसरों का भरोसा न तोड़ें

किसी ने अगर हमें भरोसा करके कोई काम दिया है, तो उसे ईमानदारी से पूरा करना चाहिए। दूसरों विश्वास खोने में एक क्षण लगता है, लेकिन उसे पाने में वर्षों लग जाते हैं।

कठिन परिस्थिति में भी अच्छाई न छोड़ें

गरुड़ के पास अमृत पीने का मौका था, लेकिन उन्होंने अपने सिद्धांत, अपनी अच्छाई नहीं छोड़ी। कठिन समय में भी अपने मूल्य और नैतिकता को बनाए रखना ही असली ताकत है।

1000 साल पुराना धेनुपुरीश्वरर मंदिर
जहां गाय बने कपिल मुनि ने की थी शिव आराधना

सनातन धर्म और हमारे शास्त्रों में हमेशा मनुष्य जीवन को मोक्ष से जोड़ा गया है। मोक्ष प्राप्ति के लिए दान, पूजा-पाठ और अनुष्ठान करने के लिए कहा जाता है। चेन्नई शहर के पास एक ऐसा मंदिर है, जहां दुखों से मुक्ति और मोक्ष प्राप्ति के लिए भक्त दूर-दूर से आते हैं। ये मंदिर सिर्फ धर्म की दृष्टि से ही नहीं, बल्कि भारतीय पुरातत्व के लिए भी खास है।

1000 साल अधिक पुराना है धेनुपुरीश्वरर मंदिर

चेन्नई के मदंबक्कम और तांबरम के पास प्राचीन धेनुपुरीश्वरर मंदिर है, जिसे 1000 साल से भी ज्यादा पुराना बताया जाता है। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है, जिन्हें यहां मोक्ष के देवता के रूप में पूजा जाता है।

गर्भगृह में 6 इंच का शिवलिंग

मंदिर के गर्भगृह में 6 इंच के शिवलिंग विराजमान है, जिन्हें धेनुपुरीश्वर कहा गया है। मंदिर के गर्भगृह में भगवान शिव मां पार्वती के अन्य रूप 'धेनुकंबल' के साथ विराजमान हैं। भक्तों के बीच मान्यता है कि मंदिर में आकर धेनुपुरीश्वर और 'धेनुकंबल' की पूजा करने से सारे पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

धेनुपुरीश्वरर मंदिर कथा

मंदिर से जुड़ी पौराणिक कथा की मानें तो महान ऋषि कपिल मुनि भगवान शिव के भक्त थे। उन्होंने बाएं हाथ से भगवान की आराधना की थी, जिसकी वजह से उन्हें अगले जन्म में गाय का जन्म लेने का श्राप मिला। गाय होकर भी कपिल मुनि ने लगातार भगवान शिव की आराधना की और मिट्टी में दबे शिवलिंग की पूजा की।

एक बार ग्वाले ने गाय को दूध अर्पित करने के लिए दंडित किया और इतना मारा कि उसके खुर से निकलने वाला रक्त शिवलिंग पर अर्पित हो गया। गाय की पीड़ा को कम करने के लिए भगवान शिव स्वयं प्रकट हुए और कपिल मुनि को श्राप से मुक्त किया। इसी वजह से मंदिर का नाम धेनुपुरीश्वरर पड़ा। यहां धेनु से तात्पर्य गाय से है।

शिवलिंग पर आज भी गाय के खुर का निशान

मंदिर में विराजमान छोटे से शिवलिंग पर आज भी गाय के खुर का निशान है और शिवलिंग को स्वयं प्रभु माना जाता है। शिवलिंग के पास एक गड्ढा भी है। मंदिर में भगवान विष्णु भी विराजमान हैं, लेकिन वे मुख्य गर्भगृह के पीछे की तरफ स्थापित हैं।

धेनुपुरीश्वरर मंदिर की सुंदर वास्तुकला

मंदिर की वास्तुकला देखने लायक है, क्योंकि मंदिर के हर खंभे पर चोल राजा सुंदर चोल के समय की नक्काशी है। मंदिर के प्रवेश द्वार पर ही भगवान गणेश और कार्तिकेय की प्रतिमा बनी है, जो हाथों में बाण लिए खड़े हैं। इसके अलावा मंदिर में एक नक्काशी ऐसी भी है जिसमें ब्रह्मा, विष्णु, सूर्य और भगवान गणेश की प्रतिमा एक साथ विराजमान है। इस नक्काशी को वहां के लोग शक्ति का प्रतीक मानते हैं।

इसके अलावा एक खंभे पर कपिल मुनि को अपनी बाईं भुजा में शिवलिंग और दाईं भुजा में माला धारण करते हुए दिखाया गया है। धेनुपुरीश्वरर मंदिर के पास ही 18 सिद्धों का मंदिर है और थोड़ी ही दूरी पर शुद्धानंद आश्रम भी देखने को मिल जाएगा।

सफल लोग क्यों उठते हैं ब्रह्म मुहूर्त में ?
जानिए इसका गूढ़ कारण

ब्रह्म मुहूर्त को हमारे शास्त्रों और विज्ञान दोनों में ही अत्यंत शुभ और भाग्यशाली माना गया है। यह वह स्वर्णिम समय है जब प्रकृति और हमारा मन एक विशेष तालमेल में होते हैं, जिससे हर मनोकामना पूर्ण होने की राह खुलती है। ब्रह्म मुहूर्त रात्रि का अंतिम प्रहर और सूर्योदय से ठीक पहले का समय होता है। यह आमतौर पर सूर्योदय से लगभग डेढ़ घंटा पहले शुरू होता है। यानी, अगर सूर्योदय सुबह 6 बजे है, तो ब्रह्म मुहूर्त लगभग 4:30 बजे से 6:00 बजे तक रहेगा। ब्रह्म का अर्थ है परमात्मा या ज्ञान और मुहूर्त का अर्थ है समय। इसे परमात्मा का समय या ज्ञान प्राप्त करने का समय कहा जाता है।

आध्यात्मिक और धार्मिक महत्व

भारतीय धर्म-शास्त्रों में ब्रह्म मुहूर्त को जागने और साधना के लिए सर्वश्रेष्ठ बताया गया है।

माना जाता है कि इस समय सभी देवी-देवता पृथ्वी पर विचरण करते हैं। इस काल में की गई पूजा, ध्यान और प्रार्थना का फल कई गुना अधिक मिलता है और व्यक्ति पर देवताओं की विशेष कृपा बरसती है।

इस समय वातावरण में तम और रज गुणों की मात्रा बहुत कम होती है और सत्त्व गुण का प्रभाव सबसे अधिक होता है।

शास्त्रों के अनुसार, जो व्यक्ति ब्रह्म मुहूर्त में जागकर अपने इष्टदेव का ध्यान करता है और सकारात्मक संकल्प लेता है, उसकी हर मनोकामना पूरी होने की संभावना बढ़ जाती है।

आयुर्वेद में भी इस समय उठने को 'दिनचर्या' का अभिन्न अंग बताया गया है, जो सौंदर्य, बल, विद्या, बुद्धि और स्वास्थ्य की प्राप्ति कराता है। ऋग्वेद में कहा गया है कि प्रातः जल्दी उठने वाला व्यक्ति पुष्ट, स्वस्थ, बलवान और दीर्घायु होता है। इस समय वातावरण सबसे अधिक शांत और शुद्ध होता है। हवा में नवजात ऑक्सीजन की मात्रा सर्वाधिक होती है। यह ऑक्सीजन हमारे हीमोग्लोबिन के साथ मिलकर ऑक्सीहीमोग्लोबिन बनाती है, जिससे रक्त शुद्ध होता है और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

इस समय मस्तिष्क सबसे अधिक शांत और ग्रहणशील होता है। पढ़ाई करने वाले छात्रों और कामकाजी लोगों के लिए यह समय अमृत समान है। इस समय किया गया अध्ययन या योजना दिमाग में गहराई तक बैठती है, जिससे सफलता मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

ब्रह्म मुहूर्त में जागने से शरीर की जैविक घड़ी सही होती है। यह शरीर के अंगों के कार्य, पाचन तंत्र और हार्मोनल स्वास्थ्य को नियंत्रित करता है, जिससे सकारात्मक और खुशी वाल हार्मोन रिलीज होते हैं, जो तनाव को कम करने में मदद करते हैं।

शांत वातावरण ध्यान और योग के लिए आदर्श होता है। यह मानसिक तनाव को कम करता है, बुरे विचारों को शांत कर सात्विक बनाता है और एकाग्रता को कई गुना बढ़ा देता है।

आचरण ऐसा हो, जो बच्चों के लिए संस्कार बन जाए

बीएसएफ का स्लोगन है- फर्स्ट लाइन ऑफ डिफेंस। यही बात बच्चों के लिए संस्कार की फिलॉसफी बन जाती है। बच्चों की फर्स्ट लाइन ऑफ डिफेंस अब संस्कार होना चाहिए। दुनिया में जो भी लोग सफल दिखते हैं, वो कोई जादू से नहीं हुए हैं।

उन्होंने प्रयासों की पुनरावृत्ति की है, निर्णयों में दृढ़ता रखी है और पूर्ण समर्पण और परिश्रम से काम किया है। इस समय ये संस्कार हैं। जब हमारे बच्चे सफल होंगे तो दुनिया उनकी सफलता तो देखेगी, लेकिन उसके पीछे के संस्कार नहीं देख पाएगी। हमें भी घरों में बच्चों को केवल बोलकर, समझा-समझाकर संस्कार नहीं देने हैं।

संस्कार देने का सबसे अच्छा ढंग है- आचरण। घर के सदस्यों का आचरण ऐसा हो, जो बच्चों के लिए संस्कार बन जाए। अगर हम इन्हें बिना संस्कार दिए सफलता के सूत्र सिखाएंगे तो हमारी और हमारे बच्चों की विल पावर एग्जॉस्ट हो जाएगी। पूरा परिवार थक जाएगा। आज बच्चों के लालन-पालन को लेकर लोग मायूस-से होते जा रहे हैं। इसे समस्या नहीं, चुनौती मानें। इससे निपटने का एक ढंग यह है कि सही संस्कार, सही समय पर दिए जाएं।

आपके हाथ में है यह निशान, तो रातों रात रोडपति से बन जाएंगे करोड़पति

हस्तरेखा शास्त्र में हाथ पर बने निशान आपकी उन्नति, सफलता और असफलता को दिखाते हैं। हथेली में कुछ शुभ और अशुभ निशान होते हैं। यदि शुभ निशान हैं तो आपकी किस्मत चमकाने में मददगार होंगे, वहीं अशुभ निशान आपकी बदकिस्मती के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं। हस्तरेखा शास्त्र में स्टार का चिह्न शुभ होता है। यदि आपके हाथ में स्टार का चिह्न है तो आप रातोंरात रोडपति से करोड़पति बन सकते हैं। शर्त यह है कि स्टार चिह्न शुभ स्थान पर होना चाहिए। हस्तरेखा शास्त्र के विशेषज्ञ दर्शन पाठक बताते हैं कि स्टार का शुभ चिह्न आपकी हथेली के किसी पर्वत पर है, यह महत्वपूर्ण है। जिस पर्वत पर स्टार होगा, उसका मतलब उसके अनुसार होगा।

बुध पर्वत पर स्टार का निशान

हस्तरेखा विशेषज्ञ दर्शन पाठक का कहना है कि यदि स्टार का निशान बुध पर्वत पर है तो यह उस व्यक्ति को रिसर्च की दुनिया में लेकर जाता है। बुध पर्वत हाथ में सबसे छोटी अंगुली के ठीक नीचे होता है। बुध पर्वत का स्टार व्यक्ति को उसके फील्ड में शोध कराता है। इससे आपके लिए आगे बढ़ने के अवसर बनते हैं।

यदि किसी व्यक्ति के हाथ में सूर्य पर्वत पर स्टार का निशान हो तो उस व्यक्ति का नाम और शोहरत होता है। वो जो कार्य करता है, उससे उसके यश और कीर्ति में बढ़ोत्तरी होती है। सूर्य पर्वत अनामिका अंगुली यानि रिंग फिंगर के ठीक नीचे स्थित होता है। यह किसी में उठा हुआ, धंसा या चपटा हो सकता है। इसके भी अलग मतलब होते हैं।

शनि पर्वत का स्टार अचानक बनाता है करोड़पति

इसी तरह से किसी व्यक्ति के हाथ में शनि पर्वत के नीचे स्टार का निशान होता है, तो वह आदमी रातोंरात रोडपति से करोड़पति हो सकता है। शनि का स्टार व्यक्ति को सीधे रंक से राजा बना देता है। उस व्यक्ति का अचानक से भाग्योदय होता है। उसके पास धन, दौलत, शोहरत की कोई कमी नहीं रहती है।

गलत काम से हो सकती है दुर्घटना

दर्शन पाठक बताते हैं कि शनि पर्वत का स्टार रातोंरात राजा बना तो देता है लेकिन शर्त यह है कि उस व्यक्ति को पैसों का गलत जगह पर उपयोग नहीं करना चाहिए। यदि आप उस पैसे का अच्छे कार्यों में उपयोग करेंगे तो वह आपके लिए शुभ होगा। यदि उस पैसे का गलत उपयोग करेंगे तो 2 साल के अंदर उसका एक्सीडेंट हो सकता है। शनि पर्वत मध्यमा अंगुली यानि बीच वाली अंगुली के ठीक नीचे होता है।

गुरु पर्वत का स्टार कराता है भाग्योदय

यदि किसी व्यक्ति के हाथ में तर्जनी अंगुली के ठीक नीचे गुरु पर्वत पर स्टार का निशान है तो उस व्यक्ति का अपने जीवन काल में अचानक से भाग्योदय होता है और यह शुभ समय 2 साल तक रहता है। बड़े लोगों से मेल मुलाकात होती है। उनसे आपको लाभ होता है।

अगर बुध चला गलत दिशा में तो करियर हो जाएगा बर्बाद!

जब कोई इंसान अपनी कुंडली में बुध ग्रह को दसवें भाव में देखता है, तो अक्सर यह सवाल मन में आता है- "क्या यह मुझे करियर में ऊंचाई देगा या दिमागी उलझनें बढ़ाएगा?" दरअसल, बुध ऐसा ग्रह है जो बुद्धि, तर्क, बात करने की कला, व्यापार, सोचने की क्षमता और प्लानिंग को दिखाता है। वहीं दसवां भाव कर्म, नौकरी, करियर, समाज में इज्जत और उपलब्धियों से जुड़ा होता है। जब बुध यहां आता है, तो व्यक्ति की काम करने की शैली, उसकी सोच, और दूसरों के साथ तालमेल बनाने का तरीका बिल्कुल अलग हो जाता है, अगर बुध मजबूत हो तो व्यक्ति का दिमाग तेज़ चलता है, फैसले सही समय पर लेता है और अपने दिमाग से बड़ा नाम बना सकता है, लेकिन अगर यह कमजोर या अशुभ ग्रहों से पीड़ित हो, तो वही बुध व्यक्ति को हद से ज़्यादा सोचने वाला, संदेह करने वाला या बोलने में गलती करने वाला बना सकता है। दसवां भाव कर्म का घर है, और बुध वहां बैठकर इंसान को कर्म के प्रति समझदार तो बनाता है, पर कभी-कभी अधिक चतुराई भी नुकसान दे सकती है। तो आइए जानते हैं भोपाल निवासी ज्योतिषी, वास्तु विशेषज्ञ एवं न्यूमेरोलॉजिस्ट हिमाचल सिंह से बुध के दसवें भाव में होने के सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव, और ऐसे कौन से उपाय हैं जिनसे इसका गलत असर दूर किया जा सकता है।

बुध के दसवें भाव में सकारात्मक प्रभाव

जब बुध मजबूत होता है और शुभ ग्रहों के साथ बैठता है, तो यह व्यक्ति के करियर को ऊंचाई तक ले जा सकता है। ऐसे लोग दिमाग से बहुत तेज़ होते हैं और बातों से किसी को भी अपनी ओर आकर्षित कर लेते हैं, ये लोग खासतौर पर उन क्षेत्रों में सफलता पाते हैं जहां दिमाग और कम्युनिकेशन दोनों की ज़रूरत होती है जैसे मीडिया, पब्लिक रिलेशन, मार्केटिंग, टीचिंग, एडवाइजिंग, फाइनेंस, या बिजनेस कंसल्टेंसी।

बुध के इस स्थान पर होने से व्यक्ति की सोच साफ़ रहती है, वह प्लान बनाकर काम करता है और दूसरों को समझाने की कला उसमें होती है, ये लोग छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखते हैं, इसलिए टीम में इनकी वैल्यू ज़्यादा होती है।

कई बार ऐसे लोग बहुत कम उम्र में ही बड़ा नाम कमा लेते हैं क्योंकि इन्हें लोगों की मनोवृत्ति समझने की क्षमता होती है।

अगर कुंडली में सूर्य या बृहस्पति का साथ मिल जाए, तो यह व्यक्ति को सरकारी या उच्च पद दिला सकता है।

बुध यहां व्यक्ति को कर्म के प्रति जागरूक, समाज में प्रतिष्ठित और व्यवहारिक बनाता है। ऐसे लोग अपनी समझदारी से मुसीबत से भी निकल जाते हैं।

बुध के दसवें भाव में नकारात्मक प्रभाव

अगर बुध अशुभ ग्रहों के प्रभाव में आ जाए या नीच का हो जाए, तो इसका असर व्यक्ति की सोच और व्यवहार दोनों पर पड़ता है। ऐसे लोग ज़रूरत से ज़्यादा सोचते हैं, जल्दी-जल्दी राय बदल लेते हैं और अपने फैसलों में स्थिरता नहीं रख पाते।

कई बार ये अपनी बातों से खुद ही उलझ जाते हैं, जिससे लोगों में उनकी बात का भरोसा कम हो जाता है।

नकारात्मक बुध व्यक्ति को बहुत चालाक या लालची भी बना सकता है, जिससे वो अपने फायदे के लिए दूसरों को नुकसान पहुंचा सकता है।

कई बार ऐसा व्यक्ति अपने काम या करियर में बार-बार बदलाव करता है, क्योंकि उसका मन एक जगह टिकता नहीं।

बुध के दोष दूर करने के उपाय

अगर दसवें भाव में बुध कमजोर हो और शनि या राहु की दृष्टि हो, तो व्यक्ति अपनी बुद्धि का गलत इस्तेमाल करने लगता है जैसे दूसरों को बेवकूफ बनाना या गलत रास्तों से पैसा कमाना।

इस स्थिति में दिमाग तो तेज़ होता है, लेकिन दिशा गलत हो जाती है।

ऐसे लोगों को अपने बोल और फैसलों पर काबू रखना ज़रूरी होता है, वरना अच्छी सोच भी गलत रास्ते पर चली जाती है।

बुध के दोषों से बचने के उपाय

हर बुधवार को हरी चीज़ें दान करें- जैसे हरी मूंग, हरी सब्जियां या पन्ना रत्न पहनने से बुध को मज़बूती मिलती है।

गाय को हरा चारा खिलाएं- यह उपाय बुध के क्रोध को शांत करता है।

"ॐ बुं बुधाय नमः" मंत्र का जाप करें- रोज़ कम से कम 108 बार जाप करने से बुध के बुरे असर कम होते हैं।

बोलने से पहले सोचें- बुध की खराब स्थिति का असर ज़्यादातर शब्दों और निर्णयों पर पड़ता है, इसलिए सोच-समझकर बोलना शुभ होता है।

हरे कपड़े पहनें या हरे रंग की चीज़ें अपने पास रखें- यह बुध को सकारात्मक ऊर्जा देता है।

गणेश जी की पूजा करें, क्योंकि वे बुध के स्वामी माने जाते हैं। बुधवार को गणेश जी को दूर्वा और मोदक अर्पित करने से बुध मजबूत होता है।

शर्लिन चोपड़ा ने कराई ब्रेस्ट इम्प्लांट रिमूवल सर्जरी, वीडियो शेयर कर बताया

एक्ट्रेस शर्लिन चोपड़ा ने ब्रेस्ट इम्प्लांट हटवाने का खुलासा किया। वीडियो शेयर कर बताया कि वह ये कदम क्यों उठा रही हैं। कुछ फैंस ने उनके इस फैसले की तारीफ की और कुछ उनकी अंग्रेजी पर लट्टू हो गए।

शर्लिन चोपड़ा पर फिदा फैंस

एक्ट्रेस और मॉडल शर्लिन चोपड़ा अक्सर अपने दिलकश अवतार के कारण सुर्खियां बटोरती हैं। वह एक बार फिर से चर्चा में हैं क्योंकि उन्होंने अपना ब्रेस्ट इम्प्लांट हटवाने का फैसला किया है। इसके बारे में एक वीडियो शेयर किया है और ये कदम उठाने के पीछे की वजह भी बताई है। अब लोग उनके इस फैसले पर कम, उनकी अंग्रेजी पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं।

दरअसल, शर्लिन चोपड़ा ने 11 नवंबर को एक वीडियो शेयर किया और उसमें इंग्लिश में बोलते हुए सबकुछ बताया कि वह लंबे समय से शरीर के अलग-अलग हिस्सों में दर्द से जूझ रही थीं और सबकी जड़ उनका ब्रेस्ट इम्प्लांट था, और अब वह उसे हटवाने जा रही हैं।

शर्लिन चोपड़ा हटा रही हैं ब्रेस्ट इम्प्लांट

कैप्शन में एक्ट्रेस ने लिखा, 'अगस्त 2023 में, मैंने अपने चेहरे से सारे फिलर्स हटवा लिए थे ताकि मैं अपनी असली शक्ल में दिख सकूं। और आज मैं ब्रेस्ट इम्प्लांट रिमूवल सर्जरी करवा रही हूं, जिससे लाइफ में किसी भी तरह का बोझ न रहे।' इसमें उन्होंने ये भी जिक्र किया कि वह किसी की आलोचना नहीं कर रही हैं। सिर्फ वो बता रही हैं कि उन्होंने खुद को वैसे अपनाने का फैसला किया, जैसी वह हैं।

शर्लिन चोपड़ा की अंग्रेजी पर फिदा फैंस

अब इस दौरान लोगों ने उनके इस फैसले पर तो कुछ नहीं कहा। अंग्रेजी पर भर-भरकर कमेंट किया। एक यूजर ने लिखा, 'अंग्रेजी तो अच्छी बोल लेती है।' एक ने लिखा, 'मैंने तो पहली बार इन्हें इतनी फरीटेदार इंग्लिश बोलते देखा।' एक ने लिखा, 'आपने अच्छे से पढ़ाई की है।' एक ने लिखा, 'आपकी इंग्लिश बहुत अच्छी है।' एक ने लिखा, 'पहली बार आप मुझे अच्छी लग रही हैं।' वहीं कुछ ने उनके इस फैसले की भी तारीफ की और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की।

प्रेम चोपड़ा को अस्पताल में खुद से ज्यादा दोस्त धर्मेंद्र की चिंता

प्रेम चोपड़ा मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती हैं। उनके दामाद विकास भल्ला ने दिग्गज एक्टर की सेहत को लेकर जानकारी दी है। बताया कि वो बिल्कुल ठीक हैं और आज-कल में घर लौट आएंगे। विकास ने बताया कि प्रेम साहब अस्पताल में खुद से ज्यादा धर्मेंद्र को लेकर चिंता में हैं।

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर धर्मेंद्र जहां अस्पताल से घर लौट आए हैं, वहीं 90 साल के प्रेम चोपड़ा अभी भी लीलावती अस्पताल में भर्ती हैं। उनकी तबीयत पहले से बेहतर बताई जा रही है। प्रेम चोपड़ा के दामाद और एक्टर विकास भल्ला ने हेल्थ अपडेट शेयर किया है। बताया है कि प्रेम साहब को रूटीन चेकअप के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है।

उन्होंने कहा कि चिंता की कोई बात नहीं है और वह एक-दो दिन में डिस्चार्ज हो जाएंगे। हालांकि, उन्होंने यह जरूर कहा कि अस्पताल में प्रेम चोपड़ा अपने साथी धर्मेंद्र को लेकर चिंतित हैं। वह लगातार धरम पाजी का हालचाल ले रहे हैं।

प्रेम चोपड़ा के स्वास्थ्य की जानकारी देते हुए विकास भल्ला ने आगे कहा, 'उन्हें उम्र संबंधी समस्याओं और संक्रमण के बाद नियमित जांच के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। डॉक्टरों ने हर तरह की जांच की है और सौभाग्य से सब कुछ ठीक है। जब मैं सुबह उनसे मिलने गया, तो वह बिल्कुल ठीक और खुश थे, लेकिन निश्चित रूप से वह धर्मेंद्र जी के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित थे।'

380 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुके हैं प्रेम चोपड़ा

धर्मेंद्र की तरह ही प्रेम चोपड़ा ने भी बॉलीवुड में छह दशकों से भी ज्यादा वक्त तक काम किया है। आम तौर पर वह पर्दे पर विलेन बने हैं और उनकी एक खास अंदाज की डायलॉग डिलिवरी को दर्शकों ने खूब पसंद किया है। प्रेम चोपड़ा ने अपने करियर में 380 से ज्यादा फल्मिों में काम किया है। उनके करियर की सबसे बड़ी फिल्मों में, 'बॉबी', 'उपकार', 'दो रास्ते', 'कटी पतंग' और 'त्रिशूल' जैसी क्लासिक शामिल हैं।

शुभमन गिल के साथ रिश्ता क्या कहलाता है? अभिनेत्री शहनाज का बड़ा खुलासा

बॉलीवुड एक्ट्रेस और टीवी स्टार शहनाज गिल ने हाल ही में भारतीय क्रिकेटर शुभमन गिल के साथ अपने रिश्ते पर चल रही अफवाहों पर मजेदार अंदाज में जवाब दिया। बिग बॉस 13 से लोकप्रिय हुईं शहनाज अब फिल्मों और म्यूजिक वीडियोज में भी सक्रिय हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर लंबे समय से यह चर्चा थी कि शहनाज और शुभमन आपस में भाई-बहन हैं, क्योंकि दोनों का सरनेम 'गिल' एक जैसा है।

पॉडकास्ट में दिया मजेदार जवाब

रणवीर अल्लाहबादिया के पॉडकास्ट में जब शहनाज से पूछा गया कि क्या उनका शुभमन गिल से कोई रिश्ता है, तो उन्होंने हंसते हुए कहा, 'वो मेरे भाई होंगे। शायद हमारे ही साइड के हैं, अमृतसर साइड के। जब वो ट्रेंड करते हैं, तो मेरा नाम भी ट्रेंड करने लगता है। सच में, भाई-बहन का कोई तो कनेक्शन होगा।'

शहनाज ने आगे मुस्कुराते हुए कहा, 'मैंने खुद से पूछा और यही जवाब मिला। हम एक ही साइड के हैं, तो हां, कुछ तो कनेक्शन होगा। अच्छा है, वो अच्छा खेल रहे हैं और बहुत प्यारे हैं।' उनका यह जवाब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है और फैंस इसे 'शहनाज स्टाइल' में दिया गया मजेदार और दिलचस्प रिप्लाई बता रहे हैं।

गांगुली ने की शुभमन गिल की तारीफ

इसी बीच, पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने शुभमन गिल की जमकर तारीफ की और उन्हें परफेक्ट कप्तान बताया। उन्होंने कहा, 'शुभमन गिल शानदार बल्लेबाज हैं और एक बेहतरीन कप्तान भी। इंग्लैंड में जाकर टीम की कप्तानी करना आसान नहीं होता, लेकिन उन्होंने अद्भुत काम किया। वो ऑल-फॉर्मेट खिलाड़ी हैं और भारत का भविष्य हैं।' गांगुली ने आगे कहा कि गिल का आत्मविश्वास और परिपक्वता उन्हें बाकी युवा खिलाड़ियों से अलग बनाती है।

रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन से सबको किया प्रभावित

शुभमन गिल ने बतौर टेस्ट कप्तान अपने पहले ही सीरीज में इतिहास रच दिया। इंग्लैंड के खिलाफ पाँच टेस्ट मैचों की सीरीज में उन्होंने 754 रन बनाए, जिसमें चार शतक शामिल रहे। उन्होंने सुनील गावस्कर का पुराना रिकॉर्ड तोड़ते हुए किसी टेस्ट सीरीज में भारतीय कप्तान द्वारा बनाए गए सबसे अधिक रन का नया रिकॉर्ड बनाया। गिल के प्रदर्शन ने न केवल फैंस बल्कि क्रिकेट विशेषज्ञों को भी प्रभावित किया है। अब सभी की निगाहें भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज पर टिकी हैं, जिसमें गिल से फिर बड़े प्रदर्शन की उम्मीद है।

गोविंदा को अस्पताल से किया गया डिस्चार्ज एक्टर ने कहा- मैं अब ठीक हूं

बेहोशी के बाद आधी रात को इमरजेंसी वार्ड में हुए थे एडमिट

गोविंदा को मुंबई के क्रिटिकेयर अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। दरअसल, एक्टर को घर पर बेहोश होने के बाद मंगलवार आधी रात 1 बजे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यह जानकारी उनके दोस्त और लीगल एडवाइजर ललित बिंदल ने दी।

अस्पताल से डिस्चार्ज होने के गोविंदा ने कहा, मैं अब पूरी तरह ठीक हैं। वर्कआउट ज्यादा कर लिया था, इसलिए ऐसा हुआ। जो लोग प्राणायाम करते हैं, योग करते हैं, वो ज्यादा बेहतर हैं। डॉक्टरों ने दवाइयां दी हैं, वो लेनी हैं। मैं अपनी पर्सनैलिटी ट्रांसफार्मर करने पर ध्यान दे रहा हूं। उसी में लगा हूं। साथ ही एक्टर ने अपने फैंस का धन्यवाद भी किया।

ललित बिंदल ने बताया कि गोविंदा को आधी रात के करीब घर पर चक्कर आया और वे बेहोश हो गए। इसके बाद उन्हें जुहू स्थित क्रिटिकेयर अस्पताल ले जाया गया। गोविंदा की तबीयत को लेकर डॉक्टर फिलहाल जांच कर रहे हैं। वहीं, बिंदल ने इंस्टाग्राम पर भी पोस्ट करते हुए लिखा, मेरे प्रिय और सम्मानित दोस्त गोविंदा जी को डिसओरिएंटेशन और बेहोशी की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मैं उनके जल्दी ठीक होने की प्रार्थना करता हूं।

गोविंदा की सेहत की बात करें तो पिछले साल अक्टूबर में उनके पैर में गोली लगी थी। यह हादसा तब हुआ जब उनकी लाइसेंसी रिवॉल्वर से गलती से गोली चल गई। गोली पैर में लगने के बाद उन्हें तुरंत जुहू के क्रिटिकेयर अस्पताल में भर्ती कराया गया। हाल ही में गोविंदा एक्टर धर्मेंद्र से मिलने ब्रीच कैंडी अस्पताल पहुंचे थे। उस वक्त वे पूरी तरह स्वस्थ नजर आए।

अस्पताल से धर्मेंद्र को लेकर सीधा घर पहुंचे बॉबी देओल

बॉलीवुड के सदाबहार एक्टर धर्मेंद्र की सेहत में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है. फैंस लगातार धर्मेंद्र की सलामती की दुआ कर रहे हैं. बीते 24 घंटों में 2 बार धर्मेंद्र के देहांत की फेक न्यूज फैल चुकी है. यही वजह है जो देओल परिवार ने हाल ही में फैल रही इन अफवाहों पर नाराजगी

जाहिर की थी. इसी बीच धर्मेंद्र को लेकर एक और बड़ा अपडेट सामने आ रहा है. खबर है कि धर्मेंद्र को उनक परिवार घर लेकर पहुंच गया है. कुछ समय पहले ही धर्मेंद्र को बॉबी देओल ब्रीच कैंडी अस्पताल से एम्बुलेंस में लेकर निकले हैं. बताया जा रहा है कि बॉबी देओल धर्मेंद्र को घर लेकर जा रहे हैं. इस खबर ने धर्मेंद्र के फैंस के बीच अफरातफरी मचा दी है. लोगों को समझ नहीं आ रहा है कि इलाज के बीच में धर्मेंद्र को घर क्यों लेकर जाया जा रहा है. यही वजह है जो फैंस ने धर्मेंद्र की सलामती की दुआएं मांगनी शुरू कर दी हैं.

घर पर होगा धर्मेंद्र का इलाज शुरू

बताया जा रहा है कि धर्मेंद्र का इलाज अब घर पर करवाया जाएगा. पीटीआई की एक रिपोर्ट की मानें तो धर्मेंद्र को ब्रीच कैंडी अस्पताल से सुबह करीब 7:30 बजे डिस्चार्ज कर दिया गया. परिवार ने फैसला किया है कि अब घर पर ही उनकी देखभाल की जाएगी.

रश्मिका की फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' की सक्सेस मीट में शामिल होंगे विजय देवरकोंडा

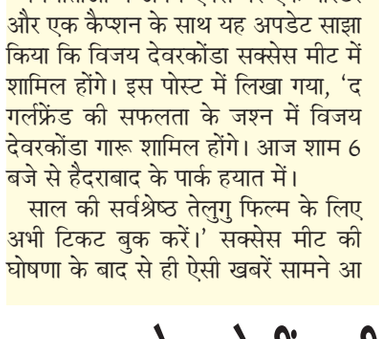

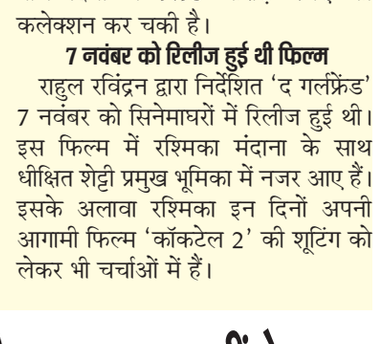

रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' और विजय देवरकोंडा के साथ अपनी शादी को लेकर चर्चाओं में हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि रश्मिका और विजय अगले साल फरवरी में शादी के बंधन में बंधेंगे। अब इस बीच रश्मिका मंदाना की 'द गर्लफ्रेंड' की आज सक्सेस मीट होनी है। इस सक्सेस मीट में अब अभिनेता विजय देवरकोंडा भी शामिल होने वाले हैं। ये खबर सामने आने के बाद लोग 'द गर्लफ्रेंड' की सक्सेस मीट के लिए और भी उत्साहित हो गए हैं।

मेकर्स ने की घोषणा

निर्माताओं ने अपने एक्स पर एक पोस्टर और एक कैप्शन के साथ यह अपडेट साझा किया कि विजय देवरकोंडा सक्सेस मीट में शामिल होंगे। इस पोस्ट में लिखा गया, 'द गर्लफ्रेंड की सफलता के जश्न में विजय देवरकोंडा गारू शामिल होंगे। आज शाम 6 बजे से हैदराबाद के पार्क हयात में।

साल की सर्वश्रेष्ठ तेलुगु फिल्म के लिए अभी टिकट बुक करें।' सक्सेस मीट की घोषणा के बाद से ही ऐसी खबरें सामने आ रही थीं कि विजय देवरकोंडा इस कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। अब मेकर्स ने खुद इस बात की घोषणा कर दी है।

धीमी शुरुआत के बाद बढ़ी फिल्म की कमाई

'द गर्लफ्रेंड' की बॉक्स ऑफिस पर शुरुआत धीमी रही थी। लेकिन बाद में वर्ल्ड ऑफ माउथ का फायदा फिल्म क मिला और कमाई ने धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ ली। दर्शकों द्वारा एक्टिंग और फिल्म की कहानी की तारीफ की जा रही है। यही कारण है कि अब मेकर्स ने फिल्म की सक्सेस मीट आयोजित की है। सैकनिल्क के मुताबिक, 'द गर्लफ्रेंड' पांच दिनों में 7.95 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर चकी है।

7 नवंबर को रिलीज हुई थी फिल्म

राहुल रविंद्रन द्वारा निर्देशित 'द गर्लफ्रेंड' 7 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में रश्मिका मंदाना के साथ धीक्षित शेट्टी प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। इसके अलावा रश्मिका इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'कॉकटेल 2' की शूटिंग को लेकर भी चर्चाओं में हैं।

दक्षिण कोरिया की पॉप स्टार ने 30 दिन में घटाया 10 किलो वजन

पॉप सिंगर ह्यूना एक लाइव स्टेज परफॉर्मेंस के दौरान अचानक बेहोश होकर गिरी थी9

दक्षिण कोरिया की मशहूर पॉप सिंगर ह्यूना एक लाइव स्टेज परफॉर्मेंस के दौरान अचानक बेहोश होकर गिर गईं। यह घटना तब हुई, जब वे वॉटरबॉम्ब 2025 मकाऊ म्यूजिक फेस्टिवल में अपने हिट सॉन्ग 'Bubble Pop' पर परफॉर्म कर रही थीं। गाना गाते-गाते अचानक वे बेसुध होकर गिर पड़ीं। तुरंत सिक्योरिटी स्टाफ और के-पॉप आइकन के डांसर्स ने उन्हें उठाया। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद ह्यूना ने चुप्पी तोड़ते हुए वजह बताई और फैंस से माफी भी मांगी है।

प्रेग्नेंसी की अफवाह के बाद घटाया वजन

ह्यूना ने खुलासा किया कि हाल ही में उन्होंने महज 30 दिनों के भीतर करीब 10 किलो वजन कम किया। ऐसा उन्होंने ऑनलाइन ट्रोलिंग के बाद किया। दरअसल, शादी के बाद बढ़ते वजन के बीच उनकी प्रेग्नेंसी की अफवाहें उड़ने लगीं। इसके बाद उन्होंने तेजी से वजन घटाने का फैसला लिया और डाइटिंग करने लगीं। यह उनकी सेहत पर भारी पड़ गया।

फैंस से मांगी माफी, किया वादा

प्रेग्नेंसी की अफवाहें उड़ीं तो ह्यूना ने 03 अक्तूबर को सख्त डाइट प्लान अपनाने की बात कही थी। थोड़ा आराम महसूस करने के बाद ह्यूना ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट शेयर कर फैंस से माफी मांगी। उन्होंने लिखा, 'मैं माफी चाहती हूं। मैं आपको अच्छा परफॉर्मेंस दिखाना चाहती थी, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया और मुझे सच में कुछ याद नहीं है'। उन्होंने फैंस को भरोसा भी दिलाया कि वे ठीक हैं और भविष्य में अपनी सेहत को बेहतर करने के लिए मेहनत करेंगी।

फैंस बोले- 'आपसे प्यार है'

ह्यूना जैसे ही स्टेज पर बेसुध हुईं तो उनके बैकअप डांसर तुरंत उन्हें स्टेज से बाहर ले गए। कुछ देर के लिए शो रोक दिया गया। मंगलवार को ह्यूना ने एक अन्य पोस्ट शेयर करते हुए सपोर्ट करने के लिए फैंस का शुक्रिया अदा किया है। इस पर फैंस भी उन्हें सुझाव दे रहे हैं। यूजर्स लिख रहे हैं, 'अच्छे से खाना खाओ और अपना ख्याल रखो'। एक अन्य यूजर ने लिखा, 'स्वस्थ रहो। आप अब भी बहुत खूबसूरत हो और हमेशा से ही अविश्वसनीय रूप से खूबसूरत रही हो। आपके फैंस आपको बहुत प्यार करते हैं'। बता दें कि ह्यूना ने साल 2024 में कोरियन सिंगर और सॉन्ग राइटर योंग जुन-ह्युंग से शादी रचाई।

ट्विंकल खन्ना ने दिया लाइफ अपडेट, बोलीं- शरीर अब साथ नहीं देता

बॉलीवुड एक्ट्रेस से लेखिका बनीं ट्विंकल खन्ना अक्सर अपनी हाजिरजवाबी के लिए जानी जाती हैं। इस बार भी उन्होंने ऐसा ही कुछ लिखा है जिसने हर महिला को सोचने पर मजबूर कर दिया है। ट्विंकल ने 'मेनोपॉज' यानी रजोनिवृत्ति को एक नए अंदाज में बयान किया है और साथ ही इस विषय के इर्द-गिर्द फैली सामाजिक चुप्पी पर भी तंज कसा है।

ट्विंकल खन्ना ने बयां की फीलिंग

अपने लेख में ट्विंकल ने बड़े दिलचस्प शब्दों में लिखा है कि "मेनोपॉज वैसा है जैसे कोई चोर आपके घर में घुसकर सिर्फ आपकी चीजें नहीं चुराता, बल्कि घर का पूरा फर्नीचर भी अपनी मर्जी से बदल देता है।' उन्होंने इसे महिलाओं की जिंदगी का ऐसा दौर बताया जो शरीर ही नहीं, सोच और व्यवहार तक को झकझोर देता है।

लेखिका ट्विंकल ने इस कॉलम में बताया कि किस तरह हार्मोनल बदलाव महिलाओं की जिंदगी को प्रभावित करते हैं। उन्होंने मजाकिया लहजे में लिखा- 'पुरुषों के हार्मोन के साथ

कभी ऐसा नहीं होता, जबकि हमारे हार्मोन्स में ऐसे उथल-पुथल मच जाती है जैसे आईआईटी के ग्रेजुएट अमेरिका की ओर पलायन करते हैं।'

महिलाओं के चुप रहने पर उठाया सवाल

ट्विंकल ने आगे लिखा कि आज भी महिलाएं अपने शरीर से जुड़ी प्राकृतिक प्रक्रियाओं पर खुलकर बात करने से हिचकिचाती हैं। उन्होंने सवाल उठाया- 'क्यों महिलाओं के हर मसले पर अब भी चुप्पी छाई रहती है? क्यों ये बातें टेबू मानी जाती हैं?' उन्होंने कहा कि समाज में अब वक्त आ गया है जब महिलाओं को अपने अनुभवों को साझा करने का हक खुलकर मिलना चाहिए- चाहे वो पीरियड्स हों, मेनोपॉज हो या फिर शरीर के दूसरे बदलाव।

'अब मेरा शरीर मेरा साथ नहीं देता'

ट्विंकल ने कहा- 'पहले मैं और मेरी बॉडी एक ही हुआ करते थे। लेकिन अब वो थकने लगी है। अब मेरा शरीर मेरा साथ नहीं देता। उन्होंने बताया कि अब उन्हें पसीना बहाने के लिए कार्डियो की जरूरत नहीं पड़ती, गुस्सा आने के लिए कोई वजह नहीं चाहि और सहानुभूति महसूस करने के लिए इंसान की मौजूदगी भी जरूरी नहीं।

टीनएज में बच्चे को बुरी संगति से बचाना चाहते हैं तो अपनाएं ये आसान तरीके, वो खुद ही छोड़ देगा बैड कंपनी

टीनएज एक ऐसी उम्र होती है, जब बच्चे अपने दोस्तों को लेकर बहुत ज्यादा प्रोटेक्टिव हो जाते हैं।उन्हें अपने दोस्तों के बारे में कुछ भी गलत बात सुनना पसंद नहीं आता। वहीं, अगर पेरेंट्स को लगता है कि उनका बच्चा किसी ऐसे दोस्त की संगत में है, जिसकी आदतें ठीक नहीं हैं, तो बच्चा अक्सर मानने से इनकार कर देता है। ऐसे में माता-पिता के लिए यह सबसे बड़ा चैलेंज बन जाता है कि बच्चे को गलत संगत से कैसे दूर रखें, बिना उसे दूर किए?

क्योंकि अगर एक बार बच्चा बुरी संगति में फंस गया, तो न सिर्फ उसकी पढ़ाई-लिखाई पर असर पड़ता है, बल्कि उसका पूरा व्यक्तित्व और सोचने का तरीका भी बदल सकता है।

इसीलिए आज हम पेरेंटिंग कोच पुष्पा शर्मा के बताए हुए ऐसे 5 संकेत साझा कर रहे हैं, जिनके जरिए आप अपने बच्चे को समझा सकते हैं कि अच्छे और बुरे दोस्त में फर्क कैसे पहचानें और गलत संगत से खुद को कैसे बचाएं। संभव है कि इन लक्षणों को जानने के बाद बच्चा खुद ही इन दोस्तों से मुंह मोड़ लेले। चलिए जानते हैं विस्तार से।

वो तुमसे झूठ बोलेंगे

ऐसे दोस्त केवल तुमसे ही नहीं, अपने टीचर्स और दूसरे बच्चों से भी बात-बात पर झूठ बोलते हैं। साथ ही, वो तुम पर गलत चीजें करने का दबाव डालेंगे, जैसे- कहेंगे,'अगर तुम मेरे दोस्त हो, तो ये काम जरूर करना।' इसलिए सही और गलत में फर्क समझते हुए, ऐसे दोस्तों से दूर रहो।

अच्छे काम करने से तुम्हें रोकेंगे

ध्यान रहे कि ऐसे फ्रेंड्स न सिर्फ तुम्हें सही काम करने से रोकते हैं, बल्कि कई बार पेरेंट्स और टीचर्स की बात मानने से भी मना करते हैं। इसीलिए यह बात न भूलें कि सच्चा दोस्त कभी भी अच्छे और सही काम करने से नहीं रोकते, बल्कि हमेशा तुम्हें सही राह पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं।

वे तुम्हें दूसरों के सामने नीचा दिखाएंगे

याद रखो, सच्चे और अच्छे दोस्त हमेशा तुम्हारी इज्जत करते हैं वे कभी भी तुम्हारा मजाक नहीं बनाते। अगर कोई ऐसा कर रहा है, तो समझ लो वो तुम्हारा सच्चा दोस्त नहीं है, बल्कि आप गलत संगति में फंस चुके हैं।

वे धमकी देते हैं और बदले की बातें करते हैं

अगर कोई दोस्त तुम्हें धमका कर कहता है, 'अगर तुम मेरा ये काम नहीं करोगे तो मैं तुम्हें ग्रुप से निकाल दूंगा' या 'तुमने ये नहीं कहा तो मैं तुम्हारी शिकायत कर दूंगा' तो समझ लो कि दोस्तों की यह कंपनी ठीक नहीं है।

तुम्हारे मुंह पर मीठा और पीठ पीछे बुराई

वे सामने मीठा बोलते हैं, लेकिन पीठ पीछे बुरा कहते हैं। ऐसे दोस्त कभी भी तुम्हारे सच्चे नहीं हो सकते। इन पर भरोसा करना खुद को चोट पहुंचाने जैसा है।

पिता अपने बेटे को जरूर सिखाएं ये बातें... ताकि वो सिर्फ कामयाब न बने, बल्कि एक अच्छा इंसान भी बने

एक बच्चे की परवरिश में मां और पिता दोनों की अहम भूमिका होती है। दोनों मिलकर न सिर्फ उसका पालन-पोषण करते हैं, बल्कि उसे एक अच्छा, समझदार और संवेदनशील इंसान बनाना भी सिखाते हैं। हालांकि, इसी क्रम में अगर खासकर पिता की भूमिका की बात करें, तो कुछ बातें ऐसी होती हैं जो हर पिता को अपने बेटे को जरूर सिखानी चाहिए ताकि वह जिंदगी में सिर्फ कामयाब ही नहीं, बल्कि एक नेक, ईमानदार और दूसरों का सम्मान करने वाला इंसान भी बन सके। आइए, पेरेंटिंग कोच पुष्पा शर्मा से जानते हैं कि वो कौन-सी बातें हैं जो हर पिता अपने बेटे को सिखा सकता है।

लोगों से आत्मवशि्वास के साथ मलिो

पेरेंटिंग कोच पुष्पा शर्मा कहती हैं कि हर पिता को अपने बेटे को ये जरूर सिखाना चाहिए कि जब भी किसी से मिलो, उसकी आंखों में देखकर आत्मविश्वास से हाथ मिलाओ। साथ ही, फादर को बेटे को यह भी बताना चाहिए कि दुनिया में सेहत से बड़ा कोई धन नहीं होता। अगर तुम्हारे पास अच्छी सेहत है, तो समझो तुम्हारे पास सब कुछ है।इसलिए, खुद को फिट रखो।

गुस्से को कंट्रोल करना सीखो

पुष्पा कहती हैं कि फादर्स अपने लाडले को यह समझाएं कि चाहे कैसी भी स्थिति हो, लेकिन यह आना चाहिए कि अपनी बात कैसे साफ और पूरे आत्मविश्वास के साथ करनी है। व्यवहार में कॉन्फिडेंस झलकना चाहिए। साथ ही गुस्सा हमें कंट्रोल न करे, बल्कि हमें इतना स्ट्रॉन्ग बनना चाहिए कि हम अपने एंगर को कंट्रोल कर सकें।

जम्मिेदारी से मत भागो

एक्सपर्ट कहती हैं कि बेटों को सिखाना चाहिए कि वेटर, क्लीनर्स, गाड्र्स या किसी भी व्यक्ति के साथ हमेशा सम्मानजनक तरीके से पेश आएं। साथ ही, बहाने बनाना छोड़कर जिम्मेदारी उठाना सीखें, क्योंकि यही आदत उन्हें जीवन में भरोसेमंद और मजबूत इंसान बनाएगी।

समय की इज्जत करो

कोच कहती हैं कि पिता अपने बेटों को यह भी सिखाएं कि अपना आत्मसम्मान खोए बिना असफलता को कैसे संभालना चाहिए।

समय की इज्जत करना सीखें, सुबह जल्दी उठें और फिजूलखर्ची से बचें। साथ ही यह भी बताएं कि पैसा सिर्फ खर्च करने के लिए नहीं होता, बल्कि उसे समझदारी से सही जगह निवेश करना चाहिए।

बेसकि कुकगि स्कल्सि सीखें

कोच अंत में कहती हैं कि हर बेटे को बेसिक कुकिंग स्किल्स जरूर सीखनी चाहिए। साथ ही, सब कुछ जानने का दिखावा करने के बजाय सवाल पूछना सीखें, क्योंकि सीखने वाला ही आगे बढ़ता है। सबसे अहम बात, विनम्र होना कभी कमजोरी नहीं होती, बल्कि यह इंसान की सबसे बड़ी ताकत होती है।

वायु प्रदूषण कैसे आपके फर्टिलिटी को कर रहा है प्रभावित ये सावधानियां कम कर सकती हैं इसका जोखिम

दिल्ली-एनसीआर के अधिकतर जगहों पर इन दिनों एयर क्वालिटी इंडेक्स 400 के पार है। एक स्टडी के मुताबिक ऐसे प्रदूषित शहरों में रहने वाले लोगों के लिए वायु प्रदूषण अब केवल श्वसन तंत्र या हृदय रोग तक ही सीमित नहीं रहा है, बल्कि यह प्रजनन क्षमता को भी गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है।

शोधों से पता चला है कि हवा में मौजूद सूक्ष्म कण PM2.5 और हानिकारक रसायन केवल सांस की नली में नहीं जाते, बल्कि ब्लड फ्लो में मिलकर हार्मोनल संतुलन को बिगाड़ते हैं। पुरुषों में यह प्रदूषण शुक्राणुओं की संख्या यानी स्पर्म काउंट, उनकी गतिशीलता और गुणवत्ता को कम कर देता है, जिससे फर्टिलिटी घटने लगती है।

महिलाओं में भी प्रदूषण मेंस्ट्रुअल साइकिल को अनियमित कर सकता है और अंडों की गुणवत्ता पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी वायु प्रदूषण को प्रजनन स्वास्थ्य के लिए एक प्रमुख जोखिम कारक माना है। यह एक गंभीर चुनौती है, क्योंकि जीवनशैली और आहार में छोटे बदलाव करके इस जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

पुरुषों में शुक्राणु और हार्मोन पर असर

वायु प्रदूषण पुरुषों में शुक्राणुओं की गुणवत्ता को सीधे तौर पर प्रभावित करता है। जैसे कण शरीर में पहुंचकर ऑक्सीडेटिव तनाव पैदा करते हैं। यह तनाव शुक्राणुओं के को क्षतिग्रस्त करता है, उनकी गतिशीलता को धीमा करता है और उनकी संख्या कम करता है। इसके अलावा प्रदूषण टेस्टोस्टेरोन जैसे प्रजनन हार्मोन के उत्पादन को भी बाधित कर सकता है, जिससे फर्टिलिटी दर घट जाती है।

महिलाओं में ओवुलेशन और गर्भधारण का जोखिम

महिलाओं में भी वायु प्रदूषण से फर्टिलिटी प्रभावित होती है। प्रदूषण ओवुलेशन की प्रक्रिया को अनियमित कर सकता है और मासिक धर्म चक्र को बिगाड़ता है। एक शोध के अनुसार अधिक प्रदूषित क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं में अंडों की गुणवत्ता कम हो सकती है। गंभीर मामलों में यह गर्भपात या प्री-टर्म डिलीवरी के जोखिम को भी बढ़ाता है।

जरूर बरतें ये सावधानियां

प्रदूषण से फर्टिलिटी को बचाने के लिए व्यक्तिगत सुरक्षा सबसे जरूरी है। उच्च प्रदूषण वाले दिनों में घर के अंदर रहें। घर के बाहर निकलने पर हमेशा N95 या N99 मास्क पहनें। घर के अंदर की हवा को शुद्ध रखने के लिए HEPA फिल्टर वाले एयर प्यूरीफायर का उपयोग करें। घर में धूपबत्ती या मच्छर कॉइल जलाने से बचें, जो इनडोर प्रदूषण बढ़ाते हैं।

जीवनशैली में जरूर करें ये बदलाव

अपनी डाइट में एंटीऑक्सीडेंट (जैसे विटामिन C, विटामिन E, और ओमेगा-3) से भरपूर खाद्य पदार्थ शामिल करें।

अखरोट, बादाम, और खट्टे फल खाएं। धूम्रपान और शराब का सेवन तुरंत बंद कर दें, क्योंकि ये प्रदूषण के साथ मिलकर फर्टिलिटी को दोहरा नुकसान पहुंचाते हैं। नियमित व्यायाम और तनाव प्रबंधन (योग) हार्मोनल संतुलन बनाए रखने में मदद करते हैं।

बच्चे का सेल्फ कॉन्फिडेंस बढ़ाना है?

अगर आप रोजाना अपने बच्चे को सही बातें कहते हैं, तो उसका आत्मविश्वास धीरे-धीरे मजबूत होता है। वो खुद पर भरोसा करना सीखता है और हर चुनौती का सामना करने की हिम्मत पाता है। अगर आप भी चाहती हैं कि आपका बच्चा आत्म-वशि्वासी बने और खूब आगे बढ़े, तो आपको उनसे कुछ ऐसी बातें दोहरनी होंगी, जो उन्हें ताकत दें। हम आपको कुछ ऐसे वाक्य बताने जा रहे हैं जो हर माता-पिता को रोज अपने बच्चे से जरूर कहने चाहिए।

हर मां-बाप चाहते हैं कि उनका बेटा बड़ा होकर अच्छा आदमी और खूब सफल बने। इसके लिए वे उन्हें अच्छी शिक्षा देने के साथ ही अच्छे संस्कार भी देते हैं। साथ ही सही माहौल और हर सुख सुविधा देने की कोशिश करते हैं, लेकिन अक्सर एक चीज को वे नजरअंदाज कर देते हैं। वो है अपने शब्दों की ताकत। माता-पिता के मुंह से निकले हुए कुछ शब्द बच्चे के दिल में गहराई तक असर करते हैं।

ऐसे में जब आप रोजाना अपने बच्चे को सही बातें कहते हैं, तो उसका आत्मविश्वास धीरे-धीरे मजबूत होता है। वो खुद पर भरोसा करना सीखता है और हर चुनौती का सामना करने की हिम्मत पाता है। अगर आप भी चाहती हैं कि आपका बच्चा आत्म-वशि्वासी बने और खूब आगे बढ़े, तो आपको उनसे कुछ ऐसी बातें दोहरनी होंगी, जो उन्हें ताकत दें। हम आपको अपने इस लेख में वो 8 जादुई बातें बताने जा रहे हैं, जो हर माता-पिता को रोज अपने बच्चे से जरूर कहने चाहिए। आइए जानते हैं-

'मुझे तुम पर भरोसा है'

ये बहुत छोटा-सा वाक्य है, लेकिन इसका असर बहुत बड़ा होता है। जब बच्चा किसी काम को लेकर डगमगाता है या डरता है, तो आपके भरोसे से उसे हिम्मत मिलती है। वो सोचता है कि अगर मम्मी-पापा को मुझ पर भरोसा है, तो मैं सब कुछ कर सकता हूं।

'गलती करना बुरा नहीं, इसी से सीख मिलती है'

अगर आपका बच्चा कोई गलती कर दे, तो उसे डांटने के बजाय आप प्यार से समझाने की कोशिश करें। आप उन्हें ये बात बोलेंगी तो वो सीखने की कोशिश करेगा। ये बात उसे डर से नहीं, आत्मविश्वास से आगे बढ़ना सिखाएगा।

'मुझे तुम्हारी मेहनत पर गर्व है'

हर बार रिजल्ट अच्छा आए ये जरूरी नहीं, लेकिन मेहनत की तारीफ जरूर होनी चाहिए। जब आप बच्चे की तारीफ करेंगी तो उसका हौसला बुलंद होगा। वो और बेहतर करने की कोशिश करेगा।

'तुम बहुत अच्छे इंसान हो'

केवल टैलेंट या पढ़ाई नहीं, अच्छाई और लोगों के प्रति दया भी सिखाना जरूरी है। जब आप उसके व्यवहार की तारीफ करेंगी तो बच्चा अंदर से इमोशनली मजबूत बनता है।

'मुझे तुम्हारा आइडिया बहुत पसंद आया'

बच्चा कोई भी हो, हर किसी की सोच अलग होती है। उसकी क्रिएटिविटी की तारीफ करना उसे नया कुछ सोचने की ओर प्रेरित करता है। इससे उसकी क्रिएटिविटी और आत्मविश्वास दोनों बढ़ते हैं।

'कोई बात नहीं, अगली बार और अच्छा करोगे'

जब बच्चे से कोई काम गलत हो जाए, या किसी काम में वो असफल हो जाए तो उसे निराश करने की बजाय ये बात कहें। इससे वो सीखता है कि असफलता का मतलब खत्म होना नहीं होता है, बल्कि एक नई शुरुआत होती है। जब बच्चा ये बात सीख जाएगा, तो उसे करियर में भी सफलता मिलेगी।

'तुम बहुत खास हो'

ये बात सुनकर बच्चे को महसूस होता है कि वो दूसरों जैसा नहीं, बल्कि अपनी पहचान रखता है। इससे उसमें आत्म-सम्मान और आत्मविश्वास दोनों पनपते हैं।

'मैं हमेशा तुम्हारे साथ हूं'

ये बात बच्चे को सिक्योरिटी देता है। जब उसे पता होता है कि मम्मी-पापा हर हाल में उसके साथ हैं, तो वो किसी भी मुश्किल से डरता नहीं है। वो हर काम करने के लिए आगे बढ़ता है।

आठ घंटे नींद लेने के बाद भी बना रहता है आलस कहीं ये थायराइड के संकेत तो नहीं

अगर आप रोजाना पर्याप्त 8 घंटे की नींद ले रहे हैं, लेकिन फिर भी सुबह उठने पर अत्यधिक आलस और थकान महसूस करते हैं, तो इसे सिर्फ काम का दबाव या कमजोरी समझने की गलती न करें। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, यह लक्षण थायरॉयड ग्रंथि के सही ढंग से काम न करने का एक बड़ा संकेत हो सकता है, विशेष रूप से हाइपोथायरॉइडिज्म की स्थिति में।

थायरॉयड ग्रंथि गले में स्थित होती है और यह शरीर के मेटाबॉलिज्म को नियंत्रित करने वाले हार्मोन (T3 और T4) बनाती है। जब यह ग्रंथि पर्याप्त हार्मोन नहीं बनाती, तो शरीर की सभी प्रक्रियाएं धीमी हो जाती हैं, जिससे कोशिकाओं को काम करने के लिए ऊर्जा नहीं मिलती। इसका सीधा असर एनर्जी लेवल पर पड़ता है।

यह क्रोनिक थकान आपको थका हुआ, सुस्त और काम में मन न लगने वाला महसूस कराती है। इस स्थिति को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए क्योंकि अनदेखा करना न केवल आपके दैनिक जीवन को प्रभावित करता है, बल्कि वजन बढ़ने और डिप्रेशन जैसे अन्य गंभीर जोखिमों को भी बढ़ाता है। इसलिए समय पर इसका पहचान करना बहुत जरूरी है, ऐसे में आइए थायराइड के प्रमुख लक्षण के बारे में जानते हैं।

लगातार थकान और आलस का कारण

थायरॉयड हार्मोन की कमी (हाइपोथायरायडिज्म) आपके शरीर के मेटाबॉलिज्म को धीमा कर देती है। यह हार्मोन ऊर्जा उत्पादन में महत्वपूर्ण है। जब हार्मोन कम बनते हैं, तो शरीर की कोशिकाएं धीमी गति से काम करती हैं, जिससे शरीर को पर्याप्त ऊर्जा नहीं मिल पाती। यही कारण है कि पर्याप्त नींद लेने के बाद भी, शरीर में लगातार आलस और अकारण थकान बनी रहती है।

वजन का बढ़ना और ठंडी संवेदनशीलता

थकान के साथ-साथ, थायरॉयड का एक और स्पष्ट संकेत है बिना कारण वजन का बढ़ना। धीमे मेटाबॉलिज्म के कारण शरीर कैलोरी को तेजी से बर्न नहीं कर पाता, जिससे फैट जमा होने लगती है। इसके अलावा थायरॉयड हार्मोन शरीर के तापमान को भी नियंत्रित करते हैं, इनकी कमी होने पर आपको सामान्य से ज्यादा ठंड महसूस होती है, जबकि दूसरों को सामान्य लग रहा होता है।

त्वचा, बाल और मांसपेशियों पर लक्षण

थायराइड की कमी से त्वचा भी प्रभावित होती है। आपको त्वचा का रूखापन, खुजली और बेजान दिखना महसूस हो सकता है। बाल तेजी से झड़ने लगते हैं और पतले हो जाते हैं। इसके साथ ही, सुबह उठने पर कई लोगों को जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द और अकड़न की शिकायत भी रहती है।

मानसिक स्वास्थ्य और कब्ज

थायरॉयड हार्मोन मस्तिष्क के कार्यों को भी प्रभावित करते हैं। इसकी कमी से डिप्रेशन, मूड स्विंग्स और एकाग्रता में कमी (ब्रेन फॉग) जैसी मानसिक समस्याएं हो सकती हैं। शरीर की धीमी गति के कारण कब्ज की समस्या भी अक्सर बनी रहती है। यदि ये लक्षण छह सप्ताह से अधिक बने रहें, तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें और TSH टेस्ट करवाएं।

क्या खाली पेट पी सकते हैं ब्लैक कॉफी, पाचन पर इसका क्या असर पड़ता है?

सुबह उठते ही एक कप गर्म ब्लैक कॉफी पीना दुनिया भर में लाखों लोगों की एक प्रिय आदत है। बहुत से लोग मानते हैं कि यह उन्हें तुरंत ऊर्जा देती है और उनकी दिनचर्या को किक-स्टार्ट करती है। यह बात सच है कि कॉफी में मौजूद कैफीन एक शक्तिशाली उत्तेजक है जो मानसिक सतर्कता और शारीरिक क्षमता को सक्रिय करती है।

मगर जब बात इसे खाली पेट पीने की आती है, तो बहुत से लोगों के मन में ये सवाल आता है कि क्या यह हमारे पाचन तंत्र के लिए सुरक्षित है। विशेषज्ञ अक्सर सलाह देते हैं कि कॉफी को हमेशा कुछ खाने के बाद ही पीना चाहिए। इसका मुख्य कारण यह है कि ब्लैक कॉफी स्वभाव से अम्लीय होती है, और जब यह सीधे पेट की परत के संपर्क में आती है तो यह पेट में एसिड के उत्पादन को बढ़ा सकती है।

यह बढ़ा हुआ एसिड उन लोगों में एसिडिटी, पेट में जलन, और यहां तक कि गैस्ट्राइटिस के लक्षणों को ट्रिगर कर सकता है, जिनका पेट संवेदनशील है या जिन्हें पहले से ही पाचन संबंधी समस्याएं हैं। इसलिए आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं कि खाली ब्लैक कॉफी पीने से पाचन पर क्या असर पड़ता है।

पाचन तंत्र पर इसका क्या असर पड़ता है?

ब्लैक कॉफी पीने का एक महत्वपूर्ण प्रभाव यह है कि यह पेट में हाइड्रोक्लोरिक एसिड के स्राव को उत्तेजित करती है। यह एसिड भोजन को पचाने के लिए आवश्यक है, लेकिन जब पेट खाली होता है, तो यह एसिड पेट की संवेदनशील आंतरिक परत को नुकसान पहुंचाना शुरू कर सकता है। समय के साथ, यह बार-बार होने वाला एसिड एक्सपोजर पेट के अल्सर या एसिड रिफ्लक्स जैसी गंभीर पाचन समस्याओं में जोखिम बढ़ा देता है।

हार्मोन और ब्लड शुगर पर प्रभाव

खाली पेट ब्लैक कॉफी का सेवन केवल पाचन तंत्र तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह हार्मोनल संतुलन को भी प्रभावित कर सकता है। सुबह उठते ही हमारा शरीर स्वाभाविक रूप से कोर्टिसोल नामक तनाव हार्मोन का उच्च स्तर उत्पन्न करता है। कॉफी पीने से कोर्टिसोल का स्तर और बढ़ सकता है।

कोर्टिसोल का अत्यधिक और लंबे समय तक बढ़ा हुआ स्तर हमारे शरीर की तनाव प्रतिक्रिया को बाधित कर सकता है और समय के साथ इंसुलिन संवेदनशीलता को भी प्रभावित कर सकता है।

क्या करें?

यदि आप ब्लैक कॉफी पीना पसंद करते हैं, तो अपने पाचन तंत्र की सुरक्षा के लिए कुछ सरल उपाय अपना सकते हैं। सबसे महत्वपूर्ण सलाह यह है कि कॉफी पीने से पहले कुछ हल्का जरूर खा लें। एक केला, मुट्ठी भर मेवे, या दलिया का एक छोटा कटोरा आपके पेट में एक परत बना देगा, जिससे कॉफी का एसिड सीधे पेट की परत को नुकसान नहीं पहुंचाएगा।

इसके अलावा अपनी कॉफी में थोड़ा सा दूध या मलाई मिलाने से इसकी अम्लता को कुछ हद तक कम किया जा सकता है। दिन भर में पर्याप्त पानी पीना भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि कॉफी मूत्रवर्धक होती है और निर्जलीकरण को रोकने में मदद करती है, जो पाचन को भी प्रभावित कर सकता है।

अपनी सुबह की इस आदत में एक छोटा सा बदलाव लाकर आप अपनी पाचन तंत्र को खराब होने से रोक सकते हैं।

भारत और अमेरिका के बीच अब नहीं पड़ेगी बातचीत की जरूरत, कभी भी हो सकता है एग्रीमेंट

नई दिल्ली,12 नवंबर (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता जल्द ही हो सकता है। दोनों देशों के बीच बातचीत लगभग पूरी हो चुकी है और अब आगे की बातचीत की जरूरत नहीं पड़ेगी। भारत सरकार चाहती है कि यह समझौता दोनों देशों के लिए फायदेमंद हो। इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया था कि अमेरिका भारत पर लगे 50% टैरिफ को कम करने के लिए तैयार है और दोनों देश व्यापार समझौते के करीब आ रहे हैं। पहले इस समझौते के लिए पतझड़ की समय-सीमा तय की गई थी। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, हम भारत के हित में एक अच्छा व्यापार समझौता करने के लिए काम कर रहे हैं। हम अमेरिका के साथ एक निष्पक्ष, न्यायसंगत और संतुलित व्यापार समझौता चाहते हैं। अगर यह होता है, तो यह किसी भी दिन, कल, अगले महीने या अगले साल हो सकता है। लेकिन सरकार के तौर पर हम हर चीज के लिए तैयार हैं।

क्या होगा फायदा?

एक वरिष्ठ अधिकारी ने भी बताया कि अमेरिका के साथ बातचीत काफी हद तक पूरी हो गई है और शायद अब और दौर की बातचीत की जरूरत न पड़े। उन्होंने कहा, अमेरिका को हमें जवाब देना है। यह किसी भी अन्य देश की तुलना में सबसे व्यापक समझौता है। हमने प्रमुख क्षेत्रों की संवेदनशीलताओं को ध्यान में रखते हुए बहुत सावधानी से बातचीत की है। कोई समय-सीमा नहीं है। भारत और अमेरिका के बीच अधिकारियों के स्तर पर पांच दौर की बातचीत हो चुकी है। पीयूष गोयल और विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अपने अमेरिकी समकक्षों से मुलाकात की है। यह समझौता भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण हो सकता है। इससे दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ेगा और भारतीय कंपनियों को अमेरिकी बाजार में बेहतर अवसर मिलेंगे। साथ ही, यह भारत को वैश्विक व्यापार में एक मज़बूत स्थिति बनाने में मदद करेगा।

50% प्रॉफिट गिरने के बावजूद 5% से ज्यादा उछला अनिल अंबानी का शेयर

नई दिल्ली,12 नवंबर (एजेंसियां)। रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर के शेयर आज सुबह के कारोबार में 5% से अधिक चढ़ गए। कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही के लिए कमजोर नतीजे घोषित किए थे, इसके बावजूद शेयर 183.80 रुपये के अपने दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। इस तिमाही में रिलायंस इन्फ्रा का कंसोलिडेटे नेट प्रॉफिट 50% से अधिक गिरकर 1,911 करोड़ रुपये रह गया। पिछले वित्तीय वर्ष की इसी तिमाही में यह आंकड़ा 4,082 करोड़ रुपये था। कंपनी के रेवेन्यू में भी 14% की गिरावट आई और यह 6,235 करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्तीय वर्ष की इसी अवधि में यह 7,258.50 करोड़ रुपये था। 12.50 बजे कंपनी का शेयर 3.40% तेजी के साथ 181 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप 7,394.18 करोड़ रुपये पहुंच गया। रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर के शेयरों में इस साल 40% से अधिक गिरावट आई है। पिछले 6 महीनों में यह 30% फिसला है। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 425 रुपये है। कंपनी का शेयर इसी साल 27 जून को इस स्तर पर पहुंचा था। इसका 52 हफ्ते का न्यूनतम स्तर 163.75 रुपये है। मंगलवार को यह इस स्तर पर आया था।

कंपनी का प्रदर्शन

कंपनी के रेवेन्यू में सबसे बड़ी हिस्सेदारी पावर बिजनेस की रही। सितंबर 2025 को समाप्त तिमाही में इसने 5,434 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया। इन्फ्रास्ट्रक्चर बिजनेस ने 351 करोड़ रुपये का राजस्व दिया, जो पिछले साल की इसी तिमाही के 335 करोड़ रुपये से अधिक है। इंजीनियरिंग और निर्माण व्यवसाय लगभग 61 करोड़ रुपये पर स्थिर रहा। रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर बड़ी परियोजनाओं जैसे बिजली, सड़क और मेट्रो रेल के लिए इंजीनियरिंग और निर्माण का काम करती है। यह एक यूटिलिटी कंपनी भी है जो बिजली उत्पादन, पारेषण और वितरण का काम करती है।

भारतीय शेयर बाजार गुलजार

सेंसेक्स 595 अंक चढ़ा, निफ्टी 25800 के पार

मुंबई,12 नवंबर (एजेंसियां)। वैश्विक शेयर बाजारों में तेजी के बीच बुधवार को घरेलू शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में लगातार तीसरे दिन तेजी जारी रही। व्यापारियों के अनुसार में शटडाउन के समाधान को लेकर बढ़े आशावाद और फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में कटौती की बढ़ती उम्मीदों से बाजार की धारणा को मजबूती मिली। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में एशियन पेंट्स, टेक महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, बजाज फिनसर्व, अडानी पोर्ट्स, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, भारती एयरटेल, इंफोसिस, ट्रेंट, रिलायंस इंडस्ट्रीज, अल्ट्राटेक सीमेंट, सन फार्मास्युटिकल्स, इटरनल, टाइटन और बजाज फाइनेंस शामिल रहे। दूसरी ओर, टाटा स्टील, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल्स, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, कोटक महिंद्रा बैंक और पावरग्रिड पिछड़ गए। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, अमेरिकी सरकार के बंद होने के अनुमानित समाधान को लेकर आशावाद तथा अमेरिकी श्रम बाजार में मंदी के संकेतों के बीच फेड द्वारा शीघ्र कटौती की बढ़ती उम्मीदों के कारण वैश्विक शेयर बाजारों में जोखिम उठाने की नई प्रवृत्ति के कारण तेजी आई। नायर ने कहा कि उभरते बाजारों ने बेहतर प्रदर्शन किया, जो वैश्विक धारणा में सुधार को दर्शाता है। उन्होंने कहा, भारतीय सूचकांकों ने भी इस मजबूती को प्रतिबिंबित किया, जिसमें लार्ज-कैप शेयरों में बढ़त दर्ज की गई, खासकर ऑटो, आईटी और फार्मा क्षेत्रों में। सहायक घरेलू मैक्रो फंडामेंटल्स - जिनमें सीपीआई और डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति में कमी, मजबूत जीडीपी परिदृश्य और दूसरी छमाही की अच्छी आय की उम्मीदें शामिल हैं- सकारात्मक बाजार गति को बल दे रहे हैं। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी, हांगकांग का हैंगसेंग, जापान का निक्केई 225 बेंचमार्क बढ़त के साथ बंद हुआ, जबकि शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक नकारात्मक क्षेत्र में बंद हुआ। यूरोप के बाजारों में काफी तेजी देखी जा रही है। मंगलवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 0.84 प्रतिशत घटकर 64.61 डॉलर प्रति बैरल रह गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 803.22 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 2,188.47 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे।

लगातार तीसरे दिन उछला विजय केडिया को यह शेयर

दूसरी तिमाही में 80% बढ़ा कंपनी का प्रॉफिट

नई दिल्ली,12 नवंबर (एजेंसियां)। दिग्गज निवेशक विजय केडिया के पोर्टफोलियो में शामिल कंपनी अतुल ऑटो के शेयरों में आज लगातार तीसरे दिन तेजी आई है। तिपहिया गाड़ियां बनाने वाली इस कंपनी के शेयरों में मंगलवार को कारोबार के दौरान 12% से अधिक तेजी आई थी। आज बीएसई पर शुरुआती कारोबार में यह एक फीसदी से ज्यादा तेजी के साथ 502.75 रुपये तक गया। दूसरी तिमाही में कंपनी के प्रॉफिट में 80% की तेजी आई। बीएसई से मिली जानकारी के मुताबिक विजय केडिया के पास अतुल ऑटो के 18.20% शेयर थे, जो कि 50,50,505 पब्लिक इक्विटी शेयर के बराबर हैं। अतुल ऑटो का 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 693 रुपये है। कंपनी का शेयर पिछले साल 10 दिसंबर को इस स्तर पर पहुंचा था। इसका 52 हफ्ते का न्यूनतम स्तर 407.05 रुपये है। इस साल 13 मार्च को यह इस स्तर तक लुढ़का था। पिछले पांच साल में अतुल ऑटो के शेयरों में 193% से ज्यादा तेजी आई है। हालांकि पिछले एक साल में कंपनी के शेयरों में 12% से ज्यादा की गिरावट आई है। इस साल कंपनी के शेयरों में करीब 12% की गिरावट आई है। विजय केडिया की निवेश कंपनी केडिया सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड के पास भी अतुल ऑटो के 2.71% शेयर हैं।

तिमाही नतीजे

अतुल ऑटो ने सितंबर तिमाही के नतीजे मंगलवार को घोषित किए। कंपनी ने बताया कि दूसरी तिमाही में उसका नेट प्रॉफिट 80.9% बढ़कर 8.27 करोड़ हो गया। पिछले साल इसी अवधि में यह मुनाफा 4.57 करोड़ था। इस दौरान कंपनी की बिक्री 4.49% बढ़कर 92.48 करोड़ हो गई। पिछले साल इसी तिमाही में यह बिक्री 88.50 करोड़ थी। कंपनी के बताया कि मुख्य ऑपरेशंस से उसका कुल रेवेन्यू 10% बढ़कर 200.17 करोड़ हो गया। पिछले वित्तीय वर्ष की इसी तिमाही में यह 181.65 करोड़ था।

'भारत को शोध पर ध्यान बढ़ाकर भविष्य गढ़ना होगा'

बोले इन्फोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। इन्फोसिस के संस्थापक एन आर नारायण मूर्ति ने बुधवार को कहा कि भारत को राष्ट्रीय और संस्थागत स्तर पर शोध पर अपना ध्यान मजबूत करना होगा। उन्होंने कहा कि यही वह रास्ता है, जिससे देश और दुनिया को बेहतर बनाया जा सकता है।

देश में शोधकर्ताओं के लिए प्रेरक माहौल उपलब्ध कराए

मूर्ति ने कहा कि देश में एक अभिलाषी, मेरिट आधारित और प्रतिस्पर्धी शोध पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करने की जरूरत है, जो वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, अर्थशास्त्रियों, गणितज्ञों और मानविकी के शोधकर्ताओं के लिए प्रेरक माहौल उपलब्ध कराए।

शोध मन के विस्तार का प्रतिनिधित्व करता है

उन्होंने रोमन सम्राट मार्कस ऑरेलियस का हवाला देते हुए कहा कि शोध मन के विस्तार का प्रतिनिधित्व करता है, जिससे प्रकृति के रहस्यों को सुलझाने, नई दृष्टि से देखने और मानवता की जटिल समस्याओं के असंभव लगने वाले समाधानों को खोजने की प्रेरणा मिलती है।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपित फ्रैंकलिन डी. रूजवेल्ट के पत्र का किया जिक्र

उन्होंने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी. रूजवेल्ट द्वारा डॉ. वैन्नेवर बुश को लिखे एक ऐतिहासिक पत्र का भी जिक्र किया, जिससे विज्ञान- अंतहीन सीमा शीर्षक से एक महत्वपूर्ण रिपोर्ट और अमेरिका की नेशनल साइंस फाउंडेशन की स्थापना हुई। मूर्ति ने कहा कि इसने अमेरिका को वैज्ञानिक और इंजीनियरिंग शोध, अंतरिक्ष अभियानों, सतत वित्त पोषण और विश्वविद्यालयों व उद्योगों में नवाचार के क्षेत्र में अग्रणी बनाया। उन्होंने जवाहरलाल नेहरू, रिचर्ड फाइनमैन, एलन ट्यूरिंग, थॉमस अल्वा एडिसन और जेनिफर डूडना जैसे वैज्ञानिकों का उल्लेख करते हुए कहा कि जिज्ञासा, कल्पनाशीलता और दृढ़ता ही वैज्ञानिक खोज की असली नींव हैं। मूर्ति ने इस बात पर जोर दिया कि अनुसंधान का उद्देश्य असफलताओं से हार न मानना, उनसे सीखना, भविष्य में गलतियों से बचना और निरंतर सुधार करना है।

10 साल में सबसे कम हुई महंगाई, जीएसटी कटौती का दिखा असर

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। भारत में महंगाई पर आम लोगों को बड़ी राहत मिली है. अक्टूबर महीने में खुदरा मुद्रास्फीति घटकर सिर्फ 0.25% रह गई है, जो पिछले 10 वर्षों में सबसे निचला स्तर है. सितंबर में यह दर 0.54% थी. लगातार चार महीने से महंगाई भारतीय रिजर्व बैंक के 4% के लक्ष्य से नीचे बनी हुई है. यह लगातार सातवां महीना है जब इन्फ्लेशन केंद्रीय बैंक की 6% की ऊपरी सीमा से भी कम रही है.

खाद्य पदार्थों की कीमतों में आई बड़ी गिरावट

महंगाई घटने की सबसे बड़ी वजह खाद्य पदार्थों की कीमतों में लगातार कमी है. खासतौर पर सब्जियों के दाम में पिछले छह महीनों से लगातार दो अंकों की गिरावट देखी जा रही है. चूंकि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में खाद्य पदार्थों की हिस्सेदारी करीब आधी है, इसलिए खाने-पीने की चीजों के सस्ते होने से कुल महंगाई पर बड़ा असर पड़ा है.

जीएसटी रेट कट का असर

विशेषज्ञों का मानना है कि जीएसटी दरों में की गई कटौती ने भी इस गिरावट में योगदान दिया है. सितंबर के आखिर में कई जरूरी वस्तुओं पर टैक्स दरें घटाई गई थीं, जिसका असर अब महंगाई के आंकड़ों में साफ नजर आ रहा है.

अर्थव्यवस्था तेज, पर महंगाई धीमी

दिलचस्प बात यह है कि महंगाई घटने के बावजूद देश की अर्थव्यवस्था की रफ्तार तेज बनी हुई है. अप्रैल-जून तिमाही में भारत की जीडीपी करीब 8% की दर से बढ़ी है. यानी उत्पादन और खर्च में तेजी के बावजूद कीमतों में बढ़ोतरी नहीं हो रही है. यही वजह है कि अब उम्मीद की जा रही है कि आरबीआई आने वाले महीने में ब्याज दरों में कटौती कर सकता है, ताकि विकास को और बढ़ावा मिले.

आरबीआई का नया अनुमान और आगे की स्थिति

भारतीय रिजर्व बैंक ने अपनी हालिया बैठक में कहा कि मौजूदा हालात नीतिगत ढील के लिए अनुकूल हैं. हालांकि, बैंक ने फिलहाल ब्याज दरों को स्थिर रखा है. आरबीआई का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2026 में महंगाई और घटकर 2.6% रह सकती है, जो उसके पहले के 3.1% अनुमान से काफी कम है. तिमाही के हिसाब से अनुमान है कि दूसरी और तीसरी तिमाही में यह 1.8%, चौथी में 4% और अगले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 4.5% तक रह सकती है.

सावधानी भी जरूरी

केंद्रीय बैंक ने हालांकि आगाह किया है कि भू-राजनीतिक तनाव, व्यापारिक अवरोध और आयात शुल्क में बदलाव जैसे कारण भविष्य में महंगाई के रुख को प्रभावित कर सकते हैं. आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि खाद्य कीमतों में आई तेज गिरावट और जीएसटी दरों के युक्तिकरण ने समग्र महंगाई के परिदृश्य को और अनुकूल बना दिया है.

दो रुपए किलो है प्याज का भाव... कीमत सुनकर रो रहे किसान, कांग्रेस ने कहा- बर्बाद कर दिया

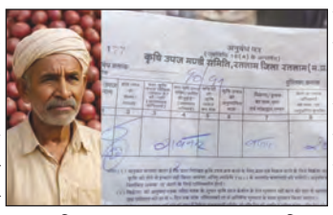

रतलाम,12 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मालवांचल की कृषि उपज मंडियों में प्याज के दाम में भारी गिरावट दर्ज की गई है। रतलाम, मंदसौर और नीमच जिले की मंडियों में किसानों को प्याज के सही दाम नहीं मिल रहे हैं, जिसके चलते उनकी लागत भी नहीं निकल पा रही है। थोक में प्याज सिर्फ 2 से 6 रुपए प्रति किलो बिक रहा है, जबकि रिटेल में इसकी कीमत 15 किलो से अधिक बनी हुई है। प

याज की कीमतों में आई इस गिरावट को लेकर कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर कर सरकार पर निशाना साधा है।

भाव सुन चिंतित हो रहे किसान

किसानों का कहना है कि उन्हें प्याज की फसल मंडी तक लाने का भाड़ा भी नहीं मिल पा रहा है। रतलाम की कृषि उपज मंडी में प्याज की औसत कीमत 600 प्रति क्विंटल तक ही मिल पा रही है, जबकि न्यूनतम भाव 200 प्रति क्विंटल यानी 2 रुपए किलो तक ही मिल रहा है।

2000 रुपए लगता है भाड़ा

रतलाम मंडी के किसान मौफतलाल ने बताया कि उन्होंने 30 क्विंटल प्याज मंडी तक लाने के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉली का भाड़ा 2000 रुपए दिया, लेकिन मंडी में दाम मात्र 250 रुपए प्रति क्विंटल मिला। ऐसे में प्याज के रखरखाव और उत्पादन की लागत निकालना तो दूर, भाड़ा भी नहीं निकल पाया है। धराड़ और नगरा गांव के किसानों ने ने बताया कि अप्रैल महीने में जब प्याज की हार्वेस्टिंग हुई थी, तब सही दाम मिल रहे थे। अब 5 महीने फसल संभालने के बाद दाम और गिर गए हैं। किसानों को अधिकतम 850 और न्यूनतम 250 रुपए प्रति क्विंटल तक दाम मिल रहे हैं। मध्य प्रदेश में प्याज की कीमतों में आई गिरावट को लेकर कांग्रेस पार्टी ने अपने आधिकारिक 'X' अकाउंट पर पोस्ट शेयर कर केंद्र और राज्य सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस ने लिखा कि मध्य प्रदेश में प्याज किसान खून के आंसू रो रहे हैं। यहां की मंडी में प्याज 2/किलो बिक रहा है। किसान अपनी फसल औने-पौने दामों में बेचने को मजबूर हैं। उन्हें फसल का दाम नहीं मिल रहा। पार्टी ने इस पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'किसान की आय दोगुनी करने' के वादे पर सवाल उठाते हुए कहा है कि उन्हें बर्बाद कर छोड़ा गया है। इस पोस्ट के साथ ही रतलाम कृषि उपज मंडी का फोटो भी शेयर किया गया है। मध्य प्रदेश कांग्रेस ने भी इस पोस्ट को आगे शेयर किया है।

इन देशों में रहते हैं भारत से ज्यादा रईस

एक का साइज तो हरियाणा से भी छोटा है

नई दिल्ली,12 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी है। दुनिया के टॉप 10 अमीरों में नौ इसी देश के हैं। अगर अल्ट्रा रिच लोगों की लिस्ट देखें तो इसमें भी अमेरिका पहले नंबर पर है। इस देश में 30 मिलियन डॉलर यानी 2,65,85,55,000 रुपये से अधिक नेटवर्थ वाले लोगों की आबादी 225,077 है। इस लिस्ट में दूर-दूर तक कोई अमेरिका के आसपास भी नहीं है। दुनिया में दूसरी सबसे बड़ी आबादी वाला देश और दूसरी सबसे बड़ी इकॉनमी चीन इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर है। वहां अल्ट्रा रिच लोगों की आबादी 98,551 है। इस लिस्ट में यूरोप की सबसे बड़ी इकॉनमी 3 नंबर पर है। इस देश में 29,021 लोग ऐसे हैं जिनकी नेटवर्थ 30 मिलियन डॉलर से अधिक है। कनाडा में ऐसे लोगों की संख्या 27,928 है। उसके बाद फ्रांस (24,941), यूके (23,072), जापान (21,710), इटली (15,952), ऑस्ट्रेलिया (15,347) और स्विट्जरलैंड (14,734) का नंबर है। यूरोप का प्लेग्राउंड कहे जाने वाले स्विट्जरलैंड की आबादी उत्तराखंड से भी कम है जबकि इसका एरिया हरियाणा से कम है। इस लिस्ट में भारत 11वें नंबर पर है। भारत में ऐसे लोगों की संख्या 13,263 है जिनके पास 30 मिलियन डॉलर से ज्यादा पैसे हैं। आबादी के हिसाब से भारत दुनिया का सबसे बड़ा देश है। भारत के बाद स्पेन (10,149), नीदरलैंड (8,390), ताइवान ।

सोना 767 गिरकर 1.23 लाख प्रति 10 ग्राम पर आया

चांदी 286 बढ़कर 1.55 लाख किलो हुई, देखें अपने शहर के सोने के दाम

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। सोने के दाम में आज यानी 12 नवंबर को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम सोना 767 रुपए गिरकर 1,23,362 रुपए पर आ गया है। इससे पहले सोने की कीमत 1,24,129 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, चांदी 286 रुपए बढ़कर 1,55,046 रुपए प्रति किलोग्राम पहुंच गई है। इससे पहले इसकी कीमत 1,54,760 प्रति किलोग्राम थी। 17 अक्टूबर को सोने ने 1,30,874 रुपए और 14 अक्टूबर को चांदी ने 1,78,100 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

आईबीजेए की सोने की कीमतों में 3% जीएसटी, मेकिंग चार्ज और ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता इसलिए शहरों के रेट्स इससे अलग होते हैं। इन रेट्स का इस्तेमाल आरबीआई सोवरेन गोल्ड बॉन्ड के रेट तय करने के लिए करता है। कई बैंक गोल्ड लोन के रेट तय करने के लिए इसे इस्तेमाल करते हैं।

इस साल सोना 47,200 और चांदी 69,029 महंगी हुई

इस साल अब तक सोने की कीमत 47,200 रुपए बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,23,362 रुपए हो गया है। चांदी का भाव भी इस दौरान 69,029 रुपए बढ़ गया है।

दैनिक पंचांग

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय 06-23
भोग्य कलि वर्ष-426874 सूर्यास्त. 17-37
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
मास - मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष गुरुवार 13 Nov
तिथि - नवमीं 23-34 तक उपरान्त दशमीं
नक्षत्र - मघा 19-38 तक पूर्वाफाल्गुनी
योग - ब्रह्म 06-57 तक ऐन्द्र
करण - तैतिल 11-11 तक उप गर
व्रत त्योहार श्री जाम्बोजी पुण्य दि. विश्नोई पंथ

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 13-25 14-50

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघडिया		रात का चौघडिया	
शुभ	06-23 - 07-46 शुभ	अमृत	17-37 - 19-15 शुभ
रोग	07-46 - 09-11 अशुभ	चंचल	19-15 - 20-50 शुभ
उत्पात	09-11 - 10-36 अशुभ	रोग	20-50 - 22-25 अशुभ
चंचल	10-36 - 12-00 शुभ	काल	22-25 - 00-01 अशुभ
लाभ	12-00 - 13-25 शुभ	लाभ	00-01 - 01-36 शुभ
अमृत	13-25 - 14-50 शुभ	उत्पात	01-36 - 03-11 अशुभ
काल	14-50 - 16-15 अशुभ	शुभ.	03-11 - 04-46 शुभ
शुभ	16-15 - 17-37 शुभ	अमृत	04-46 - 06-23 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले, लो, अ,)

आपकी कोई ऐसी निजी घटना है जो आपको रोके हुए है और आपकी तरक्की की राह में बाधा बन रही है ।अगर आप खुद को गंभीर मुसीबतों से बचाना चाहते हैं तो इन मुद्दों को सुलझा लें । अपने रिश्तों की महत्ता समझने की कोशिश करें , अपने प्रयासों को रिश्तों की अहमियत देखकर ही निर्धारित करें ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो)

आज आपमें कुछ करने और दूसरों को प्रभावित करने की इच्छा बनी रहेगी । आप मजबूत और पक्के फैसले ले पायेंगे और ऐसा करना का आपका समय बिलकुल ठीक होगा । आप अपने पुराने कर्ज और अहसानों से भी मुक्त हो पायेंगे । आप अपनी शीघ्र विचार की क्षमता के कारण किसी की जरुरत के समय मदद कर पायेंगे ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)

आज किसी अनियोजित रोमांचक यात्रा पर जाने की सम्भावना है । हो सकता है कि शहर में ही घूमना चाहें,लेकिन आपका विचार खूब मजे करने का है और ऐसा ही होगा भी । आप किसी करीबी के साथ हुए गिले-शिकवे दूर कर सकते हैं । आपको पहले ही ऐसा करना चाहिए था,परन्तु आज सामने आने पर सब बातें साफ़ हो जायेंगी ।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)

बहुत से अच्छे मौके आपका इन्तजार कर रहे हैं लेकिन आपको उनके लिए पूरे तौर पर समर्पित कोशिशें करनी होंगी,जोकि इस समय आपके लिए कुछ मुश्किल लग रहा है । किसी ख़ास निजी समारोह के लिए इन मौकों को रोके रखना आपके लिए सही है । आप साधारणतया बहुत अच्छे हैं और इसीलिए आपके दोस्त आपसे लगाव रखते हैं ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आप आज किसी अपराजेय शक्तिपुंज के समान महसूस करेंगे और किसी भी विरोध पर आसानी से विजय हासिल कर लेंगे । आज का दिन उस काम को करने का बहुत अच्छा दिन है जो आप काफी समय से करने की कोशिश कर रहे थे क्योंकि आज आपको कोई नही रोक सकता । आज का दिन अपने सबसे महत्वपूर्ण काम करें,सफलता आपके कदम चूमेगी ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

आज आप काल्पनिक से मूड में हैं । अलग अलग भूमिकाएं निभाने और कल्पनाओं में आपको बहुत मजा आता है । आप अपने लिए हर कहीं रोमांस ढूँढ लेते हैं ।आपकी सपनों की एक दुनिया है जिसे आपको सच करने का मौका मिल सकता है । आप आज अपनी भावनाओं के वश में होकर संबंधों या करियर में कुछ असंभव सा हासिल करना चाहेंगे हालाँकि बड़े फैसले लेने के लिए यह समय ठीक नही है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आज आपको कुछ चौंकाने वाली बातें पता चलेंगी ।लेकिन चिंता ना करें,सब अच्छी खबरें होंगी । जिन कई चीजों के लिए आप लम्बे समय से कोशिश कर रहे थे,वे आज पूरी होने वाली हैं । जिन कोशशों को आप अपनी और से व्यर्थ मान चुके थे,वे अंतत आज सफल होंगी । इसीलिए आज दोस्तों और परिजनों के साथ खुशियाँ मनाएं।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

अपने सृजनात्मक विचारों को कार्यान्वित करने का यह बहुत अच्छा समय है । अपने विचारों को बड़ा रखें तथा किसी बोद्धिक या व्यवसायिक प्रशिक्षण में हिस्सा लें, इससे आपको औरो पर बढ़त हासिल होगी । हालाँकि ऐसा करते हुए आपको कुछ वित्तीय परेशानियां आ सकती हैं ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आज का दिन आपके लिए विशेष रूप से अच्छा है । आप अपना कुछ नया शुरू कर सकते हैं ,काफी समय लेने वाला अपना कोई अधूरा काम पूरा कर सकते हैं ,या कोई ऐसा काम जिसे आप लम्बे समय से टाल रहे हैं,को भी शुरू कर सकते हैं । आज शाम खेल और मौज मस्ती के नाम रहेगी ।अपने नए-पुराने दोस्तों के साथ समय बितायें और मजे करें । खरीदारी में विशेष आनंद आएगा ।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आज का दिन संकेत दे रहा है कि आज आप खूब आनंद उठाएंगे,लेकिन बेहतर यही होगा कि सुबह कुछ समय निकालकर अपने कल के शेष कार्यों को पूरा कर लें । अपने कार्यक्रम की योजना अपने परिजनों के कार्यक्रम के अनुसार ही बनाएं ताकि बाद में कोई ग़लतफ़हमी या समस्या ना आये ।

कुंभ (गु, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)

आपकी एकाग्रता और विचारशक्ति इस समय अपने चरम पर है और इसीलिए आप अपने आसपास के लोगों की स्थिति के बारे में और भी संवेदनशील हैं । इससे आपको पिछले कुछ मतभेद सुलझाने में मदद मिलेगी । आप किसी ऐसे व्यक्ति के सम्पर्क में आ सकते हैं जिससे आप काफी पहले अलग हो गए थे ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आपको आज कोई अप्रत्याशित अनुभव हो सकता है । ऐसा नही है कि आप इससे परेशान ही होंगे लेकिन इससे आपके मन में हलचल जरूर मच जायेगी । इससे आपके दृष्टिकोण में ख़ासा बदलाव भी आ सकता है । अपनी भावनाओं को व्यक्त करने न घबराएं लेकिन यह समय अपने स्थान पर दूसरों की भावनात्मक मांगों को प्राथमिकता देने के लिए अधिक उपयुक्त है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

महाराष्ट्र-पासिंग कार के सीक्रेट चैंबर से मिले 3 करोड़

रायपुर से नागपुर ले जा रहे थे, चेकिंग में पकड़ाए, नोट गिनने की मशीन मंगवानी पड़ी

बालोद, 12 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में पुलिस ने महाराष्ट्र पासिंग क्रेटा कार (एमएच 04 एमए 8035) से 3 करोड़ रुपए नकद बरामद किए हैं। यह रकम कार में बनाए गए सीक्रेट चैंबर में छिपाकर रखी गई थी। कार में सवार दो लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। मामला बालोद थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, बुधवार सुबह करीब 8 से 9 बजे के बीच गुंडरदेही इलाके में पुलिस वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को देखकर कार सवार भागने लगे। बालोद पुलिस ने तुरंत नाकाबंदी की और बालोद-दुर्ग मुख्य मार्ग स्थित पड़कीभाठ बायपास के पास कार को रोक लिया।

कार की तलाशी के दौरान सीट के नीचे एक सीक्रेट चैंबर मिला। चैंबर में ताला लगा हुआ था, जिसे खोलने पर पुलिस को 500 और 100 रुपए के नोटों के बंडल में कुल 3 करोड़ रुपए नकद मिले। यह कार्रवाई मुखबिर की सूचना के आधार पर की गई। कैश गिनने के लिए बालोद पुलिस ने एसबीआई बैंक से नोट गिनने की मशीन मंगवाई थी।

पुलिस के अनुसार, कार रायपुर से महादेव घाट मार्ग होते हुए, दुर्ग-रनचिराई मार्ग से अंदरूनी रास्तों का उपयोग करते हुए नागपुर की ओर जा रही थी। पैसे के उपयोग या स्रोत को लेकर अभी तक कोई खुलासा नहीं किया गया है। एसडीओपी राठौर ने बताया कि, फिलहाल जांच जारी है। आगे की कार्रवाई के लिए मामला आयकर विभाग (आईटी) को सौंपे जाने की तैयारी की जा रही है।

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से 500 के नोटों से भरी 2 गाड़ियां निकलीं थी। दोनों गाड़ियों में 6 करोड़ 60 लाख रुपए बंडलों में लोड थे। डिलीवरी प्वाइंट गुजरात थी। हवाला सिंडिकेट ने हमेशा की तरह 1200 किलोमीटर का सीक्रेट कॉरिडोर बनाया।

रायपुर के कारोबारी की रकम बड़े बिजनेस हब से उठाई गई थी। प्रोफेशनल हवाला सिंडिकेट ने तीन लेयर के सीक्रेट-लॉकर में कैश छुपाया।

लॉकर की डिजाइन इतनी जबरदस्त थी कि आसानी से पकड़ पाना मुश्किल था। रकम रायपुर से दुर्ग, भिलाई, नागपुर होते हुए गुजरात भेजी जा रही थी, लेकिन कुम्हारी में पकड़े गए। रायपुर के आमानाका इलाके में एक कार से 4.52 करोड़ रुपए मिले थे। ये पैसे किसके हैं इसका खुलासा फिलहाल पुलिस ने नहीं किया है, लेकिन इसे हवाला कारोबार से भी जोड़कर जांच चल रही है। बताया जा रहा है कि रायपुर में हर दिन 30 करोड़ का हवाला कारोबार हो रहा है।

रायपुर से मुंबई-झारखंड पैसे भेजने की डिमांड ज्यादा है। ग्राहक बनकर हवाला कारोबारी और हवाला कर्मी और कारोबार से जुड़े शख्स से बातचीत की। इस दौरान पता चला कि 1 लाख रुपए (एक पेटी) भेजने पर 1500 से 2000 रुपए कमीशन फिक्स है।

दो दिन में 2.5 डिग्री गिरा पारा

गुमला में पारा 8.5 डिग्री पर पहुंचा उत्तर-पश्चिमी हवाओं ने बढ़ाई सर्दी

रांची, 12 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड में अब ठंड ने पूरी तरह दस्तक दे दी है। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर-पश्चिमी और उत्तर-पूर्वी हिस्से से ठंडी हवाएं राज्य में प्रवेश कर चुकी हैं, जिसके असर से तापमान में तेजी से गिरावट दर्ज की जा रही है। राजधानी रांची में पिछले 24 घंटे में न्यूनतम तापमान में 2.5 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान में 2.1 डिग्री की कमी आयी है।

मंगलवार को रांची का अधिकतम तापमान 25.8 डिग्री और न्यूनतम 11.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तापमान में आई इस गिरावट के कारण सुबह और शाम के समय लोगों को ठंड का एहसास होने लगा है। मौसम केंद्र रांची का कहना है कि आने वाले दो से तीन दिनों में तापमान में और 3 से 4 डिग्री तक की गिरावट आ सकती है। राज्य के अन्य हिस्सों में भी ठंड का असर बढ़ने लगा है। मेदिनीनगर में न्यूनतम तापमान 10.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से करीब 5.8 डिग्री कम है।

ब्यूटी-पार्लर में मसाज कराने आए 2 तहसीलदारों की पिटाई

ड्राइवर से विवाद के बाद 6 लड़कों ने पीटा, सिर फूटा, खून से लाल हुई शर्ट

कोरबा, 12 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में मंगलवार रात 6 युवकों ने 2 तहसीलदारों को जमकर पीटा। खून से शर्ट लाल हो गई है। बताया जा रहा है कि तहसीलदारों के ड्राइवर से विवाद के बाद पिटाई की है। दोनों तहसीलदार सैलून गए थे, तभी विवाद हुआ। मामला कुसमुंडा थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक हरदीबाजार तहसीलदार अभिजीत राजभानू और दीपका तहसीलदार अमित केरकेटा से मारपीट की गई है। दोनों के सिर में गंभीर चोटें आईं हैं। घायलों का इलाज नजदीकी अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने 4 युवकों हिरासत में लिया है, जबकि बाकियों की तलाश जारी है।

दरअसल, पटवारी त्रिलोक सोनवानी ने दीपका तहसीलदार अमित केरकेटा और हरदीबाजार तहसीलदार अभिजीत राजभानू को बताया था कि आदर्श नगर स्थित रमेश जेंट्स ब्यूटी पार्लर (सैलून) में नस और हाथ-पैर दर्द के लिए अच्छी मालिश की जाती है।

इसके बाद मंगलवार रात करीब 9 से 10 बजे के बीच दोनों तहसीलदार अपनी अलग-अलग काली स्कॉर्पियो से पार्लर पहुंचे। इसी दौरान कुछ युवक आए और नशे में अमित केरकेटा के ड्राइवर से पार्किंग को लेकर विवाद करने लगे। इस दौरान विवाद बढ़ने लगा तो दोनों तहसीलदार ब्यूटी पार्लर (सैलून) से बाहर आए। तहसीलदारों ने नशेड़ी युवकों को समझाने की कोशिश की, लेकिन स्थिति और बिगड़ गई। समझाइश के दौरान युवकों ने दोनों तहसीलदारों को पीट दिया। दोनों के सिर में गंभीर चोटें आईं हैं।

कुसमुंडा में मारपीट के दौरान लोगों की भीड़ जमा हो गई। तहसीलदारों को घायल हालत में निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं वारदात की सूचना मिलते ही कुसमुंडा थाना प्रभारी युवराज सिंह तिवारी तत्काल टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

कुसमुंडा थाना प्रभारी युवराज सिंह तिवारी ने बताया कि वारदात के तुरंत बाद 4 युवकों को हिरासत में लिया गया है।

दोनों पैर कुचले, कॉलर बोन-पसली की 4 हड्डियां टूटी

बिलासपुर रेल हादसे में 12वीं मौत, भाई की शादी से लौट रही थी महविश, 8वें दिन तोड़ा-दम

बिलासपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर रेल हादसे में घायल कॉलेज छात्रा ने इलाज के आठवें दिन दम तोड़ दिया है। इसके साथ ही ट्रेन हादसे में मृतकों की संख्या 12 पहुंच गई है। गंभीर रूप से घायल छात्रा का अपोलो अस्पताल में इलाज चल रहा था। छात्रा ट्रेन के महिला कोच में सवार थी।

हादसे में उसके दोनों पैर लोहे के एंगल के नीचे दब गए थे, जिससे उसके पैर में मल्टीपल फ्रैक्चर थे। झटका लगने से कॉलर बोन और पसली की 4 हड्डियां भी फ्रैक्चर हुई थीं। घटना के तुरंत बाद उसे एंबुलेंस से सिम्स लाया गया था। डॉक्टरों ने छात्रा की स्थिति को देखते हुए उसे अपोलो रेफर किया था।

दरअसल, जांजगीर-चांपा जिले के अकलतरा की रहने वाली महविश परवीन (19) बिलासपुर के डीपी विप्र कॉलेज में बीएससी गणित की छात्रा थी। वह चचेरे भाई की शादी में शामिल होने के लिए घर गई थी। 4 नवंबर को वह कोरबा-बिलासपुर मेमू ट्रेन से बिलासपुर लौट रही थी, तभी लालखदान के पास मेमू ट्रेन मालगाड़ी से टकरा गई।

अपोलो अस्पताल में भर्ती महविश एक सप्ताह से जिंदगी और मौत की जंग लड़ रही थी। डॉक्टर लगातार निगरानी बनाए हुए थे। लेकिन, उसकी स्थिति बिगड़ती जा रही थी। मंगलवार रात उसने दम तोड़ दिया। बुधवार को पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है, जिसके बाद परिजन शव लेकर रवाना हो गए। छात्रा के चाचा मोहम्मद रहमान ने बताया कि बचपन में उसे हार्ट की समस्या थी।

रायपुर एस्कॉर्ट अस्पताल में उसकी ओपन हार्ट की सर्जरी हुई थी। नियमित इलाज के बाद वह पूरी तरह स्वस्थ हो चुकी थी।

मूंगफली उठाने पर बच्चे की पिटाई

इलाज के दौरान 6 वर्षीय बालक की मौत, दो के खिलाफ एफआईआर

गुमला, 12 नवंबर (एजेंसियां)। गुमला सदर थाना क्षेत्र के ढोरही टोली निवासी सुनील महतो ने अपने 6 वर्षीय बेटे निलेश महतो की मौत के मामले में बुधवार को गुमला थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। उन्होंने जेठा खड़िया और शंभू खड़िया नामक दो लोगों पर आरोप लगाया है कि उनके बेटे को खलिहान से मूंगफली उठाने पर बेरहमी से पीटा गया, जिसके बाद इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सुनील महतो ने अपनी शिकायत में बताया कि बीते 7 नवंबर को सुबह करीब 10:30 बजे उनका बेटा निलेश घर के पास अन्य बच्चों कमल महतो और रितु कुमारी के साथ खेल रहा था। खेलते-खेलते वे खलिहान की ओर चले गए, जहां निलेश ने सूखने के लिए फैलाई गई मूंगफली को खाने के लिए उठा लिया।

कैंसर-पीड़ित पत्नी को बाइक पर लिटाकर भटक रहा किसान

इलाज में खेत-जेवर, बैल बिक गए, 5-7 लाख का कर्ज, पति बोला-मेरी मदद कर दो सरकार

कवर्धा, 12 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले के नगवाही गांव की पथरीली सड़कों पर जब भी किसान समलू सिंह की बाइक गुजरती है, तो देखकर लोग सिहर उठते हैं। उस बाइक पर लकड़ी की पटिया बंधी होती है। पटिया पर लेटी होती है थायराइड कैंसर से पीड़ित कपूरा मरकाम। बाइक पर लेटी कपूरा मरकाम किसान समलू सिंह की पत्नी है। पत्नी जब भी दर्द से कराहती है, तो पति अपनी पत्नी को बाइक पर लादकर अस्पताल के लिए भागता है। समलू सिंह मरकाम पिछले 3 साल से यही कर रहे हैं। वह हर हफ्ते अपनी पत्नी को बाइक पर लादकर अस्पताल ले जाते हैं।

किसान समलू बताते हैं कि अस्पताल ले जाने के लिए न एम्बुलेंस आती है, ना कोई सरकारी गाड़ी। डॉक्टर्स ने कह दिया है कि इलाज महंगा है, लंबा चलेगा। अब जब पैसे ही नहीं रहे, तो इलाज अधूरा है। पत्नी की पीड़ा देखकर वह सहम उठते हैं।

किसान समलू बताते हैं कि कैंसर पीड़ित पत्नी को कवर्धा, रायपुर, दुर्ग और मुंबई तक इलाज के लिए ले गया, लेकिन पैसों की वजह से इलाज अधूरा है। इलाज में पहले जेवर गए, फिर बैल और 5-7 लाख का कर्जदार हो गया। अब सरकार से मदद की उम्मीद है, ताकि पत्नी की जान बच सके।

दरअसल, थायरॉइड कैंसर थायरॉइड ग्लैंड में शुरू होता है। थायरॉइड ग्लैंड गर्दन के निचले हिस्से में स्थित एक छोटी, तितली के आकार की ग्लैंड होती है। ये हार्मोन का प्रोड्यूड करती है। इसी थायरॉइड ग्लैंड की सेल्स के डीएनए में बदलाव हो जाते हैं। आकार बढ़ने लगते हैं, जो गांठ या ट्यूमर के रूप में बदल जाते हैं, जो धीरे-धीरे शरीर के अन्य हिस्सों में भी फैलने लगते हैं।

दरअसल, नगवाही गांव के रहने वाले समलू सिंह मरकाम पेशे से किसान हैं। समलू सिंह की पत्नी कैंसर पीड़ित है। पत्नी को पहले कवर्धा जिला अस्पताल में भर्ती कराया था, लेकिन वहां से बड़े हॉस्पिटल ले जाने के लिए कहा गया, फिर पत्नी को रायपुर, दुर्ग, बैतूल, गोंदिया और मुंबई ले गया, जहां 5-7 लाख रुपए खर्च हो गए। समलू सिंह मरकाम बताते हैं कि पत्नी की इलाज में खेत, जेवर और बैल तक बेच दिए। अब कुछ बचा नहीं है। रिश्तेदारों से उधार मांगने पर वहां से भी पैसे नहीं मिल रहे हैं। रिश्तेदार पहले से कर्ज दे चुके हैं, जिसे वापस लौटा नहीं पाया। अब वह भी पैसे देने से इनकार कर देते हैं।

27 लाख रुपए की अफीम जब्त

5.472 किलोग्राम अफीम के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, कार से हो रही थी तस्करी

चतरा, 12 नवंबर (एजेंसियां)। चतरा पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 5.472 किलोग्राम अफीम जब्त की है। जब्त अफीम की कीमत लगभग 27 लाख रुपए आंकी गई है। इस अभियान में दो अंतरराज्यीय तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है।

एसपी सुमित अग्रवाल ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी। यह सूचना पत्थलगड्डा थाना क्षेत्र के ग्राम बंदरचुआ स्थित संतोषी माता मंदिर के रास्ते एक चार पहिया वाहन से बड़ी मात्रा में अवैध मादक पदार्थों की खेप ले जाने के संबंध में थी।

सूचना के सत्यापन और त्वरित कार्रवाई के लिए सिमरिया अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी शुभम कुमार खंडेलवाल के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। इस दल ने ग्राम बंदरचुआ स्थित संतोषी माता मंदिर के पास लेम्बोईया जाने वाले रास्ते पर एक कार को रोका। कार की तलाशी लेने पर 5.472 किलोग्राम अवैध अफीम और दो मोबाइल फोन बरामद हुए। कार में सवार दो व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार तस्करों की पहचान गिधौर निवासी विक्रम कुमार (22) और उटामोड़ निवासी राजन कुमार (20) के रूप में हुई है।

एसपी ने बताया कि गिरफ्तार तस्कर राजन कुमार का आपराधिक इतिहास रहा है और वह पहले बरेली में जेल जा चुका है। तस्कर अफीम की यह खेप खूंटी जिले से ला रहे थे और इसे चतरा के रास्ते उत्तर प्रदेश में बेचने की योजना बना रहे थे।

मोतियाबिंद ऑपरेशनः 9 मरीजों के आंखों की रोशनी कम

बीजापुर से मेकाहारा में भर्ती, एक साल पहले दंतेवाड़ा में 10 को दिखना हुआ था बंद

रायपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में एक साल में बाद फिर मोतियाबिंद ऑपरेशन में गड़बड़ी देखने को मिली है। बीजापुर जिला अस्पताल में ऑपरेशन के कुछ दिन बाद 9 मरीजों के आंखों की रोशनी कम हो गई है। सभी को बुधवार को रायपुर के मेकाहारा अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दरअसल, 8 मरीजों का ऑपरेशन 24 अक्टूबर को किया गया था, वहीं एक मरीज का ऑपरेशन 8 नवंबर को हुआ है। रोशनी कम होने के बाद मरीज दोबारा बीजापुर जिला अस्पताल पहुंचे। इसकी जानकारी एडमिनिस्ट्रेशन को दी। इसके बाद आनन-फानन में सभी को मेकाहारा लाया गया। जिनकी आंखों की रोशनी कम हुई है, उनमें बीजापुर के तर्रेम निवासी अवलम डोग्गा (56), टीमापुर की पुनेम जिम्मो (62), मडियम मासे (67), तर्रेम की अलवम कोवे (52), टीमापुर की अलवम पोज्जे (70), बुधनी डोढ़ी (60), पदम शन्ता (54), टिमीदी की पेड्डू लक्ष्मी (62) और तर्रेम का अलवम सोमे (70) शामिल है।

इससे एक साल पहले दंतेवाड़ा जिला अस्पताल में 20 लोगों का मोतियाबिंद ऑपरेशन हुआ था। सर्जरी के बाद 10 बुजुर्गों को आंख में खुजली, दर्द और ना दिखने की शिकायत हुई। उन्हें रायपुर के अंबेडकर हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था।

इस मामले में सर्जरी करने वाली डॉ गीता नेताम, ममता वेदे स्टाफ नर्स और दीप्ति टोप्पो नेत्र सहायक अधिकारी को सस्पेंड किया गया था। वहीं, प्रदेश में आंखफोड़वा कांड भी हुआ था।

22 सितंबर 2011 को सरकारी लापरवाही के चलते 50 से ज्यादा लोगों के आंखों की रोशनी चली गई थी।

मेकाहारा के अधीक्षक डॉ संतोष सोनकर ने बताया कि सभी मरीजों की आंखों की जांच की गई है। एक की आंख सामान्य है, बाकी मरीजों में समस्या दिखी है।

पांच मरीजों को ऑपरेशन थिएटर में शिफ्ट कर दिया गया है। बाकी तीन मरीजों की आंखों में एंटीबायोटिक इंजेक्शन लगाया गया है। लगातार मरीजों की स्थिति को ऑब्जर्व किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि, मरीज के आंखों में ऑपरेशन के बाद इन्फेक्शन हुआ है।

ब्राउन शुगर के साथ तीन गिरफ्तार

गुमला, 12 नवंबर (एजेंसियां)। गुमला पुलिस ने ब्राउन शुगर की तस्करी के आरोप में तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई में पुलिस ने चेटर मैदान से आरोपियों को पकड़ा। उनके पास से 200 पैकेट ब्राउन शुगर, 50 ग्राम ब्राउन शुगर, मोबाइल फोन और 14,150 रुपए नगद बरामद किए गए हैं।

गुमला एसपी को ब्राउन शुगर की खरीद-फरोख्त के संबंध में एक गुप्त सूचना मिली थी। इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुरेश प्रसाद यादव के नेतृत्व में एक छापेमारी दल का गठन किया गया। यह दल सूचना के सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए चेटर मैदान, गुमला पहुंचा।

निरीक्षण के दौरान गुमला की ओर से आ रहे तीन व्यक्तियों ने पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया। पुलिस बल की मदद से तीनों को चाहा मैदान में पकड़ लिया गया। पूछताछ में उन्होंने अपनी पहचान बादल साहू (केरानी बगान, गुमला), विकास कुमार बैठा (24 वर्ष, लक्ष्मण नगर, गुमला) और सुनील प्रजापति (22 वर्ष, भंडरा, लोहरदगा, वर्तमान में लोहरदगा रोड, नवीन सिंह पेट्रोल पंप के पास) के रूप में बताई।

तलाशी लेने पर बादल साहू के पास से एक पीले रंग के बैग में 200 पैकेट ब्राउन शुगर, एक नीले रंग का कपड़ा, एक भूरे रंग का शॉल, एक टेक्नो स्पार्क कंपनी का मोबाइल, एक नथिंग कंपनी का मोबाइल और 14,150 रुपए नगद मिले। विकास कुमार बैठा के पास से एक रियलमी कंपनी का मोबाइल और 50 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुआ।

रायपुर में शादी समारोह में मेहमान बनकर चोरी

स्टेज पर फोटो क्लिक कराते रहे लोग, पीछे से टेंट काटकर शगुन का बैग-कैश ले गए

रायपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। रायपुर के गुढ़ियारी इलाके में एक शादी समारोह के दौरान चोरी हुई है। दो युवक मेहमान बनकर शादी समारोह में पहुंचे फिर शगुन का बैग और चांदी की मूर्तियां चुरा लीं।

इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें लाल शर्ट पहने आरोपी चोरी करते हुए दिखाई दे रहा है। वारदात गुढ़ियारी थाना क्षेत्र में हुई, और आरोपियों ने टेंट का कपड़ा काटकर चोरी को अंजाम दिया।

दरअसल, शादी समारोह में वीडियोग्राफर द्वारा शूट किए गए वीडियो में यह पूरी घटना कैद हो गई। पुलिस की जांच-पड़ताल के बाद आरोपियों की पहचान हुई और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक, 6 नवंबर को गुढ़ियारी इलाके में स्थित ओशो भवन मैरिज गार्डन में राजपूत परिवार के यहां शादी थी। तभी रायपुर के ही रहने वाले अज्ञात लोग शादी में पहुंचे और स्टेज के पीछे से सामानों और कैश की चोरी कर ली।

इस दौरान सभी शादी में व्यस्त थे। लोग स्टेज पर पहुंचकर फोटो क्लीक करवा रहे थे। तभी पीछे से आरोपी इस घटना को अंजाम दे रहे थे। बाद में जब घर वालों को सामान गायब मिला तो थाने पहुंचे।

शिकायतकर्ता नितेश राजपूत ने गुढ़ियारी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 6 नवंबर को उसके साले के विवाह समारोह के दौरान उसकी पत्नी का पर्स गायब हो गया, जिसमें कैश, मोबाइल और गिफ्ट रखे थे।

शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करके जांच शुरू की और आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान रायपुर के चूना भट्टी निवासी नवीन मानिकपुरी उर्फ लल्ला मानिकपुरी (19 वर्ष) निवासी नर्मदापारा और किशन साहू (21 वर्ष) के रूप में हुई है। गुढ़ियारी थाना प्रभारी बीएल चंद्राकर ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर ओशो भवन और आस पास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों के रिकॉर्डिंग की जांच की गई। सीसीटीवी कैमरों के अलावा शादी समारोह को रिकॉर्ड करने पहुंचे वीडियोग्राफर की रिकॉर्डिंग खंगाली।

वीडियो ग्राफर की रिकॉर्डिंग में एक आरोपी वारदात करते हुए दिखा। इस फुटेज के आधार पर जांच शुरू की तो आरोपी का रिकॉर्ड मिला। रिकॉर्ड के आधार पर मुखबिर एक्टिव किए और आरोपियों को हिरासत में लिया। पूछताछ में दोनों ने अपराध कबूल कर लिया।

घाटशिला उपचुनाव, 15 टेबल पर 20 राउंड में होगी मतगणना

घाटशिला, 12 नवंबर (एजेंसियां)। घाटशिला विधानसभा उपचुनाव मंगलवार को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और भयमुक्त मतदान सम्पन्न हुआ। शाम 5 बजे तक कुल 74.63 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। अब लोगों को 14 नवंबर का इंतजार है। इस दिन सुबह 8 बजे से मतगणना होगी। इसके बाद यह स्पष्ट हो जाएगा कि यहां किसकी जीत हो रही है। घाटशिला विधानसभा में उपचुनाव जेएमएम के गद्दावर नेता और प्रदेश के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के आकस्मिक निधन के बाद खाली हुई सीट की वजह से हुआ। वहीं, मतगणना को लेकर कुल 15 टेबल बनाए गए हैं। 20 राउंड में मतगणना होगी। मतदान के दिन सुबह 8 बजे से पहले पहुंचे सर्विस वोट को मतगणना में शामिल किया जाएगा। ईवीएम मशीन को त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था में रखा गया है।

जेजेएमपी के दो उग्रवादियों का आत्मसमर्पण

5 लाख के इनामी सब-जोनल कमांडर ने किया सरेंडर, एरिया कमांडर ने भी छोड़ा हथियार

लातेहार, 12 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड सरकार की आत्मसमर्पण नीति से प्रभावित होकर झारखंड जनमुक्ति परिषद (जेजेएमपी) संगठन के दो उग्रवादियों ने बुधवार को लातेहार में पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। इनमें सब-जोनल कमांडर ब्रजेश यादव उर्फ राकेश और एरिया कमांडर अवधेश लोहरा उर्फ रोहित शामिल हैं।

ब्रजेश यादव पर सरकार ने पांच लाख रुपए का इनाम घोषित कर रखा था। वह गुमला जिले के बिशनपुर थाना क्षेत्र के कठोकटवा गांव का निवासी है। वहीं, अवधेश लोहरा लातेहार के हेरहंज थाना क्षेत्र के बंदुवा गांव का रहने वाला है। दोनों उग्रवादियों ने पलामू आईजी शैलेंद्र कुमार सिन्हा, एसपी कुमार गौरव, सीआरपीएफ 11वीं बटालियन के कमांडेंट यादराम बुनकर और एसएसबी 32 बटालियन के कमांडेंट राजेश कुमार की उपस्थिति में आत्मसमर्पण किया। इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों ने आत्मसमर्पण करने वाले उग्रवादियों का गुलदस्ता और बुके देकर स्वागत किया।

इनामी नक्सली ब्रजेश यादव को पांच लाख रुपए का प्रतीकात्मक चेक भी सौंपा गया। समर्पण के दौरान दोनों उग्रवादियों के परिजन भी मौजूद थे। आईजी शैलेंद्र कुमार सिन्हा ने इस मौके पर कहा कि लातेहार जिले में अब काफी बदलाव आया है और पुलिस को लगातार सफलता मिल रही है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष अब तक कुल 21 नक्सली आत्मसमर्पण कर चुके हैं।

आईजी ने अन्य नक्सलियों से भी आत्मसमर्पण करने की अपील की, चेतावनी दी कि ऐसा न करने पर वे पुलिस कार्रवाई में मारे जाएंगे। एसपी कुमार गौरव ने कहा कि पुलिस के निरंतर अभियानों के कारण ही नक्सली अब आत्मसमर्पण की ओर बढ़ रहे हैं।

उन्होंने इस मुहिम में आम जनता के सहयोग की भी सराहना की। एसपी ने यह भी बताया कि जिले में जेजेएमपी संगठन खत्म होने के कगार पर है, जिसमें अब केवल चार से पांच सदस्य ही बचे हैं, जो भागे फिर रहे हैं।

उन्होंने उनसे भी आत्मसमर्पण करने का आग्रह किया। 5 लाख इनामी ब्रजेश यादव लगभग 20 वर्षों से नक्सली गतिविधियों में सक्रिय था। वह पहले माओवादी संगठन में सक्रिय था और 2010 में गिरफ्तारी के बाद जेल गया था। 2018 में रिहा होने के बाद उसने जेजेएमपी संगठन में शामिल होकर सब-जोनल कमांडर का पद संभाला।

ट्रम्प बोले- अमेरिका में टैलेंटेड लोगों की कमी

इसलिए विदेशी स्किल्ड लोगों की जरूरत, एच1-बी वीजा पर भी नरम हुए अमेरिकी राष्ट्रपति

वॉशिंगटन, 12 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि देश में कई अहम नौकरियों के लिए पर्याप्त टैलेंटेड लोग नहीं हैं, इसलिए विदेशी स्किल्ड वर्कर्स की जरूरत पड़ती है।

ट्रम्प ने यह बयान एक इंटरव्यू में दिया। क्या एच1-बी वीजा की संख्या कम की जाएगी, क्योंकि इससे अमेरिकी मजदूरों के वेतन पर असर पड़ता है?

ट्रम्प ने जवाब दिया, "हां, मैं सहमत हूं, लेकिन आपको बाहर से टैलेंट भी लाना होगा।"

जब एंकर ने कहा कि अमेरिका में काफी टैलेंटेड लोग हैं, तो ट्रम्प बोले, "नहीं, कुछ खास क्षेत्रों में हमारे पास टैलेंट नहीं है। आप बेरोजगार लोगों को उठाकर मिसाइल फैक्ट्री में नहीं भेज सकते।"

इससे पहले सितंबर में ट्रम्प प्रशासन ने एच1-बी वीजा की एप्लिकेशन फीस को 100 गुना बढ़ाकर 1 हजार डॉलर से 1 लाख डॉलर कर दिया है।

विदेश छात्रों को लेकर अपने रुख में यू-टर्न लिया है। ट्रम्प ने कहा है कि विदेशी छात्रों को अमेरिका में पढ़ाई की अनुमति मिलती रहनी चाहिए, क्योंकि वे न सिर्फ देश की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाते हैं बल्कि विश्वविद्यालयों की आर्थिक स्थिति को भी संभालते हैं।

उन्होंने कहा कि अगर चीन और दूसरे देशों से आने वाले विदेशी छात्रों की संख्या घटाई गई, तो अमेरिका के करीब आधे कॉलेजों के बंद होने की नौबत आ जाएगी। ट्रम्प ने कहा कि दुनियाभर से आने वाले आधे छात्रों को नहीं रोक सकते, ऐसा किया तो हमारे कॉलेज-यूनिवर्सिटी सिस्टम को भारी नुकसान होगा। मैं ऐसा नहीं चाहता। मैं मानता हूं कि बाहर के देशों से छात्रों का आना अच्छा है, मैं दुनिया से रिश्ते बेहतर रखना चाहता हूं।

अमेरिका ने इस साल मई में पहले विदेशी छात्रों के नए वीजा इंटरव्यू पर रोक लगा दी थी। इसका मकसद देश की यूनिवर्सिटीज में यहूदी विरोध और वामपंथी विचारों को रोकना था।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने दुनियाभर में अमेरिकी दूतावासों को आदेश जारी कर कहा था- वे स्टूडेंट वीजा के लिए नए इंटरव्यू शेड्यूल न करें, क्योंकि ट्रम्प सरकार अमेरिका आने वाले छात्रों के सोशल मीडिया प्रोफाइल की जांच को और सख्त करने जा रही है।

उन्होंने आगे कहा था- तत्काल प्रभाव से कॉन्सुलर सेक्शन आगे के दिशा-निर्देश जारी होने तक स्टूडेंट या एक्सचेंज विजिटर (एफ, एम और जे) वीजा के लिए नए अपॉइंटमेंट की इजाजत नहीं दे।

यह रोक एफ, एम और जे वीजा कैटेगरी पर लागू होती है, जो ज्यादातर अंतरराष्ट्रीय छात्रों और एक्सचेंज विजिटर्स को कवर करती हैं। बाद में इंटरव्यू फिर शुरू हुए, लेकिन सोशल मीडिया जांच और सुरक्षा नियम और सख्त कर दिए गए हैं।

तुर्किये एयरफोर्स का कार्गो विमान जॉर्जिया-अजरबैजान बॉर्डर के पास क्रैश

20 लोग सवार थे

अंकारा, 12 नवंबर (एजेंसियां)। तुर्किये एयरफोर्स का सी-130 हरक्यूलिस मिलिट्री कार्गो विमान मंगलवार को जॉर्जिया-अजरबैजान बॉर्डर के पास क्रैश हो गया। विमान में फ्लाइट क्रू समेत 20 सैन्यकर्मी सवार थे। अब तक हादसे में कितने लोगों की मौत हुई है, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। तुर्किये रक्षा मंत्रालय ने अपने X पर बताया कि अजरबैजान से उड़ान भरने वाला हमारा एक सी-130 सैन्य कार्गो विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। अजरबैजान और जॉर्जिया के अधिकारियों के साथ मिलकर जॉइंट रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोआन ने अंकारा में एक कार्यक्रम के दौरान हादसे की पुष्टि की और कहा कि मलबे तक पहुंचने की कोशिश जारी हैं। अल्लाह हमारे शहीदों पर रहम करे। जॉर्जिया एयर नेविगेशन अथॉरिटी ने बताया कि विमान से रडार संपर्क टूट गया था, जब वह जॉर्जिया के एयरस्पेस में एंट्री कर चुका था।

अमेरिका का डर नहीं, पुतिन के दिल्ली दौरे की आ गई तारीख

एस-400 मिसाइल और सू-57 फाइटर जेट पर हो सकती है बड़ी डील

मॉस्को, 12 नवंबर (एजेंसियां)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अगले महीने दिसंबर में भारत की राजकीय यात्रा करेंगे। रोसकांग्रेस ने बताया है कि पुतिन 5 दिसंबर को नई दिल्ली आएंगे और इसी सप्ताह आयोजित होने वाले रूस-भारत फोरम के पूर्ण सत्र में भाग लेंगे। इस सम्मेलन का आयोजन रोसकांग्रेस कर रही है। इससे पहले क्रेमलिन ने भी कहा था कि पुतिन दिसंबर में भारत की यात्रा करेंगे। अब उनकी यात्रा की तारीख सामने आ गई है। पुतिन के दिल्ली दौरे के दौरान खासतौर से रक्षा सहयोग पर बात होने की उम्मीद है। इसमें एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम और सू-57 लड़ाकू विमानों की खरीद पर चर्चा हो सकती है।

भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए पुतिन का दौरा दिसंबर 2021 के बाद उनकी पहली भारत यात्रा है। यूक्रेन के साथ रूस के युद्ध के बाद उपमहाद्वीप की भी उनकी पहली यात्रा होगी। ऐसे में इस यात्रा को

भारत-रूस संबंधों के लिहाज से अहम माना जा रहा है। पुतिन ऐसे समय दिल्ली आ रहे हैं, जब भारत और अमेरिका के रिश्ते में तनातनी है। अमेरिका की ओर से भारत पर रूसी तेल खरीद रोकने का दबाव है। ऐसे में वॉशिंगटन की नजर भी उनके दौरे पर रहेगी। व्लादिमीर पुतिन ने बीते महीने, अक्टूबर में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बात की थी। दोनों नेताओं ने इस दौरान रूस और भारत के बीच 'विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी' को और गहरा करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई थी। रूस-भारत के पुराने संबंधों के अलावा पुतिन और मोदी एक-दूसरे से निजी तौर पर भी अच्छे रिश्ते होने की बात कहते रहे हैं। मोदी और पुतिन की आखिरी मुलाकात बीजिंग में हुई थी।

पुतिन जब दिल्ली में भारतीय अधिकारियों के साथ बैठेंगे तो भारत और रूस के बीच पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट सुखोई-57 पर डील फाइनल हो सकती है।

चीन का 758 मीटर लंबा नया होंगची ब्रिज ढहा

उद्घाटन के 44 दिन बाद हादसा

बीजिंग, 12 नवंबर (एजेंसियां)। चीन के सिचुआन प्रांत में हाल ही में शुरू हुआ होंगची ब्रिज आंशिक रूप से ढह गया। हादसे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यह पुल राष्ट्रीय राजमार्ग पर बनाया गया था और इसकी लंबाई करीब 758 मीटर है।

सोमवार दोपहर पुल के आसपास की पहाड़ी ढलानों और सड़कों पर दरारें दिखाई दीं। पहाड़ की जमीन खिसकने लगी तो प्रशासन ने सुरक्षा कारणों से पुल को तत्काल बंद कर दिया। मंगलवार दोपहर हालात और बिगड़ गए। पहाड़ी से भारी मात्रा में मिट्टी खिसकने के बाद पुल का एक हिस्सा टूटकर ढह गया।

अब तक किसी के घायल होने या मौत की सूचना नहीं मिली है। वीडियो में धूल का गुबार उठता दिखाई देता है और पुल के खंभे टूटकर नीचे पत्थरों और नदी में गिरते नजर आते हैं।

यह पुल इसी साल पूरा हुआ था। इसे चीन के मैदानी इलाकों को तिब्बत से जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर बनाया गया था और 28 सितंबर को यातायात के लिए खोला गया था। पुल की ऊंचाई घाटी के तल से लगभग 625 मीटर बताई गई है।

अफगानिस्तान में फिर हमले कर सकता है पाकिस्तान

इस्लामाबाद में धमाके के बाद रक्षा मंत्री आसिफ बोले- हम कार्रवाई करने पर मजबूर

इस्लामाबाद, 12 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि अफगानिस्तान में मौजूद आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई की जा सकती है।

ख्वाजा ने यह बयान मंगलवार को इस्लामाबाद और खैबर पख्तूनख्वा में हुए हमलों के बाद दिया।

जब आसिफ से पूछा गया कि क्या पाकिस्तान इन हमलों का जवाब देगा, तो उन्होंने कहा, खुदा ने चाहा तो जरूर जवाब देंगे। अफगानिस्तान में मौजूद आतंकी ठिकानों पर हमले को नकारा नहीं जा सकता।

इस्लामाबाद बम विस्फोट में 12 लोगों की मौत

इस्लामाबाद में हुए आत्मघाती हमले में 12 लोगों की मौत हो गई और 36 लोग घायल हुए।

आत्मघाती बम विस्फोट को लेकर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने

अलग-अलग दावे किए हैं।

पीएम शहबाज ने इस हमले के लिए भारत को जिम्मेदार बताया है। जबकि रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ ने अफगान सरकार पर हमले का आरोप लगाया।

ख्वाजा बोले- एक साल में 3000 आतंकी पाकिस्तान में घुसे

ख्वाजा आसिफ ने दावा किया कि अफगानिस्तान की धरती से पाकिस्तान में आतंकियों की घुसपैठ कराई जा रही है।

उनके मुताबिक पिछले एक साल में 2500 से 3000 आतंकियों को पाकिस्तान में भेजा गया। अब ये लोग अलग-अलग इलाकों में मौजूद हैं। मरने वाले आतंकियों में 55% अफगानी हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान आश्वासन पर भरोसा नहीं कर सकता, क्योंकि अफगान सरकार पर उनके अपने लोग भी भरोसा नहीं करते।

इस्लामाबाद धमाके से एक दिन पहले पाकिस्तानी आर्मी ने खैबर पख्तूनख्वा के वाना शहर में एक आर्मी कॉलेज पर आतंकी हमले की साजिश को नाकाम किया था।

एजेंसी एपी के मुताबिक, 6 पाकिस्तानी तालिबान लड़ाके इस कॉलेज पर हमला करने पहुंचे थे। वाना इलाका लंबे समय से पाकिस्तानी तालिबान, अल-कायदा और अन्य चरमपंथी संगठनों का गढ़ माना जाता है।

सेना की कार्रवाई में 2 आतंकी मारे गए थे, जबकि 3 आतंकी कॉलेज कैंपस में घुसने के बाद एक इमारत में घिर गए।

पुलिस अधिकारी आलमगीर महसूद के मुताबिक, सभी कैडेट, प्रशिक्षक और स्टाफ सुरक्षित हैं। हालांकि इस हमले में करीब 16 नागरिक और कुछ सैनिक घायल हुए और कॉलेज के पास बने कई घरों को भी नुकसान पहुंचा।

हर पेचीदा रिश्ते में होते हैं कुछ

जी-7 समिट के बीच यूएस पर कनाडाई विदेश मंत्री का बड़ा बयान

ओंटारियो, 12 नवंबर (एजेंसियां)। कनाडा के दक्षिणी ओंटारियो में जी-7 बैठक के लिए सात देशों के राजनयिक इकट्ठा हो रहे हैं। अमेरिका के पारंपरिक सहयोगी कनाडा जैसे देश के साथ रिश्तों में आई कड़वाहट, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गाजा शांति समझौते और रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकने की कोशिशों पर संशय के बीच इसे एक अहम बैठक माना जा रहा है।

कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद ने बुधवार (12 नवंबर, 2025) को कहा कि ट्रेड को लेकर दबाव के बावजूद कई मुद्दों पर रिश्तों को जारी रखना होगा। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के साथ ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली और जापान में अपने समकक्षों की मेजबानी के लिए कनाडा तैयार है। अनीता आनंद ने इस बैठक के लिए ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, भारत, सऊदी अरब, मेक्सिको, दक्षिण कोरिया, दक्षिण अफ्रीका और यूक्रेन के विदेश मंत्रियों को भी न्योता दिया है। कनाडाई विदेश मंत्री ने कहा कि 11 नवंबर, 2025 की रात में जरूरी मुद्दों में मिडिल-ईस्ट में लंबे समय तक शांति और स्थिरता पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि शांति समझौते को बरकरार रखा जाना चाहिए। बैठक में आज राजनयिकों की यूक्रेन के विदेश मंत्री से मुलाकात होगी। ब्रिटेन ने कहा कि रूस के तेज होते हमलों के बीच मानवीय आधार पर हम 17 मिलियन डॉलर की मदद यूक्रेन को देंगे, जिससे ऊर्जा ढांचे की मरम्मत की जा सके। जी-7 देशों के बीच इस्राइल-हमास युद्ध को लेकर भी मतभेद साफ नजर आ रहे हैं। ब्रिटेन, कनाडा और फ्रांस ने गाजा संघर्ष का हल न निकलने पर भी फलस्तीन देश को मान्यता देंगे।

आतंक शहरों को हिला सकता है, हमारी आत्मा को नहीं

नेतन्याहू ने दिल्ली धमाके पर जताया शोक

तेल अवीव, 12 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के लाल किले के पास हुए धमाके के बाद कई देशों ने भारत के प्रति शोक व्यक्त किया। इसी बीच इस्राइल ने भी भारत के प्रति गहरी संवेदना जताई है। इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत की जनता के नाम संदेश लिखा। इसमें उन्होंने लिखा कि कि आतंकवाद हमारी आत्मा को कभी नहीं हिला सकता। साथ ही उन्होंने कहा कि इस मुश्किल घड़ी में इस्राइल भारत के साथ खड़ा है।

नेतन्याहू ने अपने बयान में कहा, हमारे प्रिय मित्र नरेंद्र मोदी और भारत के बहादुर लोगों के लिए मैं और पूरा इस्राइल, पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। आतंक हमारे शहरों पर हमला कर सकता है,

लेकिन यह हमारी आत्माओं को कभी नहीं तोड़ सकता।" उन्होंने आगे कहा कि भारत और इस्राइल ही दो ऐसे देश हैं, जिनकी प्राचीन सभ्यताएं आज भी अपने मूल्यों पर टिकी हैं और आतंकवाद के खिलाफ मजबूती से खड़े हैं।

इस्राइली विदेश मंत्री गिडोन सार ने भी भारत के प्रति संवेदना जताते हुए कहा कि "हम भारत और पीड़ित परिवारों के साथ हैं।सोमवार शाम करीब 7 बजे लाल किले के पास सुबहाश मार्ग पर एक कार में हुए धमाके ने इलाके में अफरा-तफरी मचा दी। इस हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई और कई घायल हुए। घटना के बाद देशभर में सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। दिल्ली धमाके के बाद राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने इस घटना की जांच अपने हाथ में ले ली है। सूत्रों के अनुसार, जांच में पाया गया है कि यह हमला जैश-ए-मोहम्मद के एक मॉड्यूल से जुड़ा हो सकता है। एनआईए ने वरिष्ठ अधिकारियों की देखरेख में एक विशेष टीम बनाई है जो पूरे नेटवर्क की गहराई से जांच करेगी। गृह मंत्रालय ने भी इस धमाके में आतंकी साजिश की आशंका जताई है। एनआईए ने यह भी स्पष्ट किया है कि जांच में यह देखा जाएगा कि धमाका योजनाबद्ध था या दुर्घटनावश हुआ। इस बीच, केंद्रीय और राज्य सुरक्षा एजेंसियों के बीच भी समन्वय बढ़ाया गया है ताकि किसी बड़े नेटवर्क या विदेशी कड़ी का पता लगाया जा सके।

पाकिस्तान में हमला पर पीएम शहबाज बोले- भारत ने कराया

रक्षा मंत्री का अलग दावा- अफगानिस्तान जिम्मेदार

इस्लामाबाद, 12 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में हुए आत्मघाती बम विस्फोट को लेकर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने अलग-अलग दावे किए हैं।

पीएम शहबाज ने इस हमले के लिए भारत को जिम्मेदार बताया है। जबकि रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ ने अफगान सरकार पर हमले का आरोप लगाया।

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद के डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के पास मंगलवार दोपहर फिदायीन हमला हुआ था। इसमें 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि 36 घायल हैं।

अधिकारियों ने बताया कि हमलावर का सिर घटनास्थल पर मिला है, जिससे आत्मघाती हमले की पुष्टि हुई। भारत ने पाकिस्तान

की तरफ से लगाए गए आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने कहा कि यह पाकिस्तान की वही पुरानी रणनीति है। वो झूठे नैरेटिव गढ़कर अपने लोगों का ध्यान असली मुद्दों से भटकाता है।

जायसवाल ने आगे कहा कि पाकिस्तान के नेता भ्रम की स्थिति में हैं और अपने देश की राजनीतिक अस्थिरता और सत्ता संघर्ष से लोगों का ध्यान हटाने के लिए भारत के खिलाफ झूठे आरोप लगा रहे हैं।

धमाके के समय कोर्ट हाउस इलाके में भारी ट्रैफिक था, जिसके कारण आसपास खड़े कई लोग भी घायल हो गए। सभी घायलों को तुरंत पीआईएमएस अस्पताल ले जाया गया।

धमाके के बाद इलाके की घेराबंदी कर दी गई और सुरक्षा बलों ने पूरे क्षेत्र को सील कर दिया। अदालत परिसर को खाली करा लिया गया। वकीलों, न्यायाधीशों और अन्य नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

न्यायिक परिसर के पीछे से लोगों को बाहर जाने की अनुमति दी गई, जबकि न्यायाधीशों को भी वहां से सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया।

इस्लामाबाद धमाके से एक दिन पहले पाकिस्तानी आर्मी ने खैबर पख्तूनख्वा के वाना शहर में एक आर्मी कॉलेज पर आतंकी हमले की साजिश को नाकाम किया था।

एजेंसी एपी के मुताबिक, 6 पाकिस्तानी तालिबान लड़ाके इस कॉलेज पर हमला करने पहुंचे थे। वाना इलाका लंबे समय से पाकिस्तानी तालिबान, अल-कायदा और अन्य चरमपंथी संगठनों का गढ़ माना जाता है।

तेज रफ्तार कार खाई में गिरी

चालक को लगी मामूली चोट, ब्राजील की घटना देख लोग हैरान

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। ब्रजील में हुए एक सड़क हादसे का वीडियो का सोशल मीडिया पर इन दिनों काफी तेजी से वायरल हो रहा था। सामने आए वीडियो में देखा जा सकता है कि एक तेज रफ्तार एसयूवी सड़क से उड़ गई और फिर दूर जाकर खाड़ी में गिर गई। हैरान करने वाली बात है कि इस हादसे में चालक को मामूली चोट आई है।

यूएस सन की एक रिपोर्ट के अनुसार, ये हादसा सुबह पांच बजे के करीब साओ पाउलो में हुआ। इस भीषण हादसे में बाल-बाल बचे 48 साल के रेलसन सूजा बेहोश हो गए। उन्होंने कहा कि भगवान अद्भुत है। इतने बड़े हादसे में भी कुछ नहीं हुआ केवल मेरे हाथ पर एक खरोंच आई है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, सूजा ने कहा कि वह ब्लड प्रेशर की दवा लेना भूल गए थे। इस कारण वह अच्छा महसूस नहीं कर रहे थे। उन्होंने बताया कि वह गाड़ी चलाने के दौरान बेहोश हो गए। इसी कारण ये हादसा हुआ। उन्होंने बताया कि मेरे सिर में बहुत तेज दर्द हो रहा था। मुझे उस दुर्घटना के बारे में बस इतना याद है कि मैं सीढ़ियों से नीचे था और मैंने सुना, 'रेलसन! शांत हो जाओ!' मुझे नहीं पता कि मैं वहां कैसे पहुंच गया। सोशल मीडिया पर सामने आई तस्वीरों ने लोगों को हैरान किया है। इस भीषण दुर्घटना के वीडियो में देखा जा सकता है कि कार एक संकरी गली में अचानक मोड़ नहीं ले पाती, फुटपाथ से उतर जाती है और खाई में नीचे गिर जाती है।

वाहन रेलिंग से टकराकर पलट जाता है और क्षतिग्रस्त धातु के ढेर में जा गिरता है।

सर्वोच्च अदालत ने दूतावास की जमीन के लिए रूस का दावा किया खारिज

अल्बनीज सरकार को देना होगा मुआवजा

मेलबर्न, 12 नवंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया की सर्वोच्च अदालत ने बुधवार को रूस की उस कानूनी चुनौती को खारिज कर दिया, जिसमें उसने अपने नए दूतावास के लिए लीज रद्द किए जाने का विरोध किया था। अदालत ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर लीज रद्द करने का अधिकार रखती है, लेकिन उसे रूस को मुआवजा देना होगा।

सातों न्यायाधीशों ने सर्वसम्मति से फैसला सुनाया कि सरकार का कदम कानूनी था, मगर रूस को आंशिक क्षतिपूर्ति मिलनी चाहिए। अदालत ने यह भी आदेश दिया कि ऑस्ट्रेलिया रूस के मुकदमे के आधे कानूनी खर्चों का भुगतान करे।

ऑस्ट्रेलियाई सरकार का बयान

ऑस्ट्रेलिया की अटॉर्नी जनरल मिशेल रोलैंड ने कहा, 'सरकार अदालत के इस फैसले का स्वागत

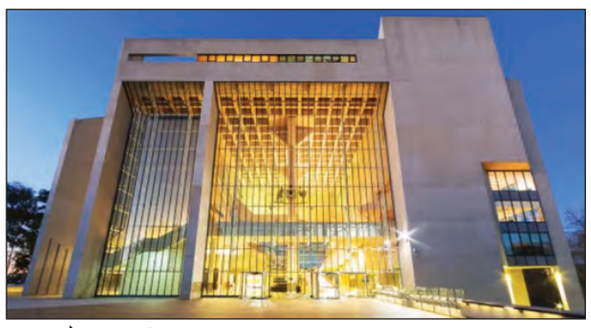

करती है कि हमने राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के लिए सही कदम उठाया। ऑस्ट्रेलिया हमेशा अपने मूल्यों और राष्ट्रीय सुरक्षा के पक्ष में खड़ा रहेगा।' उन्होंने यह भी कहा कि सरकार अब अदालत के आदेश के अनुसार मुआवजे के भुगतान पर विचार करेगी।

2008 में ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने कैनबरा में संसद भवन से करीब 300 मीटर दूर रूस को नई दूतावास इमारत बनाने के लिए जमीन दी थी।

हालांकि, रूस पहले से ही कैनबरा के एक अन्य इलाके ग्रिफिथ में अपने पुराने (सोवियत कालीन) दूतावास से काम कर रहा है। 2023 में प्रधानमंत्री अल्बनीज ने खुफिया एजेंसी का हवाला देते हुए आपात कानून पास कर रूस की लीज रद्द कर दी थी।

रूस ने इस कदम को 'रूस-विरोधी उन्माद' बताया और अदालत में चुनौती दी। रूसी वकीलों का कहना था कि यह कानून असंवैधानिक है क्योंकि सरकार कोई ठोस सबूत नहीं दे पाई कि राष्ट्रीय सुरक्षा को असल खतरा था। उन्होंने कहा कि अगर लीज बहाल नहीं होती, तो रूस को मुआवजा मिलना चाहिए।

ऑस्ट्रेलियाई सरकार के वकील स्टीफन डोनाह्यू ने अदालत में तर्क दिया कि सरकार को ऐसे मामलों में कानून बनाने और लीज खत्म करने का पूरा अधिकार है। उन्होंने कहा कि 'किसी देश को उसकी अपनी समस्याओं के लिए मुआवजा नहीं मिलना चाहिए।' अब जबकि ऑस्ट्रेलियाई अदालत ने सरकार के फैसले को सही ठहराया है, रूस को अपनी नई दूतावास परियोजना छोड़नी होगी, लेकिन उसे कुछ मुआवजा और कानूनी खर्च का हिस्सा मिलेगा। फिलहाल रूस की ओर से इस फैसले पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

गर्लफ्रेंड को मारकर गाड़ दिया शव

घुमाने के बहाने जंगल ले गया पत्थर से सिर कुचलकर हत्या सरगुजा में 4 महीने बाद मिला कंकाल

सरगुजा, 12 नवंबर (एजेंसियां)। सरगुजा में शादी का दबाव बनाने पर बॉयफ्रेंड ने गर्लफ्रेंड की पत्थर से कुचलकर हत्या कर दी। उसके शव को जंगल में गड्ढा कर दफना दिया। अब 4 महीने से लापता 16 साल की लड़की का कंकाल और उसका बैग बरामद हुआ है। पुलिस ने नाबालिग प्रेमी को हिरासत में लिया है। घटना बतौली थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के अनुसार संगीता रजक (16) सूरजपुर जिले के रमकोला थाना क्षेत्र की रहने वाली थी। अंबिकापुर के पटपरिया इलाके में अपनी सहेलियों के साथ रहकर काम करती थी। 4 अगस्त 2025 को वह अपने किराए के कमरे से निकली और वापस नहीं लौटी।

संगीता से संपर्क नहीं हो पाया तो सहेलियों ने परिजनों को सूचना दी।

वसुंधरा सक्षम नेता, पता नहीं क्यों घर बैठा दिया'

गहलोत ने भजनलाल की स्थिति को लेकर जताई चिंता

उदयपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार रात मीडिया से बातचीत में केंद्र और राज्य सरकार दोनों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा में हालात अजीब हैं। वसुंधरा राजे जब मुख्यमंत्री थीं तो थोड़ा अलग चल रही थीं, बाद में संबंध ठीक हुए। लेकिन पता नहीं उन्हें क्यों घर बैठा दिया गया। वे सक्षम हैं, दो बार सरकार चला चुकी हैं। गहलोत ने आगे कहा कि मुख्य सचिव सुधांश पंत को अचानक दिल्ली भेज दिया गया है, जिससे लगता है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की स्थिति भी कहीं वैसी न हो जाए।

पूर्व सीएम गहलोत ने कहा कि भजनलाल शर्मा पहली बार विधायक बने हैं और सीधे मुख्यमंत्री बन गए हैं। भगवान ने मौका दिया, लेकिन लगता है वे समझ नहीं पा रहे हैं। सरकार की दिशा और नीति दोनों भ्रमित हैं।

'सरकार विपक्ष की परवाह नहीं कर रही'

पूर्व सीएम ने कहा कि मौजूदा सरकार विपक्ष की भूमिका को नजरअंदाज कर रही है। बिना विपक्ष को शामिल किए फैसले लिए जा रहे हैं, सरकारी पैसा प्रचार में उड़ाया जा रहा है। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका उतनी ही जरूरी है जितनी सरकार की। प्रधानमंत्री और नेता प्रतिपक्ष दोनों की जिम्मेदारी अलग है, लेकिन सत्ता पक्ष को आलोचना से डरना नहीं चाहिए।

गहलोत ने कहा कि वंदे मातरम् कांग्रेस की देन है। पहली बार यह कांग्रेस अधिवेशन में रवींद्रनाथ टैगोर ने गाया था। भाजपा इसे अपना बताकर राजनीतिक रंग दे रही है। कार्यक्रम करना अच्छी बात है, लेकिन उसे पार्टी इवेंट में बदलना ठीक नहीं। पूरे देश में समाजसेवियों, साहित्यकारों और सभी दलों से सुझाव लेकर कार्यक्रम तय होते हैं, लेकिन यहां तो सिर्फ दिखावा हो रहा है।

दिल्ली में हुई ब्लास्ट की घटना पर गहलोत ने कहा कि ऐसी घटनाओं की तह तक जांच होनी चाहिए। देश में हर साल करीब ढाई लाख और राजस्थान में दस हजार लोग हादसों में मरते हैं। सरकार को सभी विभागों की संयुक्त कमेटी बनाकर इस पर निगरानी रखनी चाहिए।

गहलोत ने कहा कि जब भैरोंसिंह शेखावत मुख्यमंत्री थे और बाद में विपक्ष में आए, तब भी हमारे संबंध अच्छे रहे। आज का माहौल अलग है, विपक्ष को नजरअंदाज किया जा रहा है। शेखावत ने कहा था कि उनके जीते जी कांग्रेस की सरकार नहीं आएगी, मैंने कहा था भगवान उन्हें लंबी उम्र दें, सरकार तो आएगी। सरकार आई और संबंध भी बने रहे।

दिल्ली धमाकों का सूत्रधार कौन? राजस्थान में पकड़े गए मौलवी के मोबाइल से खुलेंगे आतंकी नेटवर्क के राज

जयपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली धमाकों के बाद राजस्थान में सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर हैं। आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने राज्यभर में साइबर पेट्रोलिंग को मजबूत किया है और सीमावर्ती व संवेदनशील इलाकों में विशेष निगरानी बढ़ाई गई है।

बता दें कि इस बीच सांचौर (जालोर) से पकड़े गए मौलवी ओसामा को चार दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। जांच एजेंसियों का मानना है, ओसामा के मोबाइल फोन से कई अहम सुराग मिल सकते हैं, जो राज्य में सक्रिय संभावित आतंकी नेटवर्क का खुलासा कर सकते हैं।

गुजरात एटीएस द्वारा हाल ही में गिरफ्तार किए गए तीन आतंकियों

से पूछताछ के दौरान राजस्थान कनेक्शन सामने आने के बाद जांच की दिशा बदल गई है। अब राजस्थान एटीएस यह पड़ताल कर रही है कि कहीं राज्य में कोई स्लीपर सेल तो सक्रिय नहीं है।

एटीएस के आईजी विकास कुमार के मुताबिक, गुजरात में पकड़े गए आतंकियों से जुड़े नेटवर्क की कड़ियां राजस्थान में भी तलाश की जा रही हैं। उन्होंने कहा, सीमावर्ती इलाकों से ड्रोन के जरिए हथियार और अवैध सामान की तस्करी की घटनाओं पर पहले भी कार्रवाई की गई है। लेकिन हालिया घटनाक्रम के बाद निगरानी को और सख्त किया गया है।

आईजी विकास कुमार ने कहा, यह जांच का विषय है कि क्या आईएसआईएस या किसी अन्य आतंकी संगठन का नेटवर्क राजस्थान में सक्रिय है। अभी इस पर निश्चित रूप से कुछ कहना जल्दबाजी होगी।

लेकिन एटीएस इस दिशा में गहराई से जांच कर रही है। साथ ही यह भी देखा जा रहा है कि हथियार तस्करी में मौलवी ओसामा की क्या भूमिका रही और क्या वह किसी स्लीपर मॉड्यूल से जुड़ा था।

पैंथर का सिर-4 पैर काटकर ले गए

शिकारी 15 दिन बाद भी गिरफ्त से दूर

पैंथर के एक दांत की कीमत 1 लाख से अधिक

डूंगरपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। साबला वन क्षेत्र के ग्राम पंचायत माल के खण्डेश्वर महादेव के निकट पैंथर के शिकार के बहुचर्चित मामले में 15 दिन बाद भी जांच एजेंसियों के हाथ खाली है। सिर व पैर काट कर ले गए शिकारी अब भी गिरफ्त से दूर हैं। ऐसे में आमजन में एक सवाल उठ रहा है कि आखिर पैंथर का शिकारी कौन है।

वहीं, मौके के साक्ष्य सहित अन्य आधारों पर जांच में जुटी एजेंसियां इस सवाल के जवाब में अब भी मौन हैं। मामला इसीलिए भी गंभीर है कि दशकों में पैंथर के शिकार का यह पहला मामला सामने आया है। इसलिए वन विभाग सहित अन्य जांच एजेंसियों के सामने भी शिकारियों पर पर्दाफाश करना बड़ी चुनौती है।

26 अक्टूबर को पैंथर के शिकार का मामला सामने आया था, जिसमें शिकारियों ने पैंथर का सिर एवं चारों पैर काटकर ले गए थे। इसके बाद वन विभाग ने 3 टीमें बनाते हुए जांच शुरू की। साथ ही पुलिस एवं साइबर टीमों के एक्सपर्ट के सहयोग से भी शिकारियों तक पकड़ बनाने के प्रयास किए। लेकिन, अब तक यह जांच किसी नतीजे तक नहीं पहुंच पाई है। हालात, ये है कि कयासों के आधार पर आगे बढ़ रही जांच में एक पखवाड़े के बाद भी विभाग भूसे में से सुई ही ढूंढ रही हैं।

सुरक्षा जांच तेज, बाड़मेर समेत कई जिले हाई अलर्ट पर

सुरक्षा तंत्र सक्रिय, जनता से सहयोग की अपील

जयपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में सोमवार शाम लाल किले के पास हुए विस्फोट के बाद पूरा राजस्थान अलर्ट मोड पर आ गया है। राज्य के सीमावर्ती जिलों बाड़मेर, सिरोही, अलवर और भरतपुर में रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। राज्य पुलिस ने विशेष निगरानी शुरू की है और हर जिले में आरपीएफ, जीआरपी और स्थानीय पुलिस संयुक्त सर्च ऑपरेशन चला रही है। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि दिल्ली धमाका 'बेहद दुर्भाग्यपूर्ण' है और इसके पीछे चाहे कितनी भी ताकतें हों, किसी को छोड़ा नहीं जाएगा।

'दोषियों को नहीं छोड़ा जाएगा'

दिल्ली धमाके को लेकर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने जोधपुर में अपने आवास पर मीडिया से बातचीत की। उन्होंने घटना को बेहद दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि इसके पीछे कितनी भी ताकतें हों, किसी को बख्शा नहीं जाएगा।

शेखावत ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में जम्मू-कश्मीर को छोड़कर देश के किसी भी हिस्से में ऐसी घटना नहीं हुई है, इसलिए यह घटना गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में जांच एजेंसियां सक्रिय हैं और जल्द ही पूरे नेटवर्क का खुलासा होगा।

बिहार चुनाव और विकास की राजनीति पर बोले शेखावत

मीडिया से बातचीत में शेखावत ने बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि पहले चरण में जनता ने साफ संदेश दिया है कि वह परिवारवाद और बंटवारे की राजनीति नहीं, बल्कि विकास की राजनीति चाहती है। उनके अनुसार, एनडीए एक बार फिर बिहार में सरकार बनाने जा रहा है।

पर्यटन को लेकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की भूमिका पर बोले शेखावत

हाल ही में सऊदी अरब के रियाद में आयोजित संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन की 50वीं वर्षगांठ बैठक में भाग लेकर लौटे केंद्रीय पर्यटन मंत्री शेखावत ने बताया कि इस सम्मेलन में 165 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और 100 से अधिक मंत्रियों ने चर्चा में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि बैठक में सस्टेनेबल और इको-फ्रेंडली टूरिज्म पर विस्तार से चर्चा हुई। भारत ने इस मंच पर अपने क्रिकेट टूरिज्म और सांस्कृतिक विरासत की भूमिका को प्रमुखता से रखा। शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सऊदी अरब के शेख के बीच हुए समझौते में टूरिज्म सहयोग को प्रमुख स्थान दिया गया है, जिसे अब आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 27 लाख भारतीय प्रवासी सऊदी अरब में रहते हैं और वहां भारतीय संस्कृति को प्रोत्साहन देने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। रियाद में आयोजित 'हार्मनी फेस्टिवल' में भारत के 10 दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें राजस्थान की लोक संस्कृति विशेष आकर्षण का केंद्र रही।

सुरक्षा तंत्र सक्रिय, जनता से सहयोग की अपील

राजस्थान पुलिस और प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह कार्रवाई पूरी तरह एहतियाती है, लेकिन किसी भी खतरे की संभावना को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। राज्य के कई जिलों में संयुक्त सर्च ऑपरेशन जारी है, जबकि बीडीएस टीमें और बम स्क्वाड हमेशा तैयार स्थिति में रखे गए हैं। पुलिस अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की है कि वे संदिग्ध व्यक्तियों या वस्तुओं की सूचना तुरंत दें और अफवाहों से बचें।

समय से पहले दी सर्दी ने दस्तक

आधा राजस्थान शीतलहर की चपेट में

सीकर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर भारत के पहाड़ी राज्यों में हुई बर्फबारी का असर अब राजस्थान में भी दिखने लगा है। इस बार ठंड ने सामान्य से पहले दस्तक दे दी है। कई शहरों में रात का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया है। मौसम केंद्र जयपुर की ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, अगले कुछ दिनों तक प्रदेश में इसी तरह की सर्दी बनी रहेगी। विभाग ने सीकर में चार दिन और टोंक में एक दिन के लिए शीतलहर (कोल्ड वेव) को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है।

पिछले 24 घंटों में सबसे ज्यादा ठंड फतेहपुर (सीकर) में रही, जहां न्यूनतम तापमान 6.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं, सीकर में 7.5 और नागौर में 8.3 डिग्री तापमान रहा। इन इलाकों में हल्की शीतलहर का असर महसूस किया गया। राजस्थान के सीकर, फतेहपुर और नागौर जैसे शहरों में तापमान हिमाचल के शिमला (8.4°C), मंडी (8.8°C), उत्तराखंड के मसूरी (8°C) और देहरादून (11.8°C) के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर के जम्मू (11.4°C) और कटरा (10.4°C) से भी कम रहा।

मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि आमतौर पर राजस्थान में ऐसी ठंड 20 नवंबर के बाद महसूस होती है, लेकिन इस बार यह पहले ही शुरू हो गई है। जयपुर, अजमेर, कोटा, पिलानी, सीकर और टोंक समेत कई जिलों में न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 से 6 डिग्री तक नीचे दर्ज किया गया है।

दिन में सुहानी धूप ने दी राहत

सुबह और शाम की ठंड के बावजूद दोपहर में धूप लोगों को राहत दे रही है। सबसे अधिक तापमान 32.6 डिग्री सेल्सियस बाड़मेर में दर्ज हुआ।

आने वाले दिनों का मौसम

मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, अगले एक सप्ताह तक आसमान साफ रहेगा और न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री तक की और गिरावट संभव है। 12 नवंबर को टोंक और सीकर जिलों में शीतलहर को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं सीकर में भी अगले 5 दिनों तक शीतलहर की चेतावनी दी गई है।

कौन बनेगा राजस्थान का नया मुख्य सचिव?

सुधांश पंत के दिल्ली ट्रांसफर के बाद इन नामों की चर्चा तेज

जयपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। आईएएस सुधांश पंत के केंद्र सरकार में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सचिव के रूप में ट्रांसफर के बाद, राजस्थान के मुख्य सचिव का शीर्ष पद खाली हो गया है. जिसके कारण एक बार फिर से यह चर्चा का केंद्र बन गया है. खाली हुए शीर्ष पद को भरने के लिएअब प्रदेश की ब्यूरोक्रेसी में चर्चाएं तेज है कि अब प्रदेश के मुख्य सचिव की कमान किसे सौंपी जाए. फिलहाल प्रदेश के इस अहम पद के लिए वरिष्ठता और प्रशासनिक अनुभव बेहद मायने रखते है ऐसे में तीन प्रमुख आईएएस अधिकारियों के नामों की चर्चा तेज है. राजस्थान के मुख्य सचिव के लिए जिन तीन प्रमुख आईएएस अधिकारियों के नामों की में चर्चा तेज है उसमें से एसीएस अभय कुमार जो (अगस्त 2028 में रिटायर), एसीएस अखिल अरोरा (फरवरी 2029 में रिटायर) और एसीएस शिखर अग्रवाल (जुलाई 2030 में रिटायर) के नामों पर प्रमुखता से चर्चा हो रही है. इसके अलावा आईएएस शुभ्रा सिंह (31 जनवरी 2026 को रिटायर) और सुबोध अग्रवाल (जो अगले माह यानी दिसंबर 2025 में रिटायर) पहले और तीसरे स्थान पर हैं, लेकिन सेवाकाल कम होने के कारण इस दौड़ में एसीएस अपर्णा अरोडा का नाम भी है, जो सिविल लिस्ट के अनुसार अखिल अरोड़ा से नीचे, लेकिन शिखर अग्रवाल से ऊपर हैं, जबकि सीनियर आईएएस अधिकारी रजत मिश्र और तन्मय कुमार पहले से ही केंद्र में कार्यरत हैं. बता दें कि केंद्र सरकार ने 1 जनवरी, 2024 को राजस्थान के मुख्य सचिव का पद संभालने वाले आईएएस सुधांश पंत का ट्रांसफर दिल्ली कर दिया गया है. यहां वह नई दिल्ली में सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय में सचिव का पदभार संभालेंगे.

एसीबी ने स्टोर कीपर को दबोचा तो मजदूर ले भागा रिश्वत की राशि, नाले में फेंका नोटों का बंडल

टोंक, 12 नवंबर (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने विद्युत वितरण निगम पीपलू के सहायक अभियंता कार्यालय के स्टोर कीपर (सहायक हेल्पर प्रथम) को 8 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। एसीबी के महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी स्टोर कीपर (सहायक हेल्पर प्रथम) नरवास थाना कोटकासिम जिला अलवर हाल टोंक निवासी दीपक सिंह यादव पुत्र रणधीर सिंह है।

महानिदेशक ने बताया कि एसीबी को शिकायत मिली थी कि परिवादी को खेत पर नया विद्युत कनेक्शन स्वीकृत हुआ था। इसमें डीपी के अलावा अन्य सामान स्वीकृत हो चुके थे। वहीं सोमवार को डीपी जारी करने के आदेश हुए थे। आरोपी दीपकसिंह यादव ने डीपी देने की एवज में 10 हजार रुपए पीड़ित से मांगे थे। पीड़ित ने 10 हजार की जगह 8 हजार रुपए देने की बात कही। इस पर दोनों के बीच सहमति बन गई। इस दौरान पीड़ित ने एसीबी में शिकायत दी।

एसीबी टीम जब सहायक अभियंता कार्यालय पहुंची तो वहां उन्होंने निर्माण कार्य चलता मिला। इससे पहले स्टोर कीपर ने पीड़ित से लिए हुए रुपए कागज में लपेट कर टेबल पर रखने के लिए कहा। एसीबी की भनक लगने पर आरोपी स्टोर कीपर ने वहां काम कर रहे मजदूर को इशारा किया और रुपए ले जाकर फेंकने को कह दिया। इस पर एक मजदूर उक्त कागज में लिपटे रुपए को लेकर फरार हो गया। बाद में वह उन रुपयों को नाथड़ी रोड पर भोपता नाले में फेंक दिया। इसके बाद एसीबी की टीम तलाश में जुट गई।

रिश्वत राशि सहायक अभियंता कार्यालय से नाथडी चौराहे पर जाने वाले आम सड़क पर करीब 150-200 मीटर की दूरी स्थित भोपता खाल के पास आम रोड के दाहिनी साइड के गड्ढे से बरामद हुई। इस पर आरोपी को रिश्वत की राशि के साथ गिरफ्तार किया। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव के सुपरविजन में आरोपी से पूछताछ जारी है। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जाएगा।

आज करेंगे पेश एसीबी टोंक ने जनवरी से लेकर अब तक यह चौथी कार्रवाई की है। इससे पहले नैनवां, दूसरी उपपंजीयक कार्यालय टोंक तथा तीसरी तहसील कार्यालय में की थी। अब यह चौथी कार्रवाई पीपलू में बिजली निगम कार्यालय में की है। एसीबी आरोपी को बुधवार को एसीबी के टोंक कोर्ट में पेश करेगी।

2 भाइयों और भतीजों पर बहन की हत्या का आरोप, काली थैली में लिपटी पड़ी थी लाश

बूंदी, 12 नवंबर (एजेंसियां)। बूंदी के कोतवाली में न्यायालय के आदेश पर न्यायिक मजिस्ट्रेट के इस्तगासे से हत्या किए जाने का मामला दर्ज हुआ है। मामले की जांच थाना सदर प्रभारी रमेशचंद आर्य को सौंपी गई है। प्रार्थी अंजूम कादरी ने अपने परिवाद में बताया कि उसकी बहन गजाला कादरी अपने पिता द्वारा दिए गए पुश्तैनी मकान में पिछले 18 वर्षों से रह रही थी।

परिवार के अन्य सदस्य इसी मकान के एक हिस्से में रहते थे लेकिन पिछले कुछ वर्षों से मकान को लेकर विवाद चल रहा था। प्राथमिकी में अंजूम कादरी ने बताया गत एक अगस्त की शाम करीब साढ़े चार बजे उसके भाई गुड्डू कादरी ने फोन कर बताया कि गजाला अब इस दुनिया में नहीं रही। जब अंजूम परिवार सहित बाणगंगा रोड स्थित घर पहुंची तो उसने देखा कि गजाला की लाश काले प्लास्टिक में लिपटी पड़ी थी और वहां गुड्डू, तनवीर, इमरान समेत कुछ लोग मौजूद थे।

जब अंजूम ने बहन की मौत का कारण पूछा तो गुड्डू कादरी ने कहा कि उसे नहीं पता वह पिछले 10-12 दिनों से कमरे से बाहर नहीं निकली थी। गुपचुप तरीके से शव दफनाने के मामले में मृतका की बहन अंजूम कादरी की शिकायत पर गुलाम जीलानी उर्फ गुड्डू कादरी, इमरान कादरी, अब्दुल शकूर उर्फ मुन्ना कादरी, तनवीर कादरी और रानो कादरी समेत कई परिजनों के खिलाफ तहत प्रकरण दर्ज हुआ है।

एएनटीएफ की बड़ी कार्रवाई, 82 लाख का डोडा पोस्त जब्त, तस्कर गिरफ्तार

जोधपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। पुलिस आयुक्तालय जोधपुर पश्चिम की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और लूणी थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। संयुक्त कार्रवाई में पुलिस ने 5 क्विंटल 43 किलो 62 ग्राम अवैध डोडा पोस्त बरामद किया है। इस दौरान एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया, जबकि उसका एक साथी मौके से फरार हो गया। बरामद मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत करीब 82 लाख रुपये आंकी गई है।

यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त श्री ओमप्रकाश, पुलिस उपायुक्त पश्चिम श्री विनीत कुमार बंसल, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त पश्चिम श्री रोशन मीना (IPS) और सहायक पुलिस आयुक्त बोरानाडा श्री आनंदसिंह राजपुरोहित (RPS) के निर्देशन में की गई। टीम में लूणी थानाधिकारी मं. गोरधनराम और एएनटीएफ जोधपुर की संयुक्त टीम शामिल रही।

गश्त के दौरान खाराबेरा पुरोहितान क्षेत्र में संदिग्ध वाहन की सूचना मिलने पर पुलिस ने तुरंत नाकाबंदी की। इस दौरान एक सफेद स्कॉर्पियो (MH 03 DX 6297) को रुकने का संकेत दिया गया, लेकिन चालक ने गाड़ी घुमाकर भागने का प्रयास किया। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए घेराबंदी कर वाहन को रोक लिया।

जांच के दौरान वाहन चालक की पहचान गोकलाराम पुत्र मोटाराम, जाति जाट, उम्र 32 वर्ष, निवासी सरली, थाना सदर, जिला बाड़मेर के रूप में हुई। स्कॉर्पियो की तलाशी लेने पर उसमें से 27 कट्टों में भरा कुल 5 क्विंटल 43 किलो 62 ग्राम डोडा पोस्त बरामद किया गया। वाहन के डैशबोर्ड से पुलिस ने एक पिस्टल की खाली मैगजीन और 35 जिंदा कारतूस भी जब्त किए। इसके अलावा, वाहन से अलग-अलग राज्यों की 6 जोड़ी फर्जी नंबर प्लेट भी बरामद की गईं।

पूछताछ के दौरान आरोपी गोकलाराम ने बताया कि वह कपासन (जिला चित्तौड़गढ़) से डोडा पोस्त लेकर देचू (जोधपुर) क्षेत्र में सप्लाई करने आया था। उसका सहयोगी भैरू लुहार निवासी पाली, मौके से भागने में सफल हो गया। पुलिस ने आरोपी गोकलाराम को गिरफ्तार कर लिया है। गोकलाराम के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15, आर्म्स एक्ट की धारा 3/25 तथा बीएनएस की धाराओं 318(4), 338, 336(3), 340(2), 111(3) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी एक संगठित गिरोह का हिस्सा है जो कपासन, चित्तौड़गढ़ से अवैध डोडा पोस्त लाकर देचू क्षेत्र में इसकी सप्लाई करता था। गिरफ्तार तस्कर की पहचान गोकलाराम पुत्र मोटाराम, जाति जाट, उम्र 32 वर्ष, निवासी सरली, थाना सदर, जिला बाड़मेर के रूप में हुई है। फिलहाल पुलिस फरार आरोपी भैरू लुहार और वाहन स्वामी मनीष पंवार की तलाश में जुटी हुई है और इस गिरोह के नेटवर्क को खंगालने में लगी है।

कृषि विभाग के उपनिदेशक रिश्वत लेते गिरफ्तार, एसीबी ने की कार्रवाई

सवाईमधोपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। सवाई माधोपुर में एसीबी की टीम ने भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। एसीबी टीम ने कृषि विभाग के उपनिदेशक अनुपम गोयल को दस हजार रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। उपनिदेशक अनुपम गोयल ने निरीक्षण रिपोर्ट देने की एवज में रिश्वत मांगी थी। एसीबी टीम ने शिकायत के सत्यापन के बाद ट्रैप की कार्रवाई को अंजाम दिया। जिला सवाई माधोपुर के कृषि विभाग सवाई माधोपुर में पदस्थापित अनुपम गोयल, उप परियोजना निदेशक (आत्मा) को 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

एसीबी के एएसपी ज्ञान सिंह चौधरी ने बताया कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की एसीबी चौकी सवाई माधोपुर को एक शिकायत टोल फ्री नंबर 1064 से शिकायत मिली थी। जिसमें शिकायतकर्ता ने बताया कि आरोपी अनुपम गोयल गंगापुर सिटी स्थित खाद बीज की दुकान को जारी किए गए निरीक्षण रिपोर्ट का निस्तारण करने और परेशान नहीं करने की एवज में दस हजार की रिश्वत मांग रहा है। रिश्वत नहीं देने पर उसे परेशान कर रहा है। उसके बाद एसीबी ने शिकायत सत्यापन करवाया। आरोपी 11 नवंबर को शिकायतकर्ता से दस हजार रुपये लेने पर सहमत हुआ। जिस पर एसीबी रेंज भरतपुर के उप महानिरीक्षक राजेश सिंह के सुपरविजन में एसीबी चौकी सवाई माधोपुर के एएसपी ज्ञान सिंह चौधरी के नेतृत्व में इस ट्रैप की कार्रवाई को अंजाम दिया।

कांग्रेस पार्टी में बड़ा फेरबदल, सचिन सावंत व सूरज ठाकुर राष्ट्रीय सचिव बनें

सावंत को तेलंगाना के सह प्रभारी की भी जिम्मेदारी

नई दिल्ली/ हैदराबाद 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने पार्टी में बड़े फेरबदल की घोषणा की है। कांग्रेस ने गुजरात, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, पंजाब, महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में नए पार्टी सचिवों की नियुक्ति की है।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के संगठन महासचिव के. सी. वेणुगोपाल ने इन नियुक्तियों की औपचारिक घोषणा की है। एआईसीसी के संगठन महासचिव के. सी. वेणुगोपाल ने औपचारिक घोषणा जारी कर कहा, "कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने तत्काल प्रभाव से पार्टी के कई पदाधिकारियों को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव के रूप में नियुक्त किया है।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी के जिन पदाधिकारियों को सचिव के तौर पर नई जिम्मेदारी सौंपी है, उसमें श्रीनिवास बी.वी का नाम शामिल है, जिन्हें गुजरात एआईसीसी के सचिव के रूप में नियुक्त किया गया है. वहीं, संजना जाटव को मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी का सचिव नियुक्त किया गया।

महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता

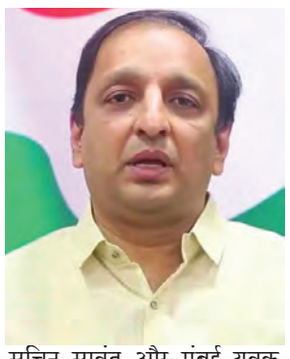

सचिन सावंत और मुंबई युवक कांग्रेस के पूर्व कार्याध्यक्ष सुरज ठाकुर को कांग्रेस का राष्ट्रीय सचिव बनाया गया है। दोनों नेताओं को दो अलग-अलग राज्यों के प्रभारी की भी जिम्मेदारी दी गई है। कांग्रेस अध्यक्ष ने संगठनात्मक पुनर्गठन के तहत कई राज्यों के लिए नए एआईसीसी सचिवों की नियुक्ति की है। पार्टी महासचिव के. सी. वेणुगोपाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार ये नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी। सावंत को कांग्रेस शासित राज्य तेलंगाना और सुरज ठाकुर को पंजाब का सह प्रभारी बनाया गया है। पार्टी में दोनों नेताओं की गिनती राहुल गांधी के विश्वासपात्र लोगों में की जाती है। अगले साल पंजाब में विधानसभा चुनाव होंगे। इसलिए ठाकुर की नियुक्ति महत्वपूर्ण मानी जा रही है। ये नेता संबंधित राज्यो के पार्टी प्रभारी राष्ट्रीय महासचिवों के साथ मिलकर कार्य करेंगे। इसके अलावा राजस्थान राज्य महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष रेहाना रियाज चिश्ती को राष्ट्रीय सचिव बनाकर महाराष्ट्र प्रभारी महासचिव के साथ अटैच किया है। रेहाना रियाज लंबे समय से संगठन में सक्रिय रही हैं और महिला कांग्रेस में राष्ट्रीय पदाधिकारी के रूप में भी काम कर चुकी हैं। इसके अलावा, टी. एन. प्रतापन पुडुचेरी को, जेट्टी कुसुम कुमार को ओडिशा और निवेदित अल्वा को तमिलनाडु का सचिव नियुक्त किया गया है।

नए सचिवों की नियुक्ति के साथ-साथ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कुछ मौजूदा एआईसीसी सचिवों के वर्क रिलोकेशन को भी मंजूरी दी है। जिसके तहत उषा नायडू को मध्य प्रदेश, भूपेंद्र मरावी को झारखंड, देवेंद्र यादव को गुजरात, परगट सिंह को जम्मू-कश्मीर और मनोज यादव को उत्तराखंड राज्य में जिम्मेदारी सौंपी गई है।

मुख्य सचिव ने कॉफी टेबल बुक 'ज्वेल्स ऑफ आसफ जाहिस-द ग्लोरी ऑफ वारंगल' का अनावरण किया

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव ने सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के संयुक्त निदेशक कन्नेकांति वेंकट रमण द्वारा लिखित "ज्वेल्स ऑफ आसफ जाहिस-द ग्लोरी ऑफ वारंगल" नामक कॉफी टेबल बुक का अनावरण किया। बुधवार को सचिवालय स्थित मुख्य सचिव के कक्ष में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में इस पुस्तक का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की विशेष आयुक्त सी.एच. प्रियंका भी उपस्थित थीं।

मुख्य सचिव ने जनसंपर्क अधिकारी के रूप में अपने आधिकारिक कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए ऐतिहासिक महत्व की पुस्तक प्रकाशित करने के लिए लेखक की सराहना की। उन्होंने कहा कि वारंगल में आसफ जाहिस शासन के दौरान निर्मित स्थापत्य कला के अद्भुत नज़ारों और उस क्षेत्र के प्रशासक सूबेदारों के विस्तृत विवरण वाली यह पुस्तक इतिहास के शोधकर्ताओं और प्रतियोगी परीक्षाओं के उम्मीदवारों के लिए एक मूल्यवान संदर्भ के रूप में काम करेगी। वारंगल अपनी काकतीय विरासत के लिए जाना जाता है, जिसमें हज़ार स्तंभ मंदिर, वारंगल किला और भद्रकाली मंदिर शामिल हैं। इसके अलावा, इस शहर में निज़ाम नवाबों द्वारा निर्मित शानदार संरचनाएँ भी हैं, जैसे काज़ीपेट रेलवे स्टेशन और धर्मसागर फ़िल्टर बेड (जो अब मिशन भागीरथ पेयजल परियोजना का हिस्सा है)। आसफ़ जाही काल के दौरान, वारंगल सूबा में वर्तमान आदिलाबाद, करीमनगर, वारंगल और खम्मम के कुछ हिस्से शामिल थे। यह पुस्तक इस क्षेत्र पर शासन करने वाले सूबेदारों, उनके योगदानों के बारे में दुर्लभ जानकारी प्रदान करती है और निज़ाम-युग के विरासत स्मारकों की अद्भुत तस्वीरें प्रदर्शित करती है।

आसफ़ जाही के रत्न - वारंगल की महिमा छात्रों, इतिहासकारों और तेलंगाना की समृद्ध विरासत और इतिहास में रुचि रखने वाले सभी लोगों के लिए एक समृद्ध संसाधन है।

पोंगुलेटी ने मेडारम विकास कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व, आवास, सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने आदेश दिया कि सम्मक्का सरलम्मा मंदिर के विकास कार्य युद्धस्तर पर चलाए जाएँ और किसी भी चुनौती के बावजूद 20 दिसंबर तक पूरे किए जाएँ। पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, पर्यावरण, वन एवं धर्मस्व मंत्री कोंडा सुरेखा, पंचायत राज मंत्री सीथक्का, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं जनजाति कल्याण मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार और महबूबाबाद के सांसद पी. बलराम नायक के साथ सम्मक्का सरलम्मा मंदिर गए।

मुलुगु जिले के तड़वई मंडल के मेदारम में बुधवार को उन्होंने सम्मक्का सरलम्मा मंदिर का दौरा किया और विशेष पूजा-अर्चना की। बाद में, मंत्रियों ने मंदिर में विकास कार्यों का निरीक्षण किया और प्रगति की गहन समीक्षा की। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि मेदाराम में चल रहे विकास कार्यों, जिनमें बाड़े के अंदर सिविल कार्य, छतों की ऊँचाई बढ़ाना, मुख्य द्वार, मेहराब, चार वॉच टावर और सीसी रोड का निर्माण शामिल है, को समानांतर रूप से शुरू किया जाना चाहिए और निर्धारित समय के भीतर पूरा किया जाना चाहिए। इसके अलावा, हरियाली और वृक्षारोपण किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आवश्यक ग्रेनाइट शीघ्र लाया जाना चाहिए। मंत्री ने राष्ट्रीय राजमार्ग अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि मेदाराम जाने वाली मुख्य सड़क पर कोई बाधा न आए, और मल्लमपल्ली पुल और कटाक्षपुर पुल सहित मुख्य सड़क पर शेष कार्यों पर विशेष ध्यान दिया जाए और उन्हें 15 दिसंबर तक पूरा किया जाए।

मलकाजगिरी साईनगर स्थित साईबाबा मंदिर में श्री राजस्थानी अन्नकूट समिति के तत्वावधान में आयोजित दीपावली स्नेह मिलन, सुन्दरकान्ड पाठ एवं अन्नकूट प्रसाद कार्यक्रम का लाभ लेते हुए आयोजक व भक्तगण।

कोंडा सुरेखा ने नागार्जुन परिवार से मांगी माफी

हैदराबाद, 12 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। धर्मस्व मंत्री कोंडा सुरेखा ने मंगलवार आधी रात के बाद अभिनेता नागार्जुन और उनके परिवार से माफी मांगी। उन्होंने यह माफी अक्टूबर 2024 में दिए गए अपने बयान को लेकर मांगी है। सोशल मीडिया पर अचानक आया यह बयान लोगों के लिए चौंकाने वाला था क्योंकि इसमें यह नहीं बताया गया कि उन्होंने अब माफी क्यों मांगी। इससे पहले सुरेखा ने अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु के खिलाफ दिया गया बयान वापस ले लिया था, लेकिन नागार्जुन के परिवार से माफी नहीं मांगी थी। माना जा रहा है कि उन्होंने यह कदम अदालत के फैसले से पहले उठाया है।

कोमटिरेड्डी ने जीजीएच को तेलंगाना का नंबर 1 अस्पताल बनाने का संकल्प लिया

नलगोंडा, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क, भवन एवं छायांकन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि नलगोंडा जिला राजकीय सामान्य अस्पताल (जीजीएच) प्रसव कराने के मामले में हैदराबाद के उस्मानिया और गांधी अस्पतालों के बाद राज्य के शीर्ष अस्पतालों में से एक बनकर उभरा है।मंत्री ने बुधवार को नलगोंडा के राजकीय सामान्य अस्पताल में 30 लाख की लागत से निर्मित एक नवनिर्मित विशेष विकलांगता प्रमाणन केंद्र का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए, कोमटिरेड्डी ने कहा कि अस्पताल में हर महीने 700 से 800 प्रसव होते हैं, जिससे यह तेलंगाना के सबसे व्यस्त प्रसूति केंद्रों में से एक बन गया है।उन्होंने बताया कि विकलांगता प्रमाण पत्र जारी करने के लिए नवनिर्मित सुविधा में दिव्यांग व्यक्तियों के लिए पेयजल, शौचालय और आसान पहुँच के लिए रैंप सहित सभी आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि यह केंद्र यह सुनिश्चित करेगा कि लोगों को विकलांगता प्रमाण पत्र प्राप्त करने में अब कोई कठिनाई न हो।

मंत्री ने कहा कि जिन लोगों को अभी तक प्रमाण पत्र नहीं मिले हैं, उन्हें जल्द ही प्रमाण पत्र जारी कर दिए जाएँगे, जिससे पात्र लाभार्थी पेंशन और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठा सकेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि नलगोंडा जीजीएच में बेबी वार्मर और लेप्रोस्कोपिक मशीनों जैसी उन्नत चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध हैं, जहाँ मरीजों के लिए 2-3 लाख रुपए तक की सर्जरी निःशुल्क की जाती है। कोमटिरेड्डी ने जनता से प्रसूति सेवाओं के लिए निजी अस्पतालों के बजाय सरकारी अस्पतालों का विकल्प चुनने का आग्रह किया और इस बात पर ज़ोर दिया कि सरकारी अस्पताल अब विश्वस्तरीय सुविधाएँ प्रदान करते हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि अस्पताल के लिए आवश्यक अतिरिक्त बुनियादी ढाँचा उपलब्ध कराया जाएगा और प्रतीक फाउंडेशन भी जहाँ भी आवश्यकता होगी, अपना सहयोग प्रदान करेगा। मंत्री ने कहा, "हमारा लक्ष्य नलगोंडा सरकारी सामान्य अस्पताल को चिकित्सा सेवाओं के मामले में तेलंगाना में नंबर एक स्वास्थ्य सेवा केंद्र बनाना है।" कार्यक्रम में ज़िला कलेक्टर इला त्रिपाठी, डीआरडीओ शेखर रेड्डी, आरडीओ वाई. अशोक रेड्डी, अस्पताल अधीक्षक डॉ. अरुणा कुमारी, आरएमओ और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

163 करोड़ रुपये जारी करने के निर्देश

डीसीएम ने भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने को कहा

हैदराबाद, 12 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने बुधवार को वित्त विभाग को अनुसूचित जाति और अल्पसंख्यक गुरुकुलों के लंबित बकाये के लिए 163 करोड़ रुपये जारी करने का निर्देश दिया। इसमें आहार शुल्क, किराया और मध्याह्न भोजन से संबंधित बिल शामिल हैं। प्रजा भवन में आयोजित समीक्षा बैठक में उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को अनुसूचित जाति गुरुकुलों और छात्रावासों के लिए 51.36 करोड़ रुपये, अल्पसंख्यक गुरुकुलों के लिए 47.61 करोड़ रुपये और मध्याह्न भोजन योजना के लिए 63.92 करोड़ रुपये तुरंत जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गुरुकुल संस्थानों में छात्रों के भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता पर किसी भी तरह का समझौता नहीं होना चाहिए। साथ ही, अधिकारियों को सभी शैक्षणिक संस्थानों का नियमित रूप से निरीक्षण करने और विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं पर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की विविध सूचनाओं के विवरणों की हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

प्रारूप 10-1
सार्वजनिक अधिसूचना

इसके द्वारा अधोलिखित खंड के तहत पूर्ण खंड पर तत्संबंधित परिसरों पर स्थित एवम् सभी रेलवे लाइन्स के उपयोगकर्ताओं को सूचना दी जाती है कि:

सेक्शनः .हैदराबादः अनकाय (एएनके)-औरंगाबाद (एडब्ल्यूबी) सेक्शन के बीच 2X25 केवी विद्युतीकरण सहित नई बीजी डबल लाइन का निर्माण कार्य-यात्रियों की ढुलाई हेतु ओएचइ मास्ट लोकेशन 16/01 किमी/सीएचः16/000(एएनके) से ओएचइ मास्ट लोकेशन 114/10 किमी/सीएचः114/489.50 (एडब्ल्यूबी) तक अनकाय (एएनके)-औरंगाबाद (एडब्ल्यूबी) स्टेशनों के बीच 2X25केवी विद्युतीकरण सहित नई बीजी डबल लाइन का प्रारंभ-के बारे में

*****

2X25केवी विद्युतीकरण सहित अनकाय (एएनके)-औरंगाबाद (एडब्ल्यूबी) स्टेशनों के बीच नई बीजी डबल लाइन- ओएचइ मास्ट लोकेशन 16/01 किमी/सीएचः16/000(एएनके) से ओएचइ मास्ट लोकेशन 114/10 किमी/सीएचः114/489.50 (एडब्ल्यूबी) तक अनकाय (एएनके)-औरंगाबाद (एडब्ल्यूबी) स्टेशनों के बीच 2X25केवी विद्युतीकरण सहित नई बीजी डबल लाइन के प्रारंभ के चलते दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा यह सूचित किया जाता है कि, दि.30-11-2025 को या इसके बाद 25000 वोल्ट्स, 50एचजेड,एसी ओवरहेड ट्रैक्शन वायर्स को उर्जावान (एनर्जाइज) किया जायेगा। तत्संबंधित एवं वही तिथि से ओवरहेड ट्रैक्शन लाइन को सभी समय पर सक्रिय माना जायेगा तथा कोई भी अनधिकृत व्यक्ति उपरोक्त ओवरहेड लाइन परिसरों में न कोई कार्य ही कर सकेगा न इसके भीतर प्रवेश ही कर सकेगा।

प्रारूप 10-2
(एसीटीएम पैरा21020, वाल्यूम।।, पार्ट ।, सुधार पर्ची सं.32, दि.09-10-2020)
एसी 25केवी ट्रैक्शन का प्रारंभ
सडक उपयोगकर्ताओं को चेतावनी

इसके द्वारा अधोलिखित सेक्शन के 25केवी एसी इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन के प्रारंभ के बारे में आम जनता को यह अधिसूचित किया जाता है कि:

सेक्शनः .हैदराबादः अनकाय (एएनके)-औरंगाबाद (एडब्ल्यूबी) सेक्शन के बीच 2X25 केवी विद्युतीकरण सहित नई बीजी डबल लाइन का निर्माण कार्य-यात्रियों की ढुलाई हेतु ओएचइ मास्ट लोकेशन 16/01 किमी/सीएचः16/000(एएनके) से ओएचइ मास्ट लोकेशन 114/10 किमी/सीएचः114/489.50 (एडब्ल्यूबी) तक अनकाय (एएनके)-औरंगाबाद (एडब्ल्यूबी) स्टेशनों के बीच 2X25केवी विद्युतीकरण सहित नई बीजी डबल लाइन का प्रारंभ-के बारे में

*****

2X25केवी विद्युतीकरण सहित अनकाय (एएनके)-औरंगाबाद (एडब्ल्यूबी) स्टेशनों के बीच नई बीजी डबल लाइन- ओएचइ मास्ट लोकेशन 16/01 किमी/सीएचः16/000(एएनके) से ओएचइ मास्ट लोकेशन 114/10 किमी/सीएचः114/489.50 (एडब्ल्यूबी) तक अनकाय (एएनके)-औरंगाबाद (एडब्ल्यूबी) स्टेशनों के बीच 2X25केवी विद्युतीकरण सहित नई बीजी डबल लाइन का प्रारंभ के चलते दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा यह सूचित किया जाता है कि, अत्यधिक उंचाई के भार या लोड्स के सक्रिय ट्रैक्शन वायर के खतरनाक परिसर में या इसके संपर्क में आने से रोकने हेतु उपरोक्त सडक स्तर पर स्पष्ट अधिकतम उंचाई के 4.%8एम युक्त सभी लेवल क्रासिंग्स पर हाइट गेजेस लगाए गये हैं। अतः आम जनता को अधिसूचित किया जाता है कि, वाहनों में संबंधित भार के लदान के समय उपरोक्त निर्धारित उंचाई का अवश्य ध्यान रखें तथा यह भी अवश्य ध्यान रखें कि, सडक वाहनों में लदान किये गये भार किसी भी परिस्थिति में हाइट गेजेस का कतई उल्लंघन न करते हों।

अत्यधिक उंचाई के भार के खतरें निम्न प्रकार हैः

I) हाइट गेज को खतरा तथा रेलवे लाइन सहित सडक को अवरोध

II) वाहन में लदित उपकरणों या सामग्री या संबंधित वाहन को खतरा

III) आग का खतरा एवं कंडक्टर्स के संपर्क में आने से एवं संबंधित खतरनाक परिसर में आने से जिंदगी का जोखिम

उप मुख्य बिजली अभियंता, (डीवाय.सीइइ-।।/सी/एससी) सिकंदराबाद

A1818

दोमलगुडा शाखा का दिवाली मिलन और अन्नकूट संपन्न

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज , तेलंगाना की दोमलगुडा शाखा का दिवाली स्नेह मिलन और अन्नकूट प्रसाद कार्यक्रम, नेकलेस रोड स्थित श्री हनुमान मंदिर में संपन्न हुआ।

शाखा के परामर्शदाताओं गिरधारीलाल अग्रवाल और ओमप्रकाश पंसारी की उपस्थिति में शाखा अध्यक्ष - डॉ दिलीप पंसारी, उपाध्यक्ष- योगेश अग्रवाल, मानद मंत्री- प्रतीक अग्रवाल, सह मंत्री- विजय कुंच्छल , कोषाध्यक्ष- रोशन लाल मित्तल, केंद्रीय समिति सदस्य प्रदीप अग्रवाल (आईपीपी) , अनिल गर्ग तथा अन्य ने भगवान की पूजन आरती कर अन्नकूट का भोग लगाया। प्रमुख भजन गायक आचार्य सुदामाचारी और उनकी टीम के द्वारा प्रस्तुत किए गए मधुर भजनों के बीच शाखा के सदस्यों, परिजनों और अन्य ने अन्नकूट प्रसाद का लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम में उपस्थित समाज की केंद्रीय समिति के अध्यक्ष - अनिरुद्ध गुप्ता, उपाध्यक्ष - रुपेश अग्रवाल, मंत्री- विकास केशान , कोषाध्यक्ष- आंचल गुप्ता , अग्रवाल समाज सहयता सहायता ट्रस्ट आत्मगौरव भवन के चेयरमैन राजेश अग्रवाल और समाज की ईस्ट जोन के कन्वेनर महेन्द्र अग्रवाल ने महाराजा श्री अग्रसेन जी की पूजा अर्चना करके कार्यक्रम में उपस्थित सभी अग्रबंधुओं को दिवाली की शुभकामनाएं देते हुए शाखा द्वारा किए जा रहे नियमित सेवाकार्यों और गतिविधियों हेतु बधाई दी।

समाज अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता ने अपने संबोधन के अंतर्गत शाखा में सदस्यों की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया। इस अवसर पर शाखा सदस्य शशिकांत गोयल की पुत्रवधू साक्षी गोयल (पत्नी- कुनाल गोयल) को सीए की परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर सम्मानित किया गया।

अग्रवाल हेल्थ क्लिनिक में सेवारत डॉ आर पी तोषनीवाल और डॉ शिखा केडिया, शाखा के पूर्व अध्यक्ष गिरधारीलाल गुप्त और विजय जिंदल, कार्याकारिणी सदस्य अजय गुप्ता , अक्षय अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, बलराम जालान गोपाल अग्रवाल, प्रवीन अग्रवाल , सरला अग्रवाल, रश्मि अग्रवाल और अन्य उपस्थित थे। कार्यक्रम की सफलता में विकास अग्रवाल , रितेश झुनझुनवाला, दिनेश पंसारी , सीमा अग्रवाल, नेहा अग्रवाल एवं अन्य का सहयोग रहा।

ईसीआईएल में तकनीकी प्रशिक्षण का शुभारंभ

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) में आईटीआई अप्रेन्टिशों के तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लेकर प्रशिक्षुओं के इसके महत्वपूर्ण बिन्दुओं से अवगत कराया गया। इसमें मेकैनिकल प्रौद्योगिकी से टर्नर, मशीनिस्ट (ग्राइंडर), वेल्डर तथा इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक मेकैनिक,रेफ्रिजरेटर एवं एसी मेकैनिक तथा कंप्यूटर ऑपेरटर (कोपा) इत्यादि को एक वर्ष तक गहन प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस तकनीकी प्रशिक्षण में इंजीनियरिंग ड्राइंग, मेजरिंग टूल्स, मशीन टूल्स, सामग्री प्रबंधन, विभिन्न प्रकार की तकनीकी प्रविधियाँ, तकनीकी सुरक्षा उपाय तथा हाई इंड प्रौद्योगिकी से परिचित कराया जाएगा। ईसीआईएल के कॉरपोरेटप्रशिक्षण एवं विकास केन्द्र के प्रबंधक एवं प्रभारी तथा भारत सरकार के कौशल भारत कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. राजनारायण अवस्थी ने सभी प्रशिक्षुओं को कॉरपोरेट प्रस्तुति के माध्यम से ईसीआईएल की विभिन्न प्रौद्योगिकी परियोजनाओं से अवगत कराया। उन्होंने सभी प्रशिक्षुओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे ईसीआईएल में अपनी पूरी क्षमता का प्रयोग करके अधिक से अधिक तकनीकी ज्ञान प्राप्त करें। इस शुभारंभ कार्यक्रम में सभी प्रशिक्षुओं ने भी अपने-अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि उनका संकल्प है कि वे ईसीआईएल में अधिक से अधिक तकनीकी ज्ञान प्राप्त करके राष्ट्र के विकास में अपना योगदान देंगे। शुभारंभ प्रशिक्षण की समाप्ति के बाद प्रशिक्षुओं के साथ परस्पर विचार-विमर्श का सत्र आयोजित किया गया। सभी प्रशिक्षुओं ने अपना परिचय दिया तथा इस एक वर्ष के प्रशिक्षण में उनको ईसीआईएल से क्या अपेक्षाएं हैं, इस पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में एम. वम्शीकृष्णा, उप प्रबंधक तथा आर. स्वामी, सहायक अधीक्षक ने कॉरपोरेशन के सामान्य नियम तथा प्रोफेशनल अनुशासन पर प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में नीहारिका, विद्या, हरिणी तथा शुभम् एवं निखिल प्रशिक्षुओं ने महत्वपूर्ण सहयोग दिया।

हिंदू टू हिंदू बिज़नेस नेटवर्किंग

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदू टू हिंदू बिज़नेस नेटवर्किंग एच2एच 7 आदित्य (बालानगर चैप्टर) ने सनातनी हिंदू व्यापारियों के लिए एक व्यावसायिक बैठक का आयोजन किया।

यह बैठक भाग्यनगर में हिंदू व्यापारियों की मदद और उन्हें बढ़ावा देने के लिए आयोजित की गई थी।

बैठक कोमपल्ली स्थित होटल अलनती में आयोजित की गई थी और इस बैठक के मुख्य अतिथि उद्योगपति और समाजसेवी गोपाल बलदवा थे। अध्यक्ष सुजाता नांबियार और श्रीकांत रियानी, पंकज वर्मा जैसे अन्य सदस्यों ने इस कार्यक्रम को सफल बनाया। बैठक अध्यक्ष सुजाता नांबियार के नेतृत्व में हुई। इस अवसर पर संस्थापक गीतेश काटे भी उपस्थित थे।

कालभैरव जयंती पर नामपल्ली स्थित श्री काल भैरव मंदिर में पूजा कार्यक्रम में भाग लेते वरिष्ठ कांग्रेस नेता बोइनपल्ली एएमसी के वरिष्ठ सरकारी सलाहकार सदस्य ए. गौतम जैन, समाजसेवी नंद चौधरी, रघुनंदन गोप आदि।

पाइपलाइन के लिए पार्षद ने ज्ञापन सौंपा

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जामबाग डिवीजन के पार्षद राकेश जायसवाल ने स्वाति ढाबा लेन, हनुमान टेकड़ी लेन और हिंदी नगर में नई जल निकासी पाइपलाइनों की तत्काल आवश्यकता के संबंध में एचएमडब्ल्यूएसएसबी (रेड हिल्स) के महाप्रबंधक को एक ज्ञापन प्रस्तुत किया। श्री जायसवाल ने बताया कि हाल ही में हुई भारी बारिश के कारण, मौजूदा जल निकासी लाइनें टूट गई हैं, जिससे दुर्गंधयुक्त पानी बाहर निकल रहा है। इससे जहां स्वास्थ्य संबंधी खतरे उत्पन्न हो गए हैं, वहीं निवासियों को आने जाने में भी भारी असुविधाओं का सामना करना पड रहा है। उन्होंने एचएमडब्ल्यूएसएसबी के महाप्रबंधक को ज्ञापन देकर अनुरोध किया कि वे इस समस्या का जल्द से जल्द समाधान करने के लिए पाइपलाइन का काम शुरू कराएं। उनके साथ भाजपा कार्यकर्ता एवं नेता राजकुमार, रघु, संदीप, प्रवीण, श्रीकांत भी थे।

तकनीकी विशेषज्ञ के घर से 30 तोला सोना और नकदी चोरी

हैदराबाद, 12 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार आधी रात को उपनगर राजेंद्रनगर के बंदलागुडा जागीर में चोरों ने एक तकनीकी विशेषज्ञ के घर को निशाना बनाते हुए 30 तोला सोना और एक लाख रुपये नकद चुरा लिए। पुलिस के अनुसार, यह घटना किस्मतपुर में उस समय हुई जब मकान मालिक किरण कुमार, जो एक सॉफ्टवेयर कर्मचारी हैं, एक पारिवारिक समारोह में शामिल होने के लिए अपने रिश्तेदार के घर गए थे। बुधवार सुबह लौटने पर उन्होंने पाया कि घर का ताला टूटा हुआ है और अंदर से आभूषण व नकदी गायब हैं। सूचना पर राजेंद्रनगर पुलिस मौके पर पहुँची और फोरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल की जांच की। पुलिस ने मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज की मदद से चोरों की पहचान करने के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

विराट कोहली-रोहित शर्मा को बीसीसीआई का सीधा फरमान

घरेलू क्रिकेट खेलने पर ही उन्हें आगे चलकर टीम इंडिया में जगह मिलेगी

मुंबई, 12 नवंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया का दौरा खत्म हुए कई दिन हो चुके हैं लेकिन अभी भी विराट कोहली और रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर संदेह बना हुआ है. टेस्ट और टी20 इंटरनेशनल से संन्यास ले चुके भारतीय क्रिकेट के दोनों दिग्गज अब सिर्फ वनडे क्रिकेट में ही एक्टिव रह गए हैं. टीम से बाहर करने और संन्यास की अटकलों के बीच ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वनडे सीरीज से इन दोनों ने वापसी भी की थी लेकिन अभी भी इनकी जगह तय नजर नहीं आ रही है. इस बीच अब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने दोनों के सामने शर्त रख दी है कि घरेलू क्रिकेट खेलने पर ही उन्हें आगे चलकर टीम इंडिया में जगह मिलेगी.

घरेलू क्रिकेट खेले बिना सेलेक्शन नहीं

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 3 मैच की वनडे सीरीज में हिस्सा लेने के बाद विराट और रोहित फिलहाल मैदान से दूर हैं क्योंकि टीम इंडिया ने हाल ही में एक टी20 सीरीज खेली थी और अब वो साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलेगी. मगर इसके बाद साउथ अफ्रीका के खिलाफ ही भारतीय टीम वनडे सीरीज खेलेगी और उससे ठीक पहले बीसीसीआई ने दोनों स्टार खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट में खेलने का फरमान जारी कर दिया है.

इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट में ये खुलासा किया गया है कि भारतीय बोर्ड ने दोनों पूर्व कप्तानों को घरेलू वनडे टूर्नामेंट, विजय हजारे ट्रॉफी में हिस्सा लेने के लिए कहा है. हालांकि ये टूर्नामेंट 24 दिसंबर से शुरू होगा. ऐसे में 30 नवंबर से शुरू हो रही भारत-साउथ अफ्रीका वनडे सीरीज पर ये शर्त लागू नहीं होगी. मगर टीम इंडिया की अगली वनडे सीरीज 11 जनवरी 2026 से न्यूजीलैंड के खिलाफ होगी और उसमें सेलेक्शन के लिए दोनों को ये शर्त पूरी करनी पड़ सकती है. मगर क्या दोनों स्टार इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे या नहीं, ये देखने वाली बात होगी.

रोहित शर्मा तैयार, विराट के जवाब का इंतजार

रिपोर्ट में हालांकि बताया गया है कि रोहित ने घरेलू क्रिकेट खेलने की इच्छा जताई है और अपने इरादों के बारे में मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन को बता दिया है. सिर्फ विजय हजारे ट्रॉफी ही नहीं, बल्कि रोहित शर्मा उससे पहले होने वाली सैय्यद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी में भी खेलते हुए नजर आ सकते हैं. ये टूर्नामेंट 26 नवंबर से शुरू होगा और 18 दिसंबर तक चलेगा. अब साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में सेलेक्शन के लिए इस टूर्नामेंट में खेलने को भी अनिवार्य किया जाएगा, ये फिलहाल साफ नहीं है. जहां तक विराट कोहली का सवाल है तो रिपोर्ट के मुताबिक, उनके विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने को लेकर फिलहाल स्थिति स्पष्ट नहीं है.

कोलकाता की पिच को लेकर सौरव गांगुली का बड़ा खुलासा

क्या टीम इंडिया ने सीख लिया सबक?

कोलकाता, 12 नवंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया में वनडे और टी20 सीरीज खेलने के बाद टीम इंडिया अब तुरंत ही टेस्ट क्रिकेट के रंग में रंगने को तैयार है. अगले 2 हफ्ते कप्तान शुभमन गिल की टीम इंडिया के लिए बहुत अहम होने जा रहे हैं क्योंकि अब उसका सामना होने वाला है वर्ल्ड टेस्ट चैंपियन साउथ अफ्रीका से. भारत में हो रही इस सीरीज में हर बार की तरह पिच पर काफी फोकस रहने वाला है और लगता है कि इस मामले में टीम इंडिया ने अपनी गलती से सबक सीख लिया है. इसलिए टीम ने किसी तरह की कोई डिमांड नहीं की है. कम से कम पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का तो यही कहना है. कोलकाता के ऐतिहासिक ईडन गार्डन्स स्टेडियम में 14 नवंबर से भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 2 मैच की टेस्ट सीरीज शुरू हो रही है. सीरीज का पहला मैच कोलकाता में और दूसरा मैच गुवाहाटी में खेला जाएगा. इसमें गुवाहाटी में पहली बार टेस्ट क्रिकेट खेला जाने वाला है. ऐसे में वहां की पिच कैसा बर्ताव करेगी, ये फिलहाल इतिहास के पन्नों को पलटकर भी नहीं बताया जा सकता. मगर कोलकाता में स्पिनर्स का जलवा हमेशा से रहा है और इस बार भी ये उम्मीद बरकरार रहेगी.

टीम इंडिया ने पिच के लिए नहीं की डिमांड

मगर क्या ईडन की पिच अपने स्वाभाविक मिजाज के साथ हर गुजरते दिन के साथ घूमना शुरू करेगी या फिर टीम इंडिया ने पहले दिन से ही टर्निंग पिच की मांग की है? पूर्व भारतीय कप्तान और बंगाल क्रिकेट संघ के मौजूदा अध्यक्ष सौरव गांगुली ने खुलासा किया है कि टीम इंडिया ने ऐसी कोई मांग नहीं की है. गांगुली ने पीटीआई से बात करते हुए कहा, "उन्होंने (टीम इंडिया ने) अभी तक को इसकी (टर्निंग पिच) की मांग नहीं की है, तो मैं इसका जवाब नहीं दे पाउंगा. लेकिन ये काफी अच्छी (पिच) लग रही है."

पिच देखकर गंभीर संतुष्ट- क्यूरेटर

वहीं आईपीएल के दौरान कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ टकराव के कारण चर्चाओं में आए ईडन गार्डन्स के मशहूर क्यूरेटर सुजान मुखर्जी कोच गौतम गंभीर स्टेडियम की 22 गज की पट्टी देखकर संतुष्ट हैं. उन्होंने ये भी कहा कि पिच इस हिसाब से तैयार की गई है कि मैच पूरे 5 दिन चल सके. मुखर्जी ने साथ ही ये उम्मीद भी जताई है कि तीसरे दिन से पिच में अच्छा-खासा टर्न दिख सकता है. यानि साफ है कि शुरुआती 2 दिन बल्लेबाजी के लिए अच्छे साबित होंगे.

टीम इंडिया ने अपनी गलती से सीखा सबक

इन बयानों से तो यही लगता है कि टीम इंडिया ने अपना सबक सीख लिया है. असल में पिछले कुछ सालों में भारतीय बल्लेबाजों को भी अपने ही घर में विदेशी स्पिनर्स के सामने संघर्ष करना पड़ा है. पिछले साल न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज इसका सबसे बड़ा उदाहरण है, जहां पहला टेस्ट मैच हारने के बाद भारतीय टीम ने इंदौर में टर्निंग पिच बनवाई थी और उसे करारी हार मिली थी. मिचेल सैंटनर और ग्लेन फिलिप्स ने भारतीय बल्लेबाजों को जमकर नचाया था और इतिहास में पहली बार टीम इंडिया को घरेलू जमीन पर 3-0 से क्लीन स्वीप हुआ था.

2 हिस्सों में नहीं बंटेगा टेस्ट क्रिकेट: 2027 तक डब्ल्यूटीसी में 12 टीमें शामिल होंगी वनडे सुपर लीग की वापसी भी हो सकती है

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में 2027 से 12 टीमें हिस्सा ले सकती हैं। साथ ही टीमों को 2 टियर में भी नहीं बांटा जाएगा। इतना ही नहीं, इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) वनडे सुपर लीग को फिर से शुरू करने की तैयारी में भी है। दुबई में पिछले सप्ताह आईसीसी की जनरल मीटिंग में हुई थी। ईएसपीएन के मुताबिक, इस मीटिंग में न्यूजीलैंड के पूर्व बल्लेबाज रोजर टूज की अध्यक्षता वाली कमेटी ने आईसीसी को अपनी रिपोर्ट सौंपी। जिसमें क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट के विकास को लेकर बातें हुईं।

2 टियर सिस्टम नहीं अपनाएगा आईसीसी

कई क्रिकेट एक्सपर्ट्स कह चुके हैं कि टेस्ट क्रिकेट को 2 हिस्सों में बांट देना चाहिए। टॉप टीमों को एक ग्रुप और बाकी टीमों को दूसरे ग्रुप में रख देना चाहिए। आईसीसी ने भी इसी साल जुलाई में एक कमेटी बनाकर इसका समाधान निकालने की कोशिश की। हालांकि, आईसीसी में मीटिंग में 2 टियर सिस्टम को खारिज कर दिया।

श्रीलंका, पाकिस्तान ने विरोध किया

मेंबर देश भी इस प्लान के लिए जल्दबाजी कर रहे हैं, ताकि 2027 के बाद की सीरीज प्लान की जा सके। श्रीलंका, वेस्टइंडीज और पाकिस्तान जैसे देशों ने 2 टियर सिस्टम का विरोध किया। उनका कहना था कि अगर बड़े देशों के खिलाफ मैच नहीं हुए तो उनके बोर्ड पैसे नहीं कमा पाएंगे।

भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के खिलाफ सीरीज से बाकी देशों में फंडिंग बढ़ जाती है। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के चीफ रिचर्ड थॉम्पसन ने भी इस मुद्दे पर कहा था, '2 टियर सिस्टम से नुकसान ही होगा। हमारी टीम भी खराब प्रदर्शन के बाद दूसरे ग्रुप में जा सकती है, ऐसे में ऑस्ट्रेलिया और भारत के खिलाफ

हमारे मैच बंद हो जाएंगे। इससे हमें नुकसान ही होगा।'

अफगानिस्तान, जिम्बाब्वे भी डब्ल्यूटीसी का हिस्सा होंगे

आईसीसी मीटिंग में 2 टियर सिस्टम तो लागू नहीं हुआ, लेकिन अगले साइकिल में इसे 12 टीमों तक बढ़ाने की बात हो गई। डब्ल्यूटीसी में फिलहाल 9 टीमें ही हिस्सा लेती हैं। 2027 से जिम्बाब्वे, अफगानिस्तान और आयरलैंड भी इसका हिस्सा बन जाएंगी। हालांकि, टेस्ट मेजबानी करने के लिए आईसीसी फंड नहीं देगा। आयरलैंड, जिम्बाब्वे जैसे देशों को टेस्ट मेजबानी में फंडिंग की समस्या का सामना करना पड़ता है। आईसीसी के सदस्य ने ईएसपीएन को बताया, 'अगले साइकिल में हर टीम टेस्ट क्रिकेट खेलेगी। बड़ी टीमें अगर छोटी टीमों के खिलाफ टेस्ट खेलेंगी तो उनके लिए इंसेंटिव प्रोग्राम भी रहेगा।'

वनडे सुपर लीग की वापसी हो सकती है

आईसीसी मीटिंग में वनडे सुपर लीग की वापसी के संकेत भी मिले। 2023 वनडे वर्ल्ड कप के बाद इसे हटा दिया गया था। माना जा रहा है कि इसकी 2027 वनडे वर्ल्ड कप के बाद वापसी हो सकती है। 13 टीमों की इस लीग की शुरुआत जुलाई 2020 में हुई थी। जिसमें पॉइंट्स टेबल की टॉप-10 टीमों को अगले वर्ल्ड कप में एंट्री मिली थी।

क्रिकेट के बिजी कैलैंडर के कारण सुपर लीग को हटा दिया गया था। हालांकि, द्विपक्षीय सीरीज में पॉइंट्स सिस्टम आने से हर सीरीज की अहमियत बढ़ जाएगी। इससे वनडे क्रिकेट के खत्म होने का खतरा भी कम होगा। 2028 से सुपर लीग की वापसी हो सकती है, लेकिन इसमें कितनी टीमें हिस्सा लेंगी, इस पर कोई फैसला नहीं हो सका।

वर्ल्ड कप में टीमें नहीं बढ़ेंगी

आईसीसी मीटिंग में दोनों व्हाइट बॉल फॉर्मेट के वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने वाली टीमों की संख्या बढ़ाने पर भी कुछ फैसला नहीं हुआ। 2027 के वनडे वर्ल्ड कप में 14 टीमें ही हिस्सा लेंगी। वहीं टी-20 वर्ल्ड कप 20 टीमों के बीच ही होना जारी रहेगा। हालांकि, भविष्य में 32 टीमें टूर्नामेंट का हिस्सा बन सकती हैं।

क्वालिफायर सिस्टम बदल सकता है

कुछ एसोसिएट मेंबर्स ने कहा कि टी-20 वर्ल्ड कप और ओलिंपिक में क्वालिफिकेशन सिस्टम को बदलना चाहिए। फिलहाल कुछ टीमों की एंट्री रैंकिंग के आधार पर होती है, इसे बदलकर सभी टीमों को क्वालिफायर राउंड में शामिल करना चाहिए। इन सब के बावजूद, आईसीसी ने टी-10 को क्रिकेट का ऑफिशियल फॉर्मेट नहीं माना। इसके अलावा बाकी मुद्दों पर अगले साल की शुरुआत में होने वाली आईसीसी मीटिंग में आखिरी फैसला लिया जा सकता है।

शतरंज जगत में तूफान, फिडे ने पूर्व विश्व चैंपियन क्रैमनिक पर लगाया नैतिकता उल्लंघन का आरोप

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) ने पूर्व विश्व शतरंज चैंपियन व्लादिमीर क्रैमनिक के खिलाफ अपने नैतिकता एवं अनुशासन आयोग में औपचारिक शिकायत दर्ज की है। यह कार्रवाई क्रैमनिक द्वारा कई शीर्ष खिलाड़ियों पर सार्वजनिक रूप से लगाए गए धोखाधड़ी के आरोपों के कारण की गई है।

फिडे के अनुसार, क्रैमनिक ने ग्रैंडमास्टर डैनियल नारोदित्स्की और डेविड नवारा पर बार-बार बेबुनियाद आरोप लगाए थे। नारोदित्स्की, जिनका अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना में 29 वर्ष की आयु में कुछ महीने पहले अचानक निधन हो गया, उनके खिलाफ भी क्रैमनिक ने धोखाधड़ी के निराधार आरोप लगाए थे।

फिडे ने अपने बयान में कहा, 'अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) ने पूर्व विश्व चैंपियन व्लादिमीर क्रैमनिक को प्रतिवादी बनाते हुए फिडे नैतिकता एवं अनुशासन आयोग में औपचारिक रूप से शिकायत दर्ज की है।' संस्था ने आगे कहा कि शिकायत में लगभग दो वर्षों के विवादास्पद आचरण का उल्लेख है, जिसमें कई सार्वजनिक बयान और पोस्ट शामिल हैं। फिडे ने इन्हें उत्पीड़न और व्यक्तिगत गरिमा के अपमान से संबंधित संभावित उल्लंघनों के रूप में देखा है।

एशियाई खेलों की पदक विजेता मंजू पर लगा पांच साल के लिए प्रतिबंध

नाडा ने डोपिंग के लिए की कार्रवाई

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। इंचियोन एशियाई खेल 2014 की कांस्य पदक विजेता तार गोला (हैमर थ्रो) खिलाड़ी मंजू बाला पर डोपिंग के कारण पांच साल का प्रतिबंध लगाया गया है। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के डोपिंग रोधी अनुशासनात्मक पैनल ने यह फैसला लिया है।

नाडा की कार्रवाई

मंजू बाला का परीक्षण डिहाइड्रोक्लोरोमिथाइल-टेस्टोस्टेरोन (स्टेरॉयड) और सार्म्स एलजीडी-4033 (लिगैंड्रोल) जैसी प्रतिबंधित दवाओं के लिए पॉजिटिव आया था। नाडा ने पिछले साल सितंबर में उनके डोपिंग में असफल होने की जानकारी सार्वजनिक की थी। एडीडीपी के 15 अक्तूबर 2024 को दिए गए फैसले के अनुसार, मंजू बाला का निलंबन 10 जुलाई 2024 से प्रभावी होगा।

इन पर भी हुई कार्रवाई

एथलीट मोहन सैनी पर चार साल का प्रतिबंध (14 अक्टूबर 2025 से) लगाया।

बॉडीबिल्डर गोपाल कृष्णन, अमित कुमार और राजवर्धन संजय वास्कर पर छह-छह साल का प्रतिबंध लगाया।

बॉडीबिल्डर शुभम महारा को चार साल के लिए निलंबित किया गया।

मुक्केबाज सुमित पर दो साल का प्रतिबंध लगाया गया।

कैनोइस्ट नितिन वर्मा और बास्केटबॉल खिलाड़ी शिवेंद्र पांडे पर क्रमशः चार और छह साल का प्रतिबंध लगाया गया।

इस बीच, डोपिंग रोधी अपील पैनल ने 2024 में धाविका हिमानी चंदेल पर लगाए गए चार साल के प्रतिबंध को भी बरकरार रखा।

भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल का चीन वीजा हुआ रिजेक्ट

खेल डेस्क, 12 नवंबर (एजेंसियां)। भारत के टॉप टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल को चीन का वीजा नहीं मिल पाया है। नागल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर चीन दूतावास से मदद की अपील की है। दरअसल, नागल को ऑस्ट्रेलियन ओपन प्लेऑफ टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए चीन के चेंगदू जाना था। यह टूर्नामेंट 24 से 29 नवंबर तक खेला जाना है। लेकिन उनका वीजा बिना किसी कारण बताए रिजेक्ट कर दिया गया।

सुमित नागल ने सोशल मीडिया पर लिखा-आदरणीय @ चीन भारत राजदूत मैं सुमित नागल, भारत का नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी हूं। मुझे जल्द चीन के लिए उड़ान भरनी है ताकि मैं भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए ऑस्ट्रेलियन ओपन प्लेऑफ में हिस्सा ले सकूं। लेकिन मेरा वीजा बिना किसी कारण के अस्वीकार कर दिया गया है। कृपया तत्काल मदद करें।'

सुमित नागल हरियाणा के झज्जर जिले से हैं। वे फिलहाल एटीपी रैंकिंग में 275वें स्थान पर हैं। कभी वे दुनिया के टॉप-100 खिलाड़ियों में शामिल थे, लेकिन रैंकिंग गिरने के कारण अब उन्हें बड़े टूर्नामेंटों में सीधी एंट्री नहीं मिलती। अब उन्हें वाइल्ड कार्ड या क्वालिफायर राउंड के जरिए जगह बनानी पड़ती है।

इस टूर्नामेंट के विजेताओं को 2026 ऑस्ट्रेलियन ओपन के मेन ड्रॉ में सीधी एंट्री मिलती है। अगर नागल का वीजा मुद्दा जल्द हल नहीं हुआ, तो वे इस महत्वपूर्ण टूर्नामेंट से वंचित रह सकते हैं, जिससे उनके अगले सीज़न की संभावनाओं पर असर पड़ सकता है।

लखनऊ पहुंची जूनियर हॉकी विश्वकप की ट्रॉफी

सीएम योगी बोले- यह राज्य के स्वर्णिम इतिहास की याद दिलाता है

लखनऊ, 12 नवंबर (एजेंसियां)। लखनऊ में एफआईएच पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप की ट्रॉफी स्वागत समारोह में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा, 'इस टूर्नामेंट में 24 अंतरराष्ट्रीय टीमें भाग ले रही हैं। इस ट्रॉफी का उत्तर प्रदेश में आगमन राज्य के स्वर्णिम इतिहास की याद दिलाता है, क्योंकि इसने हॉकी के क्षेत्र में अमिट योगदान दिया है।'

मुख्यमंत्री ने कहा कि महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद का जन्म इसी प्रदेश में हुआ था और उनके नेतृत्व में भारतीय हॉकी टीम ने लगातार तीन ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीते थे। उन्होंने बताया कि उनकी सरकार मेजर ध्यानचंद की स्मृति में मेरठ में मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी का निर्माण कर रही है।

भारत की मेजबानी में चेन्नई और मदुरई में 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चलने वाली जूनियर हॉकी विश्वकप की ट्रॉफी 12 नवंबर को लखनऊ पहुंची। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आवास पर ट्रॉफी का अनावरण किया। इसका वीडियो भी सामने आया है। ट्रॉफी देशभर के विभिन्न शहरों से होते हुए लखनऊ पहुंची। यहां से ट्रॉफी का अगला पड़ाव उदयपुर होगा।

इस मौके पर खेलमंत्री गिरीश चंद्र यादव, हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह, डायरेक्टर जनरल हॉकी इंडिया आरके श्रीवास्तव, खेल सचिव सुहास एलवाई, खेल निदेशक डॉ. आरपी सिंह और उत्तर प्रदेश हॉकी के महासचिव रजनीश मिश्रा भी मौजूद रहे। बताते चलें कि चेन्नई और मदुरई में 15 दिनों तक चलने वाले जूनियर हॉकी के महाकुंभ में विजेता टीम को यह चमचमाती हुई ट्रॉफी दी जाएगी।

लखनऊ में जूनियर भारतीय हॉकी टीम बनी थी चैंपियन

वर्ष 2016 में जूनियर हॉकी विश्वकप लखनऊ में आयोजित किया गया। कुर्सी रोड स्थित गुरु गोबिंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज स्थित मेजर ध्यानचंद स्टेडियम पर इस आयोजन के मुकाबले खेले गए थे। यहां फाइनल में भारत हॉकी टीम के रणबांकुरों धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए बेल्जियम को परास्त कर विश्व विजेता बनने का गौरव हासिल किया था।

पंजाब की महिला क्रिकेटर्स को सरकार का तोहफा: वर्ल्ड कप के 9 दिन बाद 1.5 करोड़ इनाम का ऐलान; हरमनप्रीत डीएसपी, हरलीन-अमनजोत को नौकरी नहीं

चंडीगढ़, 12 नवंबर (एजेंसियां)। वीमेंस वर्ल्ड कप में ऐतिहासिक जीत के नौ दिन बाद पंजाब सरकार ने राज्य की महिला खिलाड़ियों को बड़ा तोहफा दिया है। सरकार ने ऐलान किया है कि पंजाब की निवासी हर महिला खिलाड़ी को डेढ़-डेढ़ करोड़ रुपए इनाम के तौर पर दिए जाएंगे। इसकी आधिकारिक घोषणा सोशल मीडिया के माध्यम से की गई है।

इससे पहले तरनतारन उपचुनाव के चलते आचार संहिता लागू होने के कारण सरकार कोई ऐलान नहीं कर पा रही थी। अब मतदान के दिन ही सरकार ने खिलाड़ियों के सम्मान में यह फैसला लिया है। इस इनाम का लाभ पंजाब की तीनों महिला क्रिकेटरों- हरमनप्रीत कौर, हरलीन दियोल और अमनजोत कौर को मिलेगा।

मोगा की रहने वाली हरमनप्रीत कौर पहले से पंजाब पुलिस में डीएसपी हैं, जबकि हरलीन और अमनजोत के पास अभी नौकरी नहीं है। शनिवार को दोनों खिलाड़ियों का चंडीगढ़ में कैबिनेट मंत्री हरपाल चीमा और सांसद हरमीत सिंह मीत हेयर ने भव्य स्वागत किया था।

हरमनप्रीत डीएसपी, हरलीन-अमनजोत के पास नौकरी नहीं

हरमनप्रीत पहले से हैं डीएसपीः मोगा की रहने वाली हरमनप्रीत कौर फिलहाल पंजाब पुलिस में डीएसपी के पद पर कार्यरत हैं। उन्हें यह पद कैप्टन अमरिंदर सिंह की कांग्रेस सरकार के दौरान 2017 महिला वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन और टीम के रनरअप रहने पर सम्मानस्वरूप दिया गया था।

2017 वर्ल्ड कप के बाद डीएसपी नियुक्तः इससे पहले हरमनप्रीत ने 2011 में पंजाब पुलिस में भर्ती होने के लिए आवेदन किया था, लेकिन उस समय चयन नहीं हो सका था। बाद में 2017 वर्ल्ड कप के बाद उन्हें डीएसपी के रूप में नियुक्त कर लिया गया। अब उनकी पदोन्नति को लेकर चर्चा चल रही है। वहीं, टीम की बाकी दोनों खिलाड़ी हरलीन दियोल और अमनजोत कौर के पास फिलहाल कोई सरकारी नौकरी नहीं है।

हरलीन और अमनजोत का हुआ था भव्य स्वागत

हरलीन दियोल और अमनजोत कौर का शनिवार 9 नवंबर 2025 को चंडीगढ़ पहुंचने पर पंजाब सरकार की तरफ से कैबिनेट मंत्री हरपाल चीमा और सांसद हरमीत सिंह मीत हेयर की तरफ से भव्य स्वागत किया गया था। इस दौरान ही बता दिया गया था कि सरकार इन खिलाड़ियों के लिए इनामी राशि का ऐलान करेगी। मगर इसका औपचारिक ऐलान आज सुबह ही किया गया है।

पाकिस्तान ने श्रीलंका को पहले वनडे में हराया

रऊफ ने 4 विकेट लिए, सलमान आगा ने नाबाद 103 रन की पारी खेली

रावलपिंडी, 12 नवंबर (एजेंसियां)। रावलपिंडी में खेले गए तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में पाकिस्तान ने श्रीलंका को 6 रन से हराकर 1-0 की बढ़त हासिल की। जीत के लिए मिले 300 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंकाई टीम पूरे ओवर खेलने के बाद 293/9 का स्कोर ही बना सकी। पाकिस्तान से हारिस रऊफ ने 4 विकेट लिए। वहीं, सलमान आगा ने 83 गेंदों पर नाबाद 103 रन की पारी खेली और हुसैन तलात ने 58 रनों की पारी खेलकर पाकिस्तान का स्कोर 299 तक पहुंचाया। टॉस हार कर बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत खराब रही। सईम अयूब केवल 6 रन बना कर आउट हो गए। वहीं,टॉप ऑर्डर में फखर जमान (32) और बाबर आजम (29) रन बना कर आउट हो गए। इसके बाद मध्यक्रम में सलमान आगा ने शतक (103* रन, 83 गेंद) और हुसैन तलात ने 58 रनों की अहम पारी खेलकर पाकिस्तान को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। दोनों के बीच पांचवें विकेट के लिए 138 रनों की साझेदारी हुई। आखिरी दस ओवरों में पाकिस्तान ने 104 रन जोड़ते हुए 299 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। मोहम्मद नवाज ने भी 23 गेंद पर 1 छक्का और 5 चौकों की मदद से नाबाद 36 रन की पारी खेली थी।

होटल और लॉज मालिकों के साथ पुलिस ने की बैठक

डीसीपी ने सुरक्षा को लेकर दिए कई निर्देश

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शहर के पुलिस आयुक्त के निर्देशानुसार, उत्तरी क्षेत्र पुलिस उपायुक्त एस. रश्मि पेरुमल द्वारा बुधवार को उत्तरी क्षेत्र के अंतर्गत स्थित लॉज और होटलों के मालिकों और प्रबंधकों के साथ एक बैठक बुलाई गई। बैठक में 100 से अधिक होटल और लॉज मालिकों/प्रबंधकों के साथ-साथ गोपालपुरम के एसीपी और हैदराबाद शहर पुलिस के उत्तरी क्षेत्र के थाना प्रभारी भी शामिल हुए। बैठक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि सभी प्रतिष्ठान तेलंगाना राज्य लोक सुरक्षा अधिनियम, संबंधित व्यापार लाइसेंस नियमों और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के प्रावधानों सहित कानून के अनुसार सख्ती से कार्य करें। बैठक के दौरान, होटल और लॉज प्रबंधन को अपने प्रतिष्ठानों के नियमित संचालन में सभी कानूनी प्रावधानों और जन सुरक्षा उपायों का उचित अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए आगाह किया गया। उन्हें सूचित किया गया कि सार्वजनिक सुरक्षा को नुकसान पहुँचाने वाली किसी भी चूक या लापरवाही के लिए कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सभी होटल और लॉज मालिकों को सख्त अनुपालन के लिए कई निर्देश भी जारी किए गए, जिसमें प्रमुख उचित प्रविष्टियों के साथ एक आगंतुक रजिस्टर बनाए रखना और स्थानीय एसएचओ को दैनिक विवरण प्रस्तुत करना, चेक-इन के समय सभी मेहमानों के वैध पहचान पत्रों का सख्त सत्यापन और रखरखाव, प्रामाणिकता सुनिश्चित करना और स्थानीय पुलिस द्वारा निरीक्षण के लिए उचित रिकॉर्ड बनाए रखना, सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम के तहत अनिवार्य न्यूनतम बैकअप के साथ सीसीटीवी कैमरे लगाना, परिसर के भीतर किसी भी कार्यक्रम, सभा या प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने से पहले स्थानीय पुलिस को पूर्व सूचना और अनुमति लेना, यह सुनिश्चित करना कि परिसर का उपयोग वेश्यावृत्ति, नशीली दवाओं की तस्करी या अन्य गैरकानूनी गतिविधियों जैसे किसी भी अवैध गतिविधि के लिए नहीं किया जाता है। डीएफएमडी/एचएचएमडी स्कैनर और सुरक्षा गार्ड सहित पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की तैनाती होनी चाहिए।

ठंड के मौसम में फ्लू का खतरा बढ़ा स्वास्थ्य विभाग ने जारी की चेतावनी

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा अगले सात दिनों तक तेलंगाना में शुष्क मौसम और कुछ इलाकों में न्यूनतम तापमान सामान्य से 2-3 डिग्री सेल्सियस कम रहने की संभावना के बीच, तेलंगाना के स्वास्थ्य अधिकारियों ने निवासियों को मौसमी फ्लू और श्वसन संक्रमण में संभावित वृद्धि के बारे में आगाह किया है। मौसमी फ्लू, एक संक्रामक श्वसन रोग है जिसमें बुखार, खांसी, गले में खराश, शरीर में दर्द और थकान होती है। यह संक्रमित व्यक्ति के खांसने या छींकने पर निकलने वाली बूंदों के माध्यम से आसानी से फैलता है। अधिकांश रोगी पर्याप्त आराम और पानी पीने से एक सप्ताह के भीतर घर पर ही ठीक हो जाते हैं। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण निदेशक डॉ. बी. रविंदर नायक ने गर्भवती महिलाओं, पाँच साल से कम उम्र के बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों और पुरानी बीमारियों से ग्रस्त व्यक्तियों सहित उच्च जोखिम वाले समूहों को सलाह दी है कि यदि उनमें फ्लू जैसे लक्षण दिखाई दें तो तुरंत चिकित्सा सहायता लें। तेज़ बुखार, साँस लेने में तकलीफ़, होंठों का नीला पड़ना, थूक में खून आना या व्यवहार में बदलाव जैसे चेतावनी संकेतों के लिए नज़दीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में तत्काल परामर्श की आवश्यकता होती है। डॉ. नायक ने बताया कि 108 एम्बुलेंस सेवा के माध्यम से आपातकालीन चिकित्सा सहायता उपलब्ध है। उन्होंने आगे कहा कि सभी सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्रों में विशेष बिस्तर और आवश्यक दवाइयाँ उपलब्ध हैं। संक्रमण से बचाव के लिए, विभाग ने नागरिकों से खाँसते या छींकते समय मुँह और नाक ढकने, बार-बार साबुन और पानी से हाथ धोने, भीड़-भाड़ वाली जगहों से बचने और बीमार होने पर घर पर रहने जैसी प्रमुख सावधानियों का पालन करने का आग्रह किया है। इसके अलावा, घर के अंदर उचित वेंटिलेशन सुनिश्चित करना चाहिए और अच्छा पोषण और नींद बनाए रखनी चाहिए।

शादी से एक दिन पहले युवक ने की आत्महत्या

निजामाबाद, 12 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। अपनी शादी से सिर्फ एक दिन पहले, येदपल्ली मंडल के मंगलपहाड़ गांव में 30 वर्षीय किसान ने आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान तेपुरी प्रताप गौड़ के रूप में हुई है। उसकी शादी गुरुवार को तय थी, लेकिन मंगलवार रात उसने परिवार के साथ विवाद के बाद पेड़ से लटककर अपनी जान दे दी। पुलिस का कहना है कि प्रताप शादी करने को तैयार नहीं था और इसी को लेकर घर में झगड़ा हुआ था। विवाद के बाद वह मानसिक रूप से परेशान लग रहा था। देर रात उसने आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। मृतक के भाई श्रीकांत की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

माता-पिता की डांट से परेशान किशोर ने की आत्महत्या

कुएं में कूदकर दी जान, पुलिस जांच में जुटी

करीमनगर, 12 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। पेड्डापल्ली नगरपालिका क्षेत्र के बंदमपल्ली गांव में बुधवार को 17 वर्षीय किशोर ने आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि वह अपने माता-पिता की डांट से परेशान था। मृतक की पहचान विश्वतेजा के रूप में हुई है, जो पेड्डापल्ली कृषि बाज़ार समिति की अध्यक्ष ईरला स्वरूपा का बेटा था। पुलिस के अनुसार, विश्वतेजा मंगलवार रात घर से निकला था और अगली सुबह गांव के बाहरी इलाके में स्थित एक कृषि कुएं में मृत पाया गया। माना जा रहा है कि उसने कुएं में कूदकर आत्महत्या की। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। माता-पिता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

मीसेवा की डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र सेवा पेंशनभोगियों के लिए वरदान : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मीसेवा प्लेटफ़ॉर्म द्वारा अपनी डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र सेवा (पेंशनभोगी जीवन प्रमाणपत्र सेवा - पीएलसीएस) के विस्तार के साथ, तेलंगाना भर के हज़ारों सरकारी पेंशनभोगी अब बैंक या कोषागार कार्यालय जाए बिना, घर बैठे ही अपने जीवन प्रमाणपत्रों का सत्यापन और जमा कर सकते हैं। इस प्रगति को साझा करते हुए, सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने कहा कि यह सेवा सरकार के "प्रौद्योगिकी-संचालित शासन, जो वरिष्ठ नागरिकों के जीवन को आसान बनाता है" के दृष्टिकोण को दर्शाती है।

मंत्री ने कहा, "मीसेवा की डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र सेवा पेंशनभोगियों के लिए सुविधा और सम्मान लाती है, यह सुनिश्चित करती है कि किसी भी बुजुर्ग नागरिक को कतारों में खड़ा न होना पड़े या दूसरों पर निर्भर न रहना पड़े।" मीसेवा का संचालन करने वाले इलेक्ट्रॉनिक सेवा वितरण (ईएसडी) प्रभाग ने उपयोग में लगातार वृद्धि दर्ज की है - 2022-23 में 143 प्रमाणपत्रों से बढ़कर 2023-24 में 31,295, 2024-25 में 64,612 और 11 नवंबर, 2025 तक 13,214, यानी कुल 1.09 लाख से ज़्यादा डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र। इस सेवा का लाभ अब हर साल 2.7 लाख से ज़्यादा पेंशनभोगियों को मिल रहा है। इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि यह सेवा मीसेवा मोबाइल ऐप के ज़रिए सभी पात्र पेंशनभोगियों के लिए उपलब्ध है, जिससे पेंशन का निर्बाध और समय पर वितरण सुनिश्चित होता है। यह प्रक्रिया मीसेवा मोबाइल ऐप के ज़रिए आधार-आधारित चेहरे और जीवन सत्यापन का उपयोग करती है। एक बार प्रमाणित हो जाने पर, प्रमाणपत्र स्वचालित रूप से जनरेट हो जाता है और सरकारी रिकॉर्ड में अपडेट हो जाता है, जिससे यह एक सरल, सुरक्षित और कागज़ रहित प्रणाली बन जाती है। अधिकारियों ने कहा कि यह पहल समावेशी डिजिटल शासन में तेलंगाना के नेतृत्व और विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों के लिए सार्वजनिक सेवाओं तक पहुंच को आसान बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

जुबली हिल्स उपचुनाव की ईवीएम के लिए कड़ी सुरक्षा

यूसुफगुडा स्टेडियम में स्ट्रांग रूम को बनाया गया उच्च सुरक्षा क्षेत्र

हैदराबाद, 12 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव में इस्तेमाल की गई इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) को यूसुफगुडा के कोटला विजय भास्कर रेड्डी इंडोर स्टेडियम में बने स्ट्रांग रूम में रखा गया है, जहां पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। चुनाव आयोग के अधिकारियों की देखरेख में स्थापित इस स्ट्रांग रूम की सुरक्षा केंद्रीय बल और शहर पुलिस के सशस्त्र जवानों द्वारा चौबीसों घंटे की जा रही है। इस पूरे क्षेत्र को उच्च सुरक्षा क्षेत्र घोषित किया गया है, जहां बहुस्तरीय बैरिकेड्स, सीसीटीवी निगरानी नेटवर्क और प्रवेश प्रतिबंध लगाए गए हैं।

पुलिस ने स्टेडियम के आसपास कई चेक पोस्ट स्थापित किए हैं और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए त्वरित प्रतिक्रिया दल (क्यूआरटी) भी तैनात किए गए हैं। बुधवार को पश्चिमी क्षेत्र के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने स्टेडियम पहुंचकर सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा की। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि स्ट्रांग रूम तक सिर्फ अधिकृत अधिकारियों की ही पहुंच है और सभी गतिविधियों का रिकॉर्ड चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि ईवीएम मतगणना के दिन यानी 14 नवंबर तक सख्त निगरानी में रहेंगी।

आईबीएस हैदराबाद के छात्रों ने राष्ट्रपति निलयम में किया प्रतिनिधित्व

हैदराबाद, 12 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। आईसीएफएआई बिज़नेस स्कूल (आईबीएस) हैदराबाद के छात्र क्लब आईबीएस मैसेंजर के पाँच छात्रों ने हाल ही में राष्ट्रपति निलयम, बोलारम में आयोजित अखिल भारतीय राष्ट्रीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में भाग लिया। इन छात्रों में गंगा प्रुद्वेश्वर, अदिति साहनी, दृष्टि खंडेलवाल, लेखा और दिशा शामिल थीं।

एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह प्रतियोगिता राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर आयोजित की गई थी। इसमें देशभर के %0 से अधिक कॉलेजों के छात्र शामिल हुए। इस आयोजन का उद्देश्य ज्ञान, सहयोग और राष्ट्रीय एकता की भावना को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में पूर्व नौकरशाह डॉ. जयप्रकाश नारायण ने छात्रों को संबोधित किया और नेतृत्व, सुशासन तथा युवाओं की जिम्मेदारी पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि देश के भविष्य के निर्माण में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और उन्हें सकारात्मक सोच और कार्य के साथ समाज में योगदान देना चाहिए।

बुजुर्ग महिला की आंखों में मिर्च पाउडर डालकर सोने की चेन लूटी

संगारेड्डी, 12 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को जोगीपेट शहर के सत्यसाईं कॉलोनी में दो अज्ञात बदमाशों ने 71 वर्षीय महिला की आंखों में मिर्च पाउडर फेंककर उसकी सोने की चेन लूट ली। इस वारदात से इलाके में दहशत फैल गई है।

पुलिस के अनुसार, पीड़िता शंकरमपेट मनेम्मा अपने घर में बैठी थी, तभी मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक वहां पहुंचे। उनमें से एक बाहर रुका रहा, जबकि दूसरा घर में घुसा, मनेम्मा की आंखों में मिर्च पाउडर डाला और करीब चार तुला वजन का सोने का मंगलसूत्र छीन लिया। जब उसकी बेटी ने लुटेरे को रोकने की कोशिश की, तो उसने उसे धक्का दिया और बाइक पर बैठकर फरार हो गया। इस घटना में दोनों महिलाओं को हल्की चोटें आईं। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपी हेलमेट पहने हुए थे और वारदात को अंजाम देने के बाद तेजी से भाग निकले। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है।

नाइजीरियाई नागरिक को वापस भेजा गया

वर्ष 2021 में छात्र वीज़ा पर भारत आया था

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी पुलिस - विश्वसनीय सूचना (एच-न्यू) के आधार पर, हैदराबाद नारकोटिक एन्फोर्समेंट विंग की टीम ने एक नाइजीरियाई नागरिक ओन्येउकु केलेची विक्टर को गिरफ्तार कर उसके मूल देश नाइजीरिया भेज दिया ताकि उसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए हानिकारक अवांछनीय गतिविधियों में शामिल होने से रोका जा सके।

पुलिस उपायुक्त, टास्क फोर्स/एच न्यू हैदराबाद शहर, वाई.वी.एस. सुधींद्र ने बताया कि ओन्येउकु केलेची विक्टर, (28 वर्ष), एनुगु राज्य, नाइजीरिया संघीय गणराज्य का मूल निवासी हैं। वह 29 अक्टूबर 2021 को छात्र वीज़ा पर भारत आया और इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे, नई दिल्ली पर उतरा। बाद में, उसने बीसीए कोर्स करने के लिए नोबल कॉलेज, बैंगलोर में दाखिला लिया। हालाँकि, आर्थिक तंगी के कारण, उसने अपनी पढ़ाई छोड़ दी और ड्रग अपराधियों के साथ मिलकर बैंगलोर में ड्रग तस्करी की गतिविधियों में शामिल हो गया। वह एक नाइजीरियाई ड्रग सप्लायर के लिए काम करता था। सप्लायर के निर्देश पर, वह निर्दिष्ट स्थानों या व्यक्तियों से ड्रग्स एकत्र करता और उन्हें बैंगलोर और हैदराबाद में ज़रूरतमंद तस्करों और उपभोक्ताओं को कमीशन के आधार पर पहुँचाता था ताकि आसानी से पैसा कमा सके और एक शानदार जीवन शैली जी सके।

उसका वीज़ा 21 अप्रैल को 2024 को समाप्त हो गया था और उसका पासपोर्ट 15 जुलाई 2028 तक वैध है। तब से, वह भारत में अवैध रूप से रह रहा है, ड्रग तस्करों के साथ जुड़ रहा है, ड्रग्स की आपूर्ति कर रहा है और गैरकानूनी गतिविधियों में लिप्त है। जब वह बंजारा हिल्स पुलिस स्टेशन की सीमा में ड्रग पेडलर को घुमा रहा था, तब दोनों को एच-न्यू ने पकड़ लिया। ड्रग पेडलर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया, लेकिन ओनयेकुवु केलेची विक्टर के पास से कोई ड्रग नहीं मिली और न ही जब्त की गई। पूछताछ के दौरान, ओनयेकुवु केलेची विक्टर हैदराबाद में अपने प्रवास से संबंधित कोई उचित स्पष्टीकरण या वैध दस्तावेज देने में विफल रहा।

गहन पूछताछ करने पर, उसने स्वीकार किया कि उसके पास न तो वैध वीज़ा था और न ही वह अपने वीज़ा की समाप्ति के बाद भी भारत में रह रहा था। उसे उसके मूल देश नाइजीरिया वापस भेजने के लिए एफआरआरओकी , हैदराबाद की सहायता से निर्वासन प्रक्रिया शुरू की। एफआरआरओ, हैदराबाद से एक निकास परमिट प्राप्त किया गया और उसे भारत में फिर से प्रवेश करने से काली सूची में डाल दिया गया।उसका यात्रा टिकट राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे, हैदराबाद से बुक किया गया था और उसका प्रस्थान 12 नवंबर 2025 की सुबह निर्धारित था।तदनुसार, निरीक्षक जी.एस. डैनियल के नेतृत्व में एच-न्यू की एक टीम ने आज प्रातः 03.45 बजे विदेशी ओनयेउकु केलेची विक्टर को उसके मूल देश, नाइजीरिया ले जाकर निर्वासित कर दिया, जिससे उसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए हानिकारक किसी भी अवांछनीय गतिविधि में शामिल होने से रोका जा सके। वर्ष 2022 से, हैदराबाद नारकोटिक एन्फोर्समेंट विंग (एच- न्यू) ने 23 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है, जिनमें 15 नाइजीरियाई, 3 सूडानी, 2 आइवरी कोस्ट, 1 तंजानियाई और 1 मोरक्को के नागरिक शामिल हैं, जो बिना वैध दस्तावेजों जैसे वीज़ा और पासपोर्ट के भारत में अवैध रूप से रह रहे थे और मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल थे। एच न्यू ने उनकी साख का सत्यापन किया और संबंधित दूतावासों और एफआरआरओ, हैदराबाद के समन्वय में निर्वासन प्रक्रिया को अंजाम दिया गया। उनके यात्रा टिकटों की व्यवस्था की गई और उन्हें उनके संबंधित देशों में निर्वासित कर दिया गया, क्योंकि भारत में उनका निरंतर प्रवास राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए हानिकारक पाया गया।

राज्य मंत्रिमंडल की बैठक 15 नवंबर तक स्थगित

स्थानीय निकाय चुनाव और आरक्षण पर हो सकते हैं बड़े फैसले

हैदराबाद, 12 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य मंत्रिमंडल की बैठक, जो पहले बुधवार को होनी थी, अब 15 नवंबर को आयोजित की जाएगी। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में स्थानीय निकाय चुनावों और पिछड़ा वर्ग आरक्षण से जुड़े अहम निर्णय लिए जाने की संभावना है। यह बैठक जुबली हिल्स उपचुनाव के नतीजे आने के एक दिन बाद होगी। पहले यह बैठक 7 नवंबर को प्रस्तावित थी, जिसे बाद में 12 नवंबर तक टाल दिया गया था। लेकिन अब इसे उपचुनाव के नतीजों के इंतजार में 15 नवंबर तक स्थगित कर दिया गया है।

सूत्रों के अनुसार, सरकार पुराने आरक्षण ढांचे के तहत स्थानीय निकाय चुनाव कराने पर विचार कर रही है। उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार कुल आरक्षण 50 प्रतिशत से अधिक नहीं रखा जा सकता। वहीं पिछड़ा वर्ग संगठनों और विपक्षी दलों की मांग है कि पिछड़ा वर्ग को 42 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए संवैधानिक प्रावधान किया जाए। कांग्रेस सरकार इस पर यह प्रस्ताव रख सकती है कि राजनीतिक दल अपने स्तर पर आरक्षण सुनिश्चित करें।

आरक्षण ढांचे पर कैबिनेट के फैसले के बाद पंचायत राज विभाग जिला कलेक्टरों के जरिए आरक्षण सूची तैयार करेगा और उसे राज्य चुनाव आयोग को भेजेगा। आयोग पहले से ही चुनाव कार्यक्रम घोषित करने की तैयारी में है। सरकार दिसंबर से पहले एमपीटीसी, जेडपीटीसी और सरपंच चुनाव कराने की योजना बना रही है।

अधिकारियों का कहना है कि चुनाव प्रचार अभियान दिसंबर के पहले हफ्ते में प्रस्तावित "प्रजा सरकार विजयोत्सव' कार्यक्रम के साथ हो सकता है, जो कांग्रेस शासन के दो वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया जाएगा। कैबिनेट बैठक में गिग श्रमिकों के कल्याण से जुड़े विधेयक, नई बिजली वितरण कंपनी के गठन, लंबित धनराशि जारी करने और विभागीय प्रदर्शन की समीक्षा जैसे मुद्दों पर भी चर्चा होने की उम्मीद है। सूत्रों का कहना है कि पार्टी कार्यकर्ताओं के दबाव और अदालत के निर्देशों के बाद सरकार स्थानीय निकाय चुनावों के लिए पुराने कोटा सिस्टम के तहत प्रक्रिया शुरू करने के लिए तैयार दिख रही है।

टीटीडी ईओ ने एसवीबीसी की समीक्षा की

तिरुमाला, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के कार्यकारी अधिकारी अनिल कुमार सिंघल ने बुधवार को टीटीडी प्रशासनिक भवन स्थित अपने कक्ष में अधिकारियों के साथ श्री वेंकटेश्वर भक्ति चैनल (एसवीबीसी) के कामकाज की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि दुनिया भर के भक्तों के लिए पारदर्शिता, दक्षता और उच्च-गुणवत्ता वाले प्रसारण सुनिश्चित करने हेतु एसवीबीसी के संचालन को सुदृढ़ करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

ईओ ने अधिकारियों को मानव संसाधन, वित्त, उत्पादन, आपूर्ति और इन्वेंट्री जैसे विभागों को एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म के अंतर्गत एकीकृत करने के लिए एक एंटरप्राइज़ रिसोर्स प्लानिंग (ईआरपी) प्रणाली शुरू करने का निर्देश दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी आंतरिक अनुमोदन और दैनिक कार्य, जो वर्तमान में भौतिक फाइलों के माध्यम से किए जाते हैं, डिजिटल शासन को बढ़ाने और रिकॉर्ड प्रबंधन को सुव्यवस्थित करने के लिए ई-ऑफिस प्रणाली में स्थानांतरित किए जाने चाहिए। ईओ ने एसवीबीसी के वित्तीय मामलों की देखरेख के लिए सरकार या किसी स्वायत्त संगठन से एक समर्पित लेखा अधिकारी की नियुक्ति का भी सुझाव दिया।

श्रीशैलम राजमार्ग पर ट्रांसजेंडरों का अशोभनीय व्यवहार, पुलिस ने दी चेतावनी

हैदराबाद, 12 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। श्रीशैलम राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुछ ट्रांसजेंडर व्यक्तियों का अनियंत्रित और अशोभनीय व्यवहार एक नियमित समस्या बन गया है। कई वाहन चालकों ने शिकायत की है कि प्रतिदिन शाम 6 बजे से आधी रात तक कुछ ट्रांसजेंडर व्यक्ति सड़क किनारे खड़े होकर अनुचित हरकतें करते हैं, जिससे मार्ग से गुजरने वाले परिवारों को असुविधा और शर्मिंदगी का सामना करना पड़ता है। शिकायत मिलने पर पहाड़ीशरीफ पुलिस ने मंगलवार रात मौके पर पहुंचकर कुछ व्यक्तियों को हिरासत में लिया। पुलिस अधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि भविष्य में राजमार्ग पर ऐसा आचरण दोहराया गया, तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा।

नवा लिमिटेड ने स्वास्थ्य केंद्र में लगाया पेयजल संयंत्र

सीएसआर पहल के तहत मरीजों को मिलेगी साफ पानी की सुविधा

कोत्तागुडेम, 12 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। पलोंचा स्थित नव भारत एनर्जी इंडिया लिमिटेड ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) पहल के तहत शेखराम बंजार के सरकारी शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 100 लीटर प्रति घंटे की क्षमता वाला सुरक्षित पेयजल संयंत्र और एक सबमर्सिबल मोटर स्थापित की है।

जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तुकाराम राठौड़ ने बुधवार को एक कार्यक्रम में इस सुविधा का उद्घाटन किया। उन्होंने नवा समूह की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि सरकारी अस्पतालों में इस तरह की जनसेवा दुर्लभ है और अन्य जिलों में भी ऐसी पहल देखने को नहीं मिलती। स्वास्थ्य केंद्र की चिकित्सा अधिकारी डॉ. कृष्णा कुमारी ने बताया कि पिछले एक साल से अस्पताल में पानी की सुविधा नहीं होने के कारण मरीजों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। जब यह जानकारी नवा लिमिटेड के प्रबंधन तक पहुंची तो कंपनी ने तुरंत मरीजों की सुविधा के लिए पेयजल संयंत्र स्थापित किया।

कंपनी के महाप्रबंधक (सीएसआर) एमजीएम प्रसाद ने बताया कि नवा लिमिटेड ने पहले भी पलोंचा सरकारी अस्पताल और रामावरम मातृ एवं शिशु चिकित्सा केंद्र में ऑक्सीजन प्लाइंट स्थापित किए हैं। इस वर्ष पलोंचा सरकारी अस्पताल में मरीजों के लिए एक नया प्रतीक्षालय भी बनाया जा रहा है। कार्यक्रम में कंपनी के डीजीएम (एचआर) श्रीनिवास रेड्डी, शेखराम बंजार और गांधीनगर गांवों के बुजुर्गों सहित मेडिकल स्टाफ और सीएसआर टीम के सदस्य मौजूद रहे।

बोवेनपल्ली में घरेलू विवाद के दौरान चाकूबाजी

हैदराबाद, 12 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को बोवेनपल्ली इलाके में एक दम्पति के बीच हुआ घरेलू झगड़ा हिंसक रूप ले गया, जिसमें एक व्यक्ति पर चाकू से हमला किया गया। पुलिस के अनुसार, झगड़े के दौरान पत्नी के रिश्तेदारों ने सैयद जुनैद नाम के युवक पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को तुरंत स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है और उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही बोवेनपल्ली पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर लिया। पुलिस ने इसे हत्या के प्रयास का मामला मानते हुए जांच शुरू कर दी है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.